नया शिक्षादर्पण।

देशवाली पाठकगणोंके हितार्थ।

हिन्दी और अंगरेजी।

रामप्रताप भुंवालकेने बनाकर

प्रथम और द्वितीय भाग।

प्रकाश किया है।

NAYA SHIKSHA DARPAN.

ENGLISH AND HINDEE.

IN TWO PARTS

BY

RAMPARTAP BHONWALKA

FOR

THE USE OF NATIVE STUDENTS.

CALCUTTA

1881

PRINTED BY C. L. MISRA AT THE
BHARATA MITRA PRESS No. 60, *Cross Street*.

ALL RIGHTS RESERVED.

भारतमित्र ।

इश्तिहार ।   इश्तिहार !!   इश्तिहार !!!

सब लोगोंको मालूम हो कि राजधानी कलकत्ते में अखबार "भारतमित्र" नागरी हरफों में हर बृहस्पतिवार को छपकर निकलता है, यह अखबार उम्दा कागज़ चार फरमा रौयल में छपता है। इसमें, हर तरह को खबरें बहुत जल्द मिलती हैं, और दाम इसका दोही पैसा यानि दो आने महीना, इस हिसाब से कुल डेढ़ रुपया सालियाना पेशगी रक्खा गया है (डाक महसूल छोड़ कर)। और ज़रूरी खबर आने से इसके सिवा अलहदा परचा भी छपकर बगैर दाम के खरीदारों को भेजा जाता है। और खूबी यह है कि इसके मालिकों को इसके नफे से कुछ दरकार नहीं है, इसका खर्च बाद देके जो कुछ बचता है वह अच्छे कामों में लगा दिया जाता है, इसलिये, इसके खरीदारों को दोहरा नफा है एक तो अखबार पढ़ने में आवे दूसरे पैसा अच्छे कामों में लगे। इस अखबार के बारे में अंग्रेजी और देसी मशहूर अखबारों ने जो जो तारीफें की हैं वह इस छोटे से कागज़ में लिखी नहीं जासकतीं। इस अखबार के पढ़ने से इसका हाल मालूम हो जायगा।

अखबार का सालियाना दाम।

कलकत्ते में १॥, दूसरे शहरों में मै डाक महसूल २/, पेशगी।

डाक महसूल की किफायत के वास्ते एक बात और यह है कि १ ही टिकट में २ कागज़ एक साथ जा सकते हैं। इसवास्ते २ कागज़ एक साथ मंगाने से डाक महसूल कुल १॥/, एक रुपया दस आना लगेगा, पेशगी दामआने से कागज़ भेजा जायगा। जिनको नमूने की तौर पर यह कागज़ मंगाना होय वह हमें लिखें और आध आने का टिकट महसूल का चिट्ठी के साथ भेज दें।

भारतमित्र औफिस।

९० नं० क्रौस ष्ट्रीट बड़ाबाजार। कलकत्ता

मैनेजर भारतमित्र।

देशवाली पाठकगणोंके हितार्थ ।

हिन्दी और अंगरेजी ।

रामप्रताप भुंवालकेने बनाकर ।

प्रथम और द्वितीय भाग ।

प्रकाश किया है ।

NAYA SHIKSHA DARPAN.

ENGLISH AND HINDEE.

IN TWO PARTS

BY

RAMPARTAP BHONWALKA

FOR

THE USE OF NATIVE STUDENTS.

CALCUTTA:

1881

PRINTED BY C. L. MISARA AT THE

BHARATA MITRA PRESS No. 60, *Cross Street.*

ALL RIGHTS RESERVED.

पहिले से अबकी दफे यह किताब सवाई बड़ी बनी है और खर्च भो सवाया बैठा है लेकिन दाम इसका ज्यों का त्यों ही रक्खा है।

इस किताबके छपवानेका हक़ ग्रंथकर्त्ताही का है दूसरे किसीका नहीं है। बमूजिब एक्ट २०वां सन १८४७ और एक्ट २५वां सन १८६७ के इसकी रैजिस्टरी कराई गई है,।

रैग्रायर यारोंको इस किताबकी दरकार होवे तो मिहरबानी ना नाम पता ठिकाना चौकस लिखें और किताबकी कीमत महसूल समेत १॥≠॥ चौठीके साथ इस पते से भेज।

रामप्रताप भूंवालका,
अफीम चौरस्ता
बड़ाबाजार
कलकत्ता।

Bhonwalka
pium Chorasta
Barra Bazar
Calcutta

ही।

प्रस्तावना।

यही बात सदासे चली आती है कि "यथा राजा तथाप्रजा" मुसलमानोंके पहिले इस देशमें संस्कृत विद्याकी आदरथी, जब मुसलमानोंका राज्यहुआ तब फारसी की कदर बढ़ी थी, जो फारसी नहीं जानते उनकी कुछ गिन्तीही न थी, वैसही अब अंगरेजी राज्य में अंगरेजीका आदर बढ़ा है, क्या अदालत, क्या व्यापार, स्कूल, क्या हाट बाजार, कहींभी अंगरेजी बिना कुछ कामही नहीं चलता, सच है! जब जिस भाषाका राजा आदर करता है वही सबको पियारी लगती है और उसी भाषामें सब कारबार चलाने लगजाते हैं, लेकिन कुछ भी हो! अंगरेजी फारसी इत्यादि भाषाओंके शब्दोंको देखने और विचारने से निश्चय हुआ कि सब भाषाओं की जड़ संस्कृत भाषाही है और अच्छे अच्छे विद्वान अंगरेजोंने भी इसको कबूल किया है और लिखाभी है कि

"Sanskrit Language is the mother of all Languges"

"अर्थात् संस्कृत भाषा सब भाषाओंकी मा है"

यह प्रसिद्ध है कि अंगरेज लोग आजकाल बड़े उद्योगी और प्रतापी हैं परन्तु उनकेबाद इनगुणोंके पूरे मारवाड़ी चूरूवालेही हैं जैसे ये उद्योगी परिश्रमी, हिसाबकिताबके पक्के और व्यापारका पड़ता फैलाने वाले हैं अगर इन में भेड़िया धसान नहीं होता और विद्याभी अंगरेजोंकी समान होती तो बेधड़क कह सकते कि सब जातियोंसे श्रेष्ठ यही होते, परन्तु यही दो प्रधान बातकी इनमें कमी है, इससे जहां तहां इनका काम अटक जाया करता है सहजसीबातों में एक अंगरेजी जाननेवाला काम निकाल लाता है, और जो नहीं जानते हैं खड़े मुंह ताकते र जाते हैं, ऐसा कौन होगा कि जिसको इस बातका मनमें दुःख न आ परन्तु ये लोग रातदिन निन्नावेंके फेर और अपने व्यापारके कामों ऐसे उलझ रहते हैं और इनको ऐसी फुरसत कहां कि अपने बालकों को हुनर सिखलाया करें इसलिये जरा जरा कामोंके लिये इनको अंगरेजी जाननेवालोंकी खुशामद करनी पड़ती है और कैसी भी सा

को गुमस्ते... हो लाचार होकर दूसरोंसे पढ़ानी पड़ती है इनकी यह तकलीफ दूर करनेके लिये यह किताब बनाई है कुछ रोजगारके लिये नहीं इस किताबके बनाने में जो कुछ मिहनत हुई और खर्च पड़ा है मैं हीं जनाताहूं लिखना फजूल है, सिर्फ स्वदेशी लोगोंके हितार्थ बनाई है।

पहिले भाग में अक्षराभ्यास, नसीहत, चीठी, दस्तावेज हिसाब, वगैरहके नमूने बालकोंको शरुसे सिखलानेवास्ते हिन्दी में लिखे हैं, और दूसरे भागमें अंगरेजी नाम गाम वगैरह लिखनेका रास्ता इस किताब में ऐसा लिख दिया है कि बुद्धिवान खुद अभ्यास करनेसेभी सीख सकता है और कितनेक शहरोंके नामभी जो इसमें तीन तरहसे लिखे हैं सो कुछ इल्म की तरक्कीकेवास्ते नहीं लिखे हैं, केवल बैपारियोंका सुबीता और गवनमेण्ट का फाएदा समझके लिखे हैं अर्थात् प्रथमतो जहां जहां बैपारका काम जियादह है वह शहर लिखे हैं कि जिससे थोड़ी अंगरेजी जाननेवालाभी उनको देखकरके चीठीपर उसके अनुसार लिख सकेगा. दूसरे एक शहरके नामसे दूसरे शहरोंके नाम मिलते हुए हैं, जिसके सबबसे चीठी पारसल वगैरह अकसर गोलमाल हुआ करती है वह सब जिलोंके साथ लिखे हैं उस मूजब लिखनेसे चीठी ठीक जहां भेजोगे वहांहीं पहुंचेगी तीसरे, भिन्न भाषाके अर्थात्, मारवाड़ी, बिकानेरिया, फतहपुरिया, अम्रतसरी, लाहोरी; मुलतानी, शिकारपुरी मुरशदाबादी, सिंधी, जैसलमेरिया, दिल्लीवाल, मालवी, इत्यादि, हरफों में सरनामा लिखने से कुछका कुछ पढ़ाभी जाता है, वह शहरभी नमूने दाखिल थोड़ से लिखे हैं फिर छोटे छोटे फिकरे तथा हर एक तरहके ...ार सम्बन्धी समाचारोंका नमूनाभी लिखा है और इसके आगे डिक्श...री वाक्यावली और अंगरेजी चीठी बिल इकरारनामें इत्यादि हैं।

अब हमारी पाठकों से यह अर्ज है कि इस में जो कुछ भूलचूक ...खें तो उसको कृपा करके सुधारें, क्योंकि जितनी मिहनत किताब ...नानेवालेको होती है उतनी निकालनेवालेको नहीं होती है इति।

रामप्रताप भुंवालका

...ा० ८वीं अप्रैल सन १८८१ बाशिंदा फतेपुर इलाके राजसवाई जैपुर

सूचीपत्र—प्रथमभाग केवल हिन्दी।

वर्णमाला	१	मारवाड़ी भाषा की चिठियें	
मुड़ाक्षर बङ्गला समेत	२	,, सर्राफी काम संबंधी	
पाठ १से ८ पञ्चांक ३से	५	,, कपड़े सम्बन्धी	१०५
एकसे सौतक गिनती	६	,, रुई संबन्धी	१०८
संस्कृत पाठ	७	,, अफयून संबन्धी	१११
सिद्धोवर्णसटीक	८	हर एक रकम की चीठियें	११३
व्याकरण	११	दलील दस्तावेज	
अकलसीखनेकी १७५ बातें	१७	हुण्डी, पैठ, परपैठ, जिकरी	१२१
वक्तका नुकसान	४८	जिकरीकी रसीद	१२४
अच्छी सलाह	५०	फिरती हुण्डी की रसीद	१२४
दुनियां सराय	५०	खाता चुकती चीठी	१२५
कीमीयांगिरी	५१	चालान चीठी	१२५
मक्कुरकी दवा	५४	आढ़त चीठी	१२५
साहूकार और अकलमन्द	५५	सिफारिश चीठी	१२५
आदमी का नाम रखना	५७	रसीद चीठी	१२६
राजाभोज	५७	मियादी सिफारिश चीठी	१२६
कालिदास का वर्णन	५८	भरती सिफारिश चीठी	१२६
पण्डित जगन्नाथ रायभट्ट	६३	तेजी की चीठी	१२७
माघ पण्डित	६६	मंदी की चीठी	१२७
महावीर स्वामी	६८	जोखिम चीठी	१२७
जयदेवस्वामी	७०	शराकतनामा	१२८
भास्कराचार्य	७२	वारिसनामा	१२८
फतेपुरशेखावाटी का इतिहास	७३	फारगखती	१२९
कलमबनाने की रीति	८१	मुचलका	१२९
चीठी लिखने की रीतियां	८२	मालजामनी	१३०
लफाफा लिखनेकी रीतियां	८३	हाजिर जामनी	१३०
चीठी पढ़ने की रीतियां	८६	फैलजामनी	१३१

गिरवी नामा	१२१	मोतियों का हिसाब	१४१
वकालत नामा	१२१	बाजारमण हण्डरका वजन	१४२
आममुखतयार नामा	१२२	फुटका नाप	१४३
सुपुर्दनामा	१२२	सिक्का कम्पनी रुपया	१४३
किरायानामा	१२३	योरपविलायत उपरकी हण्डीयों-का हिसाब	१४४
बेबानखत	१२३	डालर का हिसाब	१४४
तकसीम नामा	१२४	चीन का तोल	१४४
इतलानामा	१२४	अंगरेजी पञ्चाङ्ग ९५ बरस का	१४५
दानपत्र	१२४	अंगरेजी हिन्दी और मुसलमानी बरसों का मिलान	१४६
पञ्चमुखतयारनामा	१२५	माप्यतोप	१४७
करज खत	१२५	मनुष्यों की संख्या और जमीन का विस्तार	१५१
राजीनामा	१२६		
अरजी लिखनेकी रीति	१२६		
हिसाब करने की रीति	१२९		
हण्डामणका फलाव	१४१		

सूचीपत्र अंगरेजी और हिन्दी—दूसरे भागकी।

हिन्दी अंगरेजीवर्णमाला	१	,, कचहरीका	६३
स्वर, बाराखरीशिक्षा	२	,, घरसम्बन्धीतार	६४
शहरोंकेनाम	९	हिकमतेरी	६५
शहरोंके नाम मिलते हुए	२३	वाक्यावली	६५
शहरोंके नाम जो एक बालिका दूसरा और पढ़ सके	३१	,, स्वर्गसम्बन्धी	११३
एक से लगाय १३ तक पाठ		,, आसमान का	११३
तारसंबंधी समाचार	५७	,, दिशाओं कानाम	११४
,, अफयून का	५७	,, मौसिम	११४
,, सराफी कारबारका	५९	,, आग सम्बन्धी	११५
,, कपड़ेका	६०	,, जमीन सम्बन्धी	११५
,, गल्ले का	६१	,, कुटम्बिता	११६
,, रूईका	६२	,, शरीरसम्बन्धी	११७
		,, दुखी	११९

,,	रंगोंके नाम	११९
,,	बीमारियोंके नाम	११९
,,	दुलाजोंके नाम	१२०
,,	चौपगोंके नाम	२०
,,	परन्दोंके नाम	१२१
,,	मक्खियोंके नाम	१२२
,,	किड़ोंके नाम	१२२
,,	धातुवोंके नाम	१२३
,,	जवाहरातके नाम	१२३
,,	पनसारठकोचीजे	१२४
,,	खेलोंके नाम	१२५
,,	बाजोंके नाम	१२५
,,	फलोंके नाम	१२५
,,	अन्नकेनाम	१२६
,,	कपड़ेकेनाम	१२७
,,	पोशाकोंके नाम	१२७
,,	गहनोंके नाम	१२८
,,	खुराक सम्बन्धी	१२८
,,	पेशेदोंके नाम	१२९
,,	मनुष्यभेद	१३०
,,	स्वाभाविकप्रकृती	१३१
,,	इमारतसम्बन्धी	१३१
,,	घरके असबाबका नाम	१३२
,,	विवाह सम्बन्धी	१३३
,,	लिखनेका सामान	१३३
,,	पाठशालासम्बन्धी	१३४
,,	औजारोंके नाम	१३४
,,	रेलवे सम्बन्धी	१३४
,,	कचहरी सम्बन्धी	१३५
,,	सिक्कोंकेनाम	१३७
,,	लशकर सम्बन्धी	१२७
,,	हथियारोंके नाम	१३७
,,	[illegible] संबन्धी	१३८
,,	महिनोंके नाम	१३९
,,	हफतेके दिन	१३९
,,	गिनती	१३९
	अंगरेजीका व्याकरण	१४१
	चीठी वगैरह दलील दस्तावेज	१५३
	किरायदारकी तरफसे	१५७
	आढ़तियेको	१५८
	शिफारसिची	१५८
	हुंडोलहनी भेजनेबाबत	१५८
	रेलवे कम्पनीको दरखास	१५९
,,	मालनहीपहुंचनेजिस बाबत	१६०
,,	गाड़ियोंकेवास्ते दरखास	१६०
,,	जियादामहसूलबाबत	१६०
,,	बाकीमाल बाबत	१६१
,,	रसीदखोजानेबाबत	१६१
	टेलीग्रामफमास्टरकोघरजी	१६२
,,	तारनहींपहुंचेजिसकी	१६२
,,	तारकीनकलकोटोको	१६२
	मनसीपालकमीटीको	१६२
	टकसालवगैरहदेखनेकेबाबत	१६३
	पोष्टमाष्टरको चीठीपारसल वगैरहनहीं पहुंचे जिसबाबत	१६३

अफीमकीडिपौजिटका	१६४	,,	हथियारके पासबाबत	१७३
बङ्गालबंकमेंक॰दाखिलेका	१६४	,,	छुट्टीके लिये	१७३
नोटिसकेईतरहका	१६५	,,	नोकरीबाबत	१७३
प्रोमसरीनोट	१६८	,,	हाकिमका	१७४
हैण्डनोट	१६८	,,	पढानेबाबत	१७४
हुण्डी	१६८	,,	मुहताजकी अरजी	१७५
कन्टराकट	१६०	मुलाकिएतकेसाथहुकाम		१७५
विलौकेनकथे	१७०	मुलाकिएतकेसाथअरज		१७५
जाहिरखबर	१७१	पदवी		१७६
अरजियां	१७२			

नचोरहार्यं नचराजहार्यं नभ्रातृभाज्यं नचभारकारि
व्ययेकृतेवर्धतएवनित्यं विद्याधनंसर्वधनप्रधानम् ॥ १७॥

न देवेदेवत्वं कपटपटवस्तापस जना
जनोमिथ्यावादी विरलतनुवृष्टिर्जलधर:
प्रसङ्गोनीचानां मवनिपतयो दुष्टमनसो
जनाभ्रष्टानष्टा अहह कलिकाल: प्रभवति ॥ १ ॥

चतुरनके चाकर कामिलेहमरसहुके, भावहुके भूखे भिखारी हैंसनमानके गुनीजनके ग्राहक सपूतोंके मित्र सुन्दरके दिखईया रिझैईयाखंर-तानके, सुघरनकेसेवक और चरणगहैसाधुनके प्रीतिकरैं उनसें जोवड़े कुलकानके, एतेपरभरोसा मदन राखे उस रामहूका और नहीं काम जीते लोग हैं जहानके ॥ १ ॥

नया शिक्षादर्पण

BENGAL LIBRARY
13 JUL. 19
WRITERS BUILDINGS

श्रीगुरु गौरी नंदको नमन करूं करजोर।
विद्या बुद्धि वरदीजिये लंबोदर गणमीर॥

स्वरवर्ण।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
অ	আ	ই	ঈ	উ	ঊ
ऋ	ॠ	ऌ	ए	ऐ	ओ
ঋ	ৠ	ঌ	এ	ঐ	ও
औ	ं	ः			
ঔ	ং	ঃ			

व्यञ्जनवर्ण।

क	ख	ग	घ	ङ	।	च	छ	ज	झ	ञ
ক	খ	গ	ঘ	ঙ		চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
ट	ठ	ड	ढ	ण	।	त	थ	द	ध	न
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ		ত	থ	দ	ধ	ন
प	फ	ब	भ	म	।	य	र	ल	व	श ष
প	ফ	ব	ভ	ম		য	র	ল	ব	শ ষ
स	ह	क्ष	१	२	३	४	५	६	७	८ ९
স	হ	ক্ষ	১	২	৩	৪	[illegible]	৬	৭	৮ ৯

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः।

ক কা কি কী কু কূ কে কৈ কো কৌ কং কঃ।

कृ गृ तृ दृ धृ पृ भृ वृ शृ सृ हृ।

কৃ গৃ তৃ দৃ ধৃ পৃ ভৃ বৃ শৃ সৃ হৃ।

क्य ख्य ग्य घ्य च्य ज्य ट्य ड्य ढ्य ण्य त्य द्य

ক্য খ্য গ্য ঘ্য চ্য জ্য ট্য ড্য ঢ্য ণ্য ত্য দ্য

ध्य न्य प्य भ्य म्य य्य ल्य व्य श्य ष्य स्य ह्य क्ष्य

ধ্য ন্য প্য ভ্য ম্য য্য ল্য ব্য শ্য ষ্য স্য হ্য ক্ষ্য

क्र ग्र घ्र ज्र त्र द्र प्र भ्र म्र व्र श्र स्र ह्र।

ক্র গ্র ঘ্র জ্র ত্র দ্র প্র ভ্র ম্র ব্র শ্র স্র হ্র।

क्ल ग्ल प्ल म्ल श्ल ह्ल।

ক্ল গ্ল প্ল ম্ল শ্ল হ্ল

क्व थ्व त्व द्व ध्व न्व म्व ल्व श्व ष्व स्व ह्व।

ক্ব থ্ব ত্ব দ্ব ধ্ব ন্ব ম্ব ল্ব শ্ব ষ্ব স্ব হ্ব

क्न ग्न घ्न त्न प्न म्न श्न ष्ण स्न [illegible]।

ক্ন গ্ন ঘ্ন ত্ন প্ন ম্ন শ্ন ষ্ণ স্ন হ্ন

क्म ग्म त्म द्म ध्म न्म श्म ष्म स्म ह्म

ক্ম গ্ম ত্ম দ্ম ধ্ম ন্ম শ্ম ষ্ম স্ম হ্ম

र्क र्ख र्ग र्घ र्च र्छ र्ज र्ट र्थ र्य र्व र्श

র্ক র্খ র্গ র্ঘ র্চ র্ছ র্জ র্ট র্থ র্য র্ব র্শ

ङ्क ङ्ग ञ्च ञ्ज ण्ट ण्ठ ण्ड ण्ढ ण्ण न्त न्द न्ध न्न

ঙ্ক ঙ্গ ঞ্চ ঞ্জ ণ্ট ণ্ঠ ণ্ড ণ্ঢ ণ্ণ ন্ত ন্দ ন্ধ ন্ন

म्प म्ब म्भ [illegible] स्क श्च श्छ ष्ट ष्ठ स्त स्थ ष्प स्प

ম্প ম্ব ম্ভ ষ্ক স্ক শ্চ শ্ছ ষ্ট ষ্ঠ স্ত স্থ ষ্প স্প

पाठ पहिला

माता	মাতা	मौसी	মৌসী	छोरा	ছোরা
पिता	পিতা	खाला	থালা	छोरी	ছোরী
दादा	দাদা	बेटा	বেটা	जीजा	জীজা
दादी	দাদী	बेटी	বেটী	जीजी	জীজী
बाबा	বাবা	फुफी	ফুফী	बापु	বাপু
भाई	ভাই	भाभी	ভাভী	जोरू	জোরূ
नाना	নানা	ताई	তাই	दाई	দাই
नानी	নানী	चचा	চচা	सास	সাস
मामा	মামা	चची	চচী	साला	সালা
मामी	মামী	गुरु	গুরু	साली	সালী

पाठ दुसरा

आइये	আইয়ে	काहेको	কাহেকো	कहदो	কহদো
बैठिये	বৈঠিয়ে	किसको	কিসকো	देभालो	দেভালো
लीजिये	লীজিয়ে	आपने	আপনে	भाईजी	ভাইজী
देखिये	দেখিয়ে	आपसे	আপসে	आयाहूं	আয়াহুঁ
सुनिये	সুনিয়ে	किधर	কিধর	कहता	কহতা
कहाहै	কহাহৈ	कहांसे	কহাঁসে	सुनोतो	সুনোতো
सुनोजी	সুনোজী	चाहिये	চাহিয়ে	नहींजी	নহীঁজী
कहिये	কহিয়ে	सचहै	সচহৈ	लेचुका	লেচুকা
मुझको	মুঝকো	कुछहै	কুছহৈ	होनेदो	হোনেদো
आपको	আপকো	मेरेको	মেরেকো	जानेदो	জানেদো

पाठ तीसरा।

सचबोलो	विद्यासीखो	हेपियारे	भाईजीश्री	चीठीलिखो
पुरातोलो	यादरखो	हेपियारी	सेठजीश्री	हुंडीलिखो
मीठाबोलो	भुलोमत	क्योंसाहिब	शाहजीश्री	आंकमांड़ो
मुंहधोओ	बकोमत	क्याभेदहै	चिरंजीव	अंकलिखो
हाथधोओ	मतखेलो	दूररहो	लालाजीश्री	माआदेओ
रोटीखाओ	सोओमत	छुओमत	यथायोग्य	लीकखेंचो
पानीपीओ	लड़ोमत	देखोमत	लायकश्री	साफकरो

पाठ चौथा।

खुदासेडरो	सुनोसाहिब	मिहरवान	केलामिठाहै
मौतसेलड़ो	क्याचाहतेहो	कदरदान	नीबूखट्टाहै
सफाईरक्खो	बाहरआओ	पियारेदोस्त	आहिस्ताबोलो
अदबरक्खो	अभीदेरहै	हांमहाराज	सुनोतोसही
होशियाररहो	भारीकामहै	बड़ाजोरहै	क्याकहतेहो
जलदीकरो	क्योंचिड़ाताहै	भारीतेजहै	मैंगरीबहूं
बहुतखूब	क्योंबकताहै	बड़ासुखहै	देखोसोबोलो

पाठ पांचवां

महनतकरो	मनमेंसोचलो	शरमाओमत
झूठमतबोलो	बिचारकेबोलो	खुलकरबोलो
चोरीमतकरो	बन्दोबस्तकरो	मेरेपासबैठो
हिंसामतकरो	ढीलेमतरहो	यहक्याबातहै
गुलमतकरो	कुछडरनहीं	कहोसोकरूंगा
गालीमतदेओ	बड़ाअन्धेरहै	तुम्हारीभूलहै

पाठ छठ्ठा

जैगोपालसाहिब	उससेक्याकामहै	मुलाक़ातकेलिये
आपकानामक्याहै?	आपहीफरमावें	मिलनामुश्किलहै
मेरानाममोतीहै	अबक्यादेखतेहो?	औरक्याकहतेहो?
कहांसेआनाहुआ?	ज़रासब्रकरो	बातेंमतबनाओ
आपक्यापूछतेहैं?	किधरख़यालहै	वहबड़ाबेईमानहै
मआफकीजियेगा	ज़राहोशसम्भालो	मेरसेमतबोलो
हुजूरक्याचाहतेहैं?	घबराओमत	अपनाकामकरो
आपकोमिहरबानी	विचारकेबोलो	यहकिसकामकाहै?
मैंआपसेलाचारहूं	अबसीखदिराओ	यहकिसकाघरहै।
कहियेक्याहालहै?	जोहोनाथासोहुआ	आपक्योंपूछतेहो
सानकदस्तूरहै	भगवतकीमायाहै	कुछमतलबहै
क्यावहांचलियेगा?	यहांकुछघाटानहीं	ज़राहमभीसुनें

पाठ सातवां

ठंढकेवक्तचलेंगे	वहलड़काअच्छाहै	वहकबआवेगा
वहांक्यातमाशाहै?	दहनेतरफचलो	कबकाइरादाहै?
मुझेमालूमनहीं	[illegible]तहै	अबजलहाथहै
आपकाभरोसाहै	क्याअच्छीचीज़है	कौनजानेक्याहोगा
क्याकुछखायेगा?	उसकोसमझाओ	मतलबसेकामहै
आपहीकाखाताहूं	वहबेवकूफहै	ऐसाक्योंपुकारता?
खानेमेंक्याशरम	उसकोकहोमत	होशियारीसेबोलो
आपहीकेवास्ते है	कुछभीमतबोलो	बेमौकेमतबोलो
कुछजरूरनहीं	कुछहालतोकहो	वहबेपरवाहहै
आसमाननीलाहै	तानामारनाबुराहै	वहजंगीमरहै
चन्द्रमासफेदहै	बातकरामातहै	तुमकमजोरहो
ताराचमकताहै	क्योंबातबनाताहै	वहसूरबीरहै

एकसे लगाय एकसौतक गिनती

१ एक	२६ छब्बीस	५१ इक्यावन	७६ छिहत्तर
२ दो	२७ सत्ताइस	५२ बावन	७७ सतहत्तर
३ तीन	२८ अठाईस	५३ तिरपन	७८ अठहत्तर
४ चार	२९ उनतीस	५४ चौवन	७९ उन्नासी
५ पांच	३० तीस	५५ पचपन	८० अस्सी
६ छः	३१ इकतीस	५६ छप्पन	८१ इक्यासी
७ सात	३२ बत्तीस	५७ सत्तावन	८२ बियासी
८ आठ	३३ तेतीस	५८ अठावन	८३ तिरासी
९ नौ	३४ चौतीस	५९ उनसठ	८४ चौरासी
१० दस	३५ पैंतीस	६० साठ	८५ पचासी
११ ग्यारह	३६ छत्तीस	६१ इकसठ	८६ छियासी
१२ बारह	३७ सैंतीस	६२ बासठ	८७ सत्तासी
१३ तेरह	३८ अड़तीस	६३ तिरसठ	८८ अट्ठासी
१४ चौदह	३९ उंचालीस	६४ चौंसठ	८९ नवासी
१५ पन्द्रह	४० चालीस	६५ पैंसठ	९० नव्वे
१६ सोलह	४१ इकतालीस	६६ छियासठ	९१ इक्यानवे
१७ सतरह	४२ ब्यालीस	६७ सड़सठ	९२ बानवे
१८ अठारह	४३ तैंतालीस	६८ अड़सठ	९३ तिरानवे
१९ उन्नीस	४४ चौवालीस	६९ उनहत्तर	९४ चौरानवे
२० बीस	४५ पैंतालीस	७० सत्तर	९५ पचानवे
२१ इक्कीस	४६ छियालीस	७१ इकहत्तर	९६ छियानवे
२२ बाईस	४७ सैंतालीस	७२ बहत्तर	९७ सत्तानवे
२३ तेईस	४८ अड़तालीस	७३ तिहत्तर	९८ अट्ठानवे
२४ चौबीस	४९ उंचास	७४ चौहत्तर	९९ निन्नानवे
२५ पचीस	५० पचास	७५ पचहत्तर	१०० सौ

संस्कृत पाठ।

सदा प्रियं ब्रूयात्। प्रियवादी सर्व्वस्य प्रियोभवति। विद्या हि परमं धनम्। यस्य विद्या धनमस्ति स सदा सुखेन कालं नयति। श्रमेण यत्नेन च विना विद्या न भवति तस्मात् विद्यालाभाय श्रमो यत्नश्च विधेयः। विद्या विना वृथा जीवनम्। आलस्यं सर्वेषां दोषाणामाकरः। अलसा विद्यामुपार्ज्जयितुं न शक्नुवन्ति धनं न लभन्ते। अलसानां चिरमेव दुःखम् तस्मादालस्यं परित्यजेत्। मातापितरौ पुत्रार्थं बहून् क्लेशान् सहेते तस्मात् तयोर्नित्यं प्रियं कुर्य्यात्। कायेन मनसा वाचा तयोर्हितं चिन्तयेत् तयोः सततं भक्तिमान् भवेत्। प्राणात्ययेऽपि तयोरव मानना न काय्यी तयोरनुमतिं विना न किञ्चित् कर्म्म कर्त्तव्यम्। अतिभोजनं रोगमूलम् आयुःक्षयकरम् तस्मादतिभोजनं परिहरेत् योऽस्मानध्यापयति सोऽस्माकं परमो गुरुः। सहि पितृवत् पूजनीयः। विद्यादाता जन्मदाता द्वावेव समानौ समं माननीयौ च। क्रोधं यत्नेन वर्जयेत्। क्रोधवशो परत्र भाषेत न प्रहरेत्। क्रोधो हि महान् शत्रुः। सर्व्वं परवशं दुःखम्। सर्वमात्मवशं सुखम्। एतदेव सुखदुःखयोर्लक्षणम्। परहिंसायां परापकारे न बुद्धिर्न काय्यी। तयोः समं पापं नास्ति। यथाशक्ति परेषामुपकारं कुर्य्यात्। परोपकारो हि परमो धर्म्मः। अहङ्कारं परिहरेत् नाहङ्कारात् परो रिपुः। सन्तुष्टस्य सदा सुखम्। य आत्मानः सुखमन्विच्छेत् स सन्तोषमवलम्बेत सन्तोषमूलं हि सुखम्।

व्याकरणको प्रथम सन्धि प्राय सर्वत्र राजपूतानमें बालकों को पढाते हैं परन्तु इसका अर्थभेद और शुद्धाशुद्ध पढाने और पढनेवाले दोनूंहीं विशेषकरके नहीं समझते, हैं इसलिये शुद्धकरके अर्थसमेत लिखोजातोहै और जो गुरुलोग अशुद्ध पढातेहैं वहभी बराबरमें लिखतेहैं

१ सिद्धोवर्णसमाम्नायः	१ सीधोवर्णा समामनाया
२ तत्र चतुर्दशादौ स्वराः	२ चतवचतदशादउ'समाद्धा
३ दशसमानाः	३ दशेसमाना
४ तेषां द्वौ द्वावन्योऽन्यस्यसवर्णौ	४ देखुं दुधो बर्णांनसीसवर्णी
५ पूर्वो ह्रस्वः	५ पूर्वो हंस्या
६ परो दीर्घः	६ पारोदीरघा
७ स्वरोऽवर्ण वर्जोनामी	७ सारोवर्णा बिनज्योनामी
८ एकारादीनिसंध्यक्षराणि	८ इकाराद्दोनी संदकराणी
९ कादीनि व्यंजनानि	९ कादेनहेतूबिणज्योनामी
१० ते वर्गाः पंचपंच:	१० तेवरगा पंच्योपंच्यो
११ वर्गाणां प्रथमद्वितीयौ	११ बरघाणोपरथाणोमोदतियो
१२ शषसाश्च घोषाः	१२ संखूचाश्चै चा,
१३ घोषवंतोऽन्ये	१३ घोखा घोखपीतोरणी
१४ अनुनासिकाः ङ ञणनमाः	१४ अन्यूनासीका, नीनानेरनमा
१५ अन्तस्था यरलवाः	१५ अंतासंताझारेलया
१६ ऊष्माणः शषसहाः	१६ हुकुमण सिंहकासाहा
१७ अः इति विसर्जनीयः	१७ आईतोभीसारजनोयो
१८ क, इति जिह्वामूलीयः	१८ काईतीजवामूलीयो
१९ प, इत्युपध्मानीयः	१९ पाईयोपदमानीयो
२० अं, इत्यनुस्वारः	२० आयो अंतनसुंवारो
२१ पूर्वपरयोरर्थोपलब्धौपदम्	२१ पूर्वोपलायोरथापालारेमैपदुं पद्दू
२२ अस्वरं व्यंजनम्	२२ बिणज्योनामी साख्पाक
२३ परं वर्णनयेत्	२३ बरणा अनेत्

२४ अनतिक्रमयंनविश्लेषयेत्	२४ नेतकालमत्या, विसलखजेतू
२५ लोकोपचाराद्ग्रहणसिद्धिः	२५ लखोविचाराद्दुर्घणसंधिया
इति संधौ सूत्रतः प्रथमस्वरण	येतीसेतीसुतरता प्रथिमीसंध

समाप्तः ।

टीका

१ सिद्धो वर्णः समाम्नायः । वर्ण समाम्नाय अर्थात् वर्ण समुदायः— अ आ, इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः । क ख ग घ ङ । च छ ज झ ञ । ट ठ ड ढ ण । त थ द ध न । प फ ब भ म । य र ल व । श ष स ह । इत्यादि स्वयं सिद्धहै अर्थात् साधित नहीं है ।

२ तत्र चतुर्दशादौ स्वराः तिस पूर्वोक्त वर्णोंके आदिमें चौदह वर्ण स्वरके नामसे पुकारे जाते हैं जैसे—अआ इई उऊ ऋॠ ऌॡ एऐ ओऔ ।

३ दशसमानाः दशवर्णोंको समान संज्ञाहै अआ इई उऊ ऋॠ ऌॡ ।

[illegible] तेषां द्वौ द्वावन्योऽन्यसवर्णौ । तिन समान संज्ञकवर्णों में यथा क्रम से दो दो वर्ण आपुसमें एकका एक सवर्ण कहके पुकाराजाताहै यथा— अ, का आ, इ, का ई, उ, का ऊ, ऋ, का ॠ, और ऌ, का ॡ ।

५ पूर्वो ह्रस्वः । प्रथम वर्णोंको ह्रस्व कहते है जैसे—अ इ उ ऋ ऌ ।

६ परो दीर्घः । पिछले वर्णोंको दीर्घ कहतेहैं जैसे—आ ई ऊ [illegible] ॡ

७ स्वरोऽवर्ण वर्जोनामी । अवर्ण छाड़के बाकीके स्वरों को नामी कहते हैं जैसे—इई उऊ ऋॠ ऌॡ एऐ ओ औ ।

८ एकारादीनिसंध्यक्षराणि । एसेलगा के जो वर्ण हैं उनको संध्यक्षर कहते हैं जैसे ए ऐ ओ औ ।

९ कादीनि व्यंजनानि । क से लगायके वर्णों को व्यंजन कहते हैं ।

१० ते वर्गाः पंचपंच । वही पांचवर्णमिलने से वर्ग कहलाताहै सोवर्ग पांचहैः- कवर्ग, कखगघङ । चवर्ग, चछजझञ । टवर्ग, टठडढण । तवर्ग, तथदधन, । पवर्ग, पफबभम ।

११ वर्गाणांप्रथमद्वितीयौ। वर्गोंके पहिले और दूसरे अक्षर कख, चछ, टठ, तथ, और पफ, इनको तथा।

१२ शषसाश्चाघोषाः। शषस इन तीन वर्णों को अघोष संज्ञाहै।

१३ घोषवन्तोऽन्ये। और वर्ण घोषवान् संज्ञक है।

१४ अनुनासिकाः ङञणनमाः ङञणनम इन पांचवर्णोंको अनुनासिक कहते हैं अर्थात् नासिका सहित मुखसे इनका उच्चारणहोताहै।

१५ अन्तस्था यरलवाः। यरलव वर्णोंको अन्तस्थ कहते है।

१६ ऊष्माणः शषसहाः। शषसह वर्णोंको ऊष्म कहतेहै।

१७ अः इति विसर्जनीयाः। अः अर्थात् दोनू विंदुको विसर्जनीय (विसर्ग) कहते है।

१८ ᳵक इति जिह्वामूलीयः। क को अर्थात् क वा ख के पर रहते पूर्वस्थित अर्द्धविसर्गाकार वर्णको जिह्वामूलीय कहते है।

१९ ᳶप इत्युपध्मानीयः। प वा फके पर रहते पूर्वोक्त अर्द्धविंदु चिह्नको उपध्मानीय विसर्ग कहते हैं।

२० अं इत्यनुस्वार। अं अर्थात् उपर विन्दुको अनुस्वार कहते हैं।

२१ पूर्वपरयोरर्थोपदम्। पूर्व तथा पर अर्थात् प्रकृति और प्रत्यय इन दोनूंका अर्थ जहां प्रतीत होय तिसे पद कहते है यथा रामः।

२२ अस्वरं व्यञ्जनम्। स्वररहित को व्यञ्जनसंज्ञाहै यथा-कखगघङ इत्यादिकको।

२३ परं वर्णंनयेत्। व्यञ्जनको परवर्ण अर्थात् अगले वर्ण में लेजाना चाहिये यथा मधव् अत्र मधुव।

२४ अनतिक्रमयन् विश्लेषयेत्। अतिक्रम नहीं करके संयोग करना उदाहरण पूर्वोक्त।

२५ लोकोपचाराद्ग्रहणसिद्धिः। शेषसंज्ञा ओंकी सिद्धि लोकरीत्या-समझनी।

इति संधौ सूत्रतः प्रथमचरणः समाप्तः-अथ संधि सूत्र क्रमसे प्रथम चरण समाप्त हुआ।

व्याकरण।

व्याकरण सीखे बिना बोलना या लिखना किसीभी भाषाका शुद्ध नहीं हो सकता है।

हीन्दीमें ४८ अक्षर हैं उनमें १६ स्वर और ३३ व्यंजन है।

१६ स्वर—अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः।

३३ व्यंजन—क ख ग घ ङ। च छ ज झ ञ। ट ठ ड ढ ण। त थ द ध न। प फ ब भ म। य र ल व। श ष स ह।

स्वरके तीन भेद हैं ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत

ह्रस्व स्वर (एकमात्रिक) अ, इ, उ ऋ, ऌ

दीर्घस्वर (द्विमात्रिक) आ, ई, ऊ, ॠ, ॡ, ए, ऐ, ओ, औ,

प्लुत (त्रिमात्रिक) गानेमें रोनेमें और पुकारके बुलानेमें शब्दका अंतस्वर टानके बोला जाता है।

व्यंजन अक्षरों के तीन विभाग हैं:—क से लगाय म तक पांच विभाग करके हैं उनको स्पर्श कहते हैं। य र ल व। को अन्तस्थ और शषसह। को ऊष्म कहते हैं।

अक्षरों के उच्चारण स्थान।

कण्ठ—अ, आ, ह, यह कण्ठसे बोलेजाते हैं।

जिह्वामूलीय—क, ख, ग, घ ङ, यह जीभके मूलसे बोले जाते हैं।

तालव्य—इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ, य, श यह तालु अर्थात् दांतो कुछ ऊपर जीभ लगानेसे बोले जाते हैं।

दंत्य—ऌ, त, थ, द, ध, न, ल, स यह दांतोंसे बोले जाते हैं।

ओष्ठ—उ, ऊ, प, फ, ब, भ, म, यह होठोंसे बोले जाते हैं।

अनुनासिक—ङ, ञ, ण, न, म, यह नासिकासे बोले जाते हैं।

कण्ठतालव्य—ए, ऐ, इनका उच्चारणस्थान कंठ और तालू है।

संधिप्रकरण।

संधि दो प्रकारकी हैं—स्वरसंधि और व्यंजन संधि।

अकारके अथवा आकारके आगे अकार अथवा आकार रहै तो दोनू मिलके आकार हो जाताहै—जैसे राम-अवतार रामावतार; शश-अंकः शशांकः; देव-आलयः देवालयः, कुश-आसनम् कुशासनम्। लता-अन्त लतांत, महा-आशयः महाशयः गदा-आघात गदाघातः विद्या-आलयः विद्यालयः।

ह्रस्व, इ किंवा दीर्घ, ई कारके आगे इ अथवा ई रहै तो दोनू मिलके दीर्घईकार हो जाती है—जैसे गिरि-इन्द्रः गिरीन्द्रः प्रति-इतिः प्रतीतिः कवी-ईश्वरः कवीश्वर मही-इन्द्रः महीन्द्रः महती-इच्छा महतीच्छा, लक्ष्मी-ईशः लक्ष्मीशः।

ह्रस्व उकार अथवा दीर्घ ऊकारके आगे उ किंवा ऊ रहै तो दोनू मिलके दीर्घ ऊकार हो जाता है—जैसे वि-धू-उदयः विधूदयः, मधु-उत्सवः मधूत्सवः स्वयम्भू-उदयः स्वयम्भूदयः।

अकार अथवा आकारके आगे इ अथवा ई रहै तो दोनू मिलके एकार हो जात है—जैसे देव-इन्द्रः देवेन्द्रः पूर्ण-इन्दुः पूर्णेन्दुः गन-ईशः गनेशः महा-इन्द्रः महेन्द्रः, रमा-ईशः रमेशः, महा-ईश्वरः महेश्वरः।

अकार अथवा आकारके आगे उ अथवा ऊ रहै तो दोनू मिलके ओकार हो जाता है—जैसे, नील-उतपलम् नीलोतपलम्, सूर्य-उदयः सूर्योदयः महा उदयः महोदयः; गंगा-उदकम् गंगोदकम्।

व्यंजनसन्धि।

च किंवा छ आगे रहै तो त और द को जगह च बनजाता है—जैसे महत-चक्रम् महच्चक्रम् एतद्-चन्द्रमण्डलम् एतच्चन्द्रमण्डलम्, एतद्-छाया एतच्छाया।

ज किंवा झ आगे रहै तो त और द को जगह ज बनता है जैसे—भवत-जीवनम् भवज्जीवनम् उत्-ज्वलः उज्ज्वलः तद्-जन्म तज्जन्म

स्वरवर्ण, वर्गका तीसरा अथवा चौथा वर्ण अथवा यरलव आगे रहै तो अन्तस्थित क की जगह ग होता है जैसे—दिक्-अन्तः दिगन्तः वाक्-ईशः वागीशः।

स्वरवर्ण अथवा ग घ द ध ब भ य र [illegible] आगे रहैतो अन्तस्थित त की जगह द होताहै—जैसे, जगत्-अन्तः जगदन्तः, जगत-ईशः जगदीशः, महत्-औषधम् महदौषधम्।

शब्दभेद।

शब्दके दो भेदहैं वर्णात्मक, और ध्वन्यात्मक। वर्णात्मक—वहहै जिसको लिख सकतेहैं और उच्चारण करसकतेहैं, जैसे, फल, पेड़, मनुष्य हाथी, पुस्तक, इत्यादि।

ध्वन्यात्मक—जिसको केवल ध्वनिसु नपड़तीहै, परन्तु न लिख सकते और न ठीक उच्चारण कर सकतेहैं जैसा—गाय, भैंस, इत्यादिके शब्द।

वर्णात्मशब्दके ५ भेदहैं संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, और अव्यय।

संज्ञा।

दृश्य वा अदृश्य पदार्थके नामको संज्ञा कहते हैं, जैसे—गंगा, गांव राम,

संज्ञा तीनप्रकारकी होतीहैं।

जातिवाचक—जातिमात्रका बोधहोताहै, जैसे—पुस्तक, नदी, नगर, पक्षी, वृक्ष इत्यादि।

नामवाचक—राम, हिन्दुस्तान, गंगा. कलकत्ता, इत्यादि।

भाववाचक—लम्बाई, चौड़ाई, खटास, समझ, इत्यादि।

संज्ञाओंके वचन और इनके बनानेकीरीति।

हिन्दीमें वचन दो हैं,—एक वचन और बहुवचन एकवचनसे एक पदार्थका बोधहोताहै, जैसे—पुस्तक, घोड़ा, गाड़ी, मनुष्य स्त्री, इत्यादि और बहुवचनसे अधिक का बोधहोताहै, जैसे, पुस्तकें, गाड़ियां स्त्रियां,

अन्तस्थ दीर्घईकारशब्दका बहुवचन बनाने से ह्रस्वइकारहोजातीहै, जैसे,—स्त्री, स्त्रियां, गाड़ी, गाड़ियां, घोड़ी, घोड़ियां।

लिंग।

हिन्दीमें लिङ्ग दो हैं,—पुंलिङ्ग और स्त्रीलिङ्ग। पुरुषबोधकसंज्ञाओंको पुंलिङ्गकहते हैं और स्त्रीबोधक संज्ञाओंको स्त्रीलिंगकहतेहैं।

पुंलिङ्ग—हाथी, घोड़ा, मरद, बैल, पिता, भाई दादा, लड़का इत्यादि।

स्त्रीलिंग—हथनी, घोडी, लुगाई गाय माता, बहन दादी इत्यादि।

पुंलिङ्गशब्द।

हिन्दीमें यह शब्दपुंलिङ्गहै पर बहुतसे आदमी स्त्रीलिंग बोलतेहैं। अपील, अखबार, बाजार, अरज, हलवा, ढोल, अनार, आईन, लफज, पूजा, गिलाफ, पारसल, पर, बुरज, बुलाक, बक्स, पासंग, घर, पल, पिसतौल, चिराग, रिवाज, राग सलाम शिकार वासन

स्त्रीलिङ्ग शब्द।

हिन्दोमें यह शब्द स्त्रीलिङ्गहैं पर बहुतसे आदमी पुंलिङ्गकहतेहैं बरफ, अदरक, पायक, जांघिया, अस्पताल, मेज, आग, फानुस, बालू, खिजूर, पियाज, गुलेल, पशम, रपोट, आस्तीन, आंच आवाज, अबीर, अफीम, टिकट, धूप, हार किताब सरकार फानुस, इतयादि।

हिन्दोमें बहुतकरके ईकारांत शब्दसब स्त्रीलिङ्ग होतेहैं जैसे—पगडी, अंगरखी, धोती, रजाई अंगिया कुरसी सुपारी रोटी, ईतयादि। परन्तु कितने क ईकारांतशब्दपुंलिगभीहै—जैसे—पानी, घी, दही, हाथी, मोती, भाई, ईतयादि।

पुरुष तीनहै उत्तम मध्यम और अन्य बातके कहने वाले को उत्तम पुरुष वक्ता कहतेहै जैसे,—मैं, हम।

जिससे बातचीत की जाय उसको मध्यमपुरुष कहतेहै जिसके विषय में बातकी जाय उसको अन्य पुरुषकहतेहै जैसे—वह, वे।

विशेषण।

विशेषण संज्ञा वा सर्वनामके पहिले लगाया जाताहै और उनके गुण वा दोषको प्रगटकरताहै जैसें—अच्छा लडका, खराब लडकी उंची हवेली, चौडा, तखता, तेजचाकू, सुरख कपडा, खारा पानी मीठा-फल इतयादि।

कारक क्र प्रकारहै।

कर्त्ता—जो करै वह कर्त्ताकहलाताहै कर्त्तामें प्रथमाविभक्तिहै अर्थ इससे है सो निकलताहै जैसे—देवदत्त जाताहै बालक रोताहै मृगदौड़ताहै

कर्म—जो करै देखै खावै जिसमें कर्त्ता की क्रियाके व्यापारका फलहो—जैसे घटबनाताहै चंद्रमादेखताहै अन्नखातेहैं, गीतगाताहै।

करण—जिसके द्वारा कामनिकले उसको करण कहतेहै इसमें तृतीयाविभक्तिहैं जैसे हस्तद्वार मारताहै आंखद्वारादेखताहै।

सम्प्रदान—जिसको कोई वस्तुदीजावे उसको सम्प्रदानकहतेहैं इसमें चतुर्थीविभक्तियुक्तहै जैसे—दरिद्रकोधनदेना मेरेको पुस्तकदेओ

अपादान—जिससेती कोईवस्तु अथवा व्यक्ति चले डरै अथवा उत्पन्नहो उसको अपादान कहतेहै अपादानकारकमें पंचमी विभक्ति है—जैसे—वृक्षसेपत्ते गिरतेहै सिंहसे डरताहै तालाबसे जल लाताहै।

अधिकरण—क्रियाके जो आधार उसको अधिकरण कहतेहै अधिकरणकारकमें सातवी विभक्तिहै जैसे—बिछोनेमें सोताहै आसनपर बैठताहै घरमें रहताहै विद्यापढताहै घडेमें पानी है तिलोंमें तेलहै इत्यादि

क्रिया।

क्रिया वहहै जिससे होना करना दौडना खाना पीना इत्यादि निकलतेहै क्रिया दो प्रकारकी होतीहै।

अकर्मक और सकर्मक।

अकर्मक क्रिया—वहहै जिसमें कर्मनहो, जैसे मैंखडाहूं लडका रोताहै घोडा दौडताहै नदी बहतीहै इत्यादि। सकर्मक क्रिया—वहहै जिसमें कर्महो जैसे मैं खाताहूं गुरु शिष्यको पढाताहै राम रावनको माराहै।

काल।

कालसे यह जानाजाताहै कि फलाना काम किस समयमें हुआ—काल तीनहै भूत, वर्त्तमान, और भविष्यत बितेहुए कालको भूतकाल

कहतेहैं जो वर्त्त रहाहै उसको वर्त्तमान कहतेहैं और जो होनेवालाहो उसको भविष्यत कहतेहैं जैसे—भूतकाल—रामजी गांव गया वह आया इत्यादि। वर्त्तमानकाल—रामजीगांवजाताहैं वह आताहै इत्यादि भविष्यतकाल—रामजी गांवजावेगा वह आवेगा इत्यादि।

क्रियाविशेषण।

क्रियाविशेषण वहहै जो क्रियाके गुण, काल, आदि को दिखाताहै यह ५ प्रकारकेहैं जैसे।

स्थानवाचक—जहां, वहां, कहां, यहां, तहां, इधर, उधर, किधर, जिधर, आसपास, सर्वत्र, निकट इत्यादि।

कालवाचक—जब, तब, अब, कब, आज, कल, फिर, परसों, तड़के, सबेरे, सदा, निदान, तुरन्त, इत्यादि।

भाववाचक—अकस्मात्, अचानक, केवल, ज्यों, त्यों, तथापि, यथार्थः सचमुच, अवश्य इत्यादि।

परिमाणवाचक—अति अत्यन्त, एकबार दोबार प्राय।

निषेधवाचक—न, नहीं, मत, इत्यादि।

समुच्चय बोधक अव्यय।

जो शब्द दो पदों वा वाक्योंके बीचमें आतेहैं उनको समुच्चयबोधक अव्ययकहतेहैं यह दो प्रकार काहोताहै-जैसे मिलवाचक और भिन्नवाचक।

मेलवाचक—और, अथवा, तो, फिर, यथा इत्यादि।

भिन्नवाचक—वा अथवा, पर, परन्तु, किन्तु इत्यादि।

विस्मयादिबोधक।

विस्मयाबोधक उसे कहतेहैं जिससें अन्तःकरणका भाव वादशा प्रकाशहो जैसे—

क्लेशबोधक—आह, आहा, आहो, हाय। मोरे, हायरे।

आनंद वा आश्चर्यबोधक—वाह वाह! धन्य धन्य! जय जय!

लज्जा या निरादरबोधक—छी छी! धिक! दूर! इत्यादि।

अकल सीखने की बातें ।

निम्न लिखित उपदेश संग्रह संस्कृत, फारसी, अंगरेजी, इत्यादि किताबों से और उस्तादों के कलाम सुन २ के जमा किया है जो कोई इनको सीख समझ के अमल में लावेगा वह शख्स कभी कहीं नहीं ठगावेगा।

१ सर्व्वशक्तिमान जगदीश्वर की अपार महीमा पर धन्यवाद देना चाहिये देखिये ! करोड़ों आदमी इस जहान में पैदा होचुके और हुए हैं लेकिन सूरत बोल मिजाज नसीब चाल एक का दूसरों से नहीं मिलता है।

२ सब से पहिले हरएक काम में परमेश्वर को याद करो जिस से हृदय शुध हो।

३ परमेश्वर मौत और इज्जत से जो शख्स डरता रहैगा उस आदमी से बुरा काम भी नहीं हो सकेगा।

४ मा बाप जो कुछ कहैं उनपर अमल करो और उन्हों की खिद्मत करने में कसूर मत करो क्योंकि उन्होंने तुमको किस किस दुःख और भाव से पाला है।

५ उस्ताद की बन्दगी मा बाप के बराबर करनी चाहिये।

६ अपने बदन को हमेशा साफ और पाक रक्खो और कपड़े भी साफ सफेद पहनो जिससे तनको आराम और दुनियां से इज्जत मिले।

७ खाने पीने का परहेज हमेशा रक्खोगे तो कोई तरह की बीमारी पैदा न हो सकेगी, किसी शाअर ने भी

कहा है कि दवा खा के परहेज नहीं रक्खोगे अथवा रक्खोगे तो दवा बिचारी क्या कर सकेगी ।

८ बात, वक्त, जवानी, और आब, गई हुई नहीं मिलती इसके लिये लोगों को याद रखना चाहिये कि उन्हों को बचा के रक्खें।

९ बुरा काम अगर कोई छिप के भी करेगा तो क्या है। आखिर जाहर में तो आवेहीगा क्योंकि ईश्वर सर्व्वव्यापी है देखता रहता है ।

१० जवानी दीवानी है जो कुछ फल हासिल हो सो करने में चूको मत क्योंकि जब बुढ़ापा आन पहुंचता है सब मुराद दिलही में रह जाती हैं देखोहीगे साचरों मे भी कहा है कि अब पछताए क्या होवे जब चिड़ियां चुन गईं खेत।

११ हमेशा भोजन में औरत मे जोर में और दौलत में सब्र रखना चाहिये और रखना तो न चाहिये धर्म्म में भजन में विद्या में और परोपकार में।

१२ राजा वेश्या आग चोर बालक पाहुना और चुगल फकत अपने ही फायदे देखते हैं दूसरे का दुःख हरगिज नहीं देखते हैं इसलिये इनसे पीयार मत बढ़ाओ।

१३ गैर का ऐब देख के अपने दिल में खुशी पैदा करनी और दूसरों से जाहिर करना नही चाहिये क्योंकि बे ऐब और बे गुनह आदमी तो दुनिया में कोई एक होगा।

१४ जो आदमी समझाने पर हंस देता है उसे बेशरम समझो और जानवरों को संतावे वा संताते देखके खुश होवें वह दया हीन है और एक पैसे के वास्ते दूसरे का रुपये का नुकसान करे वह निहायत लालची है और जो बहुत बकता है और दुसरे की नहीं सुनता वह बेवकूफ है।

१५ दौलतमंद होके खाने पीने पहनने को कोताही रक्खे और गरीबों की परवरिश नहीं करे और विद्यावान हो के औरों को न बतलावे वह दोनों ही वृथा है, जब वक्त आन पहुंचता है कुछ हो नहीं सक्ता है।

१६ नोकरी कदरदान आदमी जो की अच्छे बूरे कामों को देखे और समझे उसकी करो और जो मालिक नौकर का हक नहीं पहचानता ऐसे मालिक के पास रहने वाला खुश नहीं रहता है और न उसका काम दुरस्त हो सक्ता है।

१७ दौलत और जवानी पर जो शख्स घमंड करके आंखें बंद कर लेता है वह नादान है क्योंकि यह नापायदार हैं जैसे बिजुली की चमक और बद्दल की छाया।

१८ मूर्ख बीमार बावला बालक औरत और मतवाला अगर गालिभी देबैठे तो कुछ खयाल नहीं लाना चाहिये और जो शख्स उस वक्त गुस्सा करता है उसको भी उन्हों मे समझ लेना चाहिए।

१९ महनत के करने और निईत के साफ रखने से माल

जमा होता है और अपना ऐब और दूसरोंके गुणजा-हिर करनेसे बड़ापन मिलता है ।

२० गुणमाने उसको गुण सिखलाना दान ग़रीबको करना उपदेश सबको देना, नेकी बुरे और भले दोनूं के साथ करनी ।

२१ जो शख़्स अपनी ताक़त मुजब बोझा उठा के महनत के साथ रोजी पर क़ायम रहता है हमेशा खुशी रहता है और जो कोई ताक़त सिवा जोखम सरपर उठावेगा तकलीफ़ पावेगा ।

२२ विद्वान और मूर्ख बोलने से जाने जाते हैं खभाव काम पड़ने से और मुहब्बत वक़्त जरूरत के ।

२३ खुशी के बाद ग़म और ग़म के बाद खुशी हुआ ही करती है, आदमी को चाहिये कि न तो खुशी के वक़्त ऐसी खुशी माने कि दूसरे कामों को भूल जावे और न गम के वक़्त ऐसा अफ़सोस करे कि कामों से ना उ-म्मीद हो जावे ।

२४ लायकों में चतुरों में गुणीजनों में विद्वानों में हुनरम-न्दों में जितेंद्रियों में सूरवीरो में धर्म्मात्माओं में और महनतों में जिस शख़्स का नाम नहीं गिना जावे उसकी माता ने वृथा दुःख सहा है ।

२५ लुच्चे को बदमायश को बेईमान को चोरको जुवारीको तमाशबीन को औरतों के छलबल को पहचान लेने का राह जरूर सीख लेना चाहिये लेकिन अक़ल की खूबी

तो वही है अगर जो आप उनके कामों से बचार है।

२६ विद्या धन को हासिल करने में आदमी ऐसा समझे कि न तो कभी बुड्ढा होउंगा और न मरूंगा और मौत सरपर घूम रही है ऐसा समझ के धर्म्म करे ।

२७ लड़के वालों को शुरू से सिखलाना चाहिये कि राजसभा मे महफल में ठाकुरद्वार में अपने से बड़ी उमर वालों के और बुजरगों के साह्मने जब बैठें तो ऐसे अदब के साथ रहैं कि नतो कोई कुछ बोलसके और न कोई बे. अदब दिल में समझै ।

२८ बहुत से आदमी दौलत हाथ लग जाने पर यहां तक अंधे हो जाते हैं कि उन्हों का अहवाल लिखने को कलम को भी ताकत नहीं है वह यह नहीं सोचते देखते हैं कि जब वक्त आ न पहुंचेगा माल और असवाव जहां का तहां धरा ही रह जावेगा ।

२९ आदमी के पीछे हरएक तरह के दुशमन लगे हुए हैं जो शख्स सीधा राह और दस्तूर मुजब चलेगा वह शख्स दुशमन के काबु में कदाचित ही नहीं आनेका है।

३० हर सूरत से जिस आदमी के काबु में आने सके और जिस शख्स से अपना काम निकलता हो, उन्हों की जो कोई शिकायत करेगा आखिर बहुत ही पछतावेगा

३१ चौकी वा पलंग पर बैठ के पैर हीलाना और पैर के उपर पैर रख के सोना यह निहायत सखत ऐब है ।

३२ ऐसी सोगंद मत खाओ कि जिसका नियम नहीं निभा-

ने सको, ऐसा काम मत करो कि जिससे कुछ फायदा नहीं मिले, और ऐसा भोजन मत करो कि जिस से शरीर दुःख पावे।

३३ बेदरयाफत् किये कामों पर छूट मत करो और न किसीके साथ शरत लगाओ।

३४ सत्य संगत करो तो ऐसे साधु फकीरके यहां जाके करो कि जहां पर पैसे और स्त्री का निशान न दिखलाई देवे और जहां पर यह दोनूं विराजमान है कुछ नहीं कुछ नहीं मत भरमो।

३५ किसी के यहां का अंधेर देख के मत पछताओ क्योंकि जिधर देखो उधर अंधेरहै अपने घरका और कामों का बन्दोबस्त रक्खो।

३६ सूरवीर खानदानी इज्जतदार और इलमवालों के वास्ते बदनामी होने से चल्लुभर पानी में भी नाक डूबा के मर जाना बिहतर है।

३७ जब तक कि आदमी का काम खर्च करने से बन सके जान को जोखम में नहीं डालनी चाहिये क्योंकि पैसा भी तो आखिर जानही के पीछे है।

३८ कभी कोई काम में नहीं चूकता और न कभी झूट बोलता और न गुन्हा करता और न दुःख सहता ऐसा शख्स। जगत में कोई एक है।

३९ दलील दस्तावेज खत वगैरह पर पहिले मतलब समझे सिवाय अपना दस्तखत वा सही नहीं करनी चाहिये।

४० दुनियां में बेशुमार चीजें हैं जिस चीज से अपने को फायदा हासिल होवे उसको जरूर काम में लानो चाहिए और जिस चीज में न तो गुन होवे और न कुछ फायदेमंद हो उसके हाथ भी लगाना नहीं चाहिये,अगले जमाने के लोगों ने भी ऐसा किया और कहा है।

४१ माता पिता गुरु दोस्त और जो अपने पर बिश्वास रक्खे इन सभों से जो कोई दगा करेगा बहुत ही हैरान होवेगा।

४२ घोड़ा ऊंट बैल भैंसा वगैरह चारपाया जब अपनी अख्तियारी से दौड़ते हैं उस वक्त उनका बेग दहनी तरफ जियादा रहता है क्योंकि बनिसबत दहने अंग के सब का बायां अंग कम मुड़ता है और दहना जियादा इसवास्ते याद रखना चाहिये कि अगर कहीं मुकाबला होता दीखे और जो मौका मिले तो अपने को अपनी दहनी तरफ बचाना चाहिये।

४३ यह बात बहुत ही याद रखने की है कि जब किसी जगह कोई शख्सके साथ अपनी वा दूसरेकी गुप्त बात करनी होवे उस वक्त पहिले चौतरफ नजर रखलेना चाहिये ताकि कोई नहीं सुनता हो।

४४ जो आदमी सुन करके, हाथ लगाके, भोग करके देखके और सूंघके, न तो खुश होता और न इनके बिना ना खुश रहता वह शख्स बेपारवाह है।

४५ जिस जगह गप मारनेवाले बैठे हों अकलमंद आदमी

को चाहिये कि कुछ नहीं बोले क्योंकि जब मेंडुक बोलते हैं उस समय कोयल चुपही रहा करती है।

४६ न तो आप नंगा होना और न दूसरे को करना और न नंगे मर्द औरत को कोई बहाने से देखना, क्योंकि इसमें बहुत बेअदबी है।

४७ ज़बानी याद रखने और ज़बानी करार करनेसे तो लिख ले लिखवा लेना बहुत बिहतर है और रणमें कदम रख के पीठ दिखलाने और इज्जत जानेसे मरना बिहतर है।

४८ दौलत औरत मुहब्बत और सुहबत यह सब मोम की नाक हैं जिधर फेरो फिर जाती है इस पर बिचार लेना चाहिये।

४९ हमेशा जिस घर में मूर्खों के साथ सलाह है और औरत मर्दों में तकरार रहता है वहां दौलत जाने को लाचार है।

५० सुस्ती को अपने पास मत आने दो, क्योंकि सब ख़राबियों की जड़ सुस्ती है।

५१ वक्त बहुत किमती है, फिर नहीं मिलेगा, इसका एक लहज़ा भी बेकार मत जाने दो।

५२ किसी के साथ वादा और कौल मत करो और करो तो बदलना क्या! क्योंकि जो अदमी लायक होता है बात और बाप ऐकही समझता है।

५३ किसी को भी अपनी ज़बान से बुरा मत कहो, अगर दूसरा अपने को कहे तो जहां तक बन सके सब्र करो।

५४ तीन चीज़ हमेशा अपने पास जरूर, रखनी चाहिये कुछ पैसे चाकू और अंगुठी।

५५ पांच आदमियों के दरमियान बैठो तो समझ के बात निकालो ताकी सुननेवाले खुश हो जावें और तुम्हारी तारीफ करें।

५६ सोच रक्खो कि जब तक नहीं बोली जाती है तब तक बात अपनी और अपने काबू की है, ज़बान से निकलते ही दूसरों की हो जाती है।

५७ राजकारबारी आदमियों से बहुत होशियार रहना चाहिये, क्योंकि उन्हों की आंखों में वक्त पर लिहाज नहीं पैदा होता है।

५८ दो आदमी किसी जगह बातें करते हों उनके बीच में कुछ भी नहीं बोलना चाहिये, जो कुछ कहना वा पूछना हो पीछे से कहो।

५९ दो आदमी अलग बैठ के बातें करते हों, तो तुम उनके पास मत जाओ और मत सुनो।

६० दो आदमी अगर किसी जगह रास्ते में बातें करते नज़र आवें, तो तुम उनके दरमियान से मत निकलो।

६१ जो कोई चिट्ठी वा खत लिखता पढता होवे उस वक्त मत देखो जब तक कि वह खुद इजाजत न देवे।

६२ अपना मिज़ाज हमेशा सादा और सीधा रक्खो मगरूर और गुमान करने वाले को कोई भी पसन्द नहीं करता है चाहिये बादशाह भी क्यों न हो।

६३ अपनी जबान से हसी मत कराओ, बिहतर तारीफ़ तो वह है कि जिसे दुशमन भी सराहै ।

६४ नीच और निकम्में आदमियों की सुहबत से किनारे रहो विद्यावान अकलमन्दों की सुहबत करो ।

६५ जो आदमी न तो अपनी अक्ल से काम करे और न अपने आदमियों की सुन कर के समझे, और दूसरों की सीख मान के चले उस शख्स का काम कभी नहीं पेश चढ़ सकता है ।

६६ एक वक्त जिस शख्स के साथ दुशमनी हो चुकी फिर उससे समझ बूझ के मेल करना चाहिये, ऐसा मेल करने वाले कई पछता चुके हैं ।

६७ बेवकूफ़ आदमी के साथ कोई बात पर हुज्जत और तकरार मत करो, अगरचे अपनी बात सच्ची भी हो ।

६८ जिस काम करने से दुनियां नाराज़ हो वह काम बिल कुल नहीं करना चाहिये । पर कुल की रीत मर्य्याद को वक्त पर देखनी चाहिये ।

६९ पैसे के लालच से इज्जत हलकी मत कराओ देखिये। पैसा तो फिर भी मीलने सक्ता है, लेकिन इज्जत की अब गई हुई फिर नहीं आवेगी, दुनियां में आबरू के समान कीमती चीज़ और नहीं है ।

७० जहांतक बनसके करजदार मत होओ देखिये। बहादूर आदमी भी इसजगह लाचार हो जाता है, सिवाय इस्के वियाज का बियाज और आवाज नुक्ता और नमाज ।

७१ जो आदमी दौलतमन्द, अक्लमन्द, इलमवाले, जबरदस्त, मुगल, हाकम और हकीम के साथ दोस्ती रखता है खुश रहता है।

७२ इतने आदमियों से कभी संग और प्रीत मत करो, चोर, जुआरी, बेइमान, बद के और जो कभी कोई करता है आखिर पछताता है।

७३ अगर कोई आदमी बहुत ही खुशामद करे तो समझ लेना चाहिये कि यहां कुछ न कुछ मतलब है दुनियां में मतलब की खुशामद रह गई।

७४ अगर कोई आदमी अपने साम्हने किसी की बुराई करे उस वक्त समझ लेना चाहिये कि अपनी भी दूसरे से जरूर करेगा।

७५ जिस आदमी की चार आदमी तारीफ करें उसको तुम भी सियाना समझो और कोई बात समझ में नहीं आवे तो उससे पूछने में कुछ हरज मत समझो।

७६ दान और धर्म्म करो तो इस्तौर पर करो कि दहिने हाथ से करो तो बांए को भी खबर न हो ऐसा दान हर एक दरद की दवा है।

७७ जो शख्स आमदनी से जियादा वृथा खर्च करता है आखिर पछताता है।

७८ जो आदमी अपनी जिद से काम करता है और पांच आदमियों का कहना नहीं सुनता है वह भी पछतावेगा।

७९ हमेशा अपनी नीयत साफ़ रक्खो और परमेश्वर पर भ-
रोसा रख के उद्योग करो, दूसरों का माल देख के मत
पछताओ ।

८० अपने लड़के और लड़की को शुरू से अदब की बोली
सिखलानी चाहिये, दस्तूर की बात है जैसी सीखेगा
वैसा ही बोलेगा ।

८१ औरत को इलम जरूर सिखलाना चाहिये, सीखने से
बहुत फायदे हैं, और नहीं सिखलानेसे बहुत नुकसान हैं।

८२ अपने किसी आदमी को धमकाना या समझाना होवे
तो महमान के रूबरू शरमिन्दा मत करो, जो कुछ क-
हना हो अलग ले जाके कहो ।

८३ हलकी जात के और ओछे आदमी के साथ तकरार क-
रने में फ़ायदा नहीं मिलता क्यों जो आप हारा तब भी
हारा, और जीता तब भी हारा, आखिर भले आदमी
पर शरम पड़ती है उस वक्त नीची ही गरदन करनी
पड़ती है ।

८४ जो आदमी ना समझ औरत की बात पर अमल और
भरोसा करता है, और आप नहीं समझता, वह शख्स
काठ का उल्लू है ।

८५ बाजे आदमी ऐसा भी कहा करते हैं कि हम
औरतों का छल बल सब जानते हैं लेकिन मैं
क्यों कर ईमान करूं, औरत को तक्त चाहिये न
वक्त, बलके करवट फेरने में इधर की दुनियां उधर

हो जाती है औरत रहे तो आपसे, नहीं तो सगे बाप से ।

८६ औरत में जो जो गुण हैं सो सब जानते हैं लेकिन इतने ऐब तो कुदरती होते हैं लालच, नापाकी, कपट, बेवकूफी और झूठ बोलना लेकिन गोरी चमड़ी वालियों के गुण देख के मेरी भी अकल हैरान है ।

८७ कभी किसीके साथ दोस्ती मत करो, अगर करो तो फिर तोड़ना क्या। मरदको चाहिये किया सो किया और कहा सो कहा ।

८८ जो कोई कीमीयांगरीके और मोहनीके फनसे पैसे बरबाद करते हैं, आखिर सर पर हाथ धरके रोते हैं।

८९ चाहिये कैसाभी भला आदमी और दोस्त क्यों न हो लेकिन व्यवहार तो सबके साथ दस्तूर मुजबही खलासा करना चाहिये नहीतो धोखा धरोगे ।

९० जो शखस हमेशा दांतां किल किल करता है, और पुकारके बात करता है और मुंह फाड़के हंसता है वहभी वही है ।

९१ भूतकाल (जो हो चुका) भविष्यत (जो होवैगा) तीसरा वर्तमान उसके भेदको जो कोई समझेगा वह धन्य है। तुलसी दासजी ने भी कहा है "बीती सो चित वैनहीं आगे धरोन आस वर्तमानमें मिल रहे धन्य वह तुलसी दास"।

९२ औरत बतलावे वही जती और साधू बतलावे वह सती

है वैरी बतलावे वह सूरा है और जगत सरा है वह अक्कलका पूरा है।

९३ दुनियां बदनाम करे अथवा हजूरके बरखीलाफ ऐसा माल जमा करने से और बेमुकर्री पंच बननेसे और बदसुहबत करने से घर में बैठ रहना बिहतर है।

९४ याद रखखो कि दुनियामें तीन तरहके दुशमन होते हैं, एक तो अपना दुशमन, दूसरा दुशमनका दोस्त और तीसरा दोस्तका दुशमन, यह सब बराबर हैं।

९५ दूसरे आदमीके मकान पर जाओ तो एका एक मत जाओ, पहिले दूर से आवाज दे लो, क्या जाने! किस तरहसे घरवाले बैठे हों।

९६ दौलतमंदी दिलके साथहै,कुछ मालके साथ नहीहै,और बड़ापन अक्लके साथ है, कुछ बरसों के साथ नहींहै।

९७ जुलमसें पैसा पैदा करनेवाले बदनाम और गुन्हगार होते हैं, और क्या! उस पैसे सेबरकत हो सक्ती है?

९८ आदमी को मुनासिब है, कि जैसी मजलिश हो वैसी ही बात निकाले, जितनी ताकत हो उतनाही बोझा उठावे, जैसा घोड़ा हो वैसा ही चाबुक लगावे, और जैसा वक्त वैसी ही बनी बनावे, जो समझ बूझ के काम नहीं करता है, आखिर पछताता भी है।

९९ इन चारो से जहां तक बन सके किनारे रहो, अर्थात् राजासे, आगसे, बदकार औरत और बद आदमी से।

१०० दुनिया में हरतरह के हुनर और कारीगरी हैं, अगर

सीखा चाहो कारीगरों और हुनरमन्दों की सोहबत करो, क्योंकि सोहबत का असर और बीज की तासीर नहीं जाया करती है।

१०१ जो करना हो सो कर गुजरो मौत एक दिन आ घेरेगी, चाहिये मजबूत किले में भी होगा फिर कुछ हो नहीं सकेगा।

१०२ किसी को, अगर बुरा भला कहा चाहो तो खूब सोच करके बोलो, क्योंकि ज़बान का जखम तीर के जखम से बुरा होता है।

१०३ जब किसी हाकिम के साह्मने जाओ तो सादा मिजाज करके असल मतलब अपना बयान करो, और हाकिम जो फरमावे उसीका जवाब दो और उस वक्त खूब ख़्याल रक्खो।

१०४ अशराफ अशराफ ही है, अगरचे गरीब हो जावे और कमीना कमीना ही है अगरचे दौलतमन्द हो जावे। आदमी को चाहिये कि उसकी गरीबी और उसकी दौलत पर ख़्याल न करे।

१०५ जो आदमी दूसरे की अक्ल पसंद नहीं करता है, और आप में अक्ल समझता है, दुनियां उसको बेवकूफ समझती है।

१०६ बड़ापन अगर चाहते हो तो नरमी पकड़ो और दौलत अगर चाहते हो तो सन्तोष पकड़ो और नियत साफ रक्खो।

१०७ जो चीज अपने हाथ या काबु से निकल चुकी और न पीछे आ सके उस पर अफसोस करना ला हासिल है ।

१०८ गहना पहन के सिंगार करना काजल लगाना आंखे मटकाना काम औरतों का हैं, मरद के वास्ते फकत सुफैद कपड़े और एक अंगुठी पहनना काफी है ।

१०९ एक पल भी अमोलक है आदमी को चाहिये कि सोच करके वा दूसरे से एक भी अच्छी बात हररोज नई सीख लिया करे, जिस रोज नहींसीखेगा वह रोज निकम्मा गया ऐसा समझना ।

११० याद रक्खो कि बिमारी, आग, दुश्मनी, और हाकिम का हुकम, थोड़ा भी हो परंतु जियादह समझो ।

१११ कम बोलना, कम खाना, कम लालच, कम गुस्सा करना, और कम सोना काम समझदारों का है ।

११२ अपने दिल का अभिप्राय एका एकी दोस्त के साम्हने भी मत बोलो न मालूम किस वक्त दुश्मन हो जावे ।

११३ ऐ यारो जो कोई किसी का बुरा करता है और करेगा तो करने वाले का बुरा आप ही से हो जावेगा ।

११४ जो आदमी बहुत बकता है और दूसरे की नहीं सुनता है, उस शख्स को भी एक तरह का बेवकूफ समझ लेना चाहिये ।

११५ आदमी को चाहिये कि एक रोज की या एक दम

खुशी के वास्ते हमेशा की खुशी न छोड़े नहीं तो आ-
खिर उमर भर पछताना पड़ेगा।

११६ जब तक दोनों की बात अच्छी तरह मालूम न होवे किसी की तरफ़दारी मत करो।

११७ एक रोज ऐसा आवेगा कि जो पियार करते हैं वही झट घर से नीकाल ले जावेंगे उस वक़ सिवा नेकी के कोई दूसरा काम नहीं आवेगा।

११८ जिस बात के कहने से दूसरे को नुक़सान पैदा हो, अपनी ज़बान से मत कहो, चाहिये अपने को तक-लीफ भी कुछ हो।

११९ दुश्मन अगर गरीब हो तब भी होशियार रहो काबु पाने से कभी नहीं छोड़ेगा।

१२० आज का काम कल पर मत डालो जो करना हो सो कर गुजरो, क्योंकि दम का भरोसा नहीं है।

१२१ नेकी के कामों मे अगर तकलीफ उठाओगे तो तक-लीफ न रहेगी नेकी रह जावेगी, और जो बदी के कामों में खुशी पैदा करोगे तो खुशी न रहेगी बदी रह जावेगी।

१२२ जो आदमी बड़ों का कहना नहीं सुनता है, और उनके हुकमों को अदूली करता है वह आदमी निहा-यत छोटा और बेशरम है।

१२३ शेर के साथ पञ्जा करना, तलवार पर घूसा मारना, आग को बुझा देना, चिनागारी को छोड़ देना, सांप

को मार देना और बच्चे को दूध पिलाना काम अक़ल-मन्दों का नहीं है।

१२४ दो आदमी नाहक तकलीफ उठाते हैं, एक तो वह कि जिसने दौलत पैदा की और खरची न खाई दूसरा वह कि जिसने एल्म पढ़ के कुछ अमल न किया और न दूसरे को सिखलाया।

१२५ चार चीज बिन चार चीज के अकसर बिगड़ जाती है दौलत बिन व्यापार और एल्म बिन याद किये मुल्क और मकान, बेतदारुख और मरम्मत।

१२६ इतने आदमियों के साथ बेसबब हांसी ठट्ठा मत करो अर्थात् औरत के, नादान के, लड़के के, और लड़की के, बड़ों के, पागल के, सागरद के, और मुसाफिर के, जो कोई करेगा पछतावेगा।

१२७ अपने कुटम्ब की और अपनी औरत की जो आदमी तारीफ़ करता है उसको नादान समझ लेना चाहिये।

१२८ रात को दस बजे सोने से और फजर को पांच बजे उठने से तनको आराम मिलता, और सुस्ती दूर होती है।

१२९ क़िमती जिंस निहायत सस्ती होने से खरीदने में नुक़सान मत समझो और हलकी जिनस निहायत तेज होने से न बेचने में नुक़सान है परंतु इस परभी वक्त देखना चाहिये।

१३० दोस्त कीआजमायश एक वक्त जरूर करलेनी चाहिये

क्या जाने कैसा वक्त आन पड़े, क्योंकि आज कल मतलबी यार रह गये हैं।

१३१ बड़े आदमी के पास और बड़ी जगह जाने से हरतरह के फायदे और अकल हासिल होती है, और छोटे आदमी के पास बैठने से, और हलकी जगह के पास से निकलने ही से नुकसान और इज्जत घटती है।

१३२ जो आदमी दूसरे का हाल सुनके तुम्हें आन कहे, वह तुम्हारा भी हाल सुन के दूसरों से जरूर कहेगा, इसवास्ते जिस आदमी के पेट में बातें न समावें, उसके साम्हने कुछ भी मरम की बातें नहीं करनी चाहिये।

१३३ इशारा करने से जो समझता है, उसको अकलमन्द समझना चाहिये और जो आदमी समझाने से भी नहीं समझता, वह सरासर पत्थर है।

१३४ मरद को हमेशा इन पांच चिजों का सच्चा रहना चाहिये अर्थात् हाथ का सच्चा, कान का सच्चा, आंख का सच्चा ज़बान का सच्चा और लंगोट का सच्चा, सफर में तो बहुत ही जरूर है।

१३५ आदमी जब तक नहीं बोलता है, तब तक उसका ऐब और हुनर सब छिपे रहते हैं इस पर खियाल रक्खो।

१३६ जिस शख्स ने अपना माल लुटा दिया वह दूसरे के माल का कब जाबता करेगा।

१३७ भले आदमी की असल पहचान यह है, कि दूसरो को

तकलीफ से बचाता है और अच्छी सलाह और सीधा राह बतलाता है ।

१३८ जो आदमी दोस्त के दुश्मन से हमेशा सलाह रखता है वह अपने दोस्त के हक में बुरा करता है ।

१३९ इन चारो से जिनसे अगर सखी भी मिले तब भी नहीं लेनी चाहिये अर्थात् जुआरी से, चोर से, खूनी से, मुरदाफरोश और बेइमान से ।

१४० जो आदमी काम को तो दूसरो के सुपर्द कर देवे और उस पर खुद चौकसी न करे, वह काम आखिर बिगड़ जावेगा, दस्तूर की बात है कि जागेगा सो गाजेगा और सोवेगा सो रोवेगा ।

१४१ कदरदान अगरचे गरीब हो जावे तब भी उसके पास जाना चाहिये, और नाकदर अगरचे दौलतमन्द हो जावे तब भी उसके पास न जाना चाहिये ।

१४२ चाहिये अपना ही हो, जहां तक दूसरों के तावे हो भरोसा नहीं करना, देखिये। अक्ल, विद्या, पैसा, और ज़ोर वक्त पर अपने ही काबू का काम आतें हैं, सिवा इसके गोद का छाड़ के पेटवाले की आशा नहीं रखनी । कांसे की उम्मीद पर लुकमा नहीं छोड़ना, वर्षा की उम्मीद पर मसक नहीं फेकना और हरी खेती देख के कोठे का अनाज नहीं बेच डालना सबसे बड़ी आशा भगवान की रक्खो, वही पूरीकरताहै ।

१४३ जो आदमी पांच जगह बहादूरी रक्खता है, वह ला-

यक तारीफ को होता है। एक तो मुसाफरी में मांदगी में, लड़ाई के मैदान में नुकसान में और दुःख वो दरद में दूसरे ऐसा भी तो कहा है, कि हिम्मतें मरदां और मदद खुदा।

१४४ आदमी को जिस जगह बैठक रहती है, वहां अगर अच्छी या बुरी बात सुनने में आवे तो अपनी जबान से दूसरे के साम्हने नहीं बोलनी चाहिये।

१४५ अपना अगर मतलब और काम बन सके तो दूसरे की खुशामद वो तारीफ करने में शरम मत करो, क्योंकि जमाना खुशामद और मतलब ही का आगया है।

१४६ आदमी को चाहिये कि हर एक कामों में अपनी अकल खरच करे, पर याद रखना चाहिये कि, जहां धर्म का काम हो उस जगह आड़ी टांग न देवे, जहां तक बन सके मदद देना चाहिये।

१४७ इतनी जगह अकेले आदमी को गाफिल सोना, नहीं चाहिये अर्थात् जङ्गल में, खाली मकान में, जहां चोर का और दुशमन का डर पैदा हो।

१४८ बेमतलब किसी के साह्मने मत बोलो। जो काम करने का अथवा होने का, अपनी उमर, दौलत, घर का भेद, दान, मान, और अपमान जो कहता है आखिर पछताता भी है।

१४९ इतनी बातें करने से आदमी होशियार हो जाता है अर्थात मुलकगिरी, अकलमन्दो की सुहबत, राजसभा

में आमदरफ्त हर तरह की किताबें पढ़नी व्यापार दलाली करनी और औरतों का छल बल देख कर सोचने से कभी किसी के फरेब में नहीं आसकेगा।

१५० जो आदमी रात दिन तमाशबिनी में झूला रहता है, उससे इतनी बातें चली जाती हैं,दौलत, इज्जत, जोर, रङ्ग, रूप, धर्म्म कर्म्म, जप, तप, लाज, भजन, मेहनत, दान, कीर्ति, अक़्ल, विद्या, इमान, सिवा इनके इस काम में हरतरह का नुक़सान हैं।

१५१ हे पियारो! सुस्त मत रहो मेहनत से रोजी मिलती है भजन से पाप दूर होता है, चुप रहने से झगड़ा मिटता है, और होशियार रहने से दिल के खौफ मिटते हैं।

१५२ आदमी को मुनासिब है कि, इतनी जगह शरम न रक्खे, खाने के वक्त, व्यापार दलाली करने के वक्त जबाब सवाल के वक़्त, इलम पढ़ने और पढाने के वक़्त, जो शरम रक्खता है, आखिर पछताता है।

१५३ आदमी को पहचाना चाहो तो इतनी बातें पहिले देखो. चाल, मिजाज, इलम, परहेज, और काम, जैसे सोना पहचाना जाता है, तपाने से छेदने से कसोटी पर लगाने से और पीटने से। जो आदमी पहचान करके काम करता है, वह धोखा नहीं खाता है।

१५४ हमेशा इनको धमकाया रखना चाहिये, याने औरत को, बालक को, नौकर को, और सागिरद को। जो

आदमी इन सब को सरपर चढाता है आखिर उसी की पगड़ी के गाहक बनते हैं।

१५५ जो आदमी महनत करने लायक है, पर सुस्ती से करता नहीं, सिरफ रात दिन घर के दरमियान अपनी होशियारी औरतों को दिखा के बातें बनाता है उस सख्स को मरद नहीं कहना चाहिये।

१५६ याद रक्खो कि पनसारी से, हलवाई से, कूंजड़ी से, और भटियारी से जिनसे उधार न लेनी चाहिये।

१५७ जो आदमी बहुत झूठ बोलता है, अगर वह सच भी बोलेगा तो कोई उसका भरोसा नहीं करेगा, कहा है कि "नामवर चोर मारा जावे और नामवर शाह कमा खावे"। आदमी की किमत सचावट से है।

१५८ किसी को भी ताना मत मारो। ताना मारना घाव के सामान है, घाव दवा लगाने से मिट तो जाता है लेकिन आखिर निशान बाकी रह जाता है।

१५९ जिस गांव में दौलतमन्द, राजा, नदी, इनसाफ और हकीम, न होवे उस गांव में रहना मुनासिब नहीं।

१६० यार आसनाव सगा सम्बन्धी सब मतलब के हैं, क्या किसी के मरने पर रो के जान खोना। हां! अलबत्ता रोना उन बहादुरो पर जो कि जीते जी काम पड़े मरने को तइयार हो जावे।

१६१ इतने आदमी कहीं बेखबर सूते नजर आ जावे तो बेशक उठा देना चाहिये, याने, तालबेलम को, नौकर

को, खिदमतगार को, पकानेवाले को, मुसाफ़र को, भुखे को, और चौकीदार को। ये सब उठानेवाले को दुआ देंगे।

१६२ देखिये! इनको उठाना तो क्या? बल्कि पास निकलने से भी फायदा नहीं मिलता, याने सांप को, जो कीड़े दुम से काटते हैं, नादान को, बेवक़ूफ़ को, राजा को, दूसरे को, कुत्ते को, और शेर को, जो कोई गाफ़िली से इनको छेड़ता हैं आखिर पछताता है।

१६३ इतने आदमियों का एकाएकी भरोसा मत करों, याने जूवारी का, चोर का, इश्क़बाज का, दुशमन का, क़र्ज़दार का, भड़वे का, राजा का, नदी का, औरत का, और मतलबीयार का। जो कोई करता है आखिर पछताता है।

१६४ निकम्मा वा मूर्ख आदमी कामवालों को, और विद्यावालों को देख नहीं सकता है। जैसे बाजारू कुत्ते दूर सें हाथी को देख के भोंकते हैं। इसपर यही खियाल रखना चाहिये कि काफ़ला चलाही जाता है और कुत्ते भोंकते रहते हैं।

१६५ सब को मान बड़ाई सफ़ाइ के साथ बतलाओ। जो आदमी रैरै, मैमै, तू तू, कहके बतलाता है, उसने कभी सुहबत नहीं पाई होगी।

१६६ चाहिये दुशमन भी हों। सब केसाथ मीठा, और हंस के बोलो। कड़ी ज़बान सें सब कोई नाराज़ होते हैं

और दुशमन भी बढते हैं इसलिये सब से प्रेम रक्खो।

१६७ हलके आदमी को जब दौलत मिल जाती है तो घमंड करता है और जब हाकिम बनजाता है, जुलम करता है। जो आदमी दौलत और काम मिलने पर घमंड नहीं करता है, उस आदमी की हर एक आदमी तारीफ करता है।

१६८ इतने काम जो कोई करता है उसीका है याने बहादुरी, विद्या, व्यापार, शाहूकारी और भलाई। जो कोई [illegible] कि यह काम फलानी जात को करना चाहिये, इसमें कहने वाले की नादानी है।

१६९ जूआ मत खेलो, खेलने से इज्जत घट जाती है, दूसरे तमाम बुराइयों का बादशाह जूआ है अकलमन्दों ने कहा है कि खुशी और फुरसत के वक्त दिल बहलाने को भी मत खेलो। जो जूआ खेलेगा, बेशक पछतावेगा और न कभी चैन पावेगा।

१७० मनुष्य में कई तरह के ऐब होते हैं पर जो रोक टोक करने से अथवा अपने खियाल से मिटा सके वह सब यह है:—

सूरज निकलने बाद सोना, तिनका तोड़ना, जमीन को नख से कुचरना, कपड़े, बदन, बाल, पैर, और दांतों को मैला रखना, सूरज छुपने के वक्त सोना, वगैर बिछौने सोना, पीने के वक्त हंसना, चलते हुआ खाना, पैर परपैर रक्ख के सोना, चौकी पलंग पर

बैठ के पैर हिलाना, हाथों को पीठ पर रक्ख के चलना, दोनों हाथों से खुजलाना, जूता रगड़ के चलना, दांतों को पीसना और होंठ, बालों को चबाना, हाथ से वीर्यपात (कर मैथुन) करना शरीर को बजाना, छाती से घुटना लगा के सोना, इन सब कुलक्षणों को जरूर मिटा देना चाहिये इनके रहने से हरएक तरह का नुकसान है ।

१७१ अगरचे कोई आदमी तुम्हारे पास किसी काम के लिये सलाह पूछने आवे तो जैसी तुम्हारी अक़्ल में आवे और उस्के हक़ में फायदेमन्द हो, वाजब बोलो चाहिये दुश्मन भी उस वक़्त क्यों न हो ।

१७२ किसमत और पुरुषार्थ का जोड़ा है इसलिये केवल एकही [redacted] भरोसे पर काम उठाना वा करना नहीं चाहिये ।

१७३ जितने धर्म्म हैं सभों का सारांश यही है कि चोरी और हिंसा मत करो, गरीबों को मत सताओ, जूआ मत खेलो, झूठ मत बोलो, व्यभिचार मत करो, और नशा वो झगड़ा मत करो ।

१७४ अगले जमाने में बड़े बड़े समर्थों ने कुछ छल का काम किया भी है तो तुम सब उसपर अमल मत करो केवल उन लोगों के हुक्म पर ख़्याल रख के चलो । क्योंकि असमर्थ वो समर्थ का तफ़ावत जमीन आसमान बराबर है ।

१७५ जगत् स्वपन तद्दत है जैसे स्वपन में जाग्रत झूठा और जाग्रत में स्वपन झूठा है इसपर ध्यान रखना चाहिये आखिर तो आशा जहाँ बासा है ।

१७६ जरूरी काम के लिये सलाह करने के वक्त इतने आदमी पास नहीं रहने चाहिये, वामन १ कुबड़ा २ दुबला ३ गञ्जा ४ अन्धा ५ मूर्ख ६ और हिजड़ा ७ ।

१७७ कपिलवर्ण १ अधिक अंग २ रोगणी बिनरोमावली ३ अतिरोमावली ४ पिंगलवर्ण ५ लज्जाहीन ६ निर्दयि ७ अशुचि ८ निद्रालु ९ और बहुत बकनेवाली १० ऐसा लक्षण जिस स्त्री में हो उससे विवाह नहीं करना चाहिये ।

१७८ इतनी जगह स्त्री को तरफ मत देखो, भोजन करती हुई को १ छींकती हुई २ जम्भाई (उवासी) के समय ३ नग्न समय ४ अञ्जन लगाने वकत ५ उबटन के वक्त ६ और बाल बनाने के वक्त ७ ।

१७९ लक्ष्मी इतने लक्षण वालों के पास स्थिर रहती है, सत्यवादी १ कार्यदक्ष २ क्रोधहीन ३ देवपारायण ४ कृतज्ञ ५ जितेन्द्रिय ७ और उदारचित्त ८—और अकर्मण १ नास्तिक २ लम्पट ३ कृतघ्न ४ आचारभ्रष्ट ५ नृशंस ६ चोर ७ गुरुद्वेष्टा ८ मूढ़ ९ कपटी १० बलविर्य हीन और भोजन भेदी ११ इतने मनुष्यों के पास लक्ष्मी कभी नहीं ठहर सकती है ।

१८० बरसात की मौसिम में बिजली सरपर चमकने के वक्त सब्ज दरख्त नीचे, लोहे के दरवाजे, और जिस

मकान में जमीन से ऊपर तक लोहे की छड़ लगी हुई रहे वहां पर खड़ा रहना नहीं चाहिये इतनी जगह बिजली गिरने का खौफ अकसर जियादह रहता है।

१८० मुद्दत से बन्ध पड़ा हुआ या किया हुआ मकान, भांडार, गुफा, भौंरा, और अन्न का खास खोलने के वक्त इनके पास या अन्दर मत घुसो। क्योंकि इस तरह की जगह में एक रकम जहरी हवा पैदा हो जाती है लगने से वक्त पर आदमी मर भी जाते हैं। अगर इस तरह की जगह में बड़ना चाहो तो पहिले थोड़ा सा चूना फैला देने से असर जाता रहता है।

१८२ सरद, सड़ियल पड़तल मकानों में भी खराब हवा अकसर पैदा हो जाया करती है उसकी पहचान के लिये यह तदबीर है :—

तेल की चिराग जला के उस मकान में रख देना अगर धरने के साथ ही गुल हो जावे तो समझो की जहरी हवा है, वहां पर भी चूना फैलाना चाहिये।

१८३ चलती हुई गाड़ी वगैरह सवारी से अगर उतरने या कूदने की जरूरत आन पड़े तो जिस रुख गाड़ी चले उसी तरफ एक फुर्ति के साथ कदम उठा के कूदने से कुछ भी धक्का या चोट नहीं लग सकैगा।

१८४ बचपन ही से कसरत करनी चाहिये तनदुरस्ती के लिये बहुतही फायदेमन्द है कसरत दो तरह की होती है जवानों के लिये चलना, दौड़ना, कूदना घोड़े का

चढना और पट्टा खेलना है और बुड्ढों के लिये गाड़ी नाव में बैठ के फिरना है और बच्चों के लिये भी यही और गोद में उठा के घुमाना, कसरत के लिये वक्त दो ही है फजर और शाम।

१८५ आदमी जैसा की दुशमन से डरता रहता है अगर इस तरह खुदा से डरै तो दुशमन हो ही नहीं सक्ता है। शेख शादी ने भी कहा है (दुशमन चेकुनद चूं मिहरबां बाशद दोस्त) दुशमन क्या कर सक्ता है अगर मिहरबान होवे खुदा।

१८६ हमेशा मशकरी ठट्ठा करना बहुत बुरा है अगर ऐसा ही मौका आन बने तो करके हंसो मत, अगर सुन के दूसरा भी नहीं हंसे और करके खुद हंसे, वह मशखरी खाक डालने लाएक समझो।

१८७ सिंघ, सांप, सोमल, कीमीयागर, जादुगार, चोर और ठग यह सब एक ही मा के बेटे हैं, इनमें पहिले के तीन तो सिर्फ जीव ही के गांहक हैं लेकिन बाकी के जान और माल दोनूं को नहीं छोड़ते हैं, याद रक्खो कि जहां लालच है वहां पर यह सब हाजिर रहते हैं, खबरदार! खबरदार!

१८८ चिन्ता और चिता भी एक ही मां की बेटियां हैं,चीता मरने बाद जलाती है पर चिंता पहिले ही जला के कबाब कर डालती है इनमें से एक याद करो और दूसरी को भूल जाओ।

१८९ हरामजादा, वर्णसङ्कर, नीच भड़वा वगैरह कलामों का अर्थ समझ के हरगिज जबांपर नहीं लाने चाहिये।

१९० जहां सुस्ती और गाफली हैं वहां हर तरह का नुकसान समझो और जहां फुरती और चौकसी है वहां हरएक तरह का नफा है।

१९१ किसी आदमी को चूक, या गलती के लिये अगर ठपका देना चाहो तो पहिले अच्छी तरह अजमाइश के साथ समझ लेना चाहिये ऐसा नहो कि पीछा अपने ही को नीचा देखना पड़े।

१९२ तकलीफ के साथ चुस्त जूते और कपड़े पहनना, नखों को और बालों को रगड़वा के कटवाना, दर्द सहके गहना पहनना समझदारों का काम नहीं है।

१९३ नख बढना, केश बढाना, भस्म लगना, कांटो पर सोना, चौतरफ आग सुलगा के तपना, उंधा लटकना, नङ्गा फिरना इत्यादि से जो शरीर को [illegible] देता है सब अफराड है परमार्थ कुछ भी नहीं है।

१९४ आग से तपना, मसलाना, दबाना, रोज का स्त्री संग और बहुत सोना, महनतू आदमी के लिये बहुत ही बुरा है।

१९५ दुश्मनी सिर्फ पांच ही कारण से हुआ करती है:— स्त्री, जमीन, कड़वाबोल, अपराध, और जाति स्वभाव खियाल रक्खो।

१९६ द्रव्य, बन्धु, वय, कर्म, विद्या, यही पांच मान्य स्थान

हैं इन सब में विद्यावान पुरुष सब से अधिक मान्य पाता है।

१९७ रजस्वला स्त्री में गमन करने से बुद्धि, तेज, बल, नेत्र, और आयुष, यह सब निश्चय हीन हो जाते हैं।

१९८ ऋतुकाल की सोलह रात्रि है, तिसमें पहिली चार और इग्यारहीं तेरही रात्रि अच्छी है। सम रात्रि में पुत्र होता है (छठईं, अठईं, दसईं, चौदहीं, सोलहीं) और विषम रात्रि में कन्या होती है (जैसे पंचईं सतईं, नवईं, इगारहीं, तेरहीं, पंद्रहीं,) इसलिये पुत्रार्थी पुरुष सम रात्री में सम्भोग करे। पुरुष के वीर्य्य अधिक से पुत्र होता है विषम रात्रि में भी और स्त्री के वीर्य्य अधिक से कन्या होती है सम रात्रि में भी, इसलिये अच्छे वस्तुओं के भोजन से अपने वीर्य्य को अधिक करे और निकाम वस्तु के भोजनसे और थोड़ा खिलाने से स्त्री के वीर्य्य को कम करे। पुत्र और कन्या होने का यही मुख्य कारण है। मनुस्मृति।

१९९ जिस चीज में जहर मिला होगा, कव्वा, बन्दर, नेवल, हरगिज़ नहीं खांगे, हमने कई दफा अजमाइश की है।

२०० दिल का हाल सुन करके तो हरएक समझ सक्ते हैं लेकिन आंखोंसे दरयाफ्त कर लेना उसी की तारीफ है, भला बुरा सब आंखोंही से मालूम हो सक्ता है।

२०१ पशुसेवा, खेती, स्त्री, विद्या, और म्लेछ संसर्ग, इन पांचों को हमेशा देखते रहना चाहिये।

२०२ पुत्रसत् आचरण वाला, स्त्री पतिव्रता, स्वामी सर्वदा अनुग्रह करने वाला, मित्र प्रेमी, कुटुम्ब के लोग अवंचक, मनक्लेश से रहित, स्वरूप सुन्दर, सम्पतिस्थिर, और विद्या से सुख, शोभायमान, यह सब उस मनुष्य को प्राप्त होता है जिस पर ईश्वर प्रसन्न हो।

२०३ जीव हिंसा से निवृत्ति रहना, पराया धन हरण नहीं करना, सत्य बोलना, यथा शक्ति दान देना, पर स्त्रियों की कथा में मौन रहना, लालच न करना, बड़े लोगों से नम्र रहना, प्राणी मात्र पर दया रखना, सब शास्त्रोंमें प्रवृत्ति रखना और नित्य नैमित्तिक कर्मों को न छोड़ना यही सब मनुष्यो के कल्याण का पन्थ है।

२०४ जब तक अपना शरीर पुष्ट और निरोग है और वृद्धावस्था दूर है, जब तक इंद्रियों की शक्ति नहीं घटै और आयुष्य भी क्षीण नहीं हुई हो इनके पहिले बुद्धिमान मनुष्य को उचित है कि अपने कल्याण का उपाय अच्छी तरह से कर ले, जब घर जलने लगैगा कूआ खोदना कुछ भी काम न आवेगा।

२०५ स्त्रियों के कटाक्ष बाण चित्त को नहीं बेध सकते और न क्रोध रुपी अग्नि की आंच लग सकती और न मोह, लालच के जाल में फसने सकता, ऐसा सूर वीर तीनो लोक को जीतने सकता है।

वक्तका नुक़सान और मौतकी यादमें।

आदमीको चाहिये कि अपना हर एक दिन और हर एक लहजा अच्छे कामोंमें ख़र्च किया करे, उसको नाहक़ बरबाद न होने देवे। और हर रोज एक न एक नई बात सीख लेवे। जिस रोज नहीं सीखेगा वह दिन उसका नुक़सानमें गीना जावेगा। सोच करके अपने दिलमें देखो तो निश्चय हो जावेगा कि, यह वक्तका नुक़सान कितना बड़ा है। अगर सच पूछो तो वक्त, का एक लहजाभी अनमोल है, क्योंकि जब आदमीका आख़िरी वक्त, आन पहुंचता है, यानी वह मरने लगता है, उसवक्त तमाम दुनियांकी बादशाहत देनेसे भी जिन्दगी एक पल भर नहीं बढ़ सकती है। क्या अफ़सोसकी बात है कि आदमी ऐसी अनमोल चीजको ऐसा गफ़लत से बरबाद करे कि, गोया इसको अपनी मौतकी भी ख़बर नहीं है। देखो! जिस रोज आदमीका साल ग्रहका और बिवाहका दिन आता है, वह राग रङ्ग और तमाशा देखता है, और बड़ी बड़ी ख़ुशियां मनाता है, अगर इसको यह मालूम होता कि, आज मेरी मौतका लशकर कोई मञ्जिल और भी नज़दीक आन पहुंचा तो क्यों कर न एक कोनेमें बैठके अपने गये वक्तके लिये अफ़सोस करता? गरज मौत अगर आदमीको याद रहे तो कभी उससे कोई भी बुरा काम नहीं हो सकेगा।

जिस वक्त 'अफलातून' नामका हकीम मरने लगा, उस वक्त 'अरस्तु' नामके हकीमने अरज़ की—कि आप कुछ मुझको नसीहत कर जाइये, उसने जवाब दिया कि मैंने चार लाख बातें नसीहतकी जमा की थी, उसमेंसे चार बात चुन कर इस वक्त, तुझको कहताहूं। उन चारमेंसेभी दो बात तो बहुतही याद रखने की है, और दो बात भूल जानेकी है, यानी आदमीको अपनी मौत और अपना पैदा करनेवाला मालिक, यह दोनों हमेशाही याद रखना चाहिये और नेकी जो खुद किसी दूसरेके साथ और बदी जो कोई दूसरा आपने साथ करे, वे दोनों भूल जाना चाहिये।

मुराद हमारी इस लिखनेसे यह है कि आदमी अपना वक्त नाहक बरबाद कभी न करे और हरेक रोज कुछ न कुछ अच्छी नई बात सीख लिया करे।

अच्छी सलाह।

आदमीको चाहिये कि जबतक किसी बातकी बुराई या भलाई निश्चय न होवे तब तक एकाएकी किसीकी देखादेखी काम न करे, नहीं तो आखिर बहुतही हैरान वो परेशान हो जावेगा। चुनांचे इसपर एक नकल है।

एक खच्चर निमकसे लदा हुआ किसी नदीके पार उतरता था, जब बीचधारमें पहुंचा तो उसने एक गोता पानीमें ऐसा लगाया कि वह निमक भींगके गलगया और उसकी पीठ हलका हो गया, यह माजरा अचानक एक गदहेने (जिसकी पीठ पर रूई लदीथी) दूर से देखा, देख कर वहभी नदीके किनारे पहुंच कर झटपट उसमें कूद पड़ा और गोता लगाके चलने लगा, लेकिन उसकी पीठ का बोझा तो इस कदर भारी हो गया कि मियां बोझके मारे उसी जगह डूबके मर गया।

भकरात हकीमने कहा है कि, जैसा लड़ाईके वक्त, लोहा सोनेसे भी जियादा काम आता है, वैसे अकलभी हरेक वक्त, वो हरहालतमें बहुत काम आती है।

दुनियां सराय है।

कहने को तो सब लोग इस दुनियांको सराय कहते हैं, लेकिन दिलमें कोई एक अकलमन्द सुहबति समझते होंगे, इस लिये एक नकल बयान किया जाता है, इसके पढ़ने से सब को इस दुनियां के सराय होने पर कुछ संदेह नहीं रहैगा, वह नकल यह है।

किसी बादशाहके बागके अंदर अचानक एक मुसाफिर नावाकिफ फकीर चला आया और अपनी झोली वो तुंबा मसनदके ऊपर रखके बादशाही छप्परखट पर मजेसे सो रहा। जब बादशाह वहां पर आयें, फकीरको देख की निहायत गजब होके बोले कि ऐ। अहमक् तू यहां किस तरह आने पाया? फकीरने यह सुनके उत्तर दिया कि, बाबा इतना गरम क्यों होता है? मैं तो इस मकान को सरायही समझके एक कोनेमें बिशतरा लगाके चुपचाप बैठा हुआ हूं। बादशाह यह सुनकै औरभी जियादा गुस्सेमे आये और बोला, अबे! सराय किसको कहता है? नहीं जानता कि यह मेरे रहनेका महल है। तब फकीर बोला, सुन बाबा! जब तू पैदा नहीं हुवा था तब यहां कौन रहता था? शाहने कहा, मेरा बाप रहता था। तिसपर फकीरने कहा तेरे बापके पहिले यहां कौन शख्स रहता था? बादशाहने कहा मेरा दादा रहते थें। फकीरने कहा तेरे दादेके पहिले कौन था? बादशाहने कहा मेरा परदादा रहते थें? इसी तरह जब बादशाह अपनी सात आठ पीढी तकका नाम ले गये तब फकीरने कहा सुन बाबा! जिस घरमें इतने आदमी रह रहके चले गयें वह सराय नहीं तो और क्या है? तूभी इसी तरह एकरोज चला जावेगा, फिर किस वास्ते इस मकानको आपना बनाता है? बादशाहके दिल पर इस बातका बड़ा असर हुआ और कुछ देके फकीरको रुखसद किया।

कीमीयांगिरी।

हिन्दुस्तानके लोगोंको ठगनेके वास्ते हरीफों को यह बहुत अच्छी तरकीब याद है, कि जो आदमी किसी तौरसे दम पर नहीं चढ़ता, वह कीमीयांका नाम सुनते ही बावला हो जाता है, इन ठगोंका यह दस्तूर है कि फकीरोंका भेष बदलके हर एक शहरमें घुमते रहते हैं, और मकारो फरेबका जाल हर जगह डालते फिरते हैं, जब कभी कोई

इनकी फरेबमें आजाता है, झटपट उनको कपड़े तक मांग लेते हैं, यह न।समझ हिन्दुस्तानी इतना भी नहीं जानते। कि जो शख्स कीमीयां बनाने जानता, वह इसके लिये चांदी और सोना क्यों मांगता? अफसोस है. कि हिन्दुस्तानके हजारहां आदमी कीमीयांगरोंके हाथोंसे मारे जाते हैं, जिस पर भी नादान लोग नहीं जानते कि इस बलायसे दूर भागना हमारे हकमे अच्छा है सब कोई जानते हैं, कि इस फनमें किसीने दौलत जमां नहीं करी फिर इस कामकी तलाशमें जो कोई अपना माल फूंके वह सरासर काठका हाथी है, आखिर दो कौड़ी का बन जावेगा और दुनियांमें बेवकूफ कहलावेगा, जानना चाहिये कि बाजे कीमीयांगर तो मसालोंके जोरसे धातुका रङ्ग बदलकर अपना रङ्ग जमा लेते हैं, और बाजे तो इस तरहकी हथफेरी करते हैं कि पारे और तांबेकी जगह छिपाके सोना चांदी रखके झटपट अपने गाहक को चांदी या सोना दीखा देते हैं लेकिन बाजे तो ऐसे चालाक होते हैं कि लून मिरिच लगाके खालीही बातोंसे आदमीको दांव पर चढ़ा लेते हैं, अब हम कीमीयांगरोंका कुछ अहवाल लोगोंको होशियार करनेके वास्ते इस जगह लिख देते हैं, सुनो—

किसी रोज एक फकीर खाकवेंका लङ्गोट कसा हुआ एक महाजन की दुकान पर अचानक आन बैठा, बनीयेंने भी उनको आगे एक सुलफे की चिलम चढ़ाके रख दी लेकिन उस फकीरने निहायत चालाकी और फुरतिके साथ झटपट तम्बाकुकी जगह एक सोनेकी डली रखदी और चिलम उसी दुकान पर उलटा कर चला गया कुछ देरके बाद बनियेंने उस चिलमको उठाया तो देखा कि उसके नीचे कुन्दन दमक रहा है बनिया उसको देखतेही हाथ मलने लगा और बोला कि, हाय। हाथ से सोनेकी चिड़ीया उड़ गई, लेकिन चार पांच रोजके बाद वही फकीर उसी दुकानके साम्हनेसे निकला, बनिया फकीर की सूरत देख कर अपने दिलमें बाग बाग हो गया, और दूरहीसे दौड़कर उसका कदम जा पकड़ा, और गिड़गिड़ाने लगा कि हजरत! कुछ इस कंगाल पर करम बख्शी कीजिये।

शाह साहिबने पहिले तो बहुतसा मिजाज किया; आखिरको इस तौरसे बोला कि, बाबा! अब हम एकबारगी तेरा बेड़ा पार कर देते हैं लेकिन बाबा बगैर जामन तो दहीभी नहीं जमता, जैसा तेरे घरमे सोना हो, जमा कर रख हम रातको तेरे घरमे आवेंगे, मगर किसीको कहना नहीं। बनियाँ तो उसकी बातों पर ऐसा पिघला कि, घर जाते ही अपनी जोरूका सारा जेवर उतार कर जमा किया, और सूरजकी तरफ देखने लगा कि कहीं जल्द सांझ हो सूरज छुपतेही फकीर भी अपने वादे मुजब आन पहुंचा, और एक मकानके अंदर चार पांच मन छाने याने कंडे सुलगाके उसमें उसी बनियेके हाथसे पहिले तो सेरभर ताम्बा रखवा दिया, और एक पुड़िया खाख की झोलीमेंसे निकालके उस हांड़ीमें छोड़ दी।

एक घण्टेके बाद जब धूंवा उस कंडोका उस मकानके अन्दर अच्छी तरहसे घुट गया और मारे धूवेंके बनियां आंखें मलने लगा, तब फकीर ने आगमें से वह सोनेकी पोटली निकालके अपनी झोलीमें रख ली और वहां बैठके रात काटी सुबह जब हुई तो हजरत बोले कि बाबा! माल तो तय्यार हो गया है, लेकिन अभी ठण्डा नहीं हुआ, इस वक्त छेड़नेसे कच्चा रह जावेगा जब तक ठंडा हो तब तक हम नदीसे नहा आवें, यह कहके फकीर तो सोना लेकर वहांसे चंपत हुआ, और बनियां बैठा रहा जब बनियेंने देखा कि फकीर नहीं आया तो वह आपही उस राखके ढेरमेसे सोनेका डला तलाश करने लगा, लेकिन ताम्बा उसमें मिला सोना कहांसे मिलता, मसल है, कि तिल रहे तो तेल निकले, बनियां रोने लगा आखिर सब्र करके बैठ रहा—इसी तरह का हाल मालवेके अखबारमें देखा गया है, कि एक गुसाईंने सेठको चांदी जमा करवाई और पूजा पाठके बहानेसे मन्तर पढ़ पढ़ घण्टा बजाने लगा, एक रोज़ आधी रातके वक्त गुसाईंजी चांदी लेकर रुखसद हुए दिन निकले मालिकने देखा कि न तो गुसांईजी हैं और न चांदी है सेठजी चुप रह गये कुछ न बोले, कहा है, कि ठगाया हुआ, बनियां और ठूका हुआ रजपूत कुछ नहीं बोलता है—मतलब हमारा इसके

लिखनेका यह है कि ऐसे लोग बातोंके सुननेसे कभी दगा न खावे और न किसीके फरेबमें आवे ।

गरूरकी दवा ।

आदमीके लिये सब ऐबोंसे बुरा ऐब गरूर है इससे फायदा किसी सूरत नहीं होता है, और नुकसान सरासर है हकिकतमें इस ऐबसे तमाम हुनर छिप जाते हैं, इस बीमारीका इलाज जरूर करना चाहिये, सबको मालूम है, कि जिस तरह तप, जुकाम, खांसी, फोड़ा, फुनसी वगैरह बदनकी बिमारियां हुआ करती है, इसी तरह गरूर गुस्सा लालच वगैरह दिलकी मर्ज हैं और जिस तरह बदनकी बिमारियोंके वास्ते बहुतसी दवा खाने पीनेकी मुकर्रर हैं इसी तरह दिलकी मरजोंके वास्ते भी बहुतसे नुसखे सोचने और गौर करनेके मौजूद हैं हम एक नुसखा मगरूर आदमीके वास्ते लिख देते हैं जिन लोगोंके दिलको यह मर्ज होवे वह दो चार दिन इसको अच्छी तरह याद करे उम्मीद है कि भगवान की कृपासे भले चंगे हो जावेगा ।

नुसखा ।

किसी रोज़ एक शखस जिस्का नाम 'मिरज़ा अकड़बेग' था बाजार में चला जाता था, पगड़ी भी इतनी तिरछी सजी हुई थी कि आंख उस्की छिप गई थी, ऐंठ उस्के बदनमें ऐसा था कि, मूंजकी रस्सी भी क्या ऐंठेगी । बदन पर हथियार इतने लदे हुए कि, तोलमे उस्के बदनसे भी जियादा भारी होंगे एक नोकदार जूते पर सवार "अफलातून, का साला बना हुआ बलखाता हुआ और कभी आसमान की तरफ ताकता हुआ कदम रखता और घमंडके नशेमें आंख बंद किए हुआ पान चबाता चला जाता था । पांव कहीं रखता पड़ता कहीं था इतने

में एक गरीब बुड्ढा पांवसे लंगड़ा लाठी टेकता हुआ सामनेसे चला आता था, अचानक कहीं उस 'अकड़बेग' का धक्का उस गरीब को लग गया। उस अकड़बेगने दया तो नहीं किया, बलकि उलटा आंखे बदल के उस बुड्ढे को घुरकके बोला कि अबे ! तू नहीं जानता कि मैं कौन हूं ? यह सुनके उस बिचारेने हाथ बांधके अर्ज़ किया कि, ऐ हज़रत ! मैं आपसे खूब वाकिफ हूं और यहांतक भी जानता हूं कि आप क्या थे और क्या हो जावेंगे, तब तो मिरज़ा साहिब इस बात को सुन के घबराये और निहायत ताजुब कर के बोले कि भला बताओ तो सही कि तू मेरा हाल क्या जानता है ? तब वह बुड्ढा बोला, सुन बाबा ! मैं तेरा हाल बयान करता हूं, तू पहले एक बूंद मूतका था कि जिसके निकाल पड़नेसे ज़रूरत नहानेकी होती है, फिर तू अपनी माके पेटमें उस लोहूसे मिला कि जो तमाम जगहके लोहूसे जियादा नापाक है और अब तू हड्डी, गोश्त, लोहू, चरबी, और शुक, पित्त कफ और इस तरह की सैंकड़ों गलीज़ चीज़ों का पुतला बना हुआ है, और फिर थोड़े दिनोंमें गल पिचकके खाकमें मिल जावेगा, और तब अगर चील कउवे कुत्ते तेरे इस नापाक बदनकी बोटी नोच खावें तो कुछ अचरज नहीं, और खोपरी सबकी ठोकरों तले आवेगी। देखो ! दारा, सिकन्दर, नौशेरवां, सुलेमान, जमशेद, और हातम वगैरह आदमियोंको तो इस जहानने बाकी नहीं छोड़ा, फिर तू किस बागकी मूली है कि इतना घमंड और ज़ोर पर चढ़ा है, यह सुनके मिरज़ा साहिब तो सर्द होके ज़मीन कुचरने लगे और बुड्ढेने अपना रस्ता लिया। सच है ! भेंके गले छुरी है !

शाहुकार और अकलमन्द ।

एक मालदार शाहुकारके पास जाके एक गरीब अकलमन्दने कुछ सवाल किया, शाहुकारने उससे पूछा तुम क्या हुनर जानते हो ?

अक्लमन्दने जवाब दिया कि वक्त पर जो बात आपके समझमें नहीं आवेगी, अंदाज उसको बखुबी बतला सकेगा, यह सुनके उसको अपने पास रक्खा कई दिन पीछे शाहुकारको रातके वक्त एक ऐसा सुपना आया कि "मौतने आ घेरा और दौलतके मालिक लोग बन गये" इस पर पहले तो शाहजी ने बहुतसा अफसोस किया, आखिर उस अक्ल-मन्दको अलग बुलवाके कहा कि लो ! अब मैं उस मुकामको जाता हूं, जहांसे कोई भी पीछा नहीं फिरता है, अक्लमन्दने पूछा कब तशरीफ लाइयेगा, तब उस सेठने कहा मुझे ख्वाब आ चुका है, अब क्या ! देरका काम है ? यह सुन करके अक्लमन्दने पूछा क्या डेरा तंबू लदवा चुके ? कहा नहीं, तो क्या असबाब वगैरह खाने पीनेका सामान भिजवा दिया ? कहा नहीं, तब उसने सेठजी से फिर पूछा कि एकादा खिद-मतगारको तो भेजाही होगा ? कहा तेरी कसम अबतक कुछ भी नहीं यह सुनके अक्लमन्दने हाथ बांधके अरज की कि सेठजी साहिब ! थोड़े दिनके रहनेवास्ते तो आपने कैसे कैसे संगीन मकान बनवाके उनमें लाखों रुपयेका असबाब खरीदके रखवा दिया और सैकड़ों आदमी चौकी पहरे और खिदमतमें हाजिर रहते हैं, और जहां आप हमेशाके लिये रहने जाते हो वहांके लिये तो आपने कुछ भी बन्दोबस्त नहीं किया, इतना माल असबाब छोड़के क्या अकलेही तशरीफ लाइयेगा ? इस बातको सुनते ही सेठजीका निशा उतर गया, और उस अक्लमन्द की बातोंका मतलब बखुबी समझ गया ।

मतलब इस लिखनेका यह है कि जो कुछ वहांके लिये बन्दोबस्त करना हो झटपट कर गुजरे; जब आखिरी वक्त आन पहुंचता है उस वक्त न भाई बंधु, न यार दोस्त, न औरत बेटा काम आ सकता और न दौलतसे कुछ हो सकता है, जो कुछ अपने हाथसे नेककामोंमें खर्च जावेगा वही अपना है ।

———ooo———

आदमीका नाम रहनेकी तरकीब ।

जो आदमी अपनी नेकनामी चाहते हैं, वह क्या क्या काम बनाते हैं, कोई तो बाग, बगीचे, मन्दिर, शिवाले, तालाब, कूआ, मसजिद, मदरसे, और पुल बनवाते हैं, कोई गरिबोंको खैरात करते हैं और बाजे अपना नाम बढ़ानेके लिये हाथी, घोड़ा, फोज, रखके अपना दब-दबा दिखलाते हैं, अगरचे इन कामोंमें बाजे काम बहुत अच्छे और नेकनामी देनेवाले हैं, लेकिन जहांतक यह सब कायम रहते हैं वहां ही तक बनानेवालेका नाम रहता है, देखिये! इस दो हजार बरसों के बीचमें कैसे कैसे राजा और कवि पण्डित हो गये हैं, परन्तु जैसा नाम राजा विक्रम, भोज, महा कवि कालीदास, माघ इत्यादिका है ऐसा दूसरों का नहीं हैं, इससे मालूम हुआ कि आदमीका नाम जैसा विद्यारूपी धन छोड़ जानेसे रहता है, ऐसा दूसरे कामोंसे नहीं रह सकता है ।

विद्योत्साही राजा और कवियोंका कुछ वर्णन लिखते हैं ।

राजाभोज ।

इस राजाने धारनगरमें सम्बत् ९८२ से १०८२ तक नीति प्रमाण राज किया है, इनके पास एकसे एक बढ़के कालिदास, भवभूति, दण्डी वररुचि, सुबंधु, बाण, मयूर, रामदेव, हरिवंश, शंकर, कलिंग, कर्पूर, विनायक, मदन, विद्याविनोद, कोकिल, तारेन्दु इत्यादि १४०० गुण-वान पंडित रहते थे, ऐसा सुननेमें आया है कि जो कोई नया श्लोक बनाके लाता राजा से लक्ष रुपये इनामका पाता । राजा भोजमें बहुतही विलक्षण गुण था, इतने ग्रन्थ इन्होंने बनाये हैं—भोजचम्पु, भोजप्रबन्ध, सरस्वती कंठाभरण, राजमार्तंड, मुंजप्रति देशव्यवस्था, भोज प्रतिदेश व्यवस्था, विक्रमचरित्र इत्यादि । राजा भोज अपने राजमें किसी

को भी मूर्ख रहना नहीं चाहता था, एक दिन एक नदीमें एक ब्राह्मण लकड़ियोंका भार लेके पार उतरता था राजाने उस ब्राह्मणसे हंसके पूछा "नद्यां कियज्जलं विप्र" अर्थात् हे ब्राह्मण! नदीमें कितना जल है, उसने तुरन्त जवाब दिया "जानुदघ्नं नराधिप" अर्थात् हे राजा! जानुतक है, यह सुनके राजा बहुत प्रसन्न हुआ और एक लक्ष रुपये देनेका हुकम दिया, ब्राह्मणने जाके धर्मखातेके अधिकारीसे रुपये मांगे, उसने ब्राह्मण की कंगाल अवस्था देखके नहीं दिये, ब्राह्मण राजाके पास फिर आया तो राजाने दो लक्ष देनेको कहा, तिस पर भी उसने नहीं दिये, तब तो राजाने तीन लक्ष और दश हाथी देनेका धर्मखाते के मुनीमपर लिख दिया, उसने अक्षर देखते ही राजाकी आज्ञानुसार तीनलक्ष और दस हाथी उस ब्राह्मणको दे दिये और लिख दिया कि,—

"लक्षं लक्षं पुनर्लक्षं मत्ताश्च दशदन्तिनः।
दत्ता श्रीभोजराजाने जानुदघ्नं प्रभाषिणे॥"

भोज कुछ ऐसा बड़ा राजा नहीं था परन्तु विद्याके प्रभावसे बड़े बड़े महाराजाधिराजों को मात कर दिया।

सच कहा है—"कीर्तिरक्षरसम्बद्धा स्थिरा भवति भूतले"।

हजारों राजा इस भारतवर्षमें हुए हैं परन्तु दानशील, विद्योत्साही, गुणग्राही, केवल भोज विक्रम प्रभृतिही दो चार सुप्रसिद्ध हुए है।

भोज नामके और भी दो राजा हुए हैं एक संवत् ६२४ और दूसरा संवत् ७२२ में हुआ है, इसी तरह विक्रम नामके राजा और कालिदास नामके पंडित भी कई हुए हैं, परन्तु जिसके पास महाकवि कालिदास रहता था उस विक्रमका नाम "हर्ष" था संवत् बांधनेवाले विक्रमके समय विद्याका प्रचार अधिक नहीं था।

कालिदास ।

अगले जमानेमें बहुतसे प्रसिद्ध कवि हो गए है, परन्तु हालमें कालिदासकी कविता शक्ति और चातुर्य देश देशांतर प्रख्यात है, कालिदास पंडित ऐसा नामाङ्कित हो गया है तथापि इनका जीवन वृत्तांत ठीक ठीक नहीं मिलता है, कालिदास कविका टीकाकार मल्लिनाथ पंडितने भी कालिदासके जन्म विषे कोई ठिकाने कुछ नहीं लिखा है, सिर्फ इतना ही निर्णय हुआ है कि उज्जैननगरीमें विक्रमादित्य अथवा राजा भोजकी वक्तमें हुआ है ।

> धन्वन्तरिक्षपणकामरसिंहशङ्कुवेतालभट्ट वटकर्पूर-
> कालिदासाः । ख्यातो वराहमिहिरो नृपतेः सभायां
> रत्नानि वैवररुचिर्नव विक्रमस्य ॥

अर्थ—धन्वन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेतालभट्ट, वटकर्पूर, कालिदास प्रख्यात वराह मिहिर और वररुचि यह सब विक्रम राजा की सभामें नवरत्न नामसे पुकारे जाते थे ।

उज्जैनमें विक्रमादित्य नामके बहुतसे राजा हो चुके हैं, और कालिदास नामके भी बहुतसे पंडित हो गए हैं पर जिन्होंने रघुवंश, कुमारसंभव, शाकुन्तल नाटक, विक्रमोर्वशी नाटक, शृंगारतिलक, असज्जन वर्ज्जन और ऋतुसंहारादि ग्रंथ बनाये उस कालीदासका यथास्थित निर्णय नहीं हुआ है, केवल इतना ही निश्चय हुआ है कि हर्ष विक्रमादित्यके वक्तमें बेतालभट्ट, अमरसिंह, वराहमिहिर आदि कवि थे, उनका नाम उपरोक्त नवरत्नमें लिखे हैं सो मिलते हैं ।

राजा भोजकी सभामें जो कोई नया श्लोक बनाके लाता राजा की प्रतिज्ञापूर्वक एकलक्ष मुद्रा पाता, परन्तु नया श्लोक ठहरना बड़ा कठिन था, कितने ही पंडित निराश होके फिर जाते थे, कारण जो कोई नया श्लोक अपनके सभामें बोलता पंडित लोग सुनकरके राजा से कह देते कि महाराज इस श्लोकको तो हमलोग जानते है, पुराणा है, यह देख करके कालिदासने एक नया श्लोक बना के सभामें सुनाया—

स्वस्ति श्रीभोजराजत्रिभुवनविजयी धार्मिकः सत्यवादी,
पित्रा ते मे गृहीता नवनवति युतारत्नकोटि मदीया ।
तां त्वं मे देहि तूर्णं सकलबुधजनै र्ज्ञायते सत्य मेतत्,
नो वा जानन्ति केचिन्नवकृत मितिचेत् देहि लक्षं ततो मे ॥

अर्थ—हे त्रिभुवन विजयी धार्मिकवर सत्यवादी भोजराज! आप के पिता महात्माने मेरे पाससे एक कोटि और निनानव्वे लक्ष रत्न ऋणग्रहण किये थे यह सत्य है, इसको आपके सभासद पंडित सबही जानते हैं, और यदि नहीं जानते हैं तो यह श्लोक नया है, आपको प्रतिज्ञा प्रमाण एक लक्ष मुद्रा दान दीजिये, यह सुनते ही सभाके पंडित सब एकबारगी चुप रह गये कुछ भी जवाब नहीं आया और परस्परमें मुंह देखने लगे, यह देख कालिदासने राजासे हंसके कहा महाराज! अब आपके पंडित सब क्या सोचते हैं? या तो पिताके ऋणसे मुक्त होईयेगा नहीं तो लक्ष मुद्रा दान दीजिये? यह सुनके राजाने कहा इसका जवाब कल मिलेगा, सुनतेही कालिदास तो अपने स्थानको गया, इधर राजाने अपने सभापंडितोंसे पूछा, कि कालिदास को क्या उत्तर देना चाहिये? इस पर एक वृद्ध पण्डितने कहा महाराज! एक पुरातन बात मेरे को याद आई है, राजाने पूछा वह क्या है? पण्डित कहने लगा कि "आपके पिता महात्माके हाथ की लिखी हुई एक कविता है उसमें लिखा है कि मैंने आषाढ़ महीनेके शेष दिन मध्याह्नकालमें हमारी नदीके तीर बगीचेके मध्य तालवृक्षपर अनेक रत्न रक्खे हैं हमारे पुत्रको वयःप्राप्त होनेसे मिलेंगे"।

हे नरनाथ! इस पर कालिदास की कविता पुरानी ठहरती है, आप उसको असम्भव लिपी देकरके आज्ञा दीजिये कि यह धन तुम लेआओ, इससे तो उसका कविताभिमान दूर हो जावेगा, यह सुनके महीपाल अत्यन्त सन्तुष्ट हो धन्यवाद देके कहने लगा, हे कोविदवर! बहुत अच्छी युक्ति बताई इस पर अवश्यही कालिदासको उत्तर नहीं आवेगा।

दूसरे दिन प्रातःकालही कालिदास राजसभामें उपस्थित होके फिर

वही श्लोक बोला, श्रवणमात्रही एक बारगी पण्डितोंने राजासे कहा महाराज! यह कविता कुछ नई नहीं है, आपहीके पिता महात्मा कृत है, यह सुन वह लिपी राजाने कालिदासके हवाले की, कालिदासने देखते ही उस कविताके मतलबको समझ लिया, और कहने लगा कि हे राजन्! इस लिपिमें कुछ रत्नोंकी संख्या नहीं लिखी है केवल इतनाही लिखा है कि वृक्षपर रत्न रक्खे हैं, इसलिये मैंने जो रत्न दिये थे उनसे कमति मिलेंगे तो आपको देने पड़ेंगे और यदि अधिक प्राप्त होंगे तो आपको ला देंगे, राजाने कहा बहुत अच्छा, उसवक्त कालिदासने अति गम्भीर स्वरसे राजाको आशीर्व्वाद दे वहांसे बिदा हुआ, और उसी ठिकानेपर आया कि जहां वह रत्न गड़े थे वहां वृक्षमूल खोदतेही दो ताम्रकलस दो कोटि रत्नोंसे भरे हुए मिले, उनको ले जाके राजाके सनमुख रख दिये और कहा हे नरवर! उसी वृक्षके मूलसे दो कोटि रत्न मिले हैं, हमारे तो एककोटि निनानव्वे लक्ष रत्न पावने थे सो लेता हूं बाकी एकलक्ष रखनेके लिये आप आज्ञा दीजिये, यह देख सुनके राजा अत्यन्त आश्चर्य मानके कहने लगा, हे सुबुद्धि शेखर कविकुलतिलक पण्डितवर! आपने कैसे जाना कि रत्न वृक्षके नीचे गड़े हैं। कालिदासने कहा आपके पिता महात्माने लिखा है कि "आषाढ़ांत दिवसके मध्याह्नकालमें हमारी नदीतीरस्थ बगीचेके मध्यस्थित तालवृक्षोपरि अनेक रत्न रक्खे हैं" इसका अर्थ ऐसा है कि आषाढ़ महीनेके शेषदिन दोपहरके समय मस्तककी छाया पैरके नीचे आ जाती है, अर्थात् वृक्षके ऊपरका विभाग छायाद्वारा मूलमें आनके समा जाता है, इसी संकेतसे वृक्षमूल खोदके रत्न ले आया हूं, वृक्षके ऊपर रत्न रखना यह असम्भव है, यह सुनतेही राजा विस्मयापन्न हो करके असंख्य धन्यवाद देने लगा आखिर वह एकलक्ष रत्न भी कालिदासको दे दिये, यह चरित्र देखके सभाके समस्त लोग चित्रपुत्तलिका तुल्य हो गये। कालिदासने उन रत्नोंमें से आधे तो उसी समय ब्राह्मणों को बांट दिये बाकी लेके अपने स्थानको गया।

एकदिन कालिदासके पास एक कंगाल ब्राह्मण आनके बोला हे कवि-

राज ! मैं अज्ञान हूं और किसी तरहका गुणभी नहीं जानता, दारिद्रसे पीड़ित हूं यदि कुछ कृपा करै तो बहुतही उपकार होगा, कालिदासने कहा, राजाके निकट तो ले जाने सकता हूं पर तुम्हारेमें कुछ विद्या विवेक नहीं इसलिये आगे जैसो तुम्हारे प्रारब्धमें होगा सो मिलेगा, पर एक काम कर राजाको भेटके लिये कुछ ले चल, ब्राह्मण चुप हो गया कुछ पास रहता तो बोलता, कालिदासने यह देखके चारपौंड़ी ईखको हवाले की, ब्राह्मणने अपनी साफीमें रख ली और राजसभामें कालिदासके पीछे पीछे चला गया और कालिदासकी आज्ञानुसार एक जगह जा बैठा, उसके पास एक दुष्टजन आ बैठा और साफीमें से वह ईख की पौंड़ियां निकाल बदलेमें लकड़ीके टुकड़े रख दिये, ब्राह्मण को कुछ मालूम नहीं था, राजासे चौनजर होतेही चट आशीर्व्वाद देके ईखके भरोसे वह लकड़ियां राजाके सनमुख रख दी, राजा देखके बहुत क्रोध हुआ, उसवक्त कालिदासने देखा कि ब्राह्मण बहुत निर्भाग्य है, राजाका प्रसन्न होना तो दूर रहा क्रोध सांती हो जावे तथापि बड़ी बात है, वहां तो सरस्वती जिह्वाग्रे विराजमानही थी तत्काल राजा को समझाया कि महाराज! आप क्या समझते हैं इस ब्राह्मणने तो आपके सनमुख लकड़ियां रूपी दारिद्रको ला के रक्खा हैं इसको भस्म करणा आपके हाथ हैं, यह सुनतेही राजाको समाधान हुआ और उस ब्राह्मणको दक्षिणा देके बिदा किया।

एकदिन राजा भोज और कालिदास बनमें फिरते फिरते एक नदी तीरपे आन बैठे उस नदीमें पत्थर बहुत थे इस लिये पानी पत्थरोंसे टक्कर खाता हुआ बहता था, उसका शब्द सुन राजा भोजने कालिदास से हंसके पूछा कि हे कविराज ! यह नदी इतनी ज़ोरसे क्यों शब्द करती है, कालिदासने जवाब दिया महाराज। क्या आपको मालूम नहीं है यह नवीन अवस्थामें पीहर छाड़के ससुराल को जाती है, राजा यह सुनके बहुत प्रसन्न हुआ।

एक समय कालिदास और दंडी कविका परस्परमें कुछ विवाद हुआ उसपर देवीने यह साखी दी——

कविर्दंडी कविर्दंडी कविर्दंडी न संशयः।

अर्थ—कवि तो दंडी है, दंडी है, दंडीही है, इसमें कुछ संशय नहीं है यह सुन कालिदासने गुस्से होके देवी से कहा। अहं रंडे, अहं रंडे।

अर्थ—रांड़ मैं कौनहूं मैं कौन हूं? यह बचन सुनके देवीने कहा।

त्वमेवाहं न संशयः। अर्थ—तू और मैं तो एकही है।

इस पर दोनूं कवि प्राण समान मित्र हो गये।

पुरा कवीनां गणनाप्रसंगे कनिष्ठकाऽधिष्ठितकालिदासा।
अद्याऽपि तत्तुल्यकवेरभावादनामिका सार्थवती बभूव॥

अर्थ—अगले कवियोंको गिणनेके वक्त पहिले कालिदासहीका नाम लेके गिनते है, उसके पीछे उसके तुल्य दूसरा कवि गिणने योग्य नहीं हुआ इसीसे दूसरी अंगुलीको अनामिका कहते हैं, सो ठीकही है।

अंगरेज लोग भी इस कविकी बहुत तारीफ करते हैं और हिन्दुस्तानका शेक्सपियर ऐसा खिताब दिया है।

पण्डित जगन्नाथराय भट्ट।

यह कवि तैलङ्गदेशका रहनेवाला था एक वक्त इस कविने करनाटक देशके राजाको बहुतही परिश्रम और उत्साहके साथ श्लोक रचना करके भेट किये पर उस राजाने उसकी कविता पर कुछ भी ध्यान नहीं किया, तब तो कविने वहां रहना उचित नहीं समझके राजस्थान जैपुरमें चला आया और वहां पर राजासे भेट की तदनन्तर राजा की आज्ञानुसार पाठशाला स्थापन करके विद्यार्थियों को पढ़ाने लगा, उस वक्त दिल्लिके बादशाहके पास एक संस्कृतविद्यामें निपुन काजी रहता था उसने धर्म सम्बन्धी शास्त्रार्थ करके कितनेही पंडितोंका अपमान किया था, जगन्नाथ रायकी प्रशंसा सुनके दिल्लि मंडलनिवासी बहुतसे पंडित जैपुरमें आये और उस काजीका सब वृत्तांत कह सुनाया, शेषमें यही प्रार्थना किया कि वह दुष्ट काजी कोई उपायसे हार जावे

तो बहुत उत्तम बात है, यह सुनकर जगन्नाथ रायने उन पंडितों से कहा हे भाइयों! आप लोगोंने हमारे ऊपर बहुत कृपा करी अब आप लोगोंकी मनोकामना शीघ्रही परिपूर्ण हो जावेगी, परन्तु एक वर्ष पर्य्यन्त तो कुछ नहीं हो सकेगा कारण यवनधर्म्मके ग्रंथ देखे बिना तत्काल कार्य्यसिद्ध नहीं होगा, यह वचन सुनकरके पंडितलोग अति प्रसन्नतासे अपने अपने स्थानको गये।

इधर जगन्नाथ राय राजासे बिदा हो दिल्लि गया और वहां जाके मुसलमानी मजहबकी बहुतसी किताबें पढ़ उस काजीसे शास्त्रार्थ किया और बातकी बातमें उसको हरा दिया, काजीने उपाय तो बहुत से किये पर कविके साम्हने एक भी नहीं चला, जगन्नाथ की कविता शक्ति देखके बादशाहने उसको अपने पास रहनेको कहा, फिर तो यहां तक दोनोंका दिल मिला कि महलोंतक भी जाने आनेतक की इजाजत दी, जगन्नाथ राय बड़ा अभिमानी और रूपवान था एक दिन बादशाहके साथ सतरञ्ज खेल रहा था उस वक्त बादशाहकी लड़की जिसका नाम लवंगी थी, जगन्नाथको देखके मोहित हो गई और बादशाहको पानी पिलानेके बाहनेसे सोनेकी झारी वहां लेके चली आई, बादशाहको प्यास लगी हुई थी पी लिया, लवंगी जगन्नाथ रायकी तरफ देखके मुसका रही थी, उस वक्त उसने भी लवंगीके दिलका मतलब समझ लिया पर मारे शरमके बादशाहके साम्हने कुछ बोल न सका, लवंगी जब कि अपने महल की तरफ लौटने लगी उस वक्त बादशाहने कविसे कहा इस वक्त मेरी कन्या पर कोई श्लोक बनाओ, जगन्नाथ राय तो यह चाहताही था झटसे बोला—

इयं सुस्तनीमस्तकन्यस्त कुम्भाकुसुम्भारुणं चारुचेलं दधाना।
समस्तस्य लोकस्य चेतः प्रवृत्तिं गृहीत्वा घटे न्यस्य यातीव भाति॥

अर्थ—यह उत्तम स्तनवती तुम्हारी कन्या जो कसुंभरंगकी बारीक सारी पहन रक्खी है और मस्तकपर कलस लेकर चलती है इस वक्त मेरे को मालूम होता है कि सर्व लोगोंकी चित्त की वृत्ति उसमें भर करके ले जाती है।

बादशाह यह सुनके बहुत खुश हुआ और उससे कहा जो तुम्हारी खुशीमें आवे मांगो, जगन्नाथ रायने तुरन्त जवाब दिया।

नयाचेगजालिं नवा बाजिराजिं न वित्तेषु चित्तं मदीयं कदाचित्। इयं सुस्तनीमस्तकन्यस्तकुम्भा लवंगी कुरंगी-दृगंगी करोतु ॥ १ ॥

यवनी नवनीतकोमलांगी शयनीये यदि लभ्यते कदाचित्। अवनीतल मेव साधु मन्ये नवनीमाघवनी विनोदहेतुः ॥ २ ॥

अर्थ—हजरत न तो हाथी घोड़ा मांगता और न पैसे की मुझे दरकार है पर यह जो मस्तक ऊपर घड़ा ले जानेवाली मृगलोचनी है उसको मेरे अंगीकार करो यही मांगता हूं। १।

यह माखन जैसी कोमलांगी यवनी कदाचित् मेरे शयन विषे प्राप्त होय तो इन्द्रके नन्दनवनसे भी इस भूलोकमें अधिक सुख मानूंगा। २।

यह सवाल सुनके बादशाह कोकुछ भी उत्तर नहीं आया और महलमें जाके अपनी हुरमसे सब हाल बयान किया। उसने कहा यह क्या बात है! कि जिसपर आप घबरा गये इसका जवाब यही दीजिये कि हमारे साथ खाना खाओ लवंगी हाजिर है, बादशाहने वैसेही आनके कहा, जगन्नाथने तो पहलेही विचार रक्खा था सुनतेही खाना स्वीकार किया, आखिर लवंगीका विवाह खूब धूमधामसे जगन्नाथके साथ कर दिया और एक महल भी अलग रहनेवास्ते बनवा दिया।

देखिये! खुबसूरती भी अजब चीज़ है, बातकी बातमें क्या था और क्या हो गया। कई दिन पीछे जगन्नाथ बादशाहसे बिदा हो पण्डितानी समेत काशीमें आन बसा, उस वक्त ब्राह्मण पण्डितोंने जगन्नाथ को बहुत ही समझाया कि यवनी को त्याग कर प्रायश्चित्त यथाविधि करना उचित है, पर जगन्नाथ रायने किसीका कहना नहीं सुना।

एक दिन भागीरथी किनारे जहां मणिकर्णिका घाट है यवनी समेत आनके सो रहा, प्रातःकाल हो गया तथापि उठा नहीं उस समय अप्पय्या दीक्षित पण्डित स्नान करने आया और दूरहीसे देखके कहा।

किं निःशङ्कं शेषे, शेषे वयसित्व मागते मृत्यौ।

अर्थ—तू अपनी बाकी रही हुई उमरमें मौतके पास आया हुआ है, फिर यहां कैसे निःशंक सो रहा है, यह सुनके जगन्नाथ रायने मुंह खोला तब तो दीक्षितने तत्काल अर्थ फेरके दूसरा चरण कहा।

अथवा सुखं शयीथाः निकटे जागर्ति जान्हवी भवतः।

अर्थ—आपही हैं क्या? तब तो बेफिकर सोय रहिये क्योंकि आप के वास्ते तो भागरथी सर्वदा जाग्रत है।

जगन्नाथ रायकृत इतने ग्रन्थ हैं।

रसगंगाधर। यह ग्रन्थ अलंकारशास्त्र ऊपर है।

भामिनि विलास। इसमें नीति शृंगारका वर्णन हैं।

अश्वघाटी। इसमें रामचन्द्रकी स्तुतिके २७ श्लोक हैं।

कुचमर्दिनी। इसकी पूरी प्रत नहीं मिलती है।

गंगालहरी। यह गंगा जीकी स्तुति है इस्के ५२ श्लोक हैं इसके हर श्लोक पर गंगा एक एक पैडी चढ़ति गई है, उस समय हजारों मनुष्योंके देखता थका गंगाने यवनी सह वर्तमान शके १५०० में जगन्नाथ राय को दर्शन देके उद्धार कर दिया है।

माघपण्डित।

यह कवि राजा भोजके समय बड़ा नामी और मान्यवर हुआ है, राजा की सभामें दूसरे पण्डितों की तरह बिन बुलाये नहीं जाया करता था, वह आपही बड़ा धनवानथा, और विद्यावान लोगोंको बहुत द्रव्य बांटता था। राजा भोज कविकी दानकीर्ति और विद्वता देखके एक दिन उसके घर श्रीमालपुरमें मिलनेके लिये गया था।

एक ज्योतिषीने माघ कविके जन्मपत्रमें ऐसा लिख दिया था कि "इस कविको दिन दिन अधिक द्रव्य प्राप्ति होगा, अंतमें इसके पांवोंमें सूजन आके दरिद्री हो जावेगा" इस फला दिशको माघ जानता था, कितने बरस पीछे माघ पण्डित को वही अवस्था होने लगी जो कि जन्मपत्रमें वर्ति हुई थी, माघके पास जितना द्रव्य था कुछ भी नहीं रहा

और यहांतक तंगदस्त हो गया कि एक वक्तके लिये खानेको भी नहीं रहा उस अवस्थामें भी भिक्षक लोगोंकी भीड़ माघके द्वारपर लगी ही रहती थी, एक दिन कंगालोंकी भीड़ देखके माघने कहा—

दरिद्रानलसन्तापः शान्तसन्तोषवारिणा।
दीनाशा भङ्गजन्मातु केनायमुपशाम्यतु॥

अर्थ—दरिद्र रूप अग्निका सन्ताप तो मैं सन्तोष-रूपी पानीसे ठण्डा कर देता हूं, पर गरिबों की आशा भङ्गरूपी ताप अब कैसे दूर होवे।

बहुत दुःखितहोके एक दिन माघने अपनी स्त्रीसे कहा—

देशं स्वमपि मुञ्चन्ति मानम्लान महाशयाः।
दिनावसाने व्रजतिद्वीपान्तर महर्मणिः॥

अर्थ—जो उदार है वह आपत्यकालमें अपने देश को त्याग देते हैं, देखो! सूरज भी दिनके शेषमें दूसरे द्वीपमें जाता है, इस पर माघ अपनी स्त्री समेत राजा भोजके पास धारानगरमें चला गया और वहां जाके अपना बनाया हुआ माघकाव्य अपनी स्त्रीको दिया और कहा कि इसको राजाको दे आओ, उस स्त्रीने पतिकी आज्ञानुसार उस काव्यको राजाके पास ले गई, राजाने उस पुस्तक को बीचमें से खोलके देखा उस वक्त प्रथम यही श्लोक नजर आया।

कुमुदवनमपश्रि श्रीमदंभोजखण्डं त्यजति मुदमुलूकः
प्रीतिमां चक्रवाकः। उदयमहिमरश्मिर्याति शीतांशु
रस्तं हतविधिललितानां हि विचित्रो विपाकः॥

इस श्लोकका अर्थ राजा समझके उस स्त्रीसे कहा कि इस तमाम पुस्तक की बात तो मैं क्या कहूं! पर इस एक श्लोकके वास्ते तमाम पृथ्वीका द्रव्य देनेसे भी थोड़ा है, राजाने कविकी स्त्री को आदर सहित एक लक्ष रुपया दिया।

एक एक कविमें एक एक गुण अधिक वर्णन किया है जिसमें—

उपमा कालिदासस्य भारवेरर्थगौरवं।
दण्डिनः पदलालितं माघे सन्ति त्रयोगुणाः॥

अर्थ—कालिदास की उपमा, भारवी कविका अर्थ गौरव और

दण्डिका शब्द सौन्दर्य इसी तरह एकसे एक अधिक था, परन्तु माघ कविका उपमा शब्द सौन्दर्य और अर्थ गौरव तीनोंही समान थे सो माघकाव्य देखनेसे ध्यानमें आवेगी।

महावीर स्वामी।

मगधदेशमें क्षत्रियकुण्ड नाम नग्र है वहांके राजाका नाम सिद्धार्थ उसकी स्त्रीका नाम त्रीशला इसीसे महावीर स्वामी उत्पति हुए हैं इनके बड़े भाईका नाम नन्दीवर्द्धन, बहनका नाम सुदर्शना, और स्त्रीका नाम यशोमतिथा, महावीर स्वामीने २८ बरस वयःतक गृहस्थाश्रम पालन करके पीछे दीक्षा लेनेका उद्योग किया, उस समय इनके बड़े भाई नन्दीवर्द्धनने स्वामीसे कहा कि दो बरस तक दीक्षा और भी मत लेओ, इसपर भाई की आज्ञानुसार तीस बरस पर्यन्त गृहस्थाश्रम पालन किया, पीछे लोकान्तिक देवोंने स्वामीसे तीर्थ प्रवृति करनेके लिये आज्ञा दी, तब तो सुवर्ण दान करके अनेक कंगालोंको दुःखमेंसे निकाले और अनेक जगह पर्यटन करके अनेक प्रकारसे तप किया, फिर चन्द्रप्रभा नाम पालखीमें बैठके ज्ञानखण्ड नाम वनमें गये, वहां पर सर्व सङ्ग परित्याग करके मंग सरसुदी दशमके दिन चौथी प्रहरमें दीक्षा ली, और दूसरे दिन वहांसे चलके कोलगार गांवमें बहुल ब्राह्मणके यहां जाके पारणा किया, तदनन्तर माया मोहके कर्मोंका नाश करनेके निमित्त ऋजुवालुका नदीतीरस्थ शालवृक्ष नीचे तप करना आरम्भ किया, उस ठिकाने भीलगोंद, गवालिया इत्यादि लोगोंनेस्वामीको अनेक प्रकारका दुःख दिया, परन्तु सबको सहन करके बारा बरस छःमहीना और पंदरह दिन एकाग्र चित्तसे तप किया जिससे तो सत्य परिणाम रूप फल प्राप्त हुआ और वैशाखसुद दशमीके दिन केवल ज्ञान प्राप्त हुआ, उस समय देवताओंने प्रसन्नतासे पुष्प वर्षा की, केवल ज्ञान होने पश्चात् महावीर स्वामी लोकोपकारार्थ धर्मोपदेश करनेके लिये जगत्

के विषे विचरने लगे, हजारों [redacted] महावीर स्वामीने लोगोंके समूहमें बैठके सदुपदेश किया उसका संक्षिप्त सारांश यह है—

अहो लोगों सुनो! यह संसार अपार है, जैसे समुद्रका पार नहीं है इसी तरह इसका भी पार नहीं है, जैसे वृक्षका मूल बीज है तैसेही यह अति विकट संसार वृक्षका मूल बीजरूपी कर्म्म है और उत्तम किंवा अधम गति प्राप्त होनेका कारण भी कर्म्मही हैं, इस लिये निरन्तर सत्कर्म्म करने चाहिये, निश्चय समझो कि यह जगत [redacted] तह है, जैसे स्वप्नावस्थामें जाग्रत झूठा है इसी तरह यह जगत सब झूठी समझ कर सत्कर्म्म करो।

कभी कोई प्राणीका नाश करना नहीं, अपना प्राण रक्षार्थ जैसा यत्न रखते हो उसी तरह दूसरे प्राणियों की रक्षा करनेमें यत्न रखते जाओ, झूठ मत बोलो, सबको प्रीये लगे ऐसा वचन बोलते रहो, पर स्त्री संगकी कभी इच्छा मत करो, परधन हरण करनेका मनमें मत लाओ इसी तरह नाना प्रकारसे उपदेश करके हजारों मनुष्यों को ज्ञान सम्पन्न करके संसार समुद्रसे डूबते हुएको निकाल दिये है।

इन्द्रभूति, अग्निभूति, वायुभूति, व्यक्त सुधर्मा, मण्डित, मेर्य्यपुत्र, अवकम्पित, अचलभ्रात, मेतार्य, प्रभास, और गौतम, यह ११ मुख्य शिष्य थे, इनको गणधर कहते हैं, इनके सिवा १४००० साधु; चन्दना आदि लेके ३६००० साध्वी, १५९००० श्रावक और ३१८००० श्राविका शिष्य थे और इनकी जो स्थापना करते हैं उसको तीर्थंकर कहते हैं, जैनलोगोंके चौवीस तीर्थंकर हुए हैं उनमें चौवीसवा तीर्थंकर महावीर स्वामी हुआ है, जैन धर्म्म पुरातन कालसे चला आता है, तथापि महावीर स्वामी से बहुत प्रवर्त हुआ है।

केवल ज्ञान प्राप्त हुआ पीछे स्वामीने पहिला चौमासा आस्थिक गांव [redacted] किया, पीछे तीन चौमासा चम्पा और पृष्ठचम्पा नगर्में किया है, इसी प्रमाण वैशाली, राजगृह, नालंदा पाठक, मिथिला, भद्रिका, आलम्भिका, श्रावस्ती और पापापुरी वगैरह स्थानोंमें अनेक चौमासे किये हैं, शेष चौमासा हस्तीपाल राजा की राजधानी पापापुरीमें किया है, उस

समय आयुः समाप्त हो गई, यह समझके लोगोंपर कृपा करके सोलह प्रहर तक एक सारखा धर्मोपदेश किया, उसवक्त वहां पर महावीर स्वामीको नमस्कार करनेके लिये पुण्यपाल राजा आया, उसको देखके स्वामीने भविष्यतकाल चरित्र कह सुनाया, तदनन्तर कार्त्तिकवदी अमावस्याके दिन स्वातिनक्षत्रमें उषाकालके समय महावीर स्वामी निर्वाण-पद प्राप्त हुए। उस वक्त भक्तिमान राजाओंने बहुत भारी दीपोत्साह किया, वही चाल आजतक चली आती है और दीपोत्साह करते है, उसीको दीवाली कहते हैं।

महावीर स्वामीने कोई ग्रन्थ नहीं बनाया, परन्तु स्वामीके भाषण उपरसे इनके शिष्योंने बहुत ग्रन्थ बनाये है, जिनको जैनलोग आगम कहते हैं।

महावीर स्वमी प्राय २५०० वर्ष पहिले हुए हैं ऐसा कहते हैं— महावीर स्वमीका विस्तारपूर्वक कोई वर्णन किया चाहे तो एक बरस तक लिखनेसे भी संपूर्ण नहीं लिखा जावेगा।

जयदेव स्वामी।

यह कवि बाल्यावस्थामें गुरु पाससे पंदरह दिनका पाठ एक वक्तमें लेता था इससे इनका दूसरा नाम पक्षधर मिश्रभी था, जगन्नाथक्षेत्र पास किन्दुविल्व नाम एक बस्ती है वहां पर इनका जन्मस्थान है, इस कवि की वाणी बहुतही रसीली, कोमल, शृंगार और करुणारससे भरपूर है।

एक वक्त जयदेव स्वामी एक साहूकारके यहांसे गुरुदक्षिणा लेकरके अपने ग्रामको आता था, रास्तेमें चोरोंने आ घेरा और जो द्रव्य पास था सब लूट लिया और हाथ, पैर काटके एक गड़हमें फेंक गये, अचानक उत्कलदेशके राजा क्रौंचकी सवारी उसी मारगसे जा रही थी, उस समय राजाने दूरही से देखके पहचान लिया कि यह तो जयदेव स्वामी

है, तुरन्त सवारीको रोक स्वामीके निकट गया और पूछा तो स्वामीने सब वृत्तान्त कह सुनाया, राजा सुन करके एक पालखीमें उनको बैठा-लिया और अपने महलोंमें लाके तनमनसे सेवा करने लगा, उधर जय-देव भी श्रीकृष्ण की स्तुति करने लगा, ईश्वर कृपासे हाथ, पैर, ज्यों का त्यों हो गये।

जयदेव स्वामी की स्त्री पद्मावती बहुतही पतिव्रता थी, एकदिन उस गांवके राजा का बहनोई मर गया उस पर उसकी स्त्री सती होने को चली, यह सुनके जयदेव स्वामी की स्त्रीने कहा कि पतिका मरण सुनतेही स्त्रीको प्राणत्याग देना चाहिये, पतिके साथ जानेकी क्या जरूर है? यह बात पड़ोसकी स्त्रियोंने सुन पाई, एकदिन क्या हुआ कि जय-देव स्वामी तो कहीं गया था पीछेसे पड़ोसनोंने पद्मावती की परीक्षा लेनेके लिये आनके कह दिया कि जयदेव स्वामीको तो सिंह भक्षण कर गया, तुम क्या अबतक जीतीही हो? पतिका मरण सुनतेही पद्मावतीने तुरन्त देह त्याग दी, थोड़ी देरके पीछे स्वामी घरमें आनके देखता है तो पद्मावती मरी हुई पड़ी है, उसवक्त उसके पास बैठके अष्टपदी गाई और कृष्ण की प्रार्थना करतेही पद्मावती जीवित हो गई, स्वामीने गीत-गोविन्द नाम गद्यपद्यात्मक अति उत्तम एक ग्रन्थ बनाया है उसमें राधाकृष्णका विलास वर्णन किया है, एकदिन गीतगोविन्द रचनेके समय एक जगह राधिकाके वर्णन पर कुछ विचार करने लगा कि कमल सदृश है मुखारविन्द, जिसके ऊपर जुलफोंकी लटो को क्या नागनी की उपमा देनी चाहिये? इसपर लेखनी को छोड़के स्नान करने चला गया पीछे से श्रीकृष्ण जयदेवका रूप धारण करके उस विषयको पूर्ण कर गया, जयदेवने यह देखके बहुत ही आश्चर्य माना और श्रीकृष्णकी स्तुति करने लगा।

प्रसन्नराघव नामक एक सुन्दर नाटक स्वामीने बनाया है उसमें वीर शृंगार और करुणारस बहुतही उत्तमतासे रक्खे हैं।

भास्कराचार्य्य ।

यह ब्राह्मण ज्योतिषशास्त्रमें बड़ा प्रवीण था, इन्होंने सम्वत् १२१० में सिद्धान्तशिरोमणि नाम ग्रन्थ बनाया है, जिसमें गोलाध्याय और गणिताध्याय दो विभाग हैं, ज्योतिषशास्त्रके बहुतसे ग्रन्थ प्राचीनकालसे चले आते हैं, और उनके गणितप्रमाण सूर्य्यग्रहण, चन्द्रग्रहण और तारोंका उदे अस्त होता तो है, परन्तु कमसे कम दश पांच पलोंका अंतर तो अवश्यही रह जाता है, जिसका मुख्य कारण यही है कि अगले ग्रंथोंमें जो ध्रुवा बांधे हैं वह सब काल पाके सिथल हो गये हैं, उनको भास्कराचार्य्यने सुधारे थे, उसके पीछे भास्कराचार्य्य जैसा सुधारनेवाला नहीं हुआ इसीसे अंतर पड़ता है, भास्कराचार्य्यने ग्रहादि नक्षत्रोंका वेध किया, उसकाल दूरबीन वगैरह यन्त्र कुछ भी नहीं थे केवल बांसकी भोंगलीद्वारा वेध किये हैं और ग्रहादिकों की अंतर, ऊंचाई, आकार प्रमाण और पृथ्वीका स्वरूप इत्यादि केवल अपनी बुद्धि कौशलसे शोधके लिखे हैं, वह सब अंगरेज लोगोंके ग्रंथोंके साथ मिलते हैं, इससे मालूम होता है कि भास्कराचार्य्य बुद्धि और कल्पना शक्तिका सागर था ।

लीलावती नाम एक इनके लड़की थी परन्तु उसके सन्तान नहीं थी, इसपर भास्कराचार्य्यने लड़कीका नाम बना रहै यह विचार लीलावती नाम ग्रंथ बनाके अपनी कन्याको अर्पण किया, लीलावती ऊपर धनेश्वर दैवज्ञ नाम पण्डितने टीका की हैं, उसका नाम लीलावतीभूषण रक्खा है, और जंबूशहरके रहनेवाले गंगाधर ज्योतिषीने इसी ग्रंथपर अमृतसागरा नाम टीका की है, भास्कराचार्य्य सांख्य, तन्त्र, वेद, पूर्वमीमांसा वैशेषिकशास्त्र, प्राभाकर शास्त्र, छन्द, काव्य और शिल्प इत्यादिकोंमें बड़ा निपुण था और खास, ज्योतिषशास्त्रमें तो अत्यंतही निपुण था ।

भास्कराचार्य्य ६५ बरस की उमरमें दक्षिण निजामके राजमें बेदरगांवमें इस असार संसारको परित्याग करके स्वर्गवासी हुआ है ।

फतेहपुर शेखावाटीका इतिहास।

दिल्लीका बादशाह फीरोजशाह एक दिन अपने वजीर सैय्यद नासिर को साथ लिये हुए एक जंगलमें शिकारके वास्ते धूपके तड़ाकेमें जा रहे थे, अचानक दूरसे कुछ पेड़ नज़र आये तो उसी तरफ चलने लगे, जब नजदीक पहुचे तो वहां क्या देखते हैं कि वृक्षोंकी छायामें कई एक शखस सोये हुए हैं, और बीचमें एक दरखत जिसके तले सिर्फ एकही शखस सूता है, और सब दरखतों की छाया तो मुताबक सूरज के पूर्वरुख पर ढल गई थी, पर जिस पेड़तले सिर्फ एकही शखस था उसकी छाया ज्यों की त्यों बन रही थी, बादशाहने यह देखके बड़ा ताज्जुब किया और वजीरसे पूछा कुछ तेरे भी ध्यानमें आया? वजीरने हाथ बांधके अरज किया कि हजरत! मैंने भी ऐसा कभी देखा और सुना था, ऐसा यह कौन वली है कि जिसके आरामके लिये छाया भी नहीं हटती है, निदान दोनूं उसके पास गये, इनकी आहट पाते ही वह भी चूंक पड़ा और उठकर सलाम की, बादशाहने सब हाल पूछा और आखिर नाम निशान भी पूछा तो उसने जवाब दिया कि मेरा नाम करमसी है और बापका नाम मोटेराव जातका चूहान रहने-वाला ददरेरा का जो कि राजगढ़से आठकोस पश्चिम है, इस जगह शिकारके लिये आया था। बादशाह करमसी की बातोंसे बहुत खुश हुआ और उसके साथ हदसे जियादा पियार करने लगा, गरज अपने साथ दिल्लीको ले गया और वहां जाके बहुतसी खातिरदारी की आखिर सम्बत् १३८८ में मुसलमान करके करमसी नाम क़यामखां रक्खा और हिसारका नव्वाब बना दिया।

क़यामखांके छ बेटे हुए उनमें से एकका नाम महम्मदखां था, जिसकी औलाद ने तो झूंजनूंकी नव्वाबी की और दूसरेका नाम ताजखां इनकी औलाद (फतेखां) ने फतेहपुर की नव्वाबी की, एक वक्त बादशाह बहलोल लोदीके साथ फतेहखां का कुछ अनबनाव हो

गया था, इसपर फतेखांने हिसारमें रहना मुनासिब नहीं समझके अपने दिलमें सोचा कि अब ऐसा कोई काम करना चाहिये कि जिससे अपना नाम और बहादुरी कायम रहै, आखिर हिम्मतके साथ कमर बांधके वहां से चल धरा और रिणाऊ गांव जो कि फतेहपुरसे ३ कोस दखण तरफ है वहां आनके अपना खेमा खड़ा कर दिया और वहां बैठे बैठे फतेहपुरका किला बनाना शुरू किया, कितने दिन बाद जब कि वह किला तय्यार हो चुका तो नव्वाब फतेखां रिणाऊसे सम्वत् १५७८ चैतसुदी ५ के दिन किलेमें दाखिल हुआ और अपने नामके शहर फतेहपुर आबाद करने लगा। नव्वाब फतेहखां बहुत दिलावर और बहादुर था, "कयामरासा" किताबमें इस नव्वाब की बहुत तारीफ लिखी है।

दोहा। फतन भयो अतिही अबल नयोन काहु सीस।
काहुको मानत नहीं एक बिना जगदीश ॥

और ख्वाजा हाजी नजमुद्दीन चिश्तीने भी अपनी किताबमें फतेखां की नेकबख्ती और दिलावरीका अहवाल खूब लिखा है।

एक वक्त बादशाह बहलोल लोदीने चीतोड़गढ़ पर चढ़ाई की, यह खबर फतेहपुर पहुंची नव्वाब फतेहखांने अपने दिलमें सोचा कि अगरचे बादशाहके साथ अपना बनाव नहीं है, लेकिन इस वक्त अपनी बहादुरी बादशाह को दिखलाने का मौका आ गया है, नव्वाबके पास उस वक्त अच्छे अच्छे सूर वीर जवान मौजद थे, उनको हुकम दिया कि जलद चीतोड़ चलो, यह सुनतेही सिपा सब नव्वाबके साथ चीतोड़ गढ़को रवाने हुई, इधर नव्वाबको फतेपुरमें नहीं सुनके कांधल जोधेका (जिसने जोधपुर बसाया) फौज लेके फतेहपुर लूटनेको चढ़ आया, इस खबरके सुनते ही बोहगुण नामका शख्स जातका सरखेल कांधलका साम्हने चढ़ गया और फतेहपुरसे ८ कोस दखण तरफ अलखपुरा गांवके पास फौजके साथ मुकाबला किया, वहां पर इस कदर खनखार जंग किया कि कांधल की फौज एक वक्त तो हट गई आखिर बोहगुन काफिर

दुश्मनोंने तलवारसे उतार लिया, तथापि बिना ही शिरके इस कदर जूझा कि फतेहपुर तक दुश्मनों को कतल करता हुआ चला आया, और आखिर किलेकी पश्चिम बुरजके नीचे एक जांटके दरखत तले आनके गिर पड़ा वहां जांट और कबर अबतक मौजूद है। एक कूआ भी वहां पर है उसको लोग बोहशुनके नामसे पुकारते हैं, शिर बोहशुनका भलखपुरमें गिरा था वहां पर भी कबर मौजूद है, फतेहखां जब की चीतोड़ में पहुंचा तो बादशाह उसको देख के बहुत खुश हुआ, आखिर चीतोड़ फतेह करके फतेहपुर चला आया।

फतेहखां के बाद (इनका बेटा) जलालखां गद्दीपर बैठा और अच्छे अच्छे न्याय इनसाफ किये और जंगके मैदानमें भी शमशेर खूब चमकाई, फतेहपुरका कोट १६ कोसके घेरमें इसी नव्वाबने रखवाया था और कोटके दक्षिण किनारे अपने नामसे जलालसर गांव बसाया— जलालखांके बाद दरेदौलतखां गद्दीपर बैठा और बहुत हिफाजतके साथ अपनी रइयतकी परवरिश करने लगा, एक रोजका जिक्र है कि काबुलसे बाबरशाह बादशाह फकीरका भेष बना एक शेरको साथ लिये हुए फतेहपुरमें किलेके नीचे आनके डेरा किया, इनके आनेकी खबर रफते रफते शहरमें पहुंची कि एक फकीर शेर पर सवार होके कहींसे आया है यह सुनतेही तमाम शहरके लोग क्या बुड्ढा और क्या बच्चा तमाशा देखनेको चले आए और उधरसे नव्वाब साहिब भी फकीरकी जियारत के वास्ते गये, नव्वाबको देखके फकीरने बैठनेको कहा, नव्वाबने दरवेशसे दावतके वास्ते कहा, यह सुनके फकीर बोला कि मेरा शेर तीन रोजसे भूखा है पहिले यह कुछ खा ले तो फिर मैं खाऊंगा, नव्वाब साहिबने उसी वक्त शेरके लिये खुराक ले आनेके वास्ते हुकम दिया, उस वक्त फकीरने कहा सुन बाबा! मेरा शेर बहुत भूखा है इस लिये एक गाय मंगवा दो, यह सुन पहिले तो नव्वाब साहिब बड़े फिक्रमें आये कुछ देरके बाद फकीरको आहिस्तेसे अरज किया कि इस शहरमें हिन्दुलोग बस्ते हैं, यहां किसीका मकदूर नहीं है कि गऊकी तरफ

देख सके, फकीरने उस [redacted] जरा तेवरी पर [redacted] चढ़ा तिरछी निगाहसे कहा कि मेरा शेर तो गउही का भक्षन करैगा। दरेदौलतखां भी तो कुछ कम नहीं था तुरन्त एक बछिया को मंगवाके फकीरके साम्हने पीठ पे थप्पी लगाके खड़ी कर दी और कहा कि ऐ हजरत! अब आप अपने शेरको हुकम दीजिये गउ हाजिर है, फकीरने शेर की तरफ देख [redacted] कहा कि उठ अब क्या देखता है. शेर ज्योंही गउकी तरफ दुम उठाके लपकने लगा उस वक्त दरेदौलतखांने कहा, खबरदार अगर और आगे बढ़ा तो, शेर यह कलाम सुनतेही खड़ा रह गया, फकीरने शेरसे फिर कहा कि क्या सोचता है, उधर नव्वाबने भी ललकारा कि खबरदार, आवाजके सुनतेही शेर तो अपनी दुम दबाके बैठ गया, इसीतरह फकीर ने फिर शेरसे कहा वलेकिन दरेदौलतखांके साम्हने शेरका कुछभी चारा नहीं चला, फकीर [redacted] हाल देखके अपने दिलमें बहुत खुश हुआ और कहा कि जैसा शखस [redacted] देखने चाहता था वैसाही नव्वाब दरेदौलतखां है, नव्वाब तो सलामालेकम करके अपने किलेमें दाखिल हुआ, और बाबरशाह बादशा हिन्दुस्तानमें घूम फिरके चन्दरोज बाद काबुलमें पहुंचा और वहां जाके सबके साम्हने बहुत तारीफ करके कहा कि फकत तीनही शखस हिन्दुस्तानमें देखे—एक तो नवाब दरेदौलतखां फतेपुर शेखावाटी में, दूसरा हसनखां मेवाती अलवर में और तीसरा बदशा सीकंदर लोदी दिल्लीमें इन शखसोंके साथ लड़ाई करके फते पावै ऐसी किसीकी ताकत नहीं है, और करामातका हाल भी सब बयान किया।

नवाब दरेदौलतखांके वक्तमें भीखजन नामका एक महा ब्राह्मण बड़ा ईश्वर भक्त था, उसका बयान ऐसा सुननेमें आया है कि भीखजन लक्ष्मी नारायणजी के दरशनके वास्ते हमेशा जाया करता था, लेकिन मन्दिरमें जाके दरशन करना उसका लोगोंको पसंद नहीं था और उस [redacted] दरशनके वक्त एक दूसरेके मुंहकी तरफ तकता था, गरज इसीतरह बहुतसे आदमी चरचा करने [redacted] तो पंच महाजनोंने विचार किया कि

दरशन बन्द कर देना तो भीखजन का उचित नहीं पर मन्दिर [redacted] न आना बिहतर है, यह सलाह करके ठाकुरके साम्हने रास्तेकी दीवारमें एक खिड़की इस मुराद [redacted] बनवा दी कि दूरसे दरशन तो कर सकेगा, और मन्दिरमें नहीं आ सकेगा, यह हाल सुनके भीखजन अपने मनमें एक दफा तो बहुत उदास हुआ कुछ देर के बाद मनोमई ठाकुर का ध्यान करके नीति प्रार्थनाके ५२ कवित्त बहुत सुन्दर बनाये और उस ग्रंथका नाम भीखबावनी रक्खा, उन कवित्तोंमें का एक कवित्त यह है।

कवित्त।

मंजारी कुसमेद रतकेशर परसंगा नागरवेल खलसंग
सहतमाखी मिले अंगा कस्तूरीमृगनाभि कीटपाटम्बर
सोहे मणिअधर उपजंत अकोमञ्जूठा जगमोहे पारिस
संसपाषानहे संखहाड़समकोव कहै हरिगुनहैतव भीखजन
नाहीन कुलकारन चहे ॥ ४६ ॥

इस पर लोगोंने भीखजनकी भक्ति और कविता देखके अपने मनमें फिर कुछ जाती अभाव नहीं रक्खा—मूरती लक्ष्मी नारायणजी की बहुत विशाल है न मालूम किस जमानेमें कहां [redacted] हुई थी, पर कहते हैं कि उस मूरत को भोजक (जैनसेवक) कहींसे लाए थे इसी लिये भोजक लोग भी पूजा करते हैं। मन्दिर लक्ष्मीनाथजी [redacted] पहिले इतना बड़ा नहीं था, संवत् १८०८ [redacted] सब ही महाजन पंचोंने मिलके बनवाया था इसका [redacted] मन्दिरमें एक पत्थर पर खुदा हुआ है, फतेहपुरमें लक्ष्मीनाथजी की अजब महिमा है, सब औरत मर्द दरशनको लिये जाते हैं, और औरतोंको भी दुनियांदारीकी सलाह करनेका वहां पर खूब मौका है, मन्दिर बहुत खूबसूरत संग मर मरके आमला सिखरदार शहरके बीचमें बना [redacted] और मन्दिरके असबाब भण्डारकी कुंजी पंच महाजनोंके कबजेमें रहा करती है।

दरेदीलतखां की कबर किलेके नीचे अबतक मौजूद है, हिन्दु और मुसलमीन दोनूं ही जाके जियारत करते और औरनी चढ़ाते हैं—

इसदौलतखांके बाद नाहरखां संवत् १५९२ में गद्दीपर बैठा, उनके बाद नवाब फदनखां हुए यह नवाब बहुत रंगीला और बांका था, और बादशाह अकबरकी तरफसे कई लड़ाईयां भी इन्होंने फते की थी, एकरोजका जिक्र है कि बादशाह निहायत खुशीमें आके फदनखांसे कहने लगे कि हम तुम्हारे साथ कुछ संबन्ध करने चाहते हैं, नवाबने जवाब दिया कि जैसा हजरत फरमावेंगे तामील करूंगा, आखिर फदनखां अपनी बेटीको शाह जहानके साथ व्याह दी, यह वही ताजबीबी है कि जिसका रोजा आगरेमें जमना किनारे मौजूद है तमाम दुनियांमें उस रोजेकी खूबी और कारीगरी मशहूर है, फदनखांके बाद नवाब ताजखां सानी हुआ और इनके बाद नवाब महमदखां गद्दीपर बैठा, इनके मौकू आलिफखां गद्दी नशीन हुआ, इस नवाबकी तारीफ ख्वाजाहाजी नजमुद्दीन चिशतीने अपनी किताबमें खूब लिखी है, नवाब आलिफखां कोट का गढ़में वफात हुआ और लाशफतपुरमें लाके रक्खी और उसके ऊपर एक मकबरा खूब बलन्द गुंबजदार बनवाये गया था, अबतक शहरके पूर्वतरफ मौजूद है। इसी अरसेमें दादूजी महाराजका शिष्य सुन्दर दासजी बड़े महात्मा और कवि हो गये हैं, हिन्दुस्तानमें इनकी कविता मशहूर है, इनका देहान्त संवत् १७४६ कार्तिकसुदी ८ बुधवारके दिन सांगानेरमें हुआ है उमर करीब ९२ बरसकी थी—फतेहपुरमें जिस स्थानमें महाराजजी विराजते थे वह मकान अबतक मौजूद है, इनके बाद संवत् १७१४ में दौलतखां हुए सन १०१४ हिजरी में किले की मरम्मत इन्होंने करवाई थी, आखिर कन्दहारमें वफात पाई—इनके बाद ताहरखां, सरदारखां, दीनदारखां और रसीदखां नवाब हुए, इनके बाद सरदारखां सानी हुआ, इन्होंने खूबसूरत देखके तेलनके साथ शादी की थी, अबतक किलेमें तेलनके नामसे महल मशहूर है, नवाब होके जब की तेलन कसायनके साथ शादी करने लगे तो फिर नवाबी डूबनीही थी, इनके बाद आखिरी नवाब फतेहपुरका कामयाबखां हुए। नवाब फतेहखां से लेके यहां तक

२१० बरसोंमें १५ नवाब हुए, जब की नवाब कमज़ोर पड़ गये तो सेवसिंघ जी शेखावतने सम्वत् १७८८ सन ११६० हिजरीमें राज्य छीनके अपना अमल किया, सेवसिंघजीके चांदसिंघ जी और चांदसिंघ जी के बाद देवीसिंघजी हुये इनके बाद राव राजा श्री लक्ष्मन सिंघजी गद्दीपर बैठे, लक्ष्मण गढ़ इन्होंने बसाया था और किलेके चौतरफ खंदकभी इन्ही लोगों की बनाई हुई है, और किलेके अंदर मन्दिर और महलभी इन्होंने बनवाए हैं, इनीके वक्तमें गुसांई बुधगीरजीने संवत् १८६२ फागुण बदी १३ दीतवारको २५ बरस की उमरमें जीवत समाधी लीनी है, बुधगीर जी बड़े महात्मा पुरुष थे, बुधगीर जी की मर मशहूर है और दूर दूर से दिखलाई देती है उसकी तय्यारी मे कुछ न्यूनाधिक ५००० रुपये लगे बतलाते हैं और मुफस्सल हाल एक कीर्त्ति-स्तम्भ पर वहां खुदा हुआ है, शिवरात्रीके दिन महादेव की पूजाके लिये प्राय सब हिन्दुलोग वहां जाते हैं, रावराजा जी लक्ष्मण सिंघजीके बाद रावराजा जी श्री रामप्रताप सिंघजी हुए, लोग इनकी बहुत तारीफ करते हैं, इनके बाद रावराजा श्री भैरूसिंघजी हुए, इनके वक्तमें प्रजा की खूब तरक्की हुई, इनके बाद अब हालमें रावराजा जी श्री माधोसिंघ जी फतेपुरका राज्य करते है, राजधानी इनकी सीकर है। अब हाल इन्हींके वक्तमें ख्वाजाहाजी नजमुद्दीन चिश्ती हुए हैं, दर्गाह उनकी फतेपुरकें दक्षण तरफ बीड़के किनारे है, हजरत मौसूफ के कावे के ऊपर सुनहरी कलस चढ़ा हुआ, गुम्बज बहुत खूबसूरत बना है और गुम्बजके अंदर कवितांके साथ अरबी फारसीमें अच्छी अच्छी इबारत लिखी है, गुम्बजके पूर्वतरफका बंगला मुसाहिब इलाहीबख्शखां रावराजा जी श्रीमाधोसिंघजी के ने बनवाया है सवालके महीनेमें हजरत मौसूफकी उर्स हुआ करती है जिसकी जियारतके वास्ते दूर दूरसे अच्छे अच्छे अमीर और आलम आते हैं, हजरत मौसूफ बड़े नेकबख्त और आलम मशहूर थे, कई किताबें इलम और मजहब के बारे में उन्होंने तसनफ किया हैं—हिन्दु मुसलमान जियारत को वहां आते हैं, करीब ५२

बरस की उमर सन १२८७ तारीख १८ माह रमजान मङ्गलवारके रोज झूंझनूं में वफात हुए—इनके साहिबजादे (जो हाल में मौजूद है) उन का नाम मौलवी हाजीमहम्मद नसीरुद्दीन है वह भी बड़े आलम मशहूर हैं—राजा लोगोंका हाल मुझको पक्का नहीं मिला इस लिये वेरे वार नहीं लिखा गया है, अगर शरीर वर्त्तमान है तो फिर कभी लिखा जावेगा।

शहर फतेपुरका करीब ॥ मैलके उत्तर दक्षिण है और प्राय १॥ मैल पश्चिम पूर्व है, शहर सहोला बंध बहुत आबाद है, शहरके पूर्वतरफ एक नागोरके रहनेवाले काजी की बनाई हुई एक देखने लायक बावड़ी है इसकी तय्यारी में बहुत से रुपये खर्च हुए बतलाते हैं मफस्सल हाल इसका वहां एक पत्थर पर खुदा हुआ है। शहर के बाहर मुसाफरों के उतारे के लिये करीब ११ धर्मशाला परोपकारार्थ सेठ लोगों ने बनवाई हैं और मन्दिर वैष्णवों का २५ श्रावकों के २ छत्री ६ और पशुरक्षार्थ धर्मशाला अर्थात् पिञ्जरा पोल ठाकुरसी दास अग्रवाल महाजन देवड़े ने अब हालमें बनवानी शुरू की हैं, और इसी जगह गुलराज सिंवालिया भी धर्म के कामों में मशहूर हुआ है, पर हाल में उनके बेटे जगन्नाथ जी की भी अच्छी लियाकत है शहर के बाहर और भीतर करीब ५० पक्के कूए हैं मगर शहरके भीतरका अकसर पानी खारा और बाहरका मीठा है, तालाब ३ शहर के बाहर पक्के बने हैं, और शहर के गिर्द कई मन्दिर असतल बगीचियां भी हैं, वहां साधु सन्त और अमली जंगी भंगी ब्राह्मणलोग पड़े रहकर चैन करते हैं। शुरू में शहर फतेपुर का किले के ठीक उत्तर तरफ बसा था बाद इसके पूर्व तरफ को आहिस्ता २ आबाद होता चला गया है, पहिले इस शहर के चौतरफ शहरपना भी थी पर अब तो कोई एकादी जगह ही निशान दिखलाई देता है बाकी सब टूट फूट गई है। फतेहपुर तो और भी पांच छः है पर जैसा नाम इस फतेपुर शेखावाटी के बाशिन्दों का मशहूर है वैसा औरों का नहीं है।

चीठी वगैरह लिखने पढ़नेकी और कलम बनानेकी रीतियां।

प्रथम कलमका बयान और बनानेकी रीति।

दुनियांमें हर एक तरहका फायदा या नुकसान, भला या बुरा, बिगाड़ या सुधार और दोस्ती या दुश्मनी वगैरह काम सिर्फ ज़बान और कलमहीके जरिये से हुआ करते हैं, इस लिये लिखनेवालों को चाहिये कि जिस वक्त कलमको हाथमें लेके चलावें ज़रा आगे लिखी हुई लिखावटको गौर करके अमलमें लावें।

१।—कलम और लेखनीका अर्थ तो एकही है पर लिंग भेद दो हैं, कोई तो कलम को स्त्रीलिंग मान कर कहते हैं कि "कलम अच्छी है" और अरबी फारसीवाले पुंगलिंग (अर्थात् मुजक्कर) मान करके कहते हैं कि "कलम अच्छा है" असलमें कलम लफ्ज़ अरबी है और लेखनी शब्द है सो संस्कृत स्त्रीलिंग है, इस जगह दोनोंही का लिंगभेद लिख दिया है, अब जिसका जीव जो चाहिये माने पर हां। जहां लेखनी है स्त्रीलिंग माननी चाहिये और जहां कलम है पुंगलिंग मान कर लिखना बोलना चाहिये।

२।—कलम बनानेके पहिले सांठो को साफ और पुख्त जगह पर ढलका दो, जिस रुख पर वह ढलकके ठहर जावे उसी रुखसे तराशनी चाहिये, मतलब इसका चौड़ाई की तरफसे तराशनेका है और जितना सांठोका मोटाईका गिर्द हो उतनाही तराशने बाद कलमका मुंह लम्बा रखना चाहिये।

३।—कलमकी लम्बाईमें कमसे कम १२ अंगुलके नीचे नहीं रखना चाहिये, ओछा कलम रखनेसे न तो अक्षर दुरुस्त आ सकेंगे और न कलमके साथ हाथ की सजावट हो सकती है, हकीकतमें हाथके अंदर रहै उतनाही तूल ऊपर रखना चाहिये इस अंदाजसे हाथमें वजन बराबर रहता है।

४ ।—कलम बनानेके वक्त इसका दोनूं पर यानी मुंह फाड़ बराबर रहै, एक महीन और एक मोटी रहनेसे दुरुस्त नहीं चल सकता है ।

५ ।—कलमको लिखनेके वक्त दुरुस्त रखना चाहिये बाजे आदमी एक दफा बनाके कई दिनोंतक उसीसे घसीटे चले जाते हैं, क्या उनका हरफ दुरुस्त आवेंगे ? दुरुस्त कलमसे दुरुस्त और मरोड़दार हरफ आते हैं और उनकी खूबसूरती देखके दिल भी खुश होके लिखने को चाहता है, जैसे कि "औरत सिंगार करके चलती है उस वक्त अपनी चाल की तरफ देख देखके अपनेही दिलमें खुश होती जाती है" उसी तरह अपने खूबसूरत हरफोंको देख देखके लिखनेवाला भी खुश होता जाया करता है ।

६ ।—कलमको अकसर लोग लिखनेके वक्त कानमें टांक लेते हैं सो यह एक विश्राम है, पर बाजे आदमी कहते हैं कि कलम कानमें यह कहा करता है कि "मैं दुनियां का कान हूं मुझे होशियारीसे चलाओ" ताकि मेरे लिखे हुये में न तो कोई कहीं ऐब निकाल सके और न वक्त पर शरमन्दगी पैदा हो ।

चीठी लिखनेकी रीतियां ।

चीठी लिखने और पढ़नेका काम अकसर सबही जातियोंके मनुष्यों के यहां पड़ताहै और परस्परमें अपना अपना मतलब समझ बूझके काम निकालतेही हैं, परन्तु चीठी की लिखावटमें जो कुछ मारपेच और बारीक भेद है, उन सबको सिवा चतुर इल्मवालोंके बहुतसे आदमी नहीं जानते हैं, इसलिये बाजे नावाकिफ चीठोंकी लिखावटमें ऐसे बन्ध जाते हैं कि वक्तपर कुछ भी उजर और जवाब नहीं करने लायक रहते हैं, बल्कि शरमिन्दा भी होना पड़ता है, यह समझके अपनी बुद्धि अनुसार और उस्तादोंके कलाम सुन सुनके चीठी लिखने और पढ़नेकी

थोड़ीसी रीतभांत इस किताबमें जमा करके आगे लिखता हूं, अगरचे उन सब रीतियों को बुद्धिमान होशवाले सब जानते हैं, तथापि इस जगह लिखनेका मतलब यही है, कि बनिसबत् सुनी हुईके लिखी हुई बातोंपर अधिक अमल हो सकता है। अब आशा है कि बुद्धिमान पाठक आगे लिखी हुई रीतियों पर निगाह करेंगे और अगर कहीं न्यूनाधिक लिखा भी गया हो तो उसके लिये मआफ़ करेंगे, और पढ़ने पढ़ानेके वक्त सुधार भी लेंगे।

१।—प्रथम तो यह जानना चाहिये कि अगले जमानेमें कागज नहीं थे चीठी सिर्फ तालपत्र और भोजपत्रही पर लिखा करते थे, इसी लिये चीठीका नाम पत्र भी है।

२।—आदमी अपने दिलका हाल केवल मुंह और हाथही के जरिये से जाहिर कर सकता है, अर्थात् मुंहसे समझाना तो करका और हाथके जरियेसे दूरका है, सैंकड़ों हजारों कोसोंका मिलाप, और भला बुरा चीठियोंही की राह हरफोंके नियामसे मालूम हो सकता है, जो शख्स समझ करके चीठी लिखेगा अथवा लिखावेगा वह कभी कोई तरहसे किसीके कोल और पंजेमें नहीं आ सकेगा, और अगर सच पूछो तो रीतिसे चीठी लिखनेवाले की समझदार पढ़नेवाला तारीफ़ करता है, और दुकानदारी भी इसीसे है।

३।—व्यवहारिक कागज अर्थात् चीठीपत्र और बही खाता लिखनेके वक्त शुरूमें प्रथम १। अथवा १॥ का चिन्ह लिख करके लकीर खेंचते हैं, सो यह चिन्ह "ॐ" कारका है और ॐ अक्षर ही है (अर्थात् यह सबसे पहले है इससे पहिले कोई नहीं) अ, उ, म, अक्षर और अर्द्धमात्रासे ॐ बना है, बाजे आदमी १। अथवा १॥के चिन्हके ऊपर एक मिहराबदार हाथी मस्तका कर लकीर ऊपर की तरफ तिरछी टानकर उसके नीचे मुक्ता लगा देते हैं, सो यह चिन्ह भी उसी ॐ ऊपरके विभागका है, बंगाली लोगभी इसी तरहका चिन्ह श्रीदुर्गा और श्रीहरिके नामके

प्रथम लिखते हैं, पर बाजे इस चिन्हको गणेशजी का मस्तक बतलाते हैं अर्थात् गणेशको आदमें लिखते हैं ।

४ ।—हर एक पुस्तक और व्यवहारिक कागज पत्र लिखनेके वक्त प्रथम "श्री" लिखते हैं, जिसका कारण यह है कि श्री है सो सर्वशक्तिमान जगदीश्वरके अंग की ज्ञानशक्ति है, और उत्पति, स्थिति, संहारमें रूप प्रथम है, और सबसे उत्तम और मांगलिक है, इस लिये जहां तहां लिखनेके वक्त प्रथम हिन्दुलोग श्री लिखा करते हैं ।

५ ।—श्रीरामजी, श्रीगणेशजी इत्यादिक मांगलिक नाम हैं सो (चीठीके शिरेपर जगह छाड़के लिखनेसे चीठी लोटाके लिखनेके वक्त समाचारोंके नीचे वह नाम आ जाता है इस लिये शिरेके ठीक् जड़में लिखनेसे श्रीनामा ऊपर का ऊपरही रहेगा। शिरनामेके ऊपर समाचार हरगिज नहीं लिखने चाहिये ।

६ ।—चीठीके शुरूमें "सिद्धि श्री" अथवा "स्वस्ति श्री" लिखा करते हैं, सो सिद्धि श्री छोटे की तरफसे बड़ों को और बराबरवालोंके लिये लिखनी चाहिये और स्वस्ति श्री का अर्थ आशीर्वाद है इसलिये अपने से छोटों को लिखनी योग्य हैं ।

७ ।—उपरोक्त सिद्धि श्री अथवा स्वस्ति श्री की जगहसे ऊपरकी तरफ एक हिस्सा कागजका सादा रहना चाहिये और बाकी हो हिस्से नीचे रहें उसमें समाचार लिखने चाहिये, पर आरबाल छाड़े सिवा चीठी को नहीं आरम्भ करनी चाहिये ।

८ ।—आदमीका नाम लिखनेके पहिले किसको कितनी श्री लिखनी उनकी संख्या, गुरुको श्री ६ स्वामी अर्थात् अपने से बड़े और मान्यवर हो उनको श्री ५ शत्रुको श्री ४ मित्रको श्री २ और स्त्री, पुत्र, नौकर इत्यादिक को श्री १ लिखनी चाहिये, परन्तु व्यवहारिक चीठियोंमें प्रमाणसे श्री लिखनी इस पर लोग कुछ विशेष ध्यान नहीं रखते हैं ।

९ ।—चीठी भेजनेवाले जिसको चीठी लिखते हैं उस धनियोंके नाम

के पहिले और पीछे जो जो उपमा, अलकाव लिखते हैं वह थोड़ी सी निम्न लिखित प्रमाण अर्थ सहित है, पत्र प्रेरकको चाहिये कि उन सब की अर्थ भेद समझके नामके पहिले और पीछे प्रयोज्य शब्द लिखैं।

नामके पहिले लिखनेकी उपमा।

श्रीमान्—लक्ष्मीवान। श्रीमन्त—भाग्यवान। श्रीमत्—लक्ष्मीवान। श्रीयुक्त——प्रतापी। श्रीयुत्—शोभायुक्त।	यह सब राजवर्गि, बड़े आदमी और मान्यवरोंके लिये लिखना चाहिये, इन सबका मतलब एकही है।

श्रीमती—केवल स्त्रीही के नामके पहिले लिखना चाहिये।
श्री, द,—शोभादाता, धनपति।
श्री, ल,—शोभायुक्त।
लायक—अपने बराबर से और बड़ोंको लिये है।
उपमा लायक—जोकि उपमाके लायक हो उनको।
नैकोपमा लायक—जिसको बहुतही मान देना हो उसको।
सर्व्व उपमा लायक—साधारण आदमीको नहीं लिखना चाहिये।
वीर्य्यवान—बलवान, तेजस्वी, पराक्रमी।
राज्यवान—केवल राजवर्गीको लिखना चाहिये।
विराजमान—शोभायुक्त सुखभोगनेवाला, बड़ोंके लिये है।

पूज्य पूजनीय पूजमान परम पूज्य पूज्यपाद	गुरु, पिता, माता और इनके तुल्यवालोंके लिये है और स्त्रीको तरफसे भी "पूजनीय" पतिको लिखना चाहिये।

भाई—साधारण और अपने से बड़ा न हो उसको।

भाईजी—बराबर से को पर दरजेमें छोटा न हो।

भाई जी श्री—अपने से बड़े भाईको और मान्यवर भाईको।

शाह—एक पदवी है अर्थ इसका बादशा और फकीर दोनूं है।

चिरञ्जीव—पुत्र और पुत्र तुल्यके लिये है, अर्थ दीर्घायु है।

बाबु—सम्बोधन बंगाली है साधारणके लिये।

बाबुसाहिब—मानके साथ बोलने और लिखनेमें।

लाला—साधारण है और सम्बोधन शब्द है।

लालाजी श्री—मानके साथ लिखना बोलना।

लालाजी साहिब—बहुतही मान देना हो वहां बड़े को।

सेठ—एक पदवी लिखने बोलनेमें लगाते है।

सेठजी श्री—मानके साथ बोल चालमें और मालिक को।

पत्री श्री—जिसको कुछ भी पदवी नहीं लिख सकें उनके वास्ते।

महाजन—उत्तम जनके नामके पहिले लगाना।

महाशय—महत् आशय युक्त, उदार स्वभाव बड़ेके लिये।

जोग—यह शब्द योग्य है और इसका अर्थ लायक है प्रथम जहां "जोग" लिखते है वहां लायक लिखना बिहतर है क्योंकि "जोग"का अर्थ कुछ भी नहीं होता है।

महा—इसका योजना शब्दके पहिले करनेसे श्रेष्ठ वा बड़ा समझा जाता है। जैसे महाराज महामहीम इत्यादि।

महामहिम—अतिशय महिमा युक्त [उत्तम जनके लिये]।

महाराज श्री—राजा, सरदार, ठाकुर और ब्राह्मणको लिखना। बराबर से और छोटों को यह शब्द हरगिज नहीं लिखना चाहिये।

राजराजेश्वर } जोके राजोंका राज हो सिवा उनके, ऐसे वैसोंको
राजाधिराज } नहीं लिखा जाता है।

महाशया:—स्त्री जो कि गम्भीर है केवल उसीके लिये है।

शिरोमणि—शिरका भूषण पण्डित, पति और राजाके लिये एक

बड़ाई है, परन्तु वाचक शब्दके अंतमें लिखना चाहिये जैसे पण्डित शिरोमणि इत्यादि।

अखण्डित लक्ष्मी } ब्राह्मणकी तरफसे महाजनको एक आशी-
धर्म्ममूर्त्ति } र्व्वाद है।

मान्यवर—जो मानके लायकहो केवल उसीको लिखना चाहिये।

पियारे मन
पियारे साहिब } स्त्री को तरफसे अपने पतिको अथवा जिसके साथ
प्रियतम } अधिक पियार हो केवल उसीके लिये है।
प्राणपियारे

प्राण पियारी
पियारी साहिबा } पुरुषको तरफसे अपनी स्त्रीको अथवा जिसके
पियारी मन } साथ अधिक पियार हो वे उसको लिखना
प्रियतमा } चाहिये।

सौभाग्यवती } पुरुष को तरफसे अपनी स्त्री को अथवा कुलीन
सौभाग्य भूषण } स्त्रीको लिखना।

शय्याभूषण—पुरुष को तरफसे केवल अपनी स्त्रीके लिये है।

स्वधर्म्मपरिपालिका—पुरुष को तरफसे स्त्रीको।

कुंवरजी—राजा सरदार बड़े आदमी वा अपने मालिकके लड़के को और दामाद को।

कविवर—ब्राह्मण, भाट, चारण वगैरह जातियोंके कवियों को।

सेवक—बड़े को तरफसे शिष्य वा शिष्य तुल्य हो उसको।

दास } अपने को छोटा मानके अपने नामके पहिले लि-
दासानुदास } खना चाहिये जैसे दास फलाना।

महापुरुष—साधु, महात्मा और सज्जन लोगोंके लिये।

हजरत
हजूर } राजा, बादशाह, फकीर, हाकिम वगैरह बड़े आदमियोंके लिये लिखने और बोलनेमें लगाये
खुदावन्द } जाते हैं।

———०———

नामके पीछे लिखनेकी उपमा ।

आशीस, आशीर्व्वाद, धर्मलाभ, कल्याण।

बड़े की तरफसे छोटे को जो कि आशीसके लायक हो।

दण्डवत्, पायलागन, पावां धोक, अष्टाङ्ग दण्डवत्, बन्दगी आदाब, बन्दना।

छोटों को तरफसे महात्मा गुरु पिता पूज्यमानको लिखना।

मुजरा, प्रणाम, विनति, अरज, जुहार।

अपने से दरजमें ऊंचा मानकर यह सब उपमा लिखनी चाहिये यह भक्तियुक्त नमस्कार हैं।

राम राम, जैगोपाल, जै श्री जी, जै रघुनाथ, सलाम।

सर्व साधारणको परन्तु गुरु पिता वगैरह को नहीं लिखना चाहिये अगर लिखो भी जावे तो दोष नहीं है क्योंकि ईश्वरके नाम है।

यथायोग्य।

बहुतसे आदमियोंको चीठी लिखनी हो वहांपर यथायोग्य लिखना चाहिये और जिसको कुछ उपमा लिखनी समझ नहीं आवे उसके लियेहै।

नमस्कार।

परस्पर को करना असल अर्थ इसका यह है कि देह देवालयमें जो आत्मा है उसको देह अभिमान छोड़के मैं नम्र हूं।

जी।

आदमीके नामके अंतमें जी लगाते है जिसका मतलब जीवनार्थ और जयार्थ है, पण्डित, गुरु, राजा, सेठ और बड़े आदमीके नामके साथ दूसरे शब्दको योजना चाहिये केवल नाम बोलने और लिखने से न्यूनता होती है।

१०।—अपने से बड़े और बराबर वालोंको जहां तहां सम्बोधनकी जगह "आप" अथवा "आपकी" या "आपको" लिखना चाहिये, बाजे आदमी तुम, तुमारी, तुमारा लिखते हैं सो हलकापन है।

११।—समाचारों को पहिले बिचार करके लिखने से बहुत फायदे हैं, दूसरे लिखावट भी सजीली होती है।

१२।—समाचारोंके शुरूमें कोई आदमी "अपरंच"को उपरंच अथवा उप्रंच लिखा करते हैं और उच्चारण भी यूंही करते हैं, पर लिखना और पढ़ना अपरंच ही सही है यह संस्कृत शब्द है इसका अर्थ "इसके आगे" ऐसा है।

१३।—जहांतक बन सके कम लिखनेमें मतलब जियादः रहै, अगर सच पूछो तो संक्षेपमें लिखना उसीका नाम चीठी है। बहुतसे आदमी बेमतलब लम्बी चौड़ी लिखके खुश होते हैं सो फजूल है, क्या पढ़ने वाले खुश होंगे?।

१४।—एक दफा जिस समाचारको लिख चुके फिर उसको उसी चीठीमें दूसरी जगह कभी नहीं लिखना चाहिये।

१५।—समाचार जिस लकीरमें जहां खत्म हो चुके उसको उसी जगह छोड़ देना और दूसरा समाचार "सीगा" अर्थात् एक खड़ी लकीर खेंचके लिखना चाहिये जैसे।—

१६।—समाचार और हरफ चीठीमें ऐसी सुघड़ता और रंगीन इबारतके साथ यथार्थ लिखने चाहिये कि जिसको देख सुनके कोई कहीं भी रोकटोक नहीं कर सके, हकीकतमें दूर बैठे हुए आदमी की होशियारी और गैर होशियारी सिर्फ चीठीही पढ़नेसे जानी जाती है।

१७।—झूठा अथवा किसी दूसरेका बनावट समाचार या शकभरा हुआ अपने हाथसे या दूसरेके कहनेसे अपनी चीठीमें हरगिज नहीं लिखना चाहिये। ऐसे समाचार लिखनेवाले बहुत पछताचुके हैं।

१८।—चीठी को बाजे आदमी आगे पीछे से यहांतक लिख करके भर देते हैं कि कहीं तिल रखनेको भी जगह बाकी नहीं छोड़ते हैं।

अगर समाचार जियादः ही लिखने होवे तो कागज की किफायत नहीं करके दूसरे कागजमें लिखना बिहतर है ।

१९ ।—लिखने लायक जवाब को सुस्तीसे मुलतवी मत रक्खो बल्कि उसी दिन की डांकमें चीठी जवाबके साथ भेज देनी चाहिये, इस जगह सुस्ती नुकसान करती है ।

२० ।—लम्बी चौड़ी चीठीको पढ़ पढ़के जवाब लिखना चाहिये याद दास्त लिखनेसे अकसर पूरा समाचार और जवाब नहीं लिखे जाते हैं ।

२१ ।—चीठोमें हरफ न तो ऐसे फीके, बारीक; गिचपिच और मिले हुए लिखने कि मुशकिलसे पढ़े जावें और न ऐसी गु'दल सियाहीसे लिखने चाहिये कि जिससे चीठी की तह आपसमें चिपट जावे और चीठी खोलनी कठिन पड़े, अगर वक्तपर चीठी की तह चिपट भी जावे तो उसके खोलनेके लिये एक यह तरकीब है :—एक बरतनमें पानी डा-लके कपड़ेसे उसका मुंह बन्ध करके आगपे चढ़ा देना जब की उसमें भाफ पैदा होके बाहर निकलनी शुरू हो उस वक्त चीठो को भाफ लगा लगाके आहिस्ता आहिस्ता खोलनेसे आसानीके साथ तुरन्त खुल सकेगी, और हरफ नहीं बिगड़ेंगे ।

२२ ।—लिखनेके वक्त कलमको इस अंदाजसे भरना चाहिये कि न तो कहीं छींटा टपकने पावे और न हरफ फूटके कागज खराब हो सके, बाजे आदमी पहिले तो रोशनाईमें कलमको खूब भरते हैं और पीछे झाड़, चटका, पूछ, करके कपड़े खराब करते हैं ।

२३ ।—बिगड़े हुए हरफों को बहुतसे आदमी चाकूसे उड़ाके उस जगह दूसरे बनाते हैं पर यह काम बहुत होशियारीका है और खियाल रखने की जगह है ।

२४ ।—चीठी वगैरह कागजपत्र लिखनेके वक्त गर्दनको बहुत झुका के लिखनेसे जरा सीधी रखके लिखनेकी तारीफ है, शुरूहीसे बालकों कोरोकटोक करने से गर्दन झुकाके लिखने की आदत नहीं पड़ेगी ।

२५ ।—चीठी बही और खातेमें लकीर सब पूरी सीधी और एक

मुजब फरक रखके खेंचनी चाहिये और बायें से दहना किनारा एक अंदाजसे ऊंचा रखना चाहिये ।

२६ ।—चीठीका बायां किनारा लिखनेके वक्त बतौर एक मगजीके इस अंदाजसे शुरूसे आखीर तक सादा रखना चाहिये कि जिसमें बायें हाथकी तर्ज्जनी अंगुलीका अग्रभाग खाली जगह पर टीका रहै ।

२७ ।—चीठीके लिये हमेशा परदा रखना चाहिये अर्थात् लिखनेके वक्त, पढ़नेके वक्त, और भेजनेके वक्त, सिवा इनके एक परदेहीसे सिल सिलेवार रखनी चाहिये कि जब दरकार हो तुरन्त मिल भी जावे ।

२८ ।—हर एक चीठी और दस्तावेजकी नकल अपने पास जरूर रखनी चाहिये इसका फायदा वही जानता है जो कि नकल रखता है ।

२९ ।—चीठीमें फलाने की चीठी या हुण्डी, मोठ वगैरह भेजा है ऐसा लिख तो देते हैं, पर चीठी बन्ध करनेके वक्त बाजे भूल भी जाते है इस लिये इस बात पर खूब खियाल रखना चाहिये ।

३० ।—चीठीमें जहां कहीं अंक लिखने हो उसके साथ अंकोंई भी जरूर लिख देनी चाहिये यह बहुत जरूरी बात है ।

३१ ।—चीठीमें कठिन और अजान समाचार किसीको लिखना हो तो वहां पर मात्रा लगा देनी चाहिये मुड़िये हरफोंमें लिखा हुआ समाचार कुछ का कुछ पढ़ा जाता है, बल्कि खुद लिखनेवाला भी वक्त पर नहीं पढ़ सकता है । पर अफसोस तो यह है ! कि मात्रा क्या चीज है बाजे (मारवाड़ी) यहांतक भी नहीं जानते हैं ।

३२ ।—बड़े आदमी की मांदो तबियतका अगर हाल पूछने चाहो तो उस जगह तुम्हारी या उनकी नहीं लिखके तुम्हारे या उनके दुश्मनों की तबियत कैसी है लिखना चाहिये ।

३३ ।—चीठी चार संयोग मिले बिना दुरस्त नहीं लिखी जाती है, प्रथम दुरस्त कलम, दूसरा साफ सियाही, तीसरा उम्दा कागज और चौथा सुघड़ लेखक, इनमें तीन तो मिलने सहज है पर सुघड़तासे

लिखनेवालेका चौथा संयोग मिलना कठिन है, चौठी लेखकको चाहिये कि उपरोक्त चारोंको इकठ्ठा करके स्थिरताईके साथ लिखें।

२४।—एक प्रसंगको एकही चीठीमें ऊंचे नीचे तोड़ तोड़के जहां तक बन सके मत लिखो, एकके बाद दूसरा समाचार अनुमान करके लिखना चाहिये इसमें सुघड़ता है।

२५।—चीठो लिखने और पढ़नेवालोंके परस्परमें एक ऐसा संकेत भी रखना चाहिये कि जब कोई बहुतही गुप्त समाचार लिखना हो तो इशारेसे लिखें, खुलसा [जिसको दूसरा समझ सके] कभी नहीं लिखना चाहिये न मालूम वक्तपर चीठो दूसरेके हाथ लग जावे या खुद पढ़नेवाला ही दुश्मन हो जावे।

२६।—गुमाश्तेकी या किसी गैरको चीठो या दस्तावेज लिखी हुई पर जब को मालिक या मूनीम अपना दस्तखत् करने चाहे, उस वक्त चीठो को एक दफा अच्छी तरहसे पढ़के सही करे, अगर लिखी हुई पर मालिक सही कर चुके और उसमें कहीं गलती निकल आवे तो इसमें सही करनेवालेका दोष समझना चाहिये।

२७।—अगले जमानेमें चीठी लिखने बाद चर्च करके भेजा करते थे, अर्थात् पण्डित, गुरु, पिता, पुत्र और सन्यासीके पत्रको चंदनसे, राजाको कस्तूरीसे, स्वामीको सिंदूरसे, स्त्रीको लाखके रंगसे, नौकर वगैरहको रक्तचंदनसे, विवाहादि जन्मपत्रिकाको हलदी से और शत्रुके पत्रको रक्तसे आंकित करके भेजा करते थे, पर हालमें वह सब रिवाज बन्ध हो गई हैं, केवल श्रीपूजन, विवाहादि जन्मपत्रिकादी को कुंकुम, अर्थात् हरदी से चर्चते हैं।

२८।—वररुचिके लिखने मुजब चीठीके नीचेका दहना किनारा प्राय एक अंगुलके तराशके चीठी बन्ध करनी चाहिये, सो यह चाल हालमें महाजनोंमें तो कहीं भी नहीं देख पड़ती है, पर हां! राजस्थानमें अब भी है, कहते हैं कि यह खुशमिजाज और मुबारकी की निशानी है।

३९।—चीठी वगैरह दस्तावेज को लिखने बाद एक दफा अच्छी तरहसे पढ़ लेनी चाहिये पढ़नेमें बहुत फायदे हैं और नहीं पढ़नेवाले वक्त पर धोखा भी खा जाते है।

४०।—चीठी की भांज अर्थात् तह बन्ध करनेके वक्त इस अंदाजसे करनी चाहिये कि जिसमें जरा लफाफा खाली रहै इसका कारण चीठी खोलने के वक्त सुभीता और भीतरसे चीठी नहीं फटे यही है।

४१।—बाजे आदमी आधे आनेके महसूलके लालचके सबबसे चीठी और हुण्डीको यहांतक कतर तराशके उसका बिलकुल डौल बिगाड़ देते हैं, सो ऐसा किफायत करनेमें कुछ तारीफ नहीं है।

४२।—गुप्त अक्षर लिखने हों तो पियाज अथवा नीबू अर्कसे अथवा दूध और आककी दूधसे कागज पर लिखने से अक्षर बेमालूम हो जाते हैं, फिर जरा आगसे तपानेही से पढ़नेमें आ जाते हैं।

लफाफा लिखनेकी रीतियां।

[illegible]।—लफाफा ऐसे संगीन कागजका बनाना चाहिये कि रास्तेमें डाक मुहोर लगनेसे नहीं फटने पावे।

२।—लफाफे पर प्रथम ७४। अथवा ७४॥ के जो अंक लिखते हैं सो यह चिन्ह (धनीकी इजाजत बिना चीठी खोलनेवालेके लिये) तलाक [illegible] ताला है, इस पर एक तो यह कथा है कि सन १५६१–६२ ई० में बादशाह अकबरने चितौड़पर चढ़ाई करके किले को घेर लिया था, उसवक्त किलेदार राठोड़ जयमल बहादुरके मारे जाने पर राने की फौज बिलकुल बेदिल हो गई, पहिले तो औरतों को जोकि किलेमें थी जयमल की लाशके साथ जल दिया बाद उसके तलवारे सूंत और केसरेये बागे पहनके किलेसे बाहर मैदानमें निकल आये, कहते हैं कि उस वक्त कमसे कम नामी आठ हजार आदमी मुसलमानोंके हाथसे कतल हुए थे और रणखेतमें से जनेऊ जमा करके वजन किया तो ७४॥ मन हुआ था, वही तिलाक चीठियों पर लिखते हैं—चितौड़ की लड़ाई

में हजारहां हिन्दु मुसलमानोंके हाथसे मारे गये, किताबोंके देखनेसे सबूत है, पर ७४॥ मन जनेउके वजन को तिलाक उसी वक्तसे चीठियों पर लिखनी शुरू हुई हैं, सबूत नहीं होती है। टोडसाहिबने भी अपनी किताबमें राजस्थानका पत्तेवार कुल अहवाल लिखा है पर जहां ७४॥ मन जनेउका जिक्र लिखा है उस जगह आखिर यही लिख गये हैं कि उस वक्त मण [illegible] सेरका था, इससे यह सिद्ध हुआ कि साहिब मौसूफको भी शक पैदा हुआ था। असल प्रमाण इस तिलाकके बारेमें यह है— वररुचि नाम कवि जोकि १९०० बरस पहिले राजा विक्रम की सभामें नवरत्नमें गीना जाता था, उन्होंने अपनी "पत्रकौमुदी" नाम ग्रन्थमें ७४॥ के चिन्ह बाबत ऐसा लिखा है कि "७ समुद्र ४ वेद और दो चरण धर्म्म" का (सत्ययुगमें [illegible] त्रेतामें ३ द्वापरमें २ और अब हाल कलयुगमें सिर्फ एकही चरण धर्म्मका रह गया है) जो आदमी ७४ के ऊपर। एकपाई लिखता है एक चरण धर्म्मका है, और बहुतसे ७४ के ऊपर॥ दोपाई खेंचते है सो द्वापरयुग प्रमाण दो चरण धर्म्मका समझ लेना चाहिये, कोई तो उस तिलाक को लफाफेके बाये किनारे पर लिखते है, और बंगाली वगैरह जहां लफाफे को बन्ध करते है बीचमें लिखते हैं, हकीकतमें जहां लफाफे को बन्ध करते हैं उसी जगह वह तलाक लिखना चाहिये।

[illegible]।—गुजराती मुर्शुदाबादी वगैरह लोग ७४॥ के पहिले ०॰० इस मुजब तीन सुन्यभी लिखते हैं, इनका अभिप्राय बाजे तो कहते है कि "यह भूत भविष्यत् और वर्तमान काल है अर्थात् तलाकी हुई चीठी को किसी कालमें नहीं खोलनी चाहिये और बाजे यह भी कहते है कि यह तीन देवता ब्रह्मा विष्णु और शिव हैं, जो कोई धनी की अनुमती बिना चीठी खोलेगा इन देवताओं की शपथ लगेगी, इस पर एक हमारे पण्डितवर मित्रने यह कहा है कि यह जो ०॰० सुन्यका चीन्ह है सो तीनलोक स्वर्ग, मृत्यु, और पाताल है। जहां से जो तिलाकके बारेमें प्रमाण मिला सो लिखा है, पाठक मेरे लिखनेमें कुछ दोष नहीं निकालेंगे।

४ ।—अमृणिक और अधूरा शिरनामा लिखनेही से अकसर चीठी ठिकाने पर पहुंचनेमें अटक जाया करती है इस लिये लिखने-वालेको चाहिये कि लफाफे पर धनीका नाम और पत्ता ठिकाना पूरा साफ सही और खुशखतोंके साथ लिखें 'ताकी चीठी तौरबन्ध पहुंचे ।

५ ।—व्यापारीलोग अकसर यह समझते हैं कि पेड चीठीसे बेरंग ठीक पहुंचती है, और यही समझके जरूरी चीठी बेरंग भेजतेहैं, पर यह नहीं समझते हैं कि शिरनामा अगर दुरस्त नहीं लिखा जावेगा तो दोनूंही बराबर है और बेरंगसे पेड कुछ पहिले पहुंचती है इस लिये पेडही भेजनी बिहतर है

६ ।—नामी शहर की चीठी जैसी वक्तपर पहुंचती है वैसी छोटे छोटे गांव और ष्टेसनोंको तौरबन्ध नहीं पहुंचती है, इसका कारण यही है कि छोटे और नये मुकामोंके नाम ठीक नहीं लिखे जाते हैं अगर जो देवनागर अक्षरोंमें भी जिलेके साथ सही लिख देवें तो चीठीको कभी गोते नहीं खाने पड़ेंगे ।

७ ।—अपनी चीठीमें दूसरे के नाम की खुलि हुई चीठी भेजो उस पर ७४॥ की तिलाक नहीं लिखना चाहिये, सिर्फ गोंगा लगाके शिर-नामा लिख देना चाहिये ।

८ ।—जिनके यहां चीठी लिखनेका अधिक काम है उनको चाहिये कि चीठी लफाफेमें बन्ध करनेके वक्त जरा खियाल रक्खें ऐसा न हो कि एकको चीठी पर दूसरेका नाम गलतीसे लिखा जावे, इस गलतीके बचावके लिये पहिले लफाफे लिख लेना बेहतर है बाद उसके शिरनामे मुजब चीठी बन्ध कर देनेसे गलती न हो सकेगी ।

९ ।—लफाफा बन्ध करने बाद जरा वजन की तरफ भी खियाल कर लेना चाहिये, टीकट लगाने से ॥⁄ तोले तक आध आना और एक तोले तक ⁄ आना तोलेके ऊपर वजन होनेसे २ तोलेका महसूल लगेगा, बेरंग भेजनेसे दूना ।

१०।—चीठी तयार होने बाद अपने हाथसे या भरोसेदार आदमी की मारफत मुताबक टैमके डाकघर भेजनी चाहिये।

११।—गमगीन चीठीके लफाफे पर यह लिख देना चाहिये कि "चीठी वक्त देखकर खोलें या देना" इस लिखनेकी रिवाज गुजराती और बंगाली लोगमें अधिक है।

चीठी पढ़नेकी रीतियां।

१।—प्रथम लिखनेवालेके हरफ पहचानने चाहिये।

२।—किस जगहसे चीठी कब चली और मञ्जिल पर कब पहुंची दोनूं जगह की डाक महोर अव्वल देख लेनी चाहिये इससे एक तो यह निश्चय हो जाता है कि चीठी उसी दिन या बाद उसके डाकमें डाले गई है, दूसरे जिस मुकामके लिये चीठी हो वहांके पोस्ट अर्थात् चीठीरसेने उसी दिन बांटी या अटकाके बांटी सबूत हो जाता है, तीसरे चीठी अगर गलतीसे किसी दूसरे ठीकाने भी चली जावे तो डाक महोरसे वह भी मालूम हो सकता है।

३।—चीठी पर कहीं अशुभ चिन्ह लिखा हुआ वक्त पर आ जावे तो मौका देखके चीठी खोलनी चाहिये।

४।—दूसरे कामोंको छोड़के स्थिरताके साथ पहिले चीठी पढ़ लेनी चाहिये।

५।—चीठी खोलनेके वक्त लफाफेको दहनी तरफसे डाकमहोर बचाके फाड़ना, तराशना या खोलना चाहिये।

६।—पैदल रास्ते चलते हुए वक्त चीठीको नहीं पढ़नी चाहिये।

७।—चीठी जबतक शुरूसे आखीर तक नहीं पढ़ी जावे दूसरेको मत दिखाओ और सुनाओ बल्कि किसीके हवाले भी मत करो।

८।—अपनी चीठीमें अगर किसी दूसरेके नामकी लिखी हुई चीठी आवे तो धनीको, जहांतक बनसके तुरन्त हवाले कर देनी चाहिये, समझ बूझके बेमतलब रख छोड़नी नहीं चाहिये।

९।—चीठी या दस्तावेज पढ़ने बाद अगर लायक फाड़नेकी हो तो, इधर उधर फाड़के फेंकनेसे पानीमें गलानी या आगमें जलानी बिह-तर है, पर बहुतसे आदमी जलानेमें ऐब समझते हैं, इस लिये ऐसी जगह पुरजी पुरजी करके फैंको ताकी कोई जमा नहीं कर सके।

१०। पढ़नेके वक्त हर एक चीठीकी लिखावट पर खूब ध्यान देना चाहिये, अगर समझो कि इबारत नापसन्द है और लिखनेवाला लायक समझाने कीहै तो उसी वक्त समझा करके खुलासा जवाब लिखो, ताकी दुबारा फिर वैसा मजमून नहीं लिखे और अगर देखो कि समाचार सुघड़तासे लिखा हुआ है तो उस पर खुद अमल करो और उसके अनुसार लिखो।

११।—चाहिये कितनेही दिन की पड़ी हुई पुरानी चीठी क्यों न हो पर रद्दी समझके नहीं बरतनी चाहिये, अगर रद्दी कोई काममें वक्त पर लगाई भी जावे तो पर वाह नहीं परन्तु किसी दूसरे को तो कभी देनी ही नहीं चाहिये।

१२।—मुड़ये हरफोंमें लिखी हुई चीठीका समाचार वक्त पर कुछ का कुछ पढ़ा जाता है, इस लिये बिन मात्राके अक्षरों की चीठी पढ़नेके वक्त बहुतही खियाल रखना चाहिये, ऐसा न हो की अक्षरोंके जोड़ने में अर्थका अनर्थ हो जावे।

१३।—अपनी चीठीमें वक्तपर किसी दूसरे आदमीका गमगीन समाचार कहींसे लिखा हुआ आजावे तो एकाएकी बेमौके नहीं सुनवाना चाहिये।

१४।—पढ़ने बाद चीठियों को सिल सिलेवार लफाफे समेत ऐसी जगह रखनी चाहिये कि जब दरकार हो तुरन्त मिल जावे।

———०———

बालकोंके सीखनार्थ राजपुताना देशनिवासी व्यापारियों की भाषा की चीठियें लिखनेकी रीति।

प्रथम सर्राफी काम सम्बन्धी चीठियां।

सिद्धि श्री सवाई जयपुर शुभस्थान भाई जी श्रीगणेशप्रदास जी देवीप्रसाद योग्य लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे रामप्रताप हरिप्रसाद केन श्री जयगोपाल बाचीज्यो, इतूं तरफ श्रीनाथ जी सहायक रहसी अपरंच श्री महालक्ष्मी जी का पूजन कार्त्तिक बदी १५ मंगलवार गोधूलिक समय कुलके बन्धुमामें आनन्द विनोदसे कीनोछे आप पणघणे आनन्द हंगामसे कीजेको चीठियां दियावरांने लिखी होस्यो और हिसाब हमारे बदको कार्त्तिक सुदी १ सुधी तुरन्त भेजवा दीज्यो मिति सम्वत् १९२७।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री रामप्रताप हरिप्रसाद योग्य लिखी श्री सवाई जयपुरसे गणेशप्रदास देवीप्रसाद केन श्री जयगोपाल बंचना अठेका समाचार भला छे थाहांरा सदा भला चाहिये अपरंच चीठी आपकी कि श्रीपूजनकी लिखी आज दिन आई, समाचार बांच कर खुशी मानीछे, हमारी चीठी लारसे पहुंची होसी। और हिसाब भेजनेकी ताकीद राखस्यां मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई श्री रा० रा० योग्य लिखी—से, म० ल० केन श्री जैगोपाल बंचावज्यो अठे श्री जी कृपासे कुशल है, आप की हमेशा चाहिये अपरंच हुण्डी किता २ रु० ५०००) कलकत्ते की इस चीठी साथ सकार लीज्यो हमारे खत जमा करके लिख दीज्यो मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई श्री म० ल० योग्य लिखी—से, रा० रा० केन श्री जैगोपाल बांचो ज्यो अपरंच चीठी आपरी आज दिन आई, हुण्डी रु० ५०००) कलकत्ते की भेजी सो पहुंची छे दाम, पटे से आपरा

जमा करस्यां, इस भांत जवाब छै, चीठो काम काज साथ हमेशा दीज्यो मिति० सम्वत्।

सिद्धिश्री—शुभस्थान पूज्यश्री मनमोहनदासजी राधावल्लभ योग्य लिखी कलकत्ता बन्दरसे रघुवरदयाल केन श्री जुहार बंचाव ज्यो अठेउठे श्रीनाथजी सहाय करसी अपरंच हुण्डी किता १ रु० २५००) आपके ऊपर लिखी हमारी राख्या गणपत राव काशीनाथ का मगसर सुदी १ दिन ५१ पीछे कीनीछे सो देनी लग्यां सकार, दाम हमारे नाम लिखना चीठी पाछी दीज्यो काम काज की फरमायस लिखाय ज्यो मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री—शुभस्थान चिरंजीव रघुवर दयाल योग लिखी बम्बई बन्दरसे म० रा० केन श्री आशीस बंचना अपरंच हुण्डी किता १ रु० २५००) की सकारने साह नकल लिखी सो देनी आया सकार दाम तुम्हारे नाम लिखसां, वलती चीठी दीज्यो मिति० संवत्।

सिद्धि श्री सवाई जयपुर शुभस्थान भाई जी श्री चन्द्रभाण जी अभय मल योग्य लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे मनसुखचन्द केन श्री जयगोपाल बांची ज्यो अठेउठे श्री गुरुदेवजी सहायक रहसीं अपरंच चीठी वदी १० ने दीनी जिणसाथ हुण्डी रु०२०००) भेजीछे सो जमा कीनी लिख जी—हुण्डी किता ५ रु० २५००) इस चीठो साथ सकार लीजो, सकारायनै हमारे वद जमा कर ज्यो समाचार तुरन्त लिख दीजो मिति०।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री मनसुखचन्द जी योग्य लिखी सवाई जयपुरसे चन्द्रभाण अभयमल की जुहार बांचाव ज्यो अठे उठे स्वधर्म सहायकछै अपरंच हुण्डी २०००) की पहुंच आगे लिख चुक्या छा, आज दिन थहारी चीठी साथै हुण्डी रु० २५००) पहुंची छै रुपया मुद्दत पर पटेसे जमा कर स्यां इस भांत जवाब छै कागद पाछो दीज्यो काम काज ख्यान जाणो सो थोक लिखाव ज्यो मिति०।

सिद्धि श्री आगरा शुभस्थान भाई जी श्री दीनदयाल जी भैरूमल योग्य लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे रामप्रसाद गणपतलाल केन

श्री जैगोपाल बांची ज्यो यहां कुशल है आपके यहां क्षेम कुशल चाहिये, अपरंच चीठी आगे दीनो छी समाचार निगाह कीना हो सो, और हुण्डी किता १ रु० २५००) की आपके खाते प्र० ८३।। हिसाबसे आज दिन राख्या रामलाल गुलाबचन्दका दिन ५१ पीछे की किनीछे सो देनी सागां सकार दाम दीज्यो चीठी पाछी दीज्यों मिति०।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाईजी श्री रामप्रसाद जी गणपतलाल योग लिखी श्री आगरेसे लिखी दीनदयाल भैरूबक्स कैन श्री नरसिंह जी की बांच ज्यो अठे उठे श्रीजी सहाय आरहसी अपरंच चीठी आपकी आज दिने आई हुण्डी रु० २५००) की हमारे घरू कीनी जिसकी नकल लिखी सो जान्या देनी आया सकार दामदेस्यां और हिसाब हमारे बदका कार्त्तिक सुदी १ तकका तुरन्त उतार भेज दीज्यो चीठी काम प्रसंग की पाछी दीज्यो मिति०।

सिद्धि श्री भिवानी शुभस्थान भाई आत्माराम जुगलदास योग लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे भानकुमार लीलाधर कैन श्री राम राम बंच ज्यो अठेका समाचार भलाछे तुम्हारा भला चाहिये अपरंच हुण्डी किता १ रु० ५००) लिखी तुम्हारी राख्या शिवलाल अग्रवालेका कार्त्तिक सुदी १० दिन ६१ पीछे की सकार दीनीछे परंतु नकल हुण्डी पहिले लिखी नहीं सो हुण्डी चीठी करो जिसकी नकल साकारने सारू पहिले लिख देनी चाहिये।

सिद्धि श्री हैदराबाद शुभस्थान पची श्री ५ बलदेव सिंघजी रामसिंघजी योग्य लिखी कलकत्ता बन्दरसे लिखी मनोहरदास कैन श्री मुजरो बांच ज्यो अठेउठे श्री सीताराम जी सहायक रहसी अपरंच हुण्डी किता २ रु० ५०००) की हमें भोपतराम गोपीनाथ ऊपर पौस बदी १ दिन ६१ पीछे की किनीछे सो हुण्डी खड़ी सुनाछां सो ऊपर ले धनीसे पुछवा लिजो कदाचित नहीं सकारे तो उन हुण्डियों को आप हमारे हिसाब सकार दाम दीजियेगा समाचार तुरन्त लिखियेगा ऐसा न हो कि हुण्डियां बिन सकरी फिर जावे मिति।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री म० योग लिखी हैद-राबादसे ब०रा० केन श्री जैगोपाल बांचा ज्यो अपरंच चीठीयां की आज दिन आई हुंडी किता २ रु० ५०००) बाबत समाचार लिखा सो समझ लिया के थाके लिखे मुजब भोपतराम गोपीनाथन कहवा भेज्यी के सो आनाकां हुंडीयां सकार देसी कदाचित नहीं सकार नेकी कहसो तो हमे सकार देस्यां हुण्डी पीछी नहीं फिरने पावेगी, खातर जमा रखना और कोई कामकाज अठे लायक हो सो लिखता रह ज्यो० मिति० ।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई श्री रा० गो० योग्य लिखी श्री बनारस से पु० म० की जैश्रीजी की बांचो ज्यों यहां खेम कुशल है आप सबको कुशल चाहिये, अपरंच नोट रु० १०००) का आधा टुकड़ा नंबर $\frac{B}{14}$ १० ५६२ का भेजा के बाकी आधा दूसरी चीठीमें भेजांगा इसकी पहुंच तुरन्त लिख दीज्यो चीठी काम काज साथी लिख ज्यो मिति० ।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई जी श्री——योग्य लिखी श्री—अमृतसर से—कि जैगोपाल बांचा ज्यो अठिका समाचार भला के आपके भला चाहिये, अपरञ्च चीठी आगे दोनी की समाचार निगाहकोज्या छोज्यो और हिसाब कार्त्तिक सुदी २ सुधो का इस चीठी साथ भेजा के, रुपये १६०।/) बाकी देना निकला के सो आप जमा खर्च करके लहना काठ लिज्यो जवाब पाछो लिख दीज्यो मिति ।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई जी श्री—योग्य लिखी श्री कलकत्तासे केम श्री जैगोपालजीको बंचावज्यो अठे उठे श्रीजी महाराज सहायके अपरंच चीठी आपको आज दिने आई, हिसाब हमारे रुक कातिग सुधी १ तांईको भेज्यो सो पहुंचा के तपास कर समाचार सारते लिख स्यां मिति० ।

सिद्धि श्री—शुभस्थान चिरंजीव—चुन्निलाल शिवबल्लभ योग्य लिखी मथुराजी से मनोहर दास केम आशीस बंचना अपरंच हुंडी किता १ रु० २०००) इस चीठी साथ भेजी के सो सकाराय कर रामनारायन बंसी-

घर इन्दौरवाले खातें जमा कर ज्यो चीठी पाछी दीज्यों समाचार हुंडी जमाकीनेका हमने तथा इन्दौरवालोंने लिख दीजो मिति० ।

सिद्धि श्री मिरजापुर शुभस्थान शाहजी श्री दुर्गादत्तजी गङ्गादयाल योग्य लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे नारायनप्रसाद गोपालदास कीन श्री जयगोपाल बांचाव ज्यो अठे उठे श्रीजी सहाय करसी अपरंच चीठी आपकी इन दिनोंमें आई नहीं सो दिराव ज्यो—तार १ आपको आयो रुपये बीस हजार रोकड़े भेजनेकी लिखी सो ठीक है, [illegible] दिन डांक गाड़ीमें भेजेंगे और चाहिये तो मंगवा लिज्यो चीठी सारे समाचारों की दीज्यो मिति० संवत् ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान उपमा लायक शाहजी श्री नारायन प्रसाद गोपाल दास योग्य लिखी मिरजापुरसे दुर्गादत्त जी गङ्गादयाल कीन श्रीजैगो पाल बंच ज्यो अपरंच रोकड़ी रुपये बीसह-जार भेजे सो पहुंच गये है, आजकी मिति आपका जमा कीना छे फिर गियान देख सां तो मंगासां हुंडीका भाव कुछ तीखा रह गया छे इस भांत समाचार छे चीठी रूखपर संगको हमेशा दीज्यो हमापण देवांगा मिति० ।

सिद्धि श्री लशकर शुभस्थान भाई श्री योग्य लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे—कीन श्रीजी की बंचना अपरंच हुंडी किता एक रु० ५००, की आप लहनी भेजी सो जपर ले धनी नहीं सकारी छे सो इस चीठी साथ फिरत भेजी छे पहुंचेसे पीछी जमा कर ज्यो मलती चीठी दीज्यो काम काज इन दिनोंमें आप री बिलकुल आयो नहीं सो मज़र पूगे सो लिखाव ज्यो घनी फायदे साथ भुगता वांगा हमारे वरूपण लिखांगा मिति० संवत् ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री—योग्य लिखी श्री लशकर ग्वालियरसे—कीन श्री जैगोपाल बंचना अपरंच चीठी आपकी बदी २ की लिखी आई हुंडी रु० ५०००, की जपर ले धनी नहीं सकारी जिससें पीछी भेजी सो आनपुगी [illegible] जमा खर्च पीछा करलेसां

और हुंडी आपने काल दिन दर्शनी भेजागा देर नहीं है चीठी पाछी दीज्यो मिति०।

सिद्धि श्री बनारस महाशुभस्थान भाई जी आनन्दप्रसाद योग्य—लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे हरगोपाल हरनारायन केन श्री जयगोपाल बंचना आगे यहां क्षेम कुशल है आपको हमेशा चाहिये जी सुनमन आनन्दही चीठी आप की आई सो बांची पीछा उतर जान जो—कम्पनी के कागजोंका भाव पांच चार दिनसे ढीले हैं कारण सरकार लोन खोलैगी ऐसी खबर सुनते है सो अभी पोते करने को रुख तो नहीं है, आगे जैसी मरजी हो लिखायेगा आपके लिखे प्रमाण करेंगे, चीठी बदलेकी दीज्यो काम आप लिखोंगे सो फायदे साथ भुगतैगा मिति०।

सिद्धि श्री बंबई बन्दर शुभस्थान लायक श्री—योग लिखी कलकत्ता बन्दरसे केन जयगोपाल बंचना अठे उठे श्री जी सहाय करसी अपरंच चीठी पहुंचने साथ सोना बगडल पांच तथा गिनी विकटुरिया थान एक हजार ओतपाइकर खरीद लीज्यो जोखिम बेचकर डाकमें चालान कर दीज्यो बदले हुंडी दर्शनी हमारे ऊपर लिख दीज्यो समाचार बदलेका तुरन्त लिख दीज्यो मिति०।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थाक भाई श्री——योग लिखी श्री बंबई बन्दरसे——केन श्री जयगोपाल बंचना अठेका समाचार भला छै आपका सदा भला चाहिये, अपरंच चीठी आपरी आई समाचार बांचा सोना बडल पांच प्र० १९ लेखे तथा गिनी विकटुरिया थान एक हजार प्र० १२।⁄, आपकी हिसाबसे खरीद करके आज दिन डाकमें जोखिम बेचकर पारसाल २ रवाने कीनी छै सो पहुंचे से तुरन्त समाचार लिख दीज्यो हुंडी किता ६ रु० २०५०० की आपके ऊपर कीनी है राखरा बंक बंगाल सावण सुदी १५ पहुंचा तुरन्त सो देनी गया तुरन्त सकार दाम दीज्यो बलती चीठी दीज्यो काम काज फायदे रूपी समझो सो खुशीसे लिख ज्यो मिति०।

सिद्धि श्री दिल्ली शुभस्थान-भाई श्री योग लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे

रामचरणदास पुनमचंद वौन श्री नरसिंघ जी को बांच ज्यो अपरंच चीठी आये दोनोंके समाचार निगाहकीना हो सो और हुंडो किता एक रु० २५००, हमारे घरू निघानी को देनी लागी छै यीकाकु समाचार लिखो नहीं सो हवै तुरत लिख ज्यो हुंडी सकार दाम थाहरै घरूनामि मांडाछै कारण थाहोरो नाणों हमने देनो छै नहीं फिर बिना लिखा-वट किणतरै कामी चीठी आयां निश्चय हो सो चीठी पाछी दीजो काम काज लिखता रह ज्यो मिति ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री रामचरण दासजी पुनमचंद योग श्री दिल्लीसे लिखी हरवल्लभ जमनाप्रसाद कौन श्री जैगो-पाल बंच ज्यो अपरंच चीठी आपकी आई समाचार बांचा हुंडी रु० २५०० यहांरै घरू कौन जिण मधे समाचार लिखा सो समझ लीनाछै हुंडी आपरै घरू कीनोंछै कारण आप की तरफ रकम हमारी लहनी छै आप निगाह कर लीज्यो कच्चा हिसाब आपका इस चीठी साथ भेजी छै सो मिलान कर लीज्यो रु० तीनहजार आसरै हमारा लहना नीसरे छै मिति० ।

सिद्धि श्री सवाई जयपुर शुभस्थान पूज्य श्री सीतारामजी श्रीराम योग लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे लिखी—कौन श्री जुहार बांची ज्यो अठे उठे श्रीनाथ जी सहाय करसी अपरंच काल दिनकी चीठोकी समा-चार निगाह कीना हो सो और हमारे खाते मुहती कलकता हजार बीस करके बदले बंबई भेज दीज्यो ठील कर सो नहीं मिति० ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बंदर शुभस्थान भाई स्नेही रामजी किसनदास योगा लिखी सवाई जयपुरसे सीताराम कौन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच चीठी आप को आज दिन आई समाचार लिखा सो बांचे बंबई हजार बीस मंगाई बदले कलकता करने को लिखी सो ठीक छै सोदा ढूकैसे समाचार लिखसां चीठी हमेशा दीज्यो काम काजरी फर-माइश लिखता रह ज्यो घणो फायसें भुगतेगा मिति० ।

बालकोंके सीखनार्थ कपड़े सम्बन्धी चीठियें लिखनेकी रीति।

सिद्धि श्री मिरजापुर शुभस्थान भाई श्री देवीप्रसाद गणेशदास योग्य—लिखी कलकत्ता बन्दरसे गोपीनाथ शिवनारायण केन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच चीठी आपकी आई, कपड़ा मंगवाने की लिखी सो ठीक है जो दरकार हो खुशीसे मंगवा ल्यो आपके लिखे प्रमाण बहुत फायदे से खरीद भेजेंगे—आढ़त खर्च सौरभृताई लगेगी इस भांत समाचार है चीठी पीछी देना हमें भी देवेंगे मिति०।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री गोपीनाथ जी शिवनारायण योग्य—मिरजापुरसे लिखी देवीप्रसाद गणेशदास केन श्री राम राम बंचना, आगे चीठी आपकी आई समाचार लिखे सो समझ लिये हैं—लंकलाट कम्पनी मार गांठ दश खरीद करके तुरन्त चालान कर देना, बिलोटी तथा बिजक भेज देना—हुण्डी किता ॥ रु० १०००, इस चीठीमें सकार लीज्यो, हमारे जमा करना हुण्डी नहीं सकारे तो तुरन्त पीछी भेज देना चीठी पीछी देनी कपड़े की अर्थवती सब लिखना मिति०।

सिद्धि श्री मिरजापुर शुभस्थान भाई श्री देवीप्रसाद गणेशदास योग्य—लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे गोपीनाथ शिवनारायण केन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच चीठी आपकी आज दिने आई, समाचार बांचे कपड़े की अदद पांच आपके मंगाये मुजब चालान कर देई है, बिलोटी तथा लागत खर्च इस चीठी साथ भेजी हैं, सो पहुंचेसे रु० १४८०॥/, मिति आषाढ़ बदी ५ हमारा जमा करना और हुण्डी रु० १०००, भेजी सो पहुंची है दाम पटेसे जमा करेंगे, इस भांत समाचार है चीठी काम काज साथ लिखता रहु जो मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री बम्बई बन्दर शुभस्थान भाई जी श्री मानचन्द प्रभूदास योग्य—लिखी सवाई जयपुरसे प्रेमसुख मनीराम केन जुहार बंच ज्यो

अपरंच चीठी दिन दोय पहिले आपने दोनो छै खुदरा मालकी खरीद लिख भेजी छै सो चीठी पहुंची होसी हमारे लिखे मुताबक ओतपाक कर माल चालान कर दीज्यो, हुण्डी पीछेसें भेजाला और मालका भाव लिखोला फायदे मन्द देखां वासीं मंगावाला मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान शाहजी श्री घनश्यामदास जी मनीराम योग्य—लिखी दिल्लीसे काशीनाथ चुन्नीलाल केन श्रीजी की बांच ज्यो अपरंच आजकल कपड़ेको बाजार निहायत सुस्त है, सो हमारे खाते माल कोई भी रकम को हमारे लिखे सिवा चालाण कर ज्यो मतीना रुख प्रसंग तथा भाव रवोतो बराबर लिखते रह ज्यो मिति० ।

सिद्धिश्री दिल्ली शुभस्थान शाहजी श्री काशीनाथजी चुन्नीलाल योग्य —लिखी कलकत्ता बन्दरसे घनश्याम दास मनीराम केन श्री जय-गोपाल बांच ज्यो अठेका समाचार भला छै आपका सदा भला चाहिये अपरंच चीठी आपकी आई समाचार बांचे बाजार सुस्त जिसकेवास्ते माल भेजने की मनाही लिखी सो ठीक छै, आपके लिखे बिना भेजांगा नहीं अठे तो बजार बन रहा है, अंगरेज लोगोंकी रुख तो नरम छे नहीं बाकी समाचार चीठी आपकी से होसी मिति० ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई जी श्री नेमीचन्द जी जवाहरमल योग्य -लिखी भागलपुरसे राधाकिसन चेतनदास केन श्री जैगोपाल बाचीजो अपरंच लाल कपड़े की गांठ भेजी सो पहुंची छे, परन्तु थान १ कमती निकला है सो आपके उठे चौकसी करके थान एकका दाम हमारा पीछा जमा करना, पीछा जवाब तुरन्त लिख दीज्यो मिति० ।

सिद्धि श्री भिवानी शुभस्थान चिरंजीव लीलाधर नवलचन्द योग्य— लिखी कलकत्ता बन्दरसे कुञ्जलाल वृन्दावन केन आशीस बंचना यहां के समाचार भले हैं, तुम्हारे भले चाहिये अपरंच चीठी तुम्हारी आज

दिन आई सो बांची, हमारी चीठी पहुंची लिखी सो जाणा, अपरंच कपड़े की अदद पांच तुम्हारे हिसाबसे चालाण की है जिनकी बिलोटी तुम्हारे लिखे मुजब दिल्ली रामसुखदास जीने भेजी दीनी छै, मालकी नोध इस चीठी साथ भेजी है, बिजक पीछे से भेजेंगे, दरकार हो सो माल मंगाना, परन्तु रकम भेजणे की ताकीद रखणा इस भांत समाचार छै मिति० ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान पूज्य श्री कुञ्जलालजी बृन्दाबन योग्य—लिखी भिवानीसे लीलाधर नवलचन्द कीन जुहार बंचज्यो अपरंच चीठी आप की आई कपड़े की अदद पांच दिल्ली मारग भेजी लिखी सो ठीक है, मालकी नोध भेजी सो पहुंची छै, और आगी दागी गांठ मधे कितना बट्टा किया समाचार तुरन्त लिखना चीठी सारे समाचारों की दीज्यो मिति० ।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई भवानीसिंघ योग्य—लिखी कलकत्ता बन्दरसे शिवदत्तराय शेसरीचन्द कीन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच साटिनके थान आपके मंगवाये मुजब पारसलमें आज दिन डाकवालेको जोखिम बेचकर रवाने किये है, पहुंचने से तुरन्त पहुंच लिख दीज्यो और माल पाव आना कम जियादा निकास कराजा ज्यो कारण अठैको बाजार दिन परदिन मन्दी हो तो जावे छै, चीठी पाछी दीज्यो मिति० ।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान लायक श्री जवाहरमल जी भगवानदास योग्य—लिखी श्री बंबई बन्दरसे रामपतदास गणेशदास कीन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच सीटण गांठ२० थारेलिखे मुजब टीमर "इण्डिया"में आज दिन चढ़ा दीनी छै, बिलोटी डाकसे भेजांगा महसूल अठे चुका दीनो छै और अठेसेती लम्बर २० को सूत काल कात जावे छै सो भावलिखाकर जो पड़ता लागेगी तो भेजांगा चीठी सारे समाचार की तीखो दीज्यो मिति० ।

बालकोंके सीखनार्थ रूईके काम संबंधी चीठियें लिखने की रीति।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री हरीप्रसाद जमनादास योग्य—लिखी कानपुरसे बेनीप्रसाद केन श्री जैगोपाल बंचना अपरंच रूई हमारे पास यहां रखी है सो आपकी आढ़तमें भेजनेका विचार है, सो भाव रुखपर संग सब लिखना पूरवेगी तो चालान करेंगे जवाब तुरन्त लिखना मिति०।

सिद्धि श्री कानपुर शुभस्थान भाई श्री बेनीप्रसाद योग्य—लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे हरीप्रसाद जमनाप्रसाद केन श्री जैगोपाल बंचना अपरंच चीठी आपकी आई समाचार बांचे पीछा जवाब—रूईका बाजार पांच चार दिनसे रुखदार है, कारण चीन हंकांगसे कानपुरके मालकी १६॥) से १७) डालर की बिकरी और २२८) हुण्डीका भाव आया है, फिर भी उमेद भाव बढ़नेकी है, यहां अच्छे मालका ष्टोक निहायत कम है इस भांत समाचार है काम आप भेजोगे सो बहुतही फायदे साथ भुगतेगा, चीठी पीछी देना हमे भी रुख पर संग सुमेगी सो लिखा करेंगे मिति०।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री हरीप्रसादजी जमनाप्रसाद योग्य—लिखी श्री कानपुरसे बेनीप्रसाद केन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच चीठी आपकी सुदी तीजकी लिखी आज दिन आई समाचार बांचे हमारी चीठी पहुंची तथा रूई संबन्धी समाचार लिखा सो ठीक है, आपने लिखा है कि चीनसे कानपुरकी रूई बिकीका तारमें भाव डालर १७। तक आया है सो जाने परन्तु कितने वजन पर यह भाव है तथा हुण्डीका कांई हिसाब है समाचार बेरे वार तुरन्त लिखना मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री कानपुर शुभस्थान भाई श्री बेनीप्रसाद योग्य—लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे लिखी हरीप्रसाद जमनादास केन श्री राम राम

बंचना आगे यहां श्री गङ्गाजी कृपासे कुशल है, आपके यहां की कुशल क्षेम चाहिये, अपरञ्च चीठी आपकी आज दिन हमारी चीठीके जवाब की आई चीनमें रूई बिकै छै जिसका समाचार मंगाया सो समझ लिया है, जवाब इस भांत है :——अठै सेती चीणने ३०० रतल वजन आसेरे की गांठ चढ़ा करै छै, चीनमें पूरी ३०० रतलकी पीकल २। उतरै छै पीकल एककी कांटी १००होवै छै कांटी एकका वजन तोला ५२ होवै छै, हमने १७ का भाव जो आपने लिखा था सो पीकल ऊपर है, हुण्डीका भाव हमने २२८ का लिखा है सो यह रुपया है, चीनमें एकसो डालर पर भाव रहै छै, रकमकी छूट रह छै जणाती कलकत्ते बंबई ऊपर की हुण्डीका भाव घट जावै छै और रकम की टाण हो जणा हुण्डीका भाव बढ़ जावै छै, इस भांत समाचार छै सो समझ लीज्यो मिति० ।

सिद्धि श्री बंबई बन्दर शुभस्थान भाई श्री गोपीनाथजी सालग्राम योग लिखी नयानगरसे—रामधन दास कीन श्री जयगोपाल बंचना अपरंच रूई गांठ १०० थहांरे ऊपर चालाण कीनी छै जिसकी बिलोटी इस चीठीमें सहार लीज्यो माल पहुंचेसे बजार की रूण मुजब बेचकर उपना तुरन्त लिख दीज्यो, रूई सनमंदी हकीकत सारी लिख ज्यो तथा बिलायतसे धुलेरा की रूईका छै पेनीका भाव आया सुणा हां, परन्तु हमे तो इस भाव मांहे कुछ समझा हां नहीं सो बिगत वार समाचार चीठीमें लिख ज्यो मिति० ।

सिद्धि श्री नयानगर शुभस्थान भाई श्री रामधनदास हरसुखदास योग—लिखी श्री बंबई बन्दरसे गोपीनाथजी सालग्राम कीन श्री जयगोपाल बंचना अठे उठे श्रीजी सहाय छै अपरंच चीठी थां की आई समाचार बांचे पीछा जवाब ——

बिलायत माहे रूईका भाव रतल एक ऊपर रहै छै भाव पेनी ६ धुलेरा का आया छै, सो रुपये एककी पेनी २४ आसरे होय छै इण हिसाबसे ।⁄ रतल पड़ै छै तथा रुपये एककी शिलिंग २ होय छै—बिलायतमें शिलिंग तथा पेनीका चलण छै—रूईका कारखाना सब ठीकर-

पुलमें छे सो लखनके पास छे तथा कापड़का कारखाना मानचेष्टर तथा गोलास गौ में छे इसभांत हकीकत छे सो ध्यानमें राखवज्यो चीठी पाछी दीज्यो कामकाज की फरमाइश लिखता रहज्यो नया जूना समाचार सुणा गासो तीखा भुगतावांगा मिति० संवत्।

सिद्धि श्री बंबई शुभस्थान भाई श्री—योग—लिखी अजमेरसे—रामभक्त दास कीन श्री नरसिंघजीरी बांच जो अपरञ्च कागज थहांरी इण दिनामें आयो नहीं सो दीज्यो और रुईका भाव तारमाहे थाहारे उठे से तीखा आया छे सो रुई खांडी १०० तेज भावमें हमारे खाते मास एकके करारसे देनी-कर दीज्यो समाचार तारमें भुगता दीज्यो मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री अमरावती शुभस्थान भाई श्री गणेशदासजी गोपालदास योग्य—लिखी—से—कीन श्री जुहार बांची ज्यो अपरञ्च चीठी आगे दीन के समाचार मिगह कीनि होसी और हमे इसी सुणाछांकि थहांरी तरफ इण सालमाहे रुईकी पैदावरी कम छे सो समाचार बिगतवार फसल का तथा मालकी आमदनीका तुरन्त लिख ज्यो मिति०।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई श्री योग लिखी अमरावतीसे गणेशदास गोपालदास कीन श्री जैगोपाल बंचना अठेका समाचार भला छे आपरा सदा भला चाहिजे अपरञ्च चीठी आपरी आई, रुईकी फसल का समाचार मंगवाया सो ठीक है। जवाब ——

इण सालमें बरसातके तोड़ कर कर मालकी पदावारी ।।) भर हो गई छे, जिणसेती रुई अमर बेपारी लोगोंकी आमना तीखी छे, और दिशावरोंका भाव बध रह्या छे रम्रोतीसे जाण ज्यो बलती चीठी तीखी दीज्यो मिति० सम्वत्।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई श्री हजारीमलजी राधाकिसन योग—लिखी आगरे से—कीन श्री जयगोपाल बंचना अपरञ्च कागद आपरी आयो समाचार लिखा समझ लीनी छे पीछा जवाब,

थाहारी रुई मैलणे की पुरी निगहे छे: गाहक लागे से बेचकर-

तुरन्त छपना लिख देस्या, आमेरीकानकी तरफका कुछ समाचार सुना छे नहीं पक्का सुणांगा सो लिखांगा, रूईको बाजार अठे तो निहायत सुस्त है गाहकी कम छे, मालकी टीक दिनपर दिन बध तो जावै छे इस भांत समाचार छे मिति॰ सम्वत्।

बालकों के सीखनार्थ अफयून सम्बन्धी चीठियें लिखने की रीति।

सिद्धि श्री बम्बई बन्दर शुभस्थान लायक भाई श्री हीरालालजी पनालाल योग—लिखी कलकत्ता बन्दरसे मेघराज कैन श्रीजी की बंचना अपरञ्च चीठी आपनी रोज मिति देवांछा समाचार निगह करता हो सो और लीलाम पहला आजदिन हो गया छै, आवरेज पटणा—तथा बनारस—पेटी १ लारे आयो छे, समाचार तारांमाहै पहिलै भुगताहो सो, लीलाम धारणा सेती तीखो उठो छे कारण यहूदीलोग माल बहुत जोरसे खरीदो छे, बाजार को प्रसंग देखतां बार १ तो बाजार तीखो रहैसी आपको आगेने काई आमना छै समाचार बलती चीठी साथ लिखाव ज्यो मिति॰ सम्वत्।

सिद्धि श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई मेघराज योग—लिखी बम्बईसे—कैन श्री जयगोपाल बंचना अपरञ्च चीठी तुम्हारी लीलाम हुये की आज दिन आई समाचार लिखा सो निगह कर लीनाछै, हमारी तो रुख आगेने तीखो बैठेछे कारण मालवी अफीमको चालाण चीणने निहायत कमछै दूसरे देशावरवाला तेजीमें छै तीसरे चीण माहैं टीक कमछै सो जाण ज्यो चीठी रोजीना दीज्यो मिति॰।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई श्री—योग लिखी श्रीकलकत्ता बन्दरमे कैन श्री जयगोपाल बंचना अपरञ्च चीठी आपने बराबर देवांछै समाचार निगह करता हो सो और आजदिन चीण हंकांगसेती तार माहे इस भांत समाचार आया सुणा छै——

पटनेका भाव डालर	...	...	...		६५०
बनारसका भाव डालर		...	...		६०■
ढुण्डीका भाव	...	...	...	...	२२५

स्टौक पटना पेटी १००० तथा बनारस पेटी ७५० है और चीणने बोट आज दिन खुल गयोछे, इब अठेकी गो दाम माहे पेटी रही छे नहीं इस भांत समाचार छे, चीठी पाछी दीज्यो हमा पण नया जूना समाचार सुनागा सो लिखांगा मिति०।

स्वस्ति श्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाई राधाकिसन मथुरादास योग—लिखी अजमेरसे—कीन श्री नरसिंघजीरी बांचा ज्यो अपरञ्च चीठी थांकी आई चीणसेती भाव तीखा आया तथा समाचार लिखा सो समझ लीना छे, फिर सुनो सो समाचार तुरन्त लिख जो कोई वक्त जियादा तेज मंदेको रुख देखो तो समाचार तारमें भुगता दीज्यो चीठी हमेशा दीज्यो सो दो सूत तुमे लिखोगा सो भुगता देवांगा मिति०।

सिद्धि श्री इन्दौर शुभस्थान भाई श्री चेतनदास जी चैनराम योग लिखी श्री—से—कीन श्री जैगोपाल बांचा जो अठे उठे श्री जी सहाय छे अपरञ्च चीठी थहांरी आई बोझा पेटियांके भाव तीखा लिखा सो जाने मालवे माहें कितनीक पेटी बालास गियेछे तथा नई पेटियां ऊपर कांई धारयांछे समाचार सब लिख ज्यो चीठी दीज्यो मिति०।

सिद्धि श्री—शुभस्थान भाई जी श्री—योग लिखी श्री इन्दौरसे चेतनदास चैनराम कीन श्रीजी की बंचना अपरञ्च चीठी आपकी बांची समाचार जाने पीछा जबाब,—मालवे माहे स्टौक विशेष छे नहीं जिण से बाजार तीखो छे, नई फसलका समाचार मंगाया सो हाल तो कछु काम जियादा की रोली उठी छे नहीं बाकी साख भलेरीही दीसेछे मालवी लोग तेजी माहे पड़ रहा छे सो बाजारको प्रसंग हाल घटणेको काम दीखे छे पाछे तो अफीमके कुछ ठिकाणो नहीं इस भात समाचार छे मिति०।

पिता की तरफ़ से पुत्रको ।

स्वस्तिश्री कलकत्ता बंदर सुभस्थान चिरंजीव—योग्य लिखी आगरे से—की आशिस वाचना यहां कुशल है तुम्हारी कुशल चाहिये अपरञ्च बहुत दिनोंसे तुमने हमको चिट्ठी लिखी नहीं जिस की चिंता लग रही है, तुम्हारे पास के जो लोग आवते हैं उन्हीं से मुख ज़बानीतो तुम्हारी तन दुरस्ती का समाचार मिलता रहता ही है परंतु तुम्हारे रोजगार सम्बन्धी और दिलका ब्योरा तो चिट्ठी पढ़नेसे हम को रहै प्रवास का मिलापतो केवल पत्र द्वारा है, इसकेवास्ते पत्र लिखने का इतना आलस्य नहीं रखना यह चिट्ठी पहुंचनेसे वेरेवार समाचार लिखना, तुम्हारी चिट्ठी आनेसे जबाव लिखने में आवेगा—जियादह शुभमिति ।

पुत्रको तरफ़ से पिताको

सिद्धिश्री आगरा सुभ स्थान परम पूज्य काकाजी श्रीद्—योग्य लिखीतं कलकत्ते से आज्ञाकारी—की प्रणाम बांचियेगा अपरंच पत्र आप का पहुंचा परन्तु मेरी चिट्ठी बहुत दिनोंसे आपकी सेवामें नहीं पहुंची सो आपकी लिखनेकी आज्ञा सत्य है क्षमा कीजियेगा आगे को आपने जैसी आज्ञा की है वैसाही करूंगा और रोजगार थोड़ा बहुत निर्वाह मुवाफिक तो चलताही है, परन्तु पांच रुपये प्राप्ति होवै ऐसा अभि तक संयोग नही लगा है, पैदाकी उपायमें हूं आगे एक पारसल कलके दिन आपको भेजा है जिसमें रु०५०, पंचास डाकवालेको जोखिम देचकर भेजे हैं उनकी पहुंच लिखियेगा ।

स्त्रीकी तरफसे स्वामीको ।

सिद्धिश्री कलकत्ता बंदर सुभ स्थान सर्वोपमा लायक आनंद दायक सौभाग्य भूषण शिरोमणि श्रयुक्त श्री ६ प्रिय—योग्य लिखी जैपुर से शय्या दासी प्रियम्बाको विनति वाचीयेगा यहां आपकी कृपासे मङ्गल

समाचार है, आपके शरीर सम्बन्धि आनंद रातोदिन चाहती हूं, अपरंच आप सिधारेथे उसवक्त जो जो कोल दासीसे कर गयथे उनमें से एक भी पूर्ण करते तो क्या नहीं हो सक्ताथा परन्तु यहभी एक संशय है कि आपके कदाचित स्मर्ण न हो, आपका उत्तर आनेसे जाना जायगा आगे आपकी कृपा पत्रको रातोदिन बहुत अभिलाषालगी रहती है। धन्य है उस दिनको जिसरोज आपका दर्शन होवेगा जियादह सुभ—

पतिकी तरफसे स्त्रीको।

स्वस्तिश्री सवाई जेपुर सुभ स्थान सभ्या भूषण विद्यमान गुनवति श्री प्रिया—योग्य लिखी कलकतेसे कुञ्जबिहारी का स्नेहयुक्त मान्य बंचियेगा अपरञ्च यहां कुशल है तुम्हारी चाहिये, और प्रेम पत्रिका तुह्मारी आइ कोलकी बाबतमें समाचार लिखा सो ठीक है हम कुछ भूले नहीं हैं परन्तु क्या करें! जो मनोरथ करके आयाथा अभीतक परिपूर्ण नहीं हुआ है होनेसे तुरत्त संदेशा मिलेगा, हमारी तरफसे बहुत खुश रहना और अपने नित्यके कामोंमें और कुल व्यवहारमें सावधान रहना शुभमिति—सम्वत्—

औरतकी तरफ से मर्दको।

श्री सिध सर्व उपमा लायक मालिक पियारे—योग्य—लिखीतं आपकी पियारी की घनेमान से जुहार बंचावज्यो अठेका समाचार आपकी कृपासे भलाछे आपके शरीर की कुसल रातदिन चाहती हूं, अपरंच चोठी आपकी आगे आईथी जिसके बदले की आपने पहुंची होसी— और घरका हाल कठेताई लीखुं आप अच्छी तरहसे जानते हैं।

दोहा कहन सुनन को है नहीं लिखापढ़ी नहीं जात।
अपने दिल से जानीयोमेरे मनकी बात

अब आप अगर कुछ मेरी खबर लेंगेतो जान बचेगी नहीं तो दिल को दिलही में रहेगी मेरीतो यही अरजी है आगे जैसी हजूरकी मरजी चीठी पांछो दीरावज्यो—

मर्दकी तरफ़ से औरतको जवाब।

स्वस्तिश्री उपमा लायक पियारी साहिबा योग्य लिखी—से क्षेम श्रीजी की बंचना अपरंच चीठी तुम्हारी आई घरके समाचार बाबत लिखा सो हम सब जानते हैं परन्तु हमारा लिखना अब तुमको यह है कि घरके मालिक और मालिकनीके हुकम मुजब कामकाज बहुत ही हुशियारी से करती रहना सबकी साथ हिल मिलके राजी रहना—औसवस्त तुमको सागे जोग मिलेंगे—

सिद्धि श्री—शुभस्थान उपमालायक भाईजी श्री—योग लिखी—फते पुर से—क्षेम श्री जैगोपाल बंचज्यो अठेका समाचार भला छै आपका सदा भला चाहि जे अपरंच कागद तथा समाचार आपको रण दिना माहे आयो नहीं सो दिरावजो—और भाई रामप्रसाद के बाल संध्याने सिंह लग्नमें चिरंजीव हुआ छै जिसकी बहुत खुशाली मन रहीहै आप प्रणाम स्यो—

सिद्धिश्री—शुभस्थान भाईश्री———योग्य लिखायतु—से—भवानी शंकर प्रभुदयाल क्षेम श्री जयगोपाल बंचना अठे उठे श्री माथजी सहा करसी अपरंच चिरंजीव मदनलाल का विवाह माहा सुदी ५ रविवार गोधुलिक लग्नमें होवेगा इसपर आपलोग दिन ४ पहिले पधारि येगा आपके पधारणे से बहुत शोभा बढ़ैगी इति शुभ—

माकी तरफसे बेटी को।

सस्तिश्री—शुभस्थान चिरंजीव अहल्याबाई योग्य तुम्हारी माताका आशीस बंचना अपरंच चीठी तथा संदेशा तुम्हारा दोयचार बार आया समाचार समझकर तुमको पहुत्तर लिखती हूं—बेटी तुम बहुत प्रसन्न रहना और जन्मभर प्रीति पूर्वक अपने पतिकी सेवा करती रहना स्त्रियोंका मुख्य यही परम धर्म्म है देखो। संसार बेटा या बेटी दो पदार्थ हैं परन्तु बेटा अपने घरमें रहता है और बेटी गरीब और भाग्य वानकी दूसरेके घरमें परतंत्र रहती है माता पिता को अधिकारहैकि उत्तमकुल और वरको कन्यादान करैं—

हमारा तो अब तुमको मुख्य यही लिखना है कि चाहिये कोई कुछ भी कहो पर तुम तो केवल एकही परध्यान रखके सावधानी से रहो इसी से तुम्हारी और हमारी शोभा बढ़ैगी—

स्वस्ति श्री कलकत्ता शुभ स्थान सर्वोपमा योग्य चिरंजीव कृष्णदत्त योग्य लिखी मिरजापुरसे शुभ कांक्षी मनोहर दासकी आशिस बंचना यहांके समाचार भले है तुम्हारे सदा भले चाहिये आगे १ चांदीकी और १ सोने की घडियां मंगवानीकी हैं, सो क्याहिसावसे छूट बट्टा मिलता है और क्या दाम लगेगा, इसका ब्योरा जरूरसे लिखो क्योंकि एक हमारा मित्र है उनको चाहिये हैं, आगे घडियोंकी जो कीमत होगी हम तुमको पहिले भेजदेंगे कोइ बातका अंदेशा नहीं लाना सुभमिति— सम्वत्

सिद्धिश्री मिरजापुर महा सुभस्थान सर्वोपमा सकल गुणालंकृत मान्यवर श्री ६ मनोहर दासजी योग्य लिखी कलकत्ते से कृष्णदत्तकी प्रणाम बंचना अपरंच चिट्ठी आपकी आज पहुंची आपने घडियोंकी कीमत और छुटका हाल मांगा सो इसभांत घडी साजोंसे पूछनेसे मालूम हुआ है कि घडी जिस जातकी लेओगे वैसाही दाम लगेगा और छूट अंगरेज लोगतो एक आना रुपया पीछू देते हैं और हिंदुस्तानी दोकानदारोंसे जैसा पहिले खोले इसभांत समाचार आपको लिखा है इसके उपर जैसी मरजी हो लिखियेगा।

मालिक की तरफसे गुमाश्तेको।

स्वस्तिश्री नागपुर सुभ स्थान लायक श्री—योग्य लिखी कलकत्ता बंदरसे ब्रजविहारी लालाकी जैगोपाल बंचना अपरंच जो माल तुम वेचने लेगएथे उसमेंसे कितना बिका और बाकी कितना रहा या कबतक बिकेगा या बिकचुका अथवा नहीं बिका कुछभी आजतक समाचार नहीं भेजा यह तुह्मारी होशीयारी है। आगे अब तुमको लिखाजाता है की अगर माल नहीं बिका होवैतो असल लागत तक वेचडालना

इस उपर कुछ विचार नहीं लाना क्यों कि व्यापारका काम है,सो वा य इसके नीकास नहीं होता समझपड़े तो फिर जैसा मुनासिब समझो सो करो, हमारी ताकीदका मतलब यह है कि यहां बाजारमंदा हो गया है जियादह सुभमिति

गु ज्ञातिकी तरफसे सेठको

सिद्धिश्री कलकत्ता बंदर सुभ स्थान सर्वोपमा लायक सेठजी साहिब श्री ५ ब्रजबिहारी लालजी योग्य लिखी नागपुरसे मोतीलालकी बिनति बाचीयेगा अपरंच पत्र आपका आया समाचार आपने लिखकर भाया सो बाजब है, परंतु ईश्वर कृपासे सबमाल मुनाफे सहितही बिका है आप खातर जमा रखियेगा अबसेरे आनेमें फकत आढतियेसे हिसाब रुजू करके बाकी नीकाल लेनेकी ढील है आगे यहांसे कुछ रेशमी कपड़े खरीदके लेआनेका इरादह है, सो खरीद करना वा नहीं करना तारसे लिख भेजीयेगा औरतो समाचार आपके रूबरू बयान करूंगा जियादह सुभमिति—सम्वत्

महाजनकी तरफसे पंडितको ।

सिद्धिश्री फतहपुर सुभस्थानेकोपमा गुणालंकृत विद्वज्जन समाज भूषण मान्यवर पंडितजी श्री ६ रामप्रतापजी शर्म्मा योग्य लिखी कलकत्ता बंदरसे सेवक वैश्य रामप्रतावको साष्टांग मान्यपूर्वक दण्डवत् बाची एगा अत्रयंतत्रास्तु अपरञ्च ।

जैनीलोग परस्परमें क्षमा क्षमावनकी चीठ्ठी लिखाकरते हैं

श्रीमत् पार्श्वजिनं प्रणम्य ।

सिद्धिश्री मुरशिदाबाद सुभस्थान, श्रीपवित्र अनेकोपमा लायक सरावकोंके उत्तमोत्तम गुणाकार, मान्यवर सधर्मी शिरोमणि श्री ५ बहादूर सिंवजी, प्रतापसिंवजी, राय लक्ष्मीपत सिंघ बहादूर, योग्य लिखो [redacted] कत्ते से—तीन मान्यपूर्व्वक प्रणाम बाचीयेगा, यहां श्रीजिनवर धर्म-

प्रसादसे कुशल हैं, आप साहिबोंके कुशल क्षेम चाहते हैं, अपरंच कृपापत्र आपका इनदिनोंमें आयानहीं सो सावकाश लिखा करियेगा, आगे श्री प्रजूसणजी पर्व्व बहुत आनंदसे उत्सव महोत्साह सहीत हुए तथा तपस्या भी समय प्रमाण हुई भादवा शुक्लपक्ष——बारको सम्वतसरी प्रतिक्रमण करके सविनय सबसे क्षमा क्षमायन करे हैं तथा आप साहिबोंसे भी मनसा, वाचा, और काया करके खमवाते हैं,:-बारह महीने चौबीस पक्ष तीनसो साठ दिनोंमें जो कुछ अविनय हुईहो सो सु क्षमा करियेगा जी, तथा आपलोगोंनेभी वहां अति आनंद सहित आराधन करेहोंगे, जिसका समाचार लिखियेगा और जो कुछ यहांके लायक फरमायश होवे सोभी लिखियेगा, आगे विशेष समाचार दूसरी चिट्ठीमें लिखेंगे जियादह शुभ मिति—

श्रावक की तरफ से श्रीपूज्यजीको ।

ॐ नत्वा श्री अहमदाबाद नगरे शुभस्थाने सर्वोपमालंकृत सकल गुणगरिष्टान् सर्वलब्धिप्रतिष्ठान् चारुचारित्रपात्रान् निर्मलगुणगाकान् सरस्वतिकंठाभरणान् निजकुल कमल विकासभान एवंविध श्रीजिनाज्ञा प्रालकान् द्विविध धर्मप्ररूपकान् त्रीभिगुप्ति गुप्तकान् चत्वारि कषाय जीपकान् पंचाचार प्रपालकान् षटकाय रक्षकान् सप्तभय निवार कान् अष्टमदजीपकान् नववाड ब्रह्मचर्य पालकान् इत्यादि अनेक शुभउपमा विराजमान् जंगम युगप्रधान् श्रीश्री १००८ श्री—सकल पाठक वाचकान् मुनिमंडली संसेवित चरणकमलान् योग्य श्रीकलकत्ते से लिखी दासानुदास—की द्वादशावर्त वंदना त्रिकाल२ अवधारीयेगाजी यहां आपकी कृपासे सुख साती है आपके शरीर सम्बन्धी सदा कुशल चाहिये आगे समाचार बांचयेगा—

उर्दू चिठी लिखनेका तरीका ।

औरतकी तरफसे मर्दको ।

प्रानपियारे साहिब सलामत

आपकी चिट्ठी निहायत कम आनेका सबब इस तरहसे सुननेमें

आया है कि आपका दिल दूसरे कामोंकी तरफ झुका है और जिस कामकेवास्ते आप सिधारेथे उस कामसे हाथ खेंचते हैं उसकेवास्ते काम अकल लोंडोकीतो आखिर यही अरज गुजारिश है कि अपना छोड़के बिगाने कामोंमें पैरवी करनेसे सरासर नुकसानके सिवाय नफा हरगिज नहीं मिलता है, आगे आपको अखतियार है जैसा मुनासिब समझे जो कुछ लिखनेका हक़था सो लिखभेजा है आगे इसका जवाब आनेसे खातिर होगा।

मर्दकी तरफसे औरतको जवाब।

दिलोजानसे पियारी।

तारीख २० वीं माह मारचका आपका खत लिखा पढ़ करके निहा एत ताज्जुब करताहूं कि दूसरे कामोंके उपर मेंने इरादहकियेका आपने यह खबर कहांसे पाई बिलकुल गलत है, अब इस खतसे खातर रखीयेगा किनतो मेंने दूसरे कामोंकी तरफ इरादहकिया है और न करनेका है और हमेशासे चलाभी आता है कि घरको छोड़कर गेरोंपर नजर जो रक्खेगा आखिर बहुतही पछतावेगा और चिठी अब आगे जो आपकी आवेगी वेजवाबके नरहेगी खातरजमा रखियेगा जो कुछ लिखा है सही है।

औरत की तरफसे

पियारे दोस्तमन सलामत्।

है। पियारे जिस दिनसेआप कलकत्ते तशरीफ लेगये यह शहर मेरी आखोंमें उजड़ा जैसा मालूम देता है बैठतीहूं तो जिगरमें दर्द यहां तक पैदा होता है किरोंगटा २ बदनमें नशतरसा चुभता है और कलेजा आठ पहर अंगारासा भवकता है और जो उठतीहूंतो थरथराने लगजाती हूं चलनेकी ताकत नरही खानापीना छुटगया औरनिंगोडीतो खाबमें भी सूरत नहीं दिखलाती रात पहाड़ होजाती है जागनेके गवाह सितारे हैं और दिनको बेपानीकी मछलीकी तरह तड़फती

हूं क्याकरूं और किधरजाउं मेरातो हजूरकी जुदाई और यादमें यह हाल है और आपने मुझसे ऐसा दिल भूलायाकि कभि संदेशा और सलामसेभी याद नफर्माया अब खुदाकेवास्ते अपनी खैरयत और खुश-खबरी मुलाकातकी जल्द सुनाईये और जियादह क्या अरज, और अगर हजूरको कोईवक्त फुरसत रहैतो एकघड़ी अंगरेजी तोहफा खरीद करके भेजवा दीजियेगा क्यों कि जुदाइ केरंजमें तारेंतो गिनती रहती होहूं अब वक्तकाभी आपकी इन्तजारीमें घड़ीसे शुमार किया करूंगी।

पियारी साहिबा।

इनायतनामह क्या पहुंचा। गोया पतंगकेवास्ते चीराग पहुंचा मैं अपना अहवाल क्या लिखुं। जुदाई में बेचैन रहताहूं और आठपहर आपहीकी कहानी अपनेहीं दिलसे कहताहूं हड्डियां शमाकी तरह जलती हैं और मिसल मोमकी तरह पिघलती हैं दुबला इतना हो गयाहूं कि पानीकी लहरकी तरह अपने आंसुओंसे दरयामें आपही बहा जाताहूं हरचन्दकी जिंदगी काकुछ भरोसा नहीं लेकिन अगर हयात बाकी है तो फिर वही सुहबत और वहीबातें और वही दिन रातकी मुलाकातें और वही शिकार और वही ऐश और बागोंकी सैर और अगर नहींतो खैर, घड़ी बहुत उमदा और नफीस भेजताहूं उसकी सूईसे आप हमारी नातवानी और दूबलाईका अहवाल समझ लि जियेगा और पुरजे उसके मेरे दिलके पुरजोंकी खबर देंगे जियादह सिवाय मुलाकातके क्या लिखुं।

साहिब मन सलामत।

तुम्हारी खैरएतसे अपनी खूशी समझता हूं निहायत अफसोस की बात है कि बहुत अरसेसे आपका खत मुझको नहीं पहुंचा मालूम होताहै कि मुझपर कुछ खफगी होगी वलेकिन मेरी दानिश्तमें तो कोई ऐसा कसूरभी सबूत नहीं है कि जिससे खफगी का हाल भी मालूम रहता अब अरज यह है कि अगर फुरसतके वक्त चार हरूफ आपकी

तन दुरुस्ती के लिख फरमावेंगे तो बहुत मिहरबानगी समझूंगा

मिहरबान क़द्रदान सलामत ।

खत आपका पहुंचा यहां का अहवाल चंदरोज़से नहीं पहुंचा लिखा, जिसकेवास्ते आप मआफ कीजियेगा क्यों कि बसबब हर तरह के कारोबार के इस क़द्र मशगूल था कि खत खतूतका तो क्याही लिखना था खाने पीने सोने तकका भी सुभिता नहीं मिलता था, अब आपकी मिहरबानगीसे कारगुज़ारी का बंदोबस्त बखूबी हो गया है, थोड़े दिनों में कुछ यहां से माल जेपुर को लेजाके बेचनेका इरादह है, हाल में जैसी रोनक़ जेपुर की है वैसी दूसरे शहरकी नज़र नहीं आती है, और तो जो कुछ अहवाल होवेगा आप का मिहरबानी नामह आनेसे फिर लिखा जावेगा । जियादह क्या अरज़ ।

जनाबमन मिहरबान साहिब सलामत ।

आपकी खुशखबरी और कारगुजारी के बंदोबस्त के अहवाल का खत ऐन इन्तजारी में पहुंचा बाद पढ़ने के निहायत खुशी हासिल हुई, आपका इरादह जेपुर तशरीफ लेजानेका फरमाया मालूम किया, मेराभी इरादह आप के इरादह उपरसे कुछ वहांसे माल खरीद के ले आनेका पक्का हो चुका है यहां उसवक्त, अगर आपके साथ हमक मुला क़ात होवेगी तो वह दिन निहायत खुशीका है और अब जियादह क्या तकलीफ़ देउं ।

मिहरबान मन सलामत ।

इस हफ़ते में आपकी खिदमत शरीफ़ में यहां का अहवाल कुछभी नहीं पहुंचा जिसका सबब यह है कि दोस्त साहिबकी दुशमनों की तबियत कुछ अलील है जिस के वास्ते अपना कारोबार छोड़के उनके यहां रातो दिन हाजिर रहता हूं उम्मेद है कि भगवान की कृपासे पांच चार दिनमें तन दुरस्तीका समाचार आप को पहुंचेगा और सब खेर आफियत है ।

पियारे दोस्त साहिब ।

मिहरबानी नामह आपका आया पढ़नेबाद सिवाय आपकी दोस्त

साहिब के दुश्मनों की तबियत अलीलके सिवायत खुशी पैदा हुई और हालमें तावेदारको कुछ जिंनसोंकी फरमाएश नहीं भेजी सो अब आगे उम्मीद है कि भेजेंगे बमुजिब आपके हुकम के तामील करूंगा, मिहरबानगी आपकी हमेशीसे है जियादह चाहिये ।

दलील दस्तावेज ।

हुण्डी ।

सिद्धिश्री सवाई जैपुर शुभस्थान लायक भाई साहिब श्री दीनदयाल जी मनोहरलाल योग्य, लिखी कलकत्ते से दुर्गाप्रसाद नरसिंघ प्रसाद की श्री जैगोपाल बांचयेगा, अपरंच हुंण्डी किता एक रुपये १०००, अंके न एक हजार, नीमे रुपये पांचसोके दूने पूरे यहां रक्खे लाला भगवतप्रसाद से मिति माघ वदी १ एकम से मुद्दत दिने २१ इक्कीस पीछे नामी शाह योग्य रुपये हुंडी चलन रीति प्रमाण दीजियेगा, मिति माघ वदी १ संवत् । दस्तखत नरसिंघप्रसादका,

पैठ ।

सिद्धिश्री सवाई जैपुर शुभस्थान लायक भाई साहिब श्री दीनदयालजी मनोहर लाल योग्य, लिखी कलकत्ते से दुर्गाप्रसाद नरसिंघ प्रसाद केन श्री जैगोपाल बांचियेगा, अपरंच हुण्डी किता एक रुपये एक हजार अंके न एक हजार नीमे रुपये पांच सौ के दूने पूरे यहां रक्खे लाला भगवत प्रसादसे मिति माघ वदी१ एकमसे मुद्दत दिन २१ इक्कीस पीछे नामी शाह योग्य रुपये हुण्डी चलन रीति प्रमाण दीजियेगा लिखी थी, पर्यंतु रखेवाला धनी कहता है कि हुण्डी खोई गई ईसवास्ते पैठ लिख देते हैं आप अपनी सब वहियोंको चोकस देख तपासके इस पैठ की रीति प्रमाण सकार दाम दीजियेगा, कदाचित हुण्डी पहिले सकार चुकी होवे तो पैठ रद्दी समझ बांच करके फिर दीजियेगा, सनद२ आपके उपर लिखी हैं उनमें से एक सनद का रुपये मुजरे देंगे मिति माघ सुदी १ संवत् ।

पर पैठ

सिद्धिश्री सवाई जैपुर सुभस्थान लायक भाई साहिब श्री३ दीन दयाल जी यनोहरलाल योग्य लिखी कलकता से दुर्गाप्रसाद नरसिंघ प्रसादकी श्रीजैगोपाल बांचियेगा अपरञ्च एक किता हुण्डी रुपये हजार की अंकेन एक हजार नीमे पांच सौ के दूने पूरे यहां रखे लाला भगवतप्रसाद से मिति माघवदी १ एकम से मुद्दत दिन २१ इक्कीस पीछै नामी शाह योग्य रुपये हुण्डी चलन रीति प्रमाण दीजियेगा लिखी थी, तथा पैठ लिखी है मिति माघसुदी १ सोभी रखे वाला धनी कहता है कि खोई गई, इसवास्ते परपैठ लिख देतें हैं आप वहां अपनी सब बहियोंको चोकसदेख तपासके परपैठ लिखे प्रमाण सकार दाम दीजियेगा कदाचित हुण्डी अथवा पैठ आगे सकर चुकी होवे तो यह परपैठ रद्दी समझ, बांचके फेर दीजियेगा, सनद ३ आपके ऊपर लिखि हैं उनमेंसे एक सनदका रुपये मुजरे देंगे, मिति फागुण बदी१ संवत्।

जिकरी चिठी।

परपैठ में तो हुण्डी और पैठका दाखला दिया जाता है और जिकरी चिट्ठीमें हुण्डी पैठ और पर पैठका दाखला देना चाहिये, बाकी लिखने की रीति एक ही है।

अपनी बेचीहुई हुण्डी जिसधनी उपरही अगर वह धनी कोई सबबसे हुण्डी नहीं सकारेतो दूसरे धनीपर जिकरी लिखी जातीहै उसकी [redacted] यहहै।

सिद्धिश्री बंबई शुभस्थान भाईश्री रामचन्द्रजी सीताराम योग्य— लिखी श्री कलकता बन्दरसे मनमोहनदास प्रेम सुखदासकेन श्री जैगोपाल बांचीजो अपरंच हुण्डी किता १ रु० ५०००) अंकेन पांचहजार रामग्रालमल चेतनदास उपर लिखी दिल्लीसे मनीराम सालिगरामकी राखे चन्द्रभाण चुनीलालका आषाढ़ सुदी १ दिन ६१ इस नकलकी हुण्डी हमे अठे गणेशदास सुरजबकसने बचीथी सो उपरलो धनी हुण्डी

नहीं सकारैतो आप इस जिकरीको सकार दाम हमारे नामे लिखना हुंडी सादे पूठे तथा रसीदभेजदेना मिति सावण सुदी २ संवत् १९३७।

जिकरी चिठी जोधनी सिकारैंगा वह सिकारायनेवालेसे कोरे पूठे हुंडीलेगा और रुपयोंकी रसीदभी लिखवावेगा जिकरी सकारने वाला रसीद उस धनीके नामपर लिखेगा जिसने उसको हुंडी लहनीभेजीहो

जिकरीकी रसीद।

सिद्धिश्री कलकता बन्दर शुभस्थान भाईश्री गणेशदासजी सूरज बगस योग्य—लिखी बंबई बन्दरसे रा० जी० केन श्रीजीकी बांचजो अपरंच हुण्डी किता १ रु० ५,०००, की रामप्रताप मल चेतनदास उपर लिखी दिल्लीसे मनीराम सालिगरामकी राखे चन्द्रभाण चुनीलालका आषाढ़ सुदी १ दिन ६१ इस नकलकी हुण्डी आप लहणी भेजीथी सो उपरले धनी नहीं सकारी जणा इसके रुपये अठे रामचन्द्रजी सीतारामसे लेकर यह रसीद मांडदीनीछै तथा हुण्डी कोरे पूठे सौंप-दीनीछै मिति भादवाबदी—संवत्।

फिरती हुंडीकी रसीद।

उपरलाधनी हुण्डी नहीं सकारै तथा हुण्डी फिरती चलाजावे पीछेसे दूसरा धनी उसका रुपया देयकर रसीद लिखावे उसकी नकल

सिद्धिश्री कानपुर शुभस्थान भाईश्रीदयारामजी दवारकादास योग्य—लिखी कलकता बन्दरसे रा० रा० केन श्रीजैगोपाल बंचजो अपरंच हुण्डीकिता १ रु० २५०० अंकेन पचीससौ मितमदास रामगोपाल उपर लिखी हाथरससे बिहारीलालकी राखे शिवदयालरामका आषाढ़ सुदी १० दिन २१ ईसनकलकी हुण्डी उपरले धनी नहीं सकारी जणा तुमको फिरती भेजदीनी हबे उस हुण्डीका रुपये रामनारायण

रामदाससे लेयकर यह रसीद मांडदीनीछे तथा हुण्डीकोरे पुठे सोंपदीनीछे मिति सावण सुदि १४ संवत् १८३७।

खाता चुकती चिठी।

सिद्धिश्री—शुभस्थान भाईश्री प० स० योग्य लिखी—से-सु० रा० केन श्रीगोरधननाथजीकी बांचज्यो अपरंच रु० २४३॥ कातिक सुदी १ संवत् १८३६ सुधी खातेबाकीलहणा निकले छासो चुकती बियाज सुधा प० रा० पाससे लेकर जमाकीमाछे तथा खातो डेढोकरदीनोछे भूलचूक होसाबी लेणी देणीछे—मिति०

चालान चिठी।

सिद्धिश्री—शुभस्थान—योग्य लिखी—से——केनश्री—बांचिज्यो अपरञ्च सागा १ गाडी १० अदत ४० कपडेकी रामसिंघ राजपूतको साथ देकर आज दिन चालान किनोछे सो माल सेवा सुध सम्हाललीज्यो गाडी-वालोंने भाडेका रु० ४०, अंकेने चालीस देदीजो तथा रु० २, राम-सिंघको खुराकीकादीज्यो "मालपहु"चेको चिठो मांडदीज्यो।

आढत चीठी।

सिद्धिश्री—शुभस्थान—योग्य लिखी—से—केन—जुहारबांचीज्यो अपरञ्च भाई गणेशदास नन्दराम आपके उपर काम काज लिखेगा सो फायदे साथ भुगताय दिना करजो आढत खरच सिरस्ते प्रमाण जमा लीज्यो इसभांत समाचारछे वलती चिठो दीज्यो मिति० सम्वत्।

रुपयेदेनेकी सिफारिश चिठी।

सिद्धिश्री कलकत्ता बन्दर शुभस्थान भाईश्री केशवदासजी लीलाधर योग्य लिखीश्री मिरजापुरसे नरसिंघदास नरोतमदासकेन श्रीजेगोपाल बंचनो अपरञ्च रु० ५००, अंकेन पांचसो कलदार चिठीपहु"चने साथ केशवजी दलालने देयकर रसीद भेजदीज्यो मिति०।

जबाब।

सिद्धिश्री मिरजापुर शुभस्थान भाईश्री नरसिंघदासजी नरोत्तमदास योगा लिखी श्री कलकत्ता बन्दरसे केशवदास लीलाधरकेन श्रीजीकी बंचना अपरञ्च चिठी आपकी आई आपकी लिखे मुजब रु० ५००, केशवजी दलालने देदीनाछे रसीद इस चिठी साथ लिखाभेजीछे आज कीमिति हमारा जमाकरज्यो मिति० सम्वत्।

रसीद चिठी।

सिद्धिश्री शुभस्थान योगा लिखी से केशवजी दलालकेन श्रीजैगोपाल बांचीजो अपरंच रु० ५००, अंकेन पांचसी कलदार भाई केशोवदासजी लीलाधरसे आज दिन लेयकर यह रसीद लिखदीनीछे दस्तखत मिति संवत्।

मियादी सिफारिश चिठी।

सिद्धिश्री बम्बई बंदर शुभस्थान शाहजी श्री५ जुगल किशोरजी नंद किशोर योग्य लिखी कलकत्ता बंदरसे, गोपाललाल की बहुमान्य श्री जैगोपाल बांचएगा, अपरंच राधिकावल्लभ यह चिठी लिखवाके बंबई आवता है, सो आप उनको इस से रु० ५००, अंकेन पांच सौ कल दार हमारे हिसाब से दीजियेगा, और रुपहों की रसीद उनसे दस्त-खती लिखवाय कर हमको भेज दीजियेगा, इस चिठीकी मियाद आज से १ महीने तककी है, उस उपरांत रुपये मांगेतो हमारेको समाचार लिखदीजियेगा जियादह सुभमिति—संवत्।

भरती सिफारिश चीठी

सिद्धिश्री शुभस्थान योगा लिखी से केन मुजरो बांचजो अपरंच हमारी तरफसे भाई रामचन्द्र ब्राह्मण यह चिठीलेय कर आपके उठे आवेछे सो काम काज मालकी खरीद तथा रफतनीबाबत लिखांगा सो

रामचन्द्रके कहनेमु जब फायदे साथ निगहराखकर भुगतादीज्यो बाकी समाचार पीछेसे लिखेंगे चिठीपाछीदीज्यो मिति०।

अफीमकी खरीद बिक्रीके लिये कलकत्ते में दोतरहकी चिठियें चलतीहै।

तेजीकी चीठी

भाई रामसुखदास अग्रवालेसे (चिठीकाटनेवालेका) जैगोपाल बंचना अपरंच अफीम लाट १ (पेटी ५ अंकेनपांच) पटनाई पाका मालकी तेजी प्र० १३५०, अंकेन साढे तेरासो सन १८८० के पहिले लीलामकी खाइ हैसो लीलामको दिन इस चिठीको आप सही करा ओगेतो दरखास लाट १ (पेटीपांच) पटनाई मालकी आपको देंगे बदले डिपाजिट रुपये गवर्नमेंट सिरप्रते प्रमाण लेंगे लीलामकी छाक का भाव फरक होसी देना लेना है कदाचित दरखास के बदले पास आपके देवेंगेतो बदलाईके रुपये पांचपीटीलार काटकरके भुगतावन बाजार के सिरप्रते लेंगे और तेजीके रुपये जो खायेहै उनोसे आपका दावानहीं है कदाचित लीलामके दिन यह चिठो नहीं सहीकरा ओगेतो रातके १२ घंटेबाद यह चिठी रद्दीहै मिति०।

मंदीकी चिठी

भाई रामसुखदास अग्रवाले से [चिठी काटने वालेका] जैगोपाल बंचना अपरंच अफीम लाट १ (पेटी ५ अंकेन पांच) पठानाई पाका मालकी मंदी प्र० १३५० अंकेन साढेतेरासो सन १८८० के पहिले लीलामकी आपकी खाईहै सो लीलामके दिन इसचीठीको आप सही करा ओगेतो दरखास लाट १ (पेटी पांच) पटनाईमालकी आपसे लेवेंगे बदले डिपाजिटचे रुपये गवर्नमेंट सिरप्रते प्रमाणदेंगे और लीलामकी डाकका भाव फरक होगा सो देनालेनाहै कदाचित दरखास के बदलेमें हमको पासदेओगेतो बकलाईके रुपये पांच पेटी पीछे काटकरके भुगतावन बाजारके सिरप्रते देंगे और मंदीके रुपये जो

हमने खायेहैं उन्होंसे आपका दावा नहीं हैं कदाचित नीलामके दिन यह चिठी नहीं सही कराओगेतो रातके १२ घंडे बाद रद्दीहै संवत् मिति

जोखिम चीठी

भाईजीश्री शिवप्रसादजी दुर्गादत्तसे हीरालाल जवाहिरलालके न श्री जैगोपाल बंचना अपरंच जोखिम रु० १४०००, अंकेन चौदा-हजार अफीम पठना पेटी १० कलकत्तेसे हकांग बन्दरताईं स्टीमर फलाना फलानेकी प्र० ।।।, अंकेन बारा आन सैं कड़े हिसाबसे आपको लीनीहै सिरप्रते अंगरेजी पोलीसे के मारफत दलाल रामचन्द्र मिति०

शराकतनामह

भाईश्री गोवर्धन दास योग्य लिखी रामसहाय का जैगोपाल बंचना अपरंच तुम्हारी हमारीमरजी और सलाह के साथ कलकत्ते से लण्डन को १००० एक हजार थैले चावल "स्टीमर चुनारमें" भेजते हैं (अथवा भेजे गए हैं) उन थैलोंमें से तीन हिस्से अर्थात् ७५० तुम्हारे और एक हिस्सा अर्थात् २५० हमारे हैं और उसमाल में जो कुछ लाभ हानि और जोखिम वक्त पर होवे तो हिस्से मुजब तुमको और हमको कबूल और देना लेना है, और उस माल और थैलों पर रकम तुम्हारी लगी है जिसका हिस्से मुजब बियाज महाजनी सिरप्रते से वाजब भरदेऊंगा यह लिखावट और करार तुम हम आपस में इसवास्ते लिखते लिखाते हैं कि कोई तरह का हिसाफ्ती नुकसान नफे में सखुन तकरार उजर बेहिसाब आपस में न रहेगा जो उपर लिखा है सही है मिति—संवत्।

गवाह के दस्तखत। दस्तखत रामसहाय क सही।

वारिसनामह।

मैं निहालचंद कौम महाजन सकानह रामगढ़ इलाके जैपुरका सब को जाहर रहनेवास्ते अकल होशियारी बगैर निशे से इकरार करके

लिख देता हूं कि मेरे अयाल औलाद नहीं होनेके सबब से राजाराम वल्द गनेशदास कौम महाजन सकनह ऐजनको अपने स्थावर जंगम का जीतेजी आजको मितिसे वारिस कीया है, मेरे घरका सब वह मालिक हुआ है, मेरे मरनेबाद उसके साथ तकरार उजर दावे कोई तरह का कोई नहीं करने पावेगा अगर जो कोई फैल भरके करेगा झूठा होगा, मैंने मेरी राजी रजामंदी से यह वारिसनामह लिख दिया है सो सही।

दस्तखत निहालचंद खुद।

फ़ारगखती।

भाई रामलाल जौहरी योग्य लिखी रामचन्द्र महाजन सकनह दिल्ली हाल मुकाम कलकत्ता जो कि तुम्हारे साथ हमारा लेन देनका बहुत दिनों से व्यवहार चला आता था सो आज दिन हिसाब की रूह से समझ बूझके रुपये चुकती भरपाये हैं आज पहिलेके लेन देन बाबत आगे को कोई उजर दावा रहा नहीं, तथा आज पहिलेकी कोई तुम्हारे हाथ की वा तुम्हारे ऊपर की हमारे पास दलील दस्तावेज निकल आवे तो रद्दीसमझेंगे यह फ़ारगखती हम हमारी राजी रजा मंदी अकल होशियारी बगैर निशे लिख दी है सो मेरे को तथा मेरे वारिसों को लिखा सो कबूल और सही है, यह दस्तावेज मैं और मेरा वारिस वक्त पर नहीं मंजूर करें तो देश परदेश पंचराज में झूठे होवें मिति—सम्वत्।

मुचलका

मैं दौलतराम वल्द गनपत राम कौम अगरवाला सकनह जैपुर पेशा दलाली उमर ३० बरस अदालत फौजदारी जैपुर हाजर होयकर

इस इकरार से मुचलका लिख देता हूं कि आज पीछे रामनाथ बकाल के साथ कोई तरहका दंगा फिसाद नहीं करूं कराऊंगा और न बद ज़बान उसको बोलूंगा, अगर फिरकभी रामनाथ अदालत हाजामें मय साक्षी सबूत के मेरी तकसीर सबूत कर देवे तो गुन्हगारी का रु० ५० अदालत में बिला उजर दाखिल करूं जो लिखा सो सही है। मिति गवाह ▮ दस्तखत्।

दस्तखत् दौलतराम।

माल जामनी।

मैं अन बरखां कौम पठाण रहने वाला मुलतानका हाल मुकाम जैपुर बाबत लछमन जाटके माल जामनी लिख देता हूं कि परमानन्द महाजन लछमन के रुपये २०० अंके दोसे मांगता है वह रुपये बियाज सहित १ बरस में वह महाजन मज़कूरको अदाय कर देवेगा, अगर इस मियाद अंदर नहीं चुकती करे अथवा कोई उजर करे तो मैं मेरे घरसे लाकलाम सब रुपये बियाज सहित देऊंगा यह लिखा बट बतौक माल जामनीके मेरी रजामंदीसे लिखदी है कि वक्त जरूरतके काम आवे मिति—सम्वत्।

हाजर जामनी।

मै नारायन सिंघ कोम राजपूत सकनह मनोहरपुरका लीलाधर हज्जामके बाबत अदालत ▮ हाजर होयके इकरार करके लिख देता हूं कि लीलाधर को आजसे एक महीने तक जब ▮ अदालत तलबफरमावेगी हाजर कर देऊंगा अगर वक्त पर वह शखस अदालतके हुक्म सिवाय गैर हाजिर अथवा कहं गोम होजावेतो उसकी एवज में मैं खुद हाजर होयकर जवाब करूं और जो दावे उस पर अदालतका होवे मुझको मंजूर है यह सब बातें इस वास्ते मेरी राजामंदीसे लिखदी है की वक्त पर काम आवे जो लिखा सो सही है मिति—सम्वत्।

दस्तखत साखीका, दस्तखत नारायन सिंघ

फ़ैल जामनी ।

मैं हरसुखदास चौधरी सकने रामनगरका फ़ैलजामनी बाबत नानू लाल मेणेके एक बरसके लिये लिख देता हूं कि अगर वह शख्स आज की मितिसे—इस मयादके अंदर किसी तरहकी चोरीवा ठगाईकरे और जूवा खेले खीलावेगा तो इसके जवाबकी जिम्मा मेरा है यह लिखावट अपनी खुशीसे उसके वास्ते लिखदी है सो सही है मिति—

दस्तखत हरसुख दास ।

गिरवी नामह ।

राधिका प्रसाद से लिखीतं सीतारामका रामराम बंचना अपरंच आपके पास १ सरपेच (वजनमें १५ तोलेका हीरे और चुन्नीके जड़ाबका) गहने रखके रु० १०००) एक हजार लिये हैं इन रुपयों पर बीयाज प्र० ॥) सैंकड़े हिसाब से माहवारी देऊंगा और अपनी जिनस ६ महीनेके अंदर छुड़वा लेऊंगा अगर रुपये और बियाज चुकता इस मियाद अंदर नहीं देने सकूं तो अखतियार है कि उस सरपेचको बाजार [redacted] बेचके अपना रुपया और बियाज वसूल करो अगर बिक्रीमें रुपये कमती वा जियादह बंटे तो वाजब देना लेना है यह गिरवी नामह मैंने मेरी रजामंदीसे जरूरके वास्ते आपको लिख दिया है कि कोई तरहका झमेला इस लिखतके सिवाय नहीसके जो लिखा सो सही है मिति—सम्वत् ।

गवाहकें—दस्तखत सीतारामका

वकालत नामह ।

मैं हरगोपाल महाजन सकानहजारीका मनोहर कलवार पर अदा [redacted] दीवानी में २०६) रुपयेकी नालिसकी है इसकी वास्ते लाला नंदलाल को अपनी तरफसे वकील मुकर्रर करके इकरार करता हूं और लिख देता हूं कि वकील मौसूफ इस मुकद्दमे में जो कुल सवाली जवाब करे

यादद्दाश्त करे वह सब मेरेको मंजूर और कबूल है इस वास्ते यह वकालत नामह लिखदिया है सो सही है। तारीख—सन्—

दस्तखत हरगोपाल महाजन।

वकालत नामेको पीठपर वकीलकी सही इस भांत

महनतानेका रुपये नक़द समझबूझ के कबूलकिया है।

सही लाला नंदलाल वकील सिरश्तेदाजा।

आम मुख़तयार नामह।

मै गोकुलानन्द महाजन अगरवाला सकनह रेवाड़ी जिला गुरगांव इस इक़रार से लिख देता हूं कि मेरी स्थावर जंगम सम्पति के बाबत दीवानी फौजदारी कलक्टरी सदर वा महकमें वगैरह कचहरियों अंगरेजी अथवा राजस्थानमें मेरे पर जो नालिश वा मुकद्दमे दायर है अथवा होवे उसके वास्ते आम मुख़तयार बाबू कमला कांतको मुकर्रर किया है, मुखतयार मौसूफ मेरीतरफमें जो कोई मुकद्दमे में जवाब सवाल करे अथवा अरजी दाखिल करे वा सिरश्तेके वकीलको वकालत नामह देवे और दलील दस्तावेज अदालत में दाखिल करे वा सही करे वा रुपयोंकी रसीद देवे वह सब मेरे को और मेरे वारिसों को कबूल मंजूर है यह सब बातें बतरीकआम मुखतयार नामहके लिखदी है कि बर वक्त काम आवें जो लिखा सो सही है। तारीख—सन्

गवाह दस्तखत गोकुलानंद।

सुपुर्द नामह अथवा आकर नामह।

मैं भैरव प्रसाद जात खत्री रहने वाला अमृतसर का इमानसे इकरार करता हूं कि ज्वाला सिंघ राजपूत बेटा भूपाल सिंघने दो जोड़े बाज सोनेके जमा रुपये २०००) की मेरे सुपुर्द की है इस इकरार पर कि जब ज्वाल सिंघ अपनी रक़म मांगे तब बिना तकरार उज़रके देदूंगा और जिनसों की खबर दारी बखुबी करूंगा और किसी तरहका नुकसान उनमें हो जाय तो उसको जोखिम भरदूंगा इस

वास्ते यह सब बातें सुपुर्दनामह की राह पर लिखदी हैं कि वक्त पर काम आवें तारीख—सन् ।

दस्तखत भैरव प्रसाद ।

किराया नामह

लाला पूरणमल योग्य लिखीतं रामसेवक गुमाश्तह लालाहर्मन्दराय के अपरंच एक किता हवेली जोकि जोहरी बाजारमें नम्बर १० की है आपसे [illegible] बरसके वास्ते रुपये ४०, माहवारी किराया इस इकरारसे ली है कि किराया मुकर्ररी माहब माह बिला उज़र तकरारके देंगे और मरम्मत वगैरहकी दुरस्ती वक्त पर आप नहीं करावेंगे तो हम खुद करवाके जो खर्च पड़ेगा किराएके हिसाबमें मुजरे लेंगे, और सरकारी टेक्स लाग वगैरहका सब खर्च तुम्हारा हैं यह सनद अपनी खुशीसे लिख दी है सो सही और कबूल है तारीख—सन ।

दस्तखत रामसेवक

बेचान खत अर्थात् कन्टराक्ट ।

वृंदावन महाजनसे रामभक्त ज़मीदार का राम राम बंचना अपरंच गेहुं मन ५०० अंकेन पांच सो काठिया प्र० ३॥, रुपये मन हिसाब से आपको शिव परताप दलाल की मारफत बेचा है जिसका वजन आज की मितीसे एक महीने अंदर नमुने मुजब बजार सिरस्ते देंगे इन येलो पेटे १००, रुपये बायाना दाखिल पाये हैं बाकी रुपये माल वजन करके लेंगे इसमें कोई तरहका तकरार उजर वक्त पर निकले तोदो तुम्हारी औरदो हमारी तरफसे भले आदमी ठहराव कर दें सो तुम को और हम को कबूल मजूर है यह इकरार नामह तुम हमसे और हम तुमसे इसवास्ते लिखवा लिया है कि कोई तरह का बे सिरस्ते आपसमें आगे को उजर [illegible] करें मिति संबत् ।

दस्तखत रामभक्त ज़मींदार का ।

तक़सीमनामह ।

भाई मुकन्दलाल वलद क्षमा दत्त योग्य लिखितं कन्हैयालाल वलद मज़कूर का रामराम बंचना अपरंच अपनी बाप दादेकी ज़मीन असबाव ईंट जो अपनी आपस में एक शामलात आज पहिले थी सो आज दिन आपस में अपनी रज़ामंदी सेदो हिस्सों में बाटली हैं उन की तफ़सील की फरद तुम हमको और हम तुम को लिख दी है इस पर आगे को तुम हमारे माल ईंट वगैरह पर और हम तुम्हारे पर कोई तरह का उजर तकरार नहीं करेंगे जो कोई करेगा झुठा है यह तक़सीम नामह तुम्हारी हमारी खुशी और सलाहसे लिखदिया लिखवालिया है कि वक्त ज़रूरतके सनद रहै जो लिखा सो सही और क़बूल है मिति संवत् ।

दस्तख़त गवाह — दस्तखत जुदा जुदा एकमें मुकंदलालका और एकमें कन्हैयालालका ।

इतलाह नामह अर्थात् नोटिस ।

लाला रामप्रसाद सिंह साहिब योग्य ।

जो के आपके हिसाबमें रुपये २००/ असल वाकी बहुत दिनोंसे चले आते हैं रक़म और बीयाजके वास्ते कई मर्तबा आपसे तक़ा जा करवा चुका हूं तथापि मरज़ी अभीतक देनेकी न हुई इसवास्ते इस नोटिसके पहुंचनेसे तीनरोजके अंदर रुपये बियाज समेत भिजवा दीजियेगा नहीं तो दूसरे उपाओंसे वसूल करने पड़ेंगे वास्ते इतलाके लिखा है मिति संवत् ।

दस्तखत देवीदास महाजन ।

दानपत्र अथवा बखशिस नामह ।

सबपर प्रगटहो कि एक कूआ जो आहावादके पच्छम रुख पर है और उसके चौफेर २०० बीघा ज़मीन जोके हमारीथी सो आजकी मितिसे हमने विष्णु दत्त कुल परोहितको क्षमार्पण (बखशीस) की है और

इक़रार करके लिखदेते हैं कि बाद इसके हमको और हमारे वारिसो को उसकूआ और ज़मीनके बाबत कुछ उजर दावा नहीं रहैगा अगर हम अथवा हमारे वारिस कोई दावे करैंतो झूठा है हमने अपनी रजा मंदी होश हवास अक़लकी दुरस्ति से यह दानपत्र (बखशीस नामह) कूआ जमीनका पट्टा सहित कृष्णार्पण (बखशिस) कीया है सो सही है पट्टा सरकारमें रजिष्टरी कराया जावैगा मिति संवत्

दस्तख़त गवाह दस्तखत गिरधारीलाल महाजन।

पंचमुखतयार नामह।

लाला गनेशप्रसाद
बाबू हरगोपालचंद } पंच, राजारामकी तरफसे

माणिकचंद जोहरी
कालिकाप्रसाद चौधरी } पच, जैनारायनकी तरफसे

हम दोनों असामी उपर लिखेहूए पंचोंको इक़रार करके लिखदेते हैं कि हमारे आपसमें हिसाबका उलझाव कितने दिनोंसे चला आता है अभीतक सफाई नहीं हुई इसकेवास्ते आप लोगोंकों, आपसकी सलाह मरजीसे मुकर्रर करते हैं आपलोग बमुकाबले हमारे हिसाब किताब दलील दस्तवेज के वाजब तजबीज करके ठहराव करदेवें सो हम दोनोंको लाकलाम मंजूर और कबूल हैं, बाद फैसलह पंचोंके उसपर कोई उजर तकरार हममें से एकभी नहीं करैगा अगर जो कोई करै वह साफ झूठा है यह लिखावट बतौक पंचनामहके लिखदी है सो हमको और दोनोंके वारिसोंको कबूल और मन्जूर है।

क़रजखत।

भाई राधारमण योग्य लिखितं केशव चन्द्रके रामराम बंचना अपरंच रुपैये २००) अंकेन दोयसौ नक़द आपसे क़रज लिये हैं और उन रुपयों पर सूद प्र० १, सैकडे हिसाबसे माहवारी देंगे और इस इकरारसे लिख देते हैं कि रुपये जिस वक्त आप मांगे उस [illegible] लाक लाम बीयाज सहित चुकतो देंगे, यह तमस्सुक हमारी रजामंदी होश ह वास अक़लकी दुरसति बगैर सिखलाए लिखा है सो सही है और उन

रुपयोंके पेटे जो कुछ देवेंगेतो इस खतकी पीठ पर वसूल दिये सिवाय नहीं देंगे यह बातें इस वास्ते लिखी हैं कि वक्त जरूरतके काम आवें मिति—संवत्

गवाह दस्तखत केशव चन्द्रखुद

राजी नामह।

मैं रामसेवक रहने वाला मथुराका हाल मुकाम भागलपुर जोकि लाला मनोहरलालने मेरे पर कोरटदीवानी भागलपुरमें नालिश रुपये २००, की करी है उस के वास्ते यह राजीनामह अपने होशह वास अकलकी दुरसतिसे दाखिल करता हुं क्यों कि मैंने फरयादीको जैसा बना तैसेराजी करलिया है जो लिखा सो सही है तारीख— माह—सन्

गवाह दस्तखत रामसेवक मुद्दाले

दस्तखत मनोहर लाल मुद्दई

अरजी लिखनेका नक्शा।

गरीबपरवरसलामत

गुजारिश यह है कि मुसम्मे राजाराम वलद चेतनदास महाजन सकने देवगढ़ के को फिदवीने एकसौ रुपये कलदार रुपये सैंकड़े सूद दोसावसे कर्जदेकर सटाम्पी कागज पर तमस्सुख लिखवायाथा अब हालमें मुद्दालेसे रुपयों के लिये तकाजा कियातो गालियां देताहै और मारपीटकरने को तईयार है इसवास्ते अरजी हाजा गुजारानकर उम्मीदवार हूं कि मुद्दाले को तलब फरमाके रुपये सूद समेत देनेका हुकम फरमाया जावे, बाजवया अरजकिया आफताब दौलत अकबालका हमेशा चमकतारहै तारीख०

अरजी फिदवी नवलकिशोर
वलद रामजी महाजन सकने—
देवगढ

गरीबपरवरसलामत—

हालगुजारिश यह है कि फिद्वीके मकान की पूर्व तरफकी दीवार बरसात में गिरपड़ी थी सो उसको बनवाया चाहता है दीवार नहीं रहने से चोरीका खोफ रहता है और बेपरदगी से तकलीफ है लेकिन पड़ोसी रामरतन महाजन जबरदस्ती से नहीं बनवाने देता है मुजहर को गालियां देता और मजदूरों को मारपीट करता है इसवास्ते उम्मीद वार हूं कि मुदाले को तलब फरमाके ताकीद फरमाई जाय कि बरवक्त बनाने दीवारके चुपरहै पट्टा और नकशा मकानका वास्ते मुलाहजेके अरजीके साथ पेश किया है। अगर मुदाले का कुछ उजरहै तो अपना पट्टा और नकशा दाखिल करे जो वाजबथा अरज कियाहै—

अरजी फिदवी मोतीराम ।
सकने पालगंज ।

गरीबपरवर सलामत ।

गुजारिश यह है कि मूसम्मी लीलाधर

वल्द सेवाराम कौम महाजन सकने मंडावर को फिदवीने एक मकान जोकी सदर बाजार में है पांच रुपये माहवारी किराये से दिया था जिसको एक बरसका अरसा हो गयाहै लेकिन मुदालेने न तो कुछ आजतक किराया दिया और न मकान खाली करता है अबहाल में मकानकी मरम्मत के वास्ते कुछ मसाला वहांपर डालाथा उसको भी बरबाद करदिया और गालियां देता है यह सरासर जुलम है इसके वास्ते अरजी हाजा गुजराय कर उम्मीद वार हूं कि मुदाले को तलब फरमाके किरायादेके मकान खाली करनेका हुकम फरमाया जावे— जो वाजबथा अरज किया है—जवाबके वास्ते उम्मीदवार हूं।

अरजीफिदवी गिरधारीलाल
वल्दसीताराम महाजन ।
सकने प्रतापगढ

व्यापार सम्बन्धी नाप वजन।

वक्त

६०	सेकण्डकी	१	मिन्यूट
६०	मिन्यूटकी	१	घंटा
२४	घंटेका	१	दिन
७	दिनका	१	हफता
४	हफताका	१	महीना
१२	महिनोंका	[illegible]	बरस

कपड़ेका नाप

२॥	इञ्चीका	१	नेल
[illegible]	नेलका	१	क्वाटर
४	क्वाटरका	१	गज
५	क्वाटरका	१	एल

लम्बा नाप

१२	इञ्च का	१	फुट
३	फीटका	१	गज
५॥	गज का	[illegible]	पोल
४०	पोलका	१	फरलौंग
८	फरलौंग	१	मैल
३	मैल का	१	लीग
६०॥	मैलकी	१	डिगरी

वजन

१६	द्रीरामका	१	औंस
१६	औंसकी	१	पौण्ड
२८	पौण्डका	१	क्वाटर
४	क्वाटरका	१	हंडरवेट
२०	हंडरवेटका	१	टन

कागज

२४	शीटका	१	क्वायर
२०	क्वायर का	१	रीम
२	रीमका	१	बंडल

गिनति

१२	चीजका	१	डजन
१३	डजनका	[illegible]	लौंगडजन
१२	डजनका	१	ग्रोस
२०	चीजका	१	स्कोर
५	स्कोरका	१	हंड्रेड
६	स्कोरका	१	लौंगहंडरेड

विलायती सिक्का

१	पेनीका	८	पाई
१२	पेनीकी	[illegible]	शिलिंग
२०	शिलिंगकी	१	पौण्ड
२१	शिलिंगकी	१	गिन्नी

हिसाब करनेकीरीति ।

१ जितने रुपये सेर वस्तु बिकती हो, उतनेही आनेकी एक छटांक समझो—जैसे इलाएची ४) रुपये सेर बिकती है तो छटांक भरके ।) आने हुए ।

२ जितने रुपये मन वस्तु हो उतनेही आनेको अढ़ाई सेर आवेगी—जैसे चांवल २॥) रुपये मन आता है तो आढ़ाई आनेका २॥ सेर आवेगा ।

३ जितनेटके सेर वस्तुहो उतनीही दमड़ीयोंकी एक छटांक आवेगी—जैसे तीनटके सेर जो वस्तु बिकती होगी वह तीन दमड़ीयोंकी छटांक भर आवेंगी ।

४ एक रुपयेके जितने टके बिकते हैं, उतनीहीं दमड़ियोंका एक आना—जैसे एक रुपयाके ३२। टके मिलते हैं तो ३२ दमड़ियोंका एक आना ।

५ पैसेकी जेगंडे कौड़ियां बिकती हैं तो, उतनीहीं कौड़ीयांकी एक छदाम जानो—जैसे एक पैसेकी २४ गंडे कौड़ीयां बिकती हैं तो छदामकी २४ कौड़ी हुई ।

६ जितने रुपयोंका एकगज कपड़ा बिकेगा, उतनेहीं आनोंका एक गिरह आवेगा—जैसे तीनरुपये गज जो कपड़ा आताहै वह ≡) आनेका एक गिरह आवेगा ।

७ जितने टके गज कपड़ा बिकता होगा वह उतनीही दमड़ीयोंका गिरह आवेगा—जैसे जो कपड़ा ४। टके गज हैतो गिरह भर चार दमड़ीयोंका आवेगा ।

८ एक रुपयेकी जितनी सेर वस्तु हो वह एकआनेकी उतनीहीं छटांक आवेगी—जैसे एक रुपयेकी चारसेर मिश्रि आतीहै वह एकआनेकी चार छटांक आवेगी ।

९ एक रुपयेकी जितनी सेर वस्तु बिकतीहो वह चालीस रुपयेकी उत

नेही मन आवेगी—जैसे एक रुपयेकी मीठाई ५ सेर बिकती वह ४०) रुपयोंको ५ मन आवेगी ।

१५ पंद्रे रुपये का एकथान (गज २८) कापड़ा आताहै तो २रुपयेका कितना आवेगा ? जवाब ३॥/,॥। जैसे—अठाइस से दो को गुणा कियातो ५६ हुआ और १५का भागदियातो मिले तीन बचे ग्यारा यहां रुपयेका १५ टोकडा पाकडो ।

११ जितने सेर नाज नित खर्च होताहो, उनसेरोंको पौना करनेसे जो होगा उतनेहीं मन महनेमें खर्च होगा जैसे—जिसके घरमें ६ सेर अन्नका रोज खर्च होता है उनके महीने (३० दिन) में ४॥ मन खर्च होगा ।

१२ नित जितने सेरका पेटिया मिलता है उनको नौगुना करके मन समझो वही सालभरका पेटिया हुआ, जैसे—दोसेर चांवल रोज मिलताहै तो सालभर (३६० दिन) के १८ मन मिलेगा ।

१३ जितने रुपये महीनेका नौकरहो उन रुपयोंसे आधे तो आने और दूने टूकड़े (यहां ३० टूकड़ोंका एक आना समझना) जैसे—एक आदमी १०) रुपये महीनेमें पाता है उसको एकरोजका पांच आने और चारपाई देना चाहिये ।

१४ जितने रुपये मन वस्तु हो उतनेही एक सेरका टूकड़े समझना और एक आनेका २॥ टूकड़े—जैसे १२॥, रुपये मन घृतका भाव होवे तो एक आनेका २॥ टूकड़े, हिसाबसे पांचसेरका पांच आने हुए ।

१५ जितने रुपये कोड़ी (२० थान) का भाव हो उतनेही एक थानका टूकड़े समझना, और एक आनेका १। टूकड़ा जैसे—१२/, कोड़ी खारवेका भाव होवे तो एक थानका ॥/॥, आने हुए ।

१६ जितने रुपये तोला सोना बिकताहो, उतनेही एकरत्तीका टूकड़े जानो और एक आनेका ६ टूकड़े जैसे—१८) रुपये तोला सोना खरीदो तो १ रत्तीका ३/,आने देना चाहिये ।

१७ रुपये एक की २५ सेर जिंस आती है तो ७ सेरका दाम कहो ?

उदाहरण:—रुपयेका आना करके सेरसे सातगुणा किया तो ११२ हुए और २५ का भागदिया तो लब्धमिला सो आना सात सेरका हुआ।

१८ एक मनका ११) रुपये दाम होतो ७) रुपये की किसरीति से कितनी जिंसआई कहो? जवाब—मनका सेर करके सातगुणा किया तो २८० हुए फिर एग्याराका भाग दिया तो लब्धमिला २५-सेर और ५-टुकड़ा यहां ११ टुकड़े का एक सेर पकड़ना चाहिये।

हुण्डामणकाफलाव।

एकसो रुपये देके ८७॥ की हूंडी लिखाईतो साढेसत्तासी देनेसे कितनेकी लिखनी चाहिये? जवाब हूण्डीके भावसे जितने रुपयोंकी लिखावे उससे गुणा करके एकसौका भाग देनेसे ठीक हो जातीहै—जैसे:—८७॥ को गुणा किया तो ७६१२॥ हुआ और १०० का भाग दिया तो लब्धमिला ७६ और बचे १२॥ यहां ६। दोकड़ी का एक आना समझना चाहिये।

हूण्डीका भाव अगर १०५॥ का होतो ४०) रुपये की कितनी लिखनी चाहिये? जवाब ४० को १०० गुणा किया तो ४००० हुआ और १०५॥ का भाग देनेसे जो लब्धमिले उतनेही रुपयोंकी हूण्डी लिखी जावेगी।

हूण्डीकाभाव ८ रुपये अधिकका होतो ४१) रुपयेकी हूण्डामणका कितना देना चाहिये? जवाब ३।)॥ जैसे—४१ को आठगुणा कियातो। ३२८ हुआ और १०० का भाग दिया तो लब्धमिले ३ और बचे २८ यहां ६। दोकड़ीका एक आना समझलेना चाहिये हूण्डीका भाव ११ रुपये वट्टेका होतो ३२ का क्या वट्टा लेना चाहिये? जवाब ३।)२ जैसे:—११ को ३२ गुणा किया तो ३५२ हुआ और १०० का भाग दिया तो लब्ध मिला३—५२ यहां भी ६। टूकड़ोंका एक आना है।

मोतियोंके चउका हिसाब॥

एकदाना मोती आठरत्तीका है उसको चउकरने की रीति कहो? जवाब—रत्तीको रत्तीसे गुणा किया तो ६४ हुआ इसको पूणा किया तो

४८ हुआ और इसको भी पूरण किया तो २६ हुआ और रत्तीसे रत्तीको गुणा करने से जो होताहै वह ऊपर आना समझो यहां ८६ टोकड़ोंका एक वह समझलेना चाहिये इस हिसाबसे २६॥/४ वह हुआ मोतीदाना जितना हो उतनेही का भाग वहके देना जैसे २ दाना ८ रत्तीका हो तो २६॥/,४ के भाग देनेसे करीब १८।/ वह दो दानेका हुआ इसीतरह अधिक काले हो तो समझो ।

बाजार, कोठीका अर्थात् कच्चामण और हन्डरवेट वजनका शुमार

बाजार वजन—बाजारवजनका सेर (८० तोलेका) होताहै २रतल और १३ ड्रिरामका एकसेर होताहै और ८२ रतल २ अंस २ ड्रिरामका एकमण (४० सेर) होताहै ।

फैक्टरीवजन—फैकटरी वजनका सेर १ रतल १३अंस और १४ ड्रिरामका होताहै औरमण ७४रतल १०अंस ११ड्रिरामकाहोताहै ।

इन्डियन वजन—इन्डियन मण ८२ रतल और दो रतल का सातवां हिस्सा रतलका होताहै

बाजार मणसे कोठीका (कच्चा) मण करनेकीरीति दशवां हिस्सा और मिलानेसे कोठीकावजनहो जाताहै-जैसे ।

बाजारमण	३०	दोनूमिलकरके ३३मण कच्चा हुआ
दशवां हिस्सा	३	

बाजार मणसे हन्डरवेट करनेकी रीति बाजारमणमें दशवां हिस्सा मिलाना फिरतीसरा हिस्साबाददेना बाकीरहै सो हन्डरवेट समझो-जैसे

बाजारमण	३०	दोनूमिलकरके ३३ हुआ
दशवां हिस्सा	३	

इनमे तीसरे हिस्सेका ११ बाद किया तो बाकी २२ हन्डरवेट रहा

गये और हन्डरवेटको डेढाकरके इगरवां हिस्सा बाददेनेसे पाकामण हो जाताहै हन्‌रवेटका वजन ५४॥ सेर और आठछटांकका इग्यारवां विभाग अर्थात ५४॥ सेर और ॥≠ आनातोलेके आस पासहै ।

दूसराप्रकार

बाजारमणको ११ से गुणाकरके १५ भागदेनेसे बाकीरहै वह हन्डरवेट समझो—जैसे ५मणको ११गुणा कियातो ५५हुआ और १५का भागदियातो ३॥≠॥ हन्डर हुआ हन्‌रवेटको डेढाकरनेसे काचामण होता है और ४४ कच्चे सेरका एक पाकामण होताहै ।

क्यूबिकफीट नापनेकाहिसाब

इस वजनका हिसाब विशेषकरके जहाजमें माल रफतनी होताहै वहां लगताहै—जैसे, रूईकी गांठ ४फुट लम्बी ३फुट ऊंची और २फुट चौडी होतो उसकी २४ क्यूबिक फुटहोतीहै—जैसे ४से ३को गुणा कियातो १२ हुआ और १२को दो से गुणातो २४ हुआ अगर फुटके उपर इंचहोतो लम्बी चौडी और ऊंची तिंस सबको १२गुणा करके इंचकर लेना पीछो १७२८है का भागदेनेसे जो लब्धमिले वही क्यूबिक फुटसमझो

सिक्का और कम्पनीरुपयोंका चलन

सिक्के रुपयोंका अभी चलन नहीं है परन्तु कलकत्तेमें प्राय हुन्डियों का भुगतावन सिक्के रुपयोंकी आंटसे होताहै:—एकसो १००, रुपये सिक्केका १०६॥≠८पाई कम्पनी रुपये होतेहैं ।

सिक्कासे कम्पनी रुपये करनेहो तो पंदरवां हिस्सा और मिलानसे कलदारहोजातेहैं—जैसे

सिक्का	॥।≠,	सिक्का	१५,	सिक्का	१००,
पंदरवांहिस्सा	≠,	१५वांहिस्सा	१,	१५वांहिस्सा	६॥≠,८
कम्पनी	१	हुआ कम्पनी	१६,	हुआ कम्पनी	१०६॥≠,८

कम्पनी रुपयोंसे सिक्का करने होवेतो रुपये पीछे एकआना घटा-देनेसे सिक्का चलन बनजाते हैं जैसे १, का सिक्का ।॥/ और १६, कम्पनीका १५, सिक्का होतेहैं।

चीण और विलायतकी हून्डियोंका हिसाब

लन्डन उपरकी हून्डीकाभाव हिंदुस्तानमें सिर्फ एकरुपये पर रहताहै जैसेः—१—८—४ का भावहोतो समझो कि एकरुपयेसे बदलें एक शिलिंग सवानो पेनी लन्डनमें मिलेंगी—पौन्ड शिलिंग और पेनीका विलायतमें चलनहै वह सब उपर लिखें हैं वहांपर देखो।

चीन हंकांगमें डालरका चलन हैं कलकत्ते और बंबई उपरकी हून्डीकाभाव १०० डालरपर रुपयोंसे रहताहै जैसेः—हंकांगमें २२२॥ का भाव होतो समझना चाहिये कि १०० डालरके बदलेमें २२२॥ रुपये कलकत्ते या बंबई में मिलेंगें हंकांगमें रकमकी छूटरहतीहै जबतो कल-कत्ते, बंबई उपर की हून्डीकाभाव घटताहै और जब रकमपरतीजी आतीहै उसवक्त भावबढतेहै।

डालर और रूपयोंके हिसावकीरीति

जितनी डालरकी हून्डी हो भावसे गुणाकरना पीछे १००का भाग देना लब्धमिले वही रुपये समझो—जैसेः—२२२॥ के हिसाबसे १७डाल रकी हुंडीका ३७, ८२॥ टुकड़े हुए यहां एकसो टुकड़ेका एक रुपया समझ लेना—२२२॥ को १७ से गुणा कियातो ३७८२॥ और १०० का भाग दियातो ३७—८२॥ मिले—

चीनमेंजिंसोकातोल

चीनमें मालवा अफीम रूई धातवाना सोरा, वगैरह मालकाभाव एक पीकल पर रहताहै एक पीकलकी १०० काटी होतीहै और एक काटीको १६ टैलहोतीहै पीकल ५२०० तोलेकी और काटी ५२ तोलेकी होतीहै—एक रतलको पौन, काटीहोतीहै। ३०० रतल वजनकी रूईकी गांठकी प्राय २। पीकल गिणतेहैं—

अंगरेजी सन १८६० सेलगाय सन् १९५५ तकका यन्त्र।

अंगरेजी सन्				वारसूचक अक्षर
१८६०	१८८८	०	१९२८	कछ
६१	८९	१९०१	२९	च
६२	९०	०२	३०	ङ
६३	९१	०३	३१	घ
१८६४	१८९२	१९०४	१९३२	गख
६५	९३	,, ५	३३	क
६६	९४	,, ६	३४	छ
६७	९५	,, ७	३५	च
१८६८	१८९६	१९०८	१९३६	गघ
६९	९७	९	३७	ग
७०	९८	१०	३८	ख
७१	९९	११	३९	क
१८७२	०	१८१२	१९४०	छच
७३	०	१३	४१	ङ
७४	०	१४	४२	घ
७५	०	१५	४३	ग
१८७६	०	१९१६	१९४४	खक
७७	१९००	१७	४५	छ
७८	१	१८	४६	च
७९	२	१९	४७	ङ
१८८०	०	१९२०	१९४८	घग
८१	०	२१	४९	ख
८२	०	२२	५०	क
८३	०	२३	५१	छ
१८८४	०	१९२४	१९५२	चङ
८५	०	२५	५३	घ
८६	०	२६	५४	ग
८७	०	२७	५५	ख

जनुअरि, अक्टो	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ
मई	ख	ग	घ	ङ	च	छ	क
अगष्ट...	ग	घ	ङ	च	छ	क	ख
फिब्रुअरि,... मार्च नवम्बर,	घ	ङ	च	छ	क	ख	ग
जून	ङ	च	छ	क	ख	ग	घ
सेप्टम्बर, डिसेम्बर	च	छ	क	ख	ग	घ	ङ
एप्रिल, जुलाई...	छ	क	ख	ग	घ	ङ	च

१	८	१५	२२	२९	र	श	शु	बृ	बु	मं	चं
२	९	१६	२३	३०	चं	र	श	शु	बृ	बु	मं
३	१०	१७	२४	३१	मं	चं	र	श	शु	बृ	बु
४	११	१८	२५	0	बु	मं	र	र	श	शु	बृ
५	१२	१९	२६	0	बृ	बु	मं	चं	र	श	शु
६	१३	२०	२७	0	शु	बृ	बु	मं	चं	र	श
७	१४	२१	२८	0	श	शु	बृ	बु	मं	चं	र

जिस वर्षका तारीख वारका देखना हो उसकी साम्हने वारसूचक अक्षर हैं। जहां पर दो अक्षर हैं पहिला जनवरी फरवरी का और बाकीके दूसरे महीनोंके समझना उन अक्षरों को उस महीने के सामने देखो जिसका वार तारीख देखना हो फिर उस अक्षर से बराबर नीचे चले आओ जहां तक वार मिले और वारकी बांए तरफ तारीख मिलेगी वही होवेगी। जैसे, सन१८७८ के साम्हने देखातो च मिला उसको जनवरी के साम्हने मिलाके नीचे चलेतो मंगल मिला मंगलके बांए तरफ देखातो १-८-१५-२२-२९ तारीख को मंगल है।

हिन्दुस्तानी मुसल्मानी और अंगरेजी वर्षों का मिलान ।

अंगरेजी सन	मुसलमानी सन	मुसलमानी शुरू	शालबाहन शाक	शालबाहन आरंभ	विक्रमादित्य संवत्	विक्रमादित्य आरंभदिन	अधिकमास
१८६५	१२८२	२७ मई	१७८७	११	१९२२	२८ मार्च	जैष्ठ
१८६६	१२८३	१६ मई	१७८८	११	१९२३	१७ मार्च	
१८६७	१२८४	५ ,,	१७८९	११	१९२४	५ एप्रिल	
१८६८	१२८५	२४ एप्रैल	१७९०	११	१९२५	२४ मार्च	
१८६९	१२८६	१३ ,,	१७९१	११	१९२६	१४ ,,	बैशाख
१८७०	१२८७	३ ,,	१७९२	११	१९२७	२ एप्रिल	
१८७१	१२८८	२३ मार्च	१७९३	१२	१९२८	२२ मार्च	
१८७२	१२८९	११ ,,	१७९४	११ (छ्रि)	१९२९	९ एप्रिल	भाद्रवा
१८७३	१२९०	१ ,,	१७९५	११	१९३०	२९ मार्च	
१८७४	१२९१	१८ फेब्रुयारि	१७९६	११	१९३१	१९	आषाढ़
१८७५	१२९२	७ ,,	१७९७	११	१९३२	७ एप्रिल	
१८७६	१२९३	२८ जनवरी	१७९८	११	१९३३	२६ मार्च	
१८७७	१२९४	१६ ,,	१७९९	११	१९३४	१५	जैष्ठ
१८७८	१२९५	५ ,,	१८००	११	१९३५	३ एप्रिल	
	१२९६	२६ डिसेम्बर					
१८७९	१२९७	१५ ,,	१८०१	१२	१९३६	२४ मार्च	आश्विन
१८८०	१२९८	४ ,,	१८०२	११	१९३७	११ एप्रिल	
१८८१	१२९९	२३ नवम्बर	१८०३	११	१९३८	३१ मार्च	
१८८२	१३००	१२ ,,	१८०४	११ (छ्रि)	१९३९	२० ,,	श्रावण
१८८३	१३०१	२ ,,	१८०५	१२	१९४०	८ एप्रिल	
१८८४	१३०२	२१ अक्टोबर	१८०६	११	१९४१	२८ मार्च	
१८८५	१३०३	१० ,,	१८०७	११	१९४२	१७ ,,	जैष्ठ
१८८६	१३०४	३० सेप्टम्बर	१८०८	११	१९४३	५ एप्रिल	
१८८७	१३०५	१९ ,,	२८०९	१२	१९४४	५ मार्च	
१८८८	१३०६	७ ,,	१८१०	११	१९४५	१४ ,,	बैशाख
१८८९	१३०७	२८ अगष्ट	१८११	११	१९४६	१ एप्रिल	
१८९०	१३०८	१७ ,,	१८१२	११	१९४७	२२ मार्च	भाद्रपद
१८९१	१३०९	७ ,,	१८१३	१२	१९४८	१० एप्रिल	
१८९२	१३१०	२६ जुलाई	१८१४	११	१९४९	२९ मार्च	
१८९३	१३११	१५ ,,	१८१५	११ (छ्रि)	१९५०	१८ ,,	आषाढ़
१८९४	१३१२	५ ,,	१८१६	११	१९५१	६ एप्रिल	
१८९५	१३१३	२४ जून	१८१७	१२	१९५२	२७ मार्च	
१८९६	१३१४	१२ ,,	१८१८	११	१९५३	१५ ,,	जैष्ठ
१८९७	१३१५	२ ,,	१८१९	११	१९५४	३ एप्रिल	
१८९८	१३१६	२२ मई	१८२०	११	१९५५	२३ मार्च	आश्विन
१८९९	१३१७	१२ ,,	१८२१	१२	१९५६	११ एप्रिल	
१९००	१३१८	१ ,,	१८२२	१२	१९५७	१ ,,	

राजा महाराजा सरदारों की मान्य तोप ।

गवरनर जनरलहिन्द	३१	बून्दि महारावराजा	१७
गवरनर बम्बई और मदराज	१७	करौली महाराजा	१७
लेफट्नेण्ट गवरनर	१५	भरतपुर महाराजा	१७
कमेंण्डर इनचीफ	१५	सिकम महाराजा	१५
एजेण्ट गवरनर जनरल	१३	उर्की [टिहरी] महाराजा	१५
चीफ कमिसनर	१३	किसनगढ महाराजा	१५
पोलिटीकल एजेण्ट	११	अलवर महाराव राजा	१५
दक्षिण [हैदराबाद] नीजाम	२१	धौलपुर राना	१५
बरोदा गायकवार	२१	जैसलमेर महारावल	१५
महिसुर महाराजा	२१	झालावर महाराजा राना	१५
ग्वालियर महाराजा	१९	प्रतापगढ राजा	१५
इन्दौर महाराजा हुलकार	१९	धार राजा	१५
भूपाल बेगम	१९	देवास दोनू राजा	१५
उदैपुर [मेवाड़] महाराजा	१९	दतिया महाराजा	१५
जम्बू [कश्मिर] महाराजा	१९	ईदर महाराजा	१५
खेलात खान	१९	खैरपुर मीर आलीमूराद खाँ	१५
त्रावानकूर महाराजा	१९	सिरोही राव	१५
कोल्हापुर राजा	१९	डूंगरपुर महारावल	१५
जैपूर महाराजा	१७	रामपुर नवाब	१३
जोधपूर [मारवाड़] महाराजा	१७	जावरा नवाब	१३
पटियाला महाराजा	१७	कूचविहार राजा	१३
कोटा महाराव	१७	त्रिपुरा राजा	१३
रीवां महाराजा	१७	बनारस महाराजा	१३
[illegible] राव	१७	रतलाम राजा	१३
कोचीन राजा	१७	बासवारा महारावल	११
भावलपूर नवाब	१७	झीन्द राजा	११
बिकानेर महाराजा	१७	नाभा राजा	११

कपूरथला राजा	११	झवुवा राजा	११
सम्पथर महाराजा	११	चम्बा राजा	११
जूनागढ नवाब	११	बावनी नवाब	११
नवानगर जाम	११	सिरमूर [नाहन] राजा	११
भावनगर ठाकर	११	सुकेत राजा	११
पन्ना महाराजा	११	टौंक नवाब	११
चिरकारी महाराजा	११	फरीदकोट राजा	११
छत्रपुर राजा	११	खाईलुर [बिलासपुर] राजा	११
मंडी राजा	११	सावतवाडी सरदेसाई	९
पालहनपुर दीवान	११	मालेरकोटला नवाब	९
राजपिपला राजा	११	छोटा उदैपुर राजा	९
राधनपुर नवाब	११	बरीया राजा	९
पोरबन्दर राना	११	बरवानी राना	९
धृांध्रा राजा साहिब	११	अलीराजपुर राना	९
अजैगढ महाराजा	११	बालासीनोर नवाब बाबी	९
बाओनी नवाब	११	संथि राजा	९
सिलाना राजा	११	लुनावार राना	९
सीतामऊ राजा	११	फुदली सुलतान	९
राजगढ रावत	११	लाहज सुलतान	९
नृसिंहगढ राजा	११	नागोद राजा	९

केवल इन्हींको मान्य।

तोप २१।

हिज हाईनेस महाराजा दलीप सिंघ जी, सी, एस, आई, हिजहाइनेस जीवाजीराव सेंधिया बहादुर, जी, सी, एस, आइ। महाराजा गवालियर।

हिज हाईनेस तकूजीराव हुलकर बहादुर, जी, सी, एस, आई। महाराजा इन्दौर।

हिज हाईनेस सवाई रामसिंघजी बहादर, जी, सी, एस, आई।
महाराजा जैपुर।

हिजहाईनेस रनबीर सिंघ बहादुर, जी, सी, एस आई महाराजाजम्बू।

हिजहाईनेसश्री रामवरम् जी सी एस आई महाराजा बावनकोर।

हिजहाईनेस महाराजा सज्जन सिंघजी उदैपुर (मेवाड़)।

तोप १९।

हिजहाईनेस नवाब मनसूर आलीखां नावब नाजिम बंगाल।

हिज हाईनेस यसवन्त सिंघजी बहादुर जी सी एस आई, महाराजा जोधपुर।

हिजहाईनेस रघुराज सिंघ बहादुर जी सी एस आई महाराजारीवा।

तोप १७।

हिज हाईनेस नवाब आलीजा अमीरल मुल्क कौनसरट औफर, हाईनेस बेगम भूपाल।

नवाब सरसलर जंग बहादुर जी सी, एस, आई वजीर हैदराबाद।

नवाब अमीर कबीर समसुल उमरा बहादुर वजीर हैदराबाद।

हिज हाईनेस——बहादुर महाराजा किसन गढ़।

हिज हाईनेस महम्मद एबराहिम खां बहादुर नवाब टोंक।

हिज हाईनेस महेन्द्रप्रताप सिंघ बहादुर महाराजा उरच्छा (टिहरी)।

तोप १५।

हिज हाईनेस प्रिन्स अजीम जाह अमीरुद्दौला बहादुर आरकोट।

हिज हाईनेस तखत सिंघ जी ठाकुर भावनगर।

हर हाईनेस कुडसिया बेगम भूपाल।

हिज हाईनेस मान सिंह जी राजा साहिब ड्रांगदर।

हिज हाईनेस महोवत खां के सी एस आई नवाब जूनागढ़।

हिज हाईनेस श्री विभाजी जाम नवा नगर।

हिज हाईनेस महम्मद कलब अली खां बहादुर जी सी एस आई नवाब रामपुर।

तोप १३।

हिज हाईनेस महाराज अधीराज——बहादुर बरद्वान।

हिज हाईनेस रघुबीर सिंह बहादुर जी॰ सी॰ एस, आई॰ राजाझींद।

हिज हाईनेस हीरा सिंह बहादुर राजा नाभा।

हिज हाईनेस रुद्रप्रताप सिंहबहादुर॰ के॰ सी॰ एस॰ आई, महाराजापन्ना

हरहाईनेस प्रिनसेस बिजेमिहम्मीबाई अमोनानी राजा साहिब तांजोर

हिज हाईनेस महाराजा मिरजा विजीया रामगजपती राज्यमान्य।

सुलतान बहादुर॰ के॰ सी॰ एस॰ आई बिजे नगरम्।

तोप १२।

उमर बिन सलाह बिन महम्मद नकीब मकला।

अवधबिन उमर अलकयाती जेमिदार शहर।

तोप ११।

महम्मद इबराहीम अली खां बहादुर नवाब मलेर कोटला।

बघजी ठाकूर साहिब मोरबी।

हिज हाईनेस परताप शाह राजा टेहरी।

तोप ९।

श्री नाराइन देवजी बरामदेवजी महारावल बांसडा।

रघुबीर दयाल राजा बिरौंदा।

महाराजा सर दिग बिजे सिंह बलरामपुर।

श्री गुलाब सिंहजी अमर सिंहजी महारावल धरमपुर।

जेसिंहजी ठाकूर साहिब धरोल।

भगवत् सिंहजी ठाकूर साहिब गोंडाल।

सीदी इबराहिम खां नवाब जंजीरा।

उदित परतापदेव राजा खरौंड।

अमर सिंह बहादुर राव किलचीपुर।

जसवंत सिंहजी ठाकूर साहिब लिमरी।

रघबीर सिंह राजा मईहर।

सूर सिंहजी ठाकूर साहिब पालीटाना ॥

ववीजी ठाकूर साहिब राजकोट ॥

सुलतान सकोतरा ।

सीदी अवदुल कादिर महम्मद याकूब खां नवाब सुचीन ।

दाजी राज ठाकूर साहिब वद्वान ।

बने सिंघजी राज साहिब बांकीनीर ।

हिन्दुस्तानके कोन कोन विभागमें कितना मनुष्य और जमीनका विस्तार कितना हैं उनकी संख्या ।

बंगालहाता ।

इस में ४७ जिले है इस का प्रमाण १९८०९० मील मुरब्बा है लोक संख्या ६३२४८४० हैं राजधानी कलकत्ता लोक संख्या ४४३६०० है ।

बम्बईहाता ।

इस में २२ जिले हैं इसका प्रमाण १२४४५८ मीलमुरब्बा है प्रजा संख्या १६२२८७७४ राजधानी बम्बई लोक संख्या ६४४४०५ ।

मंदराजहाता ।

इस में २१ जिले है भू परिमाण १३९६९८ मीलवर्ग हैं प्रजा संख्या ३१५९७८७२ राजधानी मंदराज लोक संख्या ३९७५२२ ।

उत्तरपश्चिमप्रदेश ।

इस का परिमाण ८१४६३ वर्ग मील है इस में ३६ जिले है अधिवासी संख्या ३०७६९०५६ राजधानी एलाहाबाद ।

पंजाब ।

इस में ३४ राजों का राज्य है उनकी प्रजा संख्या ५० लाख है सरकार के आधीन भू परिमाण १०३७४८ वर्ग मील है इस में ३२ जिले है प्रजा संख्या २७५९६७५२ राजधानी लाहोर ।

अवध ।

यह देश सन १८५६ में सरकार के तावे हुआ है इस का परिमाण २३९७० वर्ग मील है इस में १२ जिले है प्रजा संख्या ११२२०१२ राजधानी लखनौ।

मध्यप्रदेश ।

इस में १५ राजाओंका राज्य है उनका परिमाण २८०६४ वर्गमील सरकारी जमीन प्रमाण ८४९६१ मील है इस में ९ जिला है लोकसंख्या ८२०११९ राजधानी नागपुर।

ब्रिटिशब्रह्मदेश।

इसका परिमाण ८८३६४ मीलमुरब्बा है लोक संख्या २७४७१४८ है राजधानी रंगून ।

आसाम ।

इस में ११ जिला है भू परिमाण ५१०० मील मुरब्बा है प्रजा संख्या २९२६९९२ राजधानी गवालपाड़ा।

बराड ।

इस का प्रमाण १८००० वर्गमील है हैदराबाद के निजाम ने सन १८५३ में ब्रिटिशाधीन किया है इसमें ६ जिले हैं।

———०० ———

SHIKHIADARPAN.

Alphabet—वर्णमाला ।

बड़ेहरफ छापेका ।

A	B	C	D	E	F	G	H	I
ए	बी	सी	डी	इ	एफ्	जी	एच्	आइ
J	K	L	M	N	O	P	Q	R
जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यु	आर
S	T	U	V	W	X	Y	Z.	
एस्	टी	यु	वी	डबल्यु	एक्स	वाई	ज़ेड	

छोटेहरफ छापेका ।

a	b	c	d	e	f	g	h	i	j	k	l	m
ए	बी	सी	डी	इ	एफ्	जी	एच्	आइ	जे	के	एल्	एम्
n	o	p	q	r	s	t	u	v	w	x	y	z.
एन्	ओ	पी	क्यु	आर	एस्	टी	यु	वी	डबल्यु	एक्स	वाई	जेड

बड़े हरफ लिखनेका।

A	*B*	*C*	*D*	*E*	*F*	*G*	*H*	*I*
ए	बी	सी	डी	इ	एफ्	जी	एच्	आइ
J	*K*	*L*	*M*	*N*	*O*	*P*	*Q*	*R*
जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यु	आर
S	*T*	*U*	*V*	*W*	*X*	*Y*	*Z*	
एस्	टी	यु	वी	डबल्यु	एक्स	वाइ	जेड	

छोटे हरफ लिखनेका।

a	*b*	*c*	*d*	*e*	*f*	*g*	*h*	*i*
ए	बी	सी	डी	इ	एफ्	जी	एच्	आइ
j	*k*	*l*	*m*	*n*	*o*	*p*	*q*	*r*
जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यु	आर
s	*t*	*u*	*v*	*w*	*x*	*y*	*z*	
एस्	टी	यु	वी	डबल्यु	एक्स	वाइ	जेड।	

1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*	*7*	*8*	*9*	*0*
१	२	३	४	५	६	७	८	९	०

पहिले हिन्दुस्तानी नाम वा गाम अंगरेजी अक्षरों में लिखनेका कोई कायदा मुकर्रर नहीं था अब यह नया तरीका थोड़े दिनों से गवर्नमेण्ट ने मंजूर किया है सो इसके अनुसार लिखना चाहिये।

स्वर। Vowels.

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ	ऌ	ॡ	ए	ऐ	ओ	औ
A	A′	I	I′	U	U′	RI	RI′	LRI	LRI′	E	AI	O	OU

अं	अः।
AN′	AH

व्यंजन। Cosonants.

*क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	
K	KH	G	GH	N′	CH	CHH	J	JH	N′	T	TH	D	
ढ	ण	[illegible]	[illegible]	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र
DH	N	T	TH	D	DH	N	P	PH	B	BH	M	Y	R

ल	व	श	ष	स	ह।
L	V,	SH	SH	S′	H

बाराखरी। Barakhari.

[illegible]	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः।
K	KA	KI	KI′	KU	KU′	KE	KAI	KO	KAU	KUN	KUH
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
KH	KHA′	KHI	KHI′	KHU	KHU′	KHE	KHAI	KHO	KHAU	KHAN	KHAH

य YA क्या KYA किया KIA।

---

* हिन्दुस्तानी नाम गाम लिखनेमें [illegible] की जगाह बहुत आदमी C भी भी लिखते हैं परन्तु K लिखना चाहिये C नहीं।

हिन्दुस्तानी नाम और गांम लिखने और पढनेके लिये बालकोंको बहुत दिन तक परिश्रम करना पड़ता है इस लिये नीचे लिखे हुए थोड़ेसे शब्द सीखनेसे वे बातकी बातमें नामा लिखना और पढना आजावे गे। जो आदमी लगमात याने माचा जानता है और २६ अचर अंगरेजीके भी पचानता है उन आदमियों को तो अंगरेजी में लिखाहुआ नाम इसराहसे सिर्फ चारही घडीके अभ्याससे पढना आसकेगा।

Á आकार।

RAM	राम	RAMA	रामा	BABA	बाबा
LALL	लाल	LALA	लाला	PAPA	पापा

I ह्रस्व इकार।

SISA	सिसा	CHINI	चिनि	PALI	पालि
ZILLA	जिला	KILA	किला	BILL	बिल

EE दीर्घ ईकार।

SEETA	सीता	BEEMA	बीमा	BEERA	बीरा
PEELA	पीला	BEERI	बीरि	SEERI	सीरि

OO ऊकार।

ROOM	रूम	JOOTA	जूता	KOOLI	कूलि
ROOP	रूप	CHOONI	चूनि	OOMA	ऊमा

E एकार।

KELA	केला	DEHLI	देहलि	KEDAR	केदार
MERA	मेरा	MEHTA	मेहता	PEMRAJ	पेमराज

AI ऐकार।

FAILI	फैलि	JAIPUR	जैपुर	KAIRI	कैरि
JAIGO	जैगो	JAINI	जैनि	BAIRI	वैरि

O ओकार।

GORI	गोरि	DHOTI	धोति	ROJEE	रोजी
JOROO	जोरू	SONI	सोनि	MODEE	मोदी

OU औकार।

FOUR	फौर	GOURI	गौरी	BOULA	बौला
MOUJA	मौजा	KOUM	कौम	MOULA	मौला

N अनुस्वार।

RUNG	रंग	CHANDA	चांदा	GUNGA	गंगा
JUNGI	जंगि	CHUND	चंद	DUNKA	डंका

U अकार।

RUB	रब	PUR	पर	JUS	जस
SUB	सब	HUR	हर	DHUR	धर

YA या।

YAR	यार	BIAJ	ब्याज	HIAW	हियाव
PIAR	पियार	SIAMA	स्यामा	DYAL	द्याल

आदमियोंके नाम सीखनेके लिये।

हिन्दुस्तानी लोगोंका प्राय दो शब्दसे एक नाम बनताहै, दोनूको मिलानेसे पूरा नाम बनजाताहै। इनके लिखनेका असल मतलब यहीहै कि अंगरेजीमें नाम लिखना और पढना जो कोई सीखा चाहेगा जरा अभ्यास करनेही से बातकी बातमें खुदसीखलेगा

Ram	राम	dass.	दास	*Ramdass*
Gopi	गोपी	sing	सिंग	*Gopising*
Gopal	गोपाल	mull	मल	*Gopalmull*
Gunga	गंगा	dut	दत्त	*Gungadut*
Chetun	चेतन	bux	बक्स्	*Chetunbux*
Tara	तारा	dial	दियाल	*Taradyal*
Doorga	दुर्गा	lall	लाल	*Doorgalall*
Pali	पाली	dhur	धर	*Palidhur*
Alum	आलम	roy	राय	*Alumroy*
Bhola	भोला	nand	नन्द	*Bholanand*
Lila	लीला	persad	प्रसाद	*Lilapersad*
Oodai	उदै	sookh	सुख	*Oodaisookh*
Muhtab	माहताब	geer	गीर	*Muhtabgeer*
Fool	फूल	churn	चरन	*Foolchurn*
Dewa	देवा	deen	दीन	*Dewadeen*
Huri	हरी	narain	नाराइन	*Hurinarain*
Emun	येमन	ram	राम	*Emunram*
Asa	आसा	sookh	सुख	*Asasookh*

ENGLISH NUMBER.

अंगरेजी गिनती

¼ Quarter क्वार्टर पाव चारआना
½ Half हाफ् आधा आठ आना
¾ Three quarters तीनपाव ॥ु

---

1 One वन् १
2 Two टु २
3 Three थ्री ३
4 Four फौर ४
5 Five फाइव् .. ... [illegible]
6 Six सिक्स् ६
7 Seven सेवन् ७
8 Eight एट ८
9 Nine नाइन् ९
10 Ten टेन १०
11 Eleven इलेवन ११
12 Twelve टुवलव १२
13 Thirteen थारटीन् ... १३
14 Fourteen फौरटीन् ... १४
15 Fifteen फिफटीन् ... १५
16 Sixteen सिक्सटीन ... १६
17 Seventeen सेवनटीन ... १७
18 Eighteen एटीन ... १८
19 Nineteen नाइनटीन ... १९
20 Twenty टुअनटी ... २०

21 Twenty one टुअण्टीवन .. २१
22 Twenty two टुअंटी टु .. २१
23 Twenty three टुअंटी थ्री २३
24 Twenty four टुअंटी फौर २४
25 Twenty five टुअंटीफाइव २५
26 Twenty six टुअंटीसिक्स २६
27 Twenty seven टुअंटीसेवन २७
28 Twenty eight टुअंटीएट १८
29 Twenty nine टुअंटीनाइन २९
30 Thirty थरटी ३०
40 Forty फौरटी ४०
50 Fifty फीफटी ५०
60 Sixty सिक्सटी ६०
70 Seventy सेवनटी .. ७०
80 Eighty एटी ८०
90 Ninety नैनटी ९०
100 Hundred हण्डरेड .. १००
1000 Thousand थौजण्ड १०००
Ten thousand टेन थौजण्ड १००००
Lac लाख १०००००
Million दशलाख .. १००००००
One crore एककरोड़ १०००००००
Ten crores दसकरोड
Hundred crores सोकरोड

Lesson 1. पाठ १।

ba बे	be बी	bi बाइ	bo बो	bu बिउ	by बाइ
ca के	ce सी	ci साइ	co को	cu किउ	cy साइ
da डे	de डी	di डाइ	do डु	du डिउ	dy डाइ
fa फे	fe फी	fi फाइ	fo फो	fu फिउ	fy फाइ
ga गे	ge जी	gi जाइ	go गो	gu गिउ	gy गाइ
ha हे	he ही	hi हाइ	ho हो	hu हिउ	hy हाइ

Lesson 2 पाठ २।

ab एब	eb येब	ib इब	ob ओब	ub अब
ac एक	ec येक	ic इक	oc ओक	uc अक
ad एड	ed येड	id इड	od ओड	ud अड
af एफ	ef येफ	if इफ	of ओफ	uf अफ
ag एग	eg येग	ig इग	og ओग	ug अग
ak एक	ek येक	ik इक	ok ओक	uk अक

Lesson 3. पाठ ३।

bla ब्ले	ble ब्लि	bli ब्लाइ	blo ब्लो	blu ब्लिउ	bly ब्लाइ
bra ब्रे	bre ब्रि	bri ब्राइ	bro ब्रो	bru ब्रिउ	bry ब्राइ
cha चे	che चि	chi चाइ	cho चो	chu चिउ	chy चाइ
cla क्ले	cle क्लि	cli क्लाइ	clo क्लो	clu क्लिउ	cly क्लाइ

Lesson 4. पाठ ४।

phra फ्रे	phre फ्रि	phri फ्राइ	phro फ्रो	phru फ्रिउ	phry फ्राइ
scra स्क्रे	scre स्क्रि	scri स्क्राइ	scro स्क्रो	scru स्क्रिउ	scry स्क्राइ
shra श्रे	shre श्रि	shri श्राइ.	shro श्रो	shru श्रिउ	shry श्राइ

अ	
अजमेर ज,	Ajmir j.
अलिगढ़ ए,	Aligarh a
अमृतसर प,	Amritsar p.
अहमदावाद ब,	Ahmodabad b
अलिवाग ब,	Alibag b.
अमरावती न,	Amraoti n.
अलाहाबाद	Allahabad.
अलवर ज,	Alwar j.
अंजार ब,	Anjir b.
अम्बाला प,	Ambala

आ	
आगरा ए,	Agra a.
आरा क,	Arrah c.
आकोला न,	Akola n,
आबु ज,	Abu j.
आहरौरा ए,	Ahraura a.
आकोट न,	Akote n,
आरवि न,	Arvi n.
आटरौलि ए,	Atrauli a.

इ ई	
इन्दौर ए,	Indore A.
इगतपुरी ब,	Igatpuri b.
इरादतनगर ए,	Iradatnagar a.
इमामगञ्ज क,	Imamganj c.

उ ऊ	
उदैपुर ज,	Udaipur j.
उज्जैन ए,	Oojein a.
उनाउ अ,	Unao o.

ए	
एलिचपुर न,	Ellichpur n.
एरिनपुर ज,	Erinpoor j.
एटा ए,	Etah a.
एटावा ए,	Etawah a.
एवतमहल न,	Yeotmal n.

क	
* कलकत्ता	Calcutta,*
काछार क,	Cachar c.
काल्पी ए,	Kalpi a.
कानपुर ए,	Cawnpore a.
कहलगांव क,	Calgong c.
कुचविहार क,	Kuchbehar c.
कलियान व,	Kalyan b.
कटक क,	Kattack c.
कामठी न,	Kamptee n.
कानौड प,	Kanoud P.
कीकड़ी ज,	Kikri j.
किशनगढ़ ज,	Kishungarh j.
किशनगंज क,	Kissonganj c.
कोएलवार क,	Koilwar c.
कुचावन ज,	Kuchawan j.

कुश्टीया क,	Kooshtoa c.
कोटा ज,	Kotáh j.
कोटपूतली ज,	Kotpútlí j.
कोटारा व,	Kothárá b.
काजरा क,	Kajrá c.
काराची स,	Karáchí s.
करौली ज,	Karauli j.
ख	
खामगांव न,	Khámgaon n.
खोदासराय क,	Khodásarrai c.
खेरी ग्र,	Kheri o.
खेतासराय ए,	Khetásarai a.
खेतडी ज,	Khetri j.
खुरजा ए,	Khurja a.
खंडवा ए,	Khandwa a.
ग	
गडरवारा न,	Gadarwara n.
गाजीपुर ए,	Ghazipur a.
गाजीयाबाद ए,	Ghaziabad a.
गिरिढी क,	Giridih c.
गवालंडो क,	Goalundo c.
गोगो ब,	Gogo b.
गोंडा ग्र,	Gonda o.
गुरगांव प,	Gurgaon p.
गोरखपुर ए,	Gorakhpur a.
गोला ए,	Gola a.
गौहाटी आ,	Gauhati as.
गोवालपारा आ,	Goalpará as.
गहमर ए,	Gahmar a.
गवालिएर ए,	Gwalior a.
गया क,	Gya c.
च	
चालीसगांव ब,	Chalisgaon b.
चांदा न,	Chanda n.
चिरयाकोट ए,	Choriakote a.
चिड़ावा ज,	Chidawa j.
चिनसुरा क,	Chinsura c.
चितोरगढ ज,	Chitorgarh j
चुरू ज,	Churú j.
चकराता ए,	Chakrata a.
चम्पानगर क,	Champanagar c
चुनार ए,	Chunar a.
चपरा क,	Chapra c.
चंदौसी ए,	Chandausi a.
ज	
जमालपुर क,	Jamalpur c.
जमुई क,	Jamooe c.
जालना न,	Jalna n.
जावद ज,	Jawad j.
जेपुर	Jaipur
जोरहाट आ,	Jorhat as.
जोधपुर ज,	Jodhpur j.

जौनपुर ए,	Jaunpur a.
जावरा ए,	Jawraa.
जब्बलपुर न,	Jubbulpur n.
जलगांव	Jalgaon
जलपाइगुरी क,	Jalpaiguri c
जंगीपुर क,	Jungyporo c.
झ	
झुंझनू ज,	Jhunjnù j.
झजझर ए,	Jhajhar a.
झांसी ए,	Jhansi a.
झेलम प,	Jholum p.
ट,त	
टाना ब,	Tana b.
टेगरा क,	Togra c.
टेरा ब,	Tora b.
टांडा श,	Tanda o.
टिपेरा क,	Tipporah o.
टुंडला ए,	Tundla a.
टोंक ज,	Tonk j.
टेलेरा	Tolhara n.
तेजपुर श्रा,	Tezpur as.
ट, द	
दादरी	Dadri
दारानगर ए,	Daranagar a.
दरजलंग क,	Darjeling c.
डेहरी	Dohree c.
डिबरूगढ़ आ,	Dibrugarh as.
डिडवाना ज,	Didwana j.
डीसा ज,	Deosa b.
देहली प,	Dolhi p.
देवगढ	Deogarh
देवली	Deoli
डेरागांजीखां	Doraghazikhan
डेराइस्माइलखां	Doráismailkhan
दीवानगंज क,	Diwanganj c.
देवलगांव न,	Diwalgaum n.
डेहरादून ए,	Dohra Dun a.
दिनाजपुर क,	Dinagoporo c.
दानापुर क,	Dinapore c.
डुमराओं क,	Dumraon c.
डौसा ज,	Dausa j.
दमदमा क,	Dumdum c.
दुरभंगा क,	Durbhunga c
दवारका ब,	Dwarka b
ढ, ध	
धार ए,	Dhar a.
धारवार ब,	Dharwár b.
धोलेरा ब,	Dholera b.
धूलिया ब,	Dhulia b.
धुलीयान क,	Dhuliyan c.
ढाका क,	Dacca c.

न

नागौर ज,	Nagor j.
नागपुर,	Nagpur
नाहन प,	Nahun p.
नांदूरा न,	Nandura n.
नारनौल प,	Narnoul p.
नासिक ब,	Násik b
नाटौर क,	Nattore c.
नवाबगंज	Nawábganj
नेवलगढ ज,	Nowalgarh j.
नीमच ज,	Noomuch j.
नेपाल	Nepál
नवाडी क,	Nawádi c.
नवगांव	Nowgong
नदीया क,	Nuddea c.
नलहाटी क,	Nalhati c.
नरसिंघपुर न,	Narsingpur n.
नसीराबाद	Nasirabad
नैनीताल ए,	Naini Tal a.

प

पाचोरा ब,	Páchora b.
पालनपुर ब,	Palunpur b
पालामउक,	Palamow c.
पालकोट क,	Palkot c.
पालि ज,	Pali j.
पालीटाना ब,	Palitana b.
पानागढ न,	Panagarh n.
पंखाबारी क,	Punkabari c.
परिशनाथ क,	Puroshnath c.
पटना क,	Patna City c.
परतापगढ अ,	Partapgarh o
पेशौर प,	Poshawar p.
पनाहट ए,	Panahat a.
पुना ब,	Puna b.
पुरी क,	Pooroo c
पुष्कर ज,	Pushkar j.
पोरटब्लेर,	Port Blair.
पुरनीयां क,	Purneah c.

फ

फतहाबाद	Fathabad.
फाजिलका प,	Fazilka p
फिरोजाबाद ए,	Firozabad a
फेरोजपुर प,	Forozoporo p.
फारह ए,	Farah a
फतेगढ ए,	Fatehgarh a.
फतेपुर,	Fatehpur.
फैजाबाद अ,	Fyzabad o.
फतुवा क,	Fatuha c.
फलेरा ज,	Phalera j.
फफूंद ए,	Phaphund a.

ब

बाह ए,	Bah a.

बालापुर न,	Balapur n.
बांकूरा क,	Bankoora c
बांदा ए,	Banda a.
बांडीकूई ज,	Bandikui j.
बेंगलोर म,	Banglore m.
बांकीपुर क,	Bankipore c.
बाराबंकी अ,	Bara Banki o.
बरेली ए,	Bareilly a.
बाढ़ क,	Barh c
बरोदा ब,	Baroda b.
बारसी ब,	Barsi Town b.
बासिम न,	Basim x.
बेवर ज,	Beawar j.
बीरभूम क,	Beerbhoom c.
बिलासपुर,	Bilaspur.
बेलारी म,	Bellary m.
बेनारस ए,	Benares a.
बेरहामपुर क,	Berhampore c.
बहरामपुर ए,	Bahrampur a.
ब्रिंदावन ए,	Brindaban a.
बिसाउ ज,	Bisao j.
बोगरा क,	Bogra c.
बम्बई	Bombay
बूंदी ज,	Bundi j
बुरहानपुर न,	Burhámpur n.
बलीया ए,	Ballia a.
बरद्वान क,	Burdwan c.
बरहीया क,	Burhiya c.
बरनगर ए,	Barnagar a.
बराकर क,	Barákar c.
बस्ती ए,	Basti a.
बक्सा क,	Baxa c.
बक्सर क,	Buxar c.
बोलीया क,	Bauleah c.

भ

भागलपुर क,	Bhagalpur c.
बाहावलपुर प,	Báhíwalpur p.
भीलवारा ज,	Bhilwará j.
भिवानी प,	Bhiwani p.
भीनाय ज,	Bhinai j.
भुज ब,	Bhuj b.
भोपाल ए,	Bhopal a.
भुसावल ब,	Bhusawal b.
भावनगर ब,	Bhaunagar p.
भरतपुर ज,	Bharatpur j.

म

मद्राज	Madras
माहाराजगंज	Maharajganj
माहीगंज क,	Mahiganj c.
मालदह क,	Maldah c.
मालेगांव ब,	Malegaon b.
मानभूम क,	Manbhoom c.
मांडवी ब,	Mandvi b.

मांझी क,	Manjhi c.
मसलीपट्टम,	Masulipatum
मीयांमीर प,	Meean Meer p.
मीरठ ए,	Meerut a.
मेहिद्पुर ए,	Mehidpore a.
मेरता ज,	Merta j.
मउ ए,	Mhow a.
मिद्नापुर क,	Midnapore cp
मिंचिनाबाद प,	Minchinábád
मिरजापुर ए,	Mirzapur a.
मुगलसराए ए,	Mooghal Sarai a.
मोकामेह क,	Mokameh c.
मूंगेर क,	Monghyr c.
मुलतान प,	Mooltán p.
मुरशदाबाद क,	Moorshedabade
मजफरगढ़ प,	Mozaffargarh p.
मुजफरनगर ए,	Muzaffarnagar a.
मुजफरपुर क,	Muzafforpore c.
मोतिहारी क,	Motiharee c.
मोलमीएन र,	Moulmein r.
मंडावा ज,	Mundawa j.
मंदसोर ए,	Mendisore a.
मनमाड व,	Manmád b.
मुरारई क,	Murarai c.
मथरा ए,	Muttra
मैमनसिंघ क,	Mymensingh c.
मैनपुरी ए,	Mainpuri a.

र

रायपुर न,	Raipur n.
रायचूर म,	Raichore m.
राजकोट व,	Rajkot b.
राजमहल क,	Rajmehal c.
रामगढ़ ज,	Rámgarh j.
राँची क,	Ranchee c.
राणीगंज	Raneegunge
रंगुन	Rangoon
रावलपिंडी प,	Rawalpindi p.
रेविलगंज क,	Revelgunge c.
रिसोड न,	Risod n.
रघुनाथपुर	Raghunathpur
रोहतक प,	Rohtak p.
रूपिगंज क,	Rupiganj
रायबरेली अ,	Rae Bareli o.
रंगपुर क,	Rungpore c.
रसड़ा क,	Rosorha c.
रतलाम ए,	Rutlam a.
रेवाडी प,	Rewari p.

लाहोर प	Lahore p.
लालगंज	Lalganj
लनडोर ए	Landour a.
लोहारडग्गा क	Lohardugga c.
लुधियाना प	Ludhiana p.

लुहारू ज Luharu j.
लोसल ज Losal j.
लछमनगढ़ ज Lachmangarh j.
लक्षीसराइ क Luckeeserai c.
लखिमपुर आ Lakhimpur as
लखनउ Lucknow c

व

वजीरगंज Wazirganj
वून न Wun n.
वरधा न Wardha n
वजीराबाद प Wazirabad p.

स श

सहारनपुर ए Saharanpur
सांभर ज Rambhar j.
संथीया क Santhea c.
सांतीपुर क Santipore c.
ससराम क Sassoram c.
सतारा ब Satara b.
सागर न Saugor n.
सीयालकोट पं Sialkote p.
सीकंदराबाद ए Sikandarábád a
सिबसागर आ, Sibságar as.
सीकर ज, Sikar j.
सीतामंडी क, Seetamurhee c,
सीतापुर अ, Sitápur o.
सेहोर ए, Sehor a.
सेवनी न, Seoni n.
सेरामपुर क, Serampore c.
सीरोही ज, Sirohi j.
शाहगंज ए, Shahganj a.
शेखपुरा क, Shaikhpura c.
शाहजहांनपुर Shahjahánpur
शेगांव न, Shegaon n.
शिकोहाबाद ए, Shikohábád a.
शहरघाटी क, Sherghotty c.
शिकारपुर स, Shikarpur s.
शीलोंग आ, Shillong as.
शोलापुर ब, Sholapur b.
शमसाबाद ए, Shamsábád a.
सिमला प, Simla p.
सिंघाना जा Singhana j.
सिरसा ए, Sarsa a.
सिरसा प, Sirsa p.
सुलतानगंज क, Sultangunge, c.
सुलतानपुर अ Sultanpur o.
सकरीगली क, Sakrigali c.
साहेबगंज क, Sahebgunge c.
सकर स, Sukkur s.
सूरत ब, Surat b.
सतना ए, Sutna a.
सिलहट आ, Sylhet as.

ह

हाथरस ए Hathras a.

हजारीबाग क,	Hajaribagh c.	हुगली क,	Hughly c.
हिंडौन ज,	Hindaun j	होशंगाबाद न,	Hoshangabad n
हिंगोली न,	Hingoli N.	हावरा क;	Howrah c.
हिंगनघाट न,	Hinganghat n.	हरदा न,	Harda n.
हिसार प,	Hissar p.	हरद्वार ए,	Harduwar a.
होमिनाबाद म,	Hominabad m.	हैदराबाद	Hyderábad.

चिट्ठी गैर बदलें हो जाने का वा ढीलसें पहुंचने का एक सबब तो यह है कि हिन्दुस्तान में जहां रहां सरकारी डाक खाने हैं लेकिन कितने ही उनमें से एक नाम के कैएक जगह है इस लिये लोगों के हितार्थ और गवरनमेण्ट का फाएदा समझ के जिस जिस जिले और हातमें जो है यहां लिखे हैं इसके मुजब लिखना चाहिये।

पोष्ट औफिस के साथ जिला तो लिखाही है परन्तु डाकघर जिस हातमें है उनका निशान इसभांत समझना ।

क, कलकत्ता ब, बम्बइ म, मंदराज प, पंजाब ए, एलाहाबाद अ, अवध ज राजपुताना न नागपुर स सिन्ध आ आसाम र रंगुन वि विहार ।

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
अहमदाबाद	अहमदाबाद, ब	Ahmadábád.	Ahmadábád b.
अहमदाबाद	झेलम, प'	Ah madádád.	Jhelum p.
अहमद नगर	अहमदनगर, ब	Ahmednagar.	Ahmadnagar b.
अहमदनगर	इदर ब,	Ahmednagar.	Edar b.
अहमदपुर	भावलपुर, प'	Ahmedpore.	Bháwalpur p.
अहमदपुर	बीरभूम, क	Ahmedpore.	Beerbhoom c.
अहमदपुर लम्मा	भावलपुर प'	Ahmedpore.	Bháwalpur p.
अजोध्या	फैजाबाद, अ	Ajodhya.	Fyzabád o.
अजोध्या	बांकुरा, [illegible]	Ajodhya.	Bánkoorá c.
अजोध्या	बरद्वान, क	Ajodhya.	Burdwán c.
अकबरपुर	गया, वि	Akbarpur.	Gya be.
अकबरपुर	कानपुर, प	Akbarpur.	Cawnpur a.
अकबरपुर	फैजाबाद, [illegible]	Akbarpur.	Fyzabad o.
अकबरपुर	आरा, वि	Akbarpur.	Arrah be.
अलिगंज	एटा, [illegible]	Aliganj.	Eláh a.
अलिगंज (सीवान)	छपरा, वि	Aliganj (sewan).	Chuprá be.
आकोला	आकोला, न	Akolá.	Akolá n.
आकोला	अहमदनगर, ब	Akolá.	Ahmednagar b.
एलाहाबाद	एलाहाबाद	Alláhábád.	Alláhábád.
एलाहाबाद	खानपुर, प'	Alláhábád.	Khánpore p.
अलिपुर	कलकत्ता,	Alipur.	Calcutta.
अलिपुर	दिल्ली, प'	Alipur.	Delhi p.
अलिपुर	मुजफ्फरगढ़, प'	Alipur.	Muzaffargarh p.
अलिगढ़	अलिगढ़	Aligarh.	Aligarh a.
अलिगढ़	फतेगढ़, ए	Aligarh.	Fategarh a.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
एलुर	नेलोर	Allur.	Nelloie.
एलुर	धारवार म	Allur.	Dhurwár.
एलुर	बेलारी	Allur.	Bellory m.
आशटा	भूपाल, ए	Ashtá.	Bhopaul a.
आशटा	सतारा, म	Ashtá.	Satárá b.
औरंगाबाद	आकोला, न	Aurangábád.	Akolá n.
औरंगाबाद	मुरशेदाबाद, क	Aurangábád.	Moorshedábád c.
औरंगाबाद	बुलंदशहर, ए	Aurangábád.	Bulandshahr.
बचराउं	मुरादाबाद	Buchhráon.	Moradábád.
बचराउं	रायबरेली	Buchhráon.	Rai Bareli o.
बारौत	मीरट	Báraut.	Meerut.
बारौत	एलाहाबाद	Báraut.	Alláhábád.
बहादुरगंज	गाजीपुर, ए	Báhádurganj.	Gházipur a.
बहादुरगंज	पुरनिया, बि	Báhádurganj.	Purneah.
बहादुरगढ़	रोहतक, पं	Báhádurgarh.	Rohtak p.
बहादुरगढ़	मीरट, पं	Báhádurgarh.	Meerut p.
बहादुरपुर	निमाड़	Báhádurpur.	Nimár.
बहादुरपुर	खानदेश	Báhádurpur.	Khándesh.
बाढ़	पटना	Bárh.	Patna.
बाढ़	ललितपुर ए	Bárh.	Lalitpur.
बरही	गोरखपुर, ए	Barhi.	Gorakhpur a.
बरही	हजारीबाग, ए	Barhi.	Házáribagh c.
बरवाला	हिसार पं	Barwálá.	Hissár p.
बरवाला	अहमदाबाद ब	Bárwálá.	Ahmedábad b.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
बसुदेवपुर	मेदनीपुर, क	Basudewpur.	Midnapur.
बसुदेवपुर	बालासोर, [illegible]	Basudewpur,	Balásore c.
बाजीतपुर	मैमनसिंग, क	Bájitpur.	Mymensing c.
बाजीतपुर	दुरभागा, वि	Bájitpur.	Doorbhángá.
बलिया	बीरभूम	Balia.	Boorbhoom.
बलिया	गाजीपुर, ए	Balia.	Gházipur a.
बलिया	मुंगेर, ए	Balia.	Monghyr c.
बैजनाथ	कांगरा पं	Baijnáth.	Kángrá p.
बैजनाथ	कमाऊं ए	Baijnáth	Kumaun a.
बैजनाथ (देवगढ)	सौंथाल परगना, क	Baijnáth.	Sonthal Pargunás c.
बांदा	लोहारडग्गा, क	Bándá.	Lohárduggá c.
बांदा	सावंतवारी, ब	Bándá.	Sáwantwári b.
बांदा	बांदा, ए	Bándá.	Bándá a.
बांसी	बस्ति, ए	Bánsi.	Basti a.
बांसी	ललितपुर, ए	Bánsi	Lalitpur a.
बरागांव	बनारस, ए	Barágaon	Benáres a.
बरागांव	छपरा, वि	Barágaon.	Chuprá bc.
बारा	चंपारन, वि	Báráh.	Chumpárun c.
बारा	मिरजापुर, ए	Báráh.	Mirzápur a.
बारा	इलाहाबाद, ए	Báráh.	Alláhábád a.
बारी	सीतापुर, अ	Bári	Sitápur o.
बारी	भूपाल, ए	Bári.	Bhopaul a.
बरेली	बरेली, ए	Bareilly.	Bareilly a.
बरेली	भूपाल, ए	Baroli.	Bhopaul a.
बारा	गया, वि	Bárá.	Gya bc.
बारा	उनाव, अ	Bárá.	Unao o.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
बीजापुर	कालादगी, [illegible]	Bijapur.	Kaladagi b.
बीजापुर	गायकवार, व	Bijapur.	Gaekwar b.
बेगमगंज	नोआखाली, [illegible]	Begamganj	Noakholly o.
बेगमगंज	गौंडा, अ	Begamganj.	Gonda o.
बिलारि	मुरादाबाद, ए	Bilári.	Morádábád a.
बिलारि	बिलारी, म	Belláry.	Bellary m.
बिजनौर	बिजनौर, ए	Bijnor	Bijnor a.
बिजनौर	लखनौ, अ	Bijnor	Lucknow, o.
बिहार	पटना, बि	Behar.	Patna be.
बिहार	उनाउ, अ	Behár.	Unao o.
बेला	इटावा, ए	Bela.	Etawa a.
बेला	नागपुर, न	Bela.	Nagpur n.
बेला	पुना, व	Bela.	Poona b.
बेलगांव	बेलगांव	Belgaum.	Belgaum.
बेलगांव	अमरावती	Belgaum.	Umrawati b.
बेरहामपोर	मुरशीदाबाद, [illegible]	Berhampore.	Moorshedábád o.
बेरहामपोर	गंजाम, [illegible]	Berhampore	Madrás m.
बहरामपुर	गुरदासपुर, प'	Bahrámpur.	Gurdáspur p.
बहरामपुर	फतेपुर, ए	Bahrámpur.	Fatehpur a.
बहरामपुर	दरभंगा, बि	Bahrampur.	Durbhunga o.
बिशनपुर	गोरखपुर ए	Bishanpur.	Gorakhpur a.
बिशनपुर	बांकुड़ा, क	Bishanpur.	Bankura o.
बिलासपुर	अम्बाला, प'	Bilaspur.	Umballa p.
बिलासपुर	बिलासपुर न	Bilaspur.	Bilaspur n.
बिलासपुर	बुलंदसहर, ए	Bilaspur.	Bulandshahr a.
बिलासपुर	दरभंगा, बि	Bilaspur.	Durhbanga be.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
बिसरामपुर	लुहारडग्गा	Bisrampur.	Lohardagga a.
बिसरामपुर	रायपुर, न	Bisrampur.	Raipur n.
भरतपुर	मुरशिदाबाद, क	Bharatpur.	Moorshedabad o.
भरतपुर	भरतपुर, ज	Bharatpur.	Bharatpur j.
भरतपुर	फैजाबाद, [illegible]	Bharatpur.	Fyzabad o.
बरवाला	अहमदाबाद ब	Barwala.	Ahmedabad b.
बरवाला	हिसार, प	Barwala.	Hissar p.
बलरामपुर	गोंडा, अ	Balrampur.	Gonda o.
बलरामपुर	मानभूम, क	Balrampur.	Manbhum o.
बलरामपुर	पुरनिया क	Balrampur.	Purniya o.
बलरामपुर	कुचबिहार आ	Bolorampore.	Coochbehar as.
बरनगर	इन्दौर, ए	Barnagar.	Indore a.
बरनगर	गायकवार, ब	Burnuggur.	Gaekwar b.
बुंदी	बहरैच, अ	Bundi.	Bahraich o.
बुंदी	राजपुताना	Bundi.	Rajputana.
बेसिन	थाना, ब	Bussein.	Táná b.
बेसिन	बेसिन, र	Bassein.	Bassein r.
बक्सा	बनारस, ए	Baksha.	Benares a.
बक्सा (बक्सादार)	जलपाइगुरी, आ	Baxa,(Buxadooar)	Jalpaiguri a.
चैनपुर	छपरा, बि	Chainpur.	Chura be.
चैनपुर	आरा, बि	Chainpur.	Arrah be.
चांदोर	अमरावती, म	Chandur.	Umrawati.
चांदोर	नासिक, म	Chandur.	Nasick r.
चांदपुर	जैसर, [illegible]	Chandpur.	Jessore o.
चांदपूर	बिजनौर, ए	Chandpur.	Bijnor a.
चांदपुर	तिपरा, क	Chandpur.	Tippera o.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
चंडौलि	बरदवान, क	Chanduli.	Burdwan c.
चंडौलि	बनारस, ए	Chanduli.	Benares a.
चिचौलि	रायपुर, न	Chicholi.	Raipur n.
चिचौलि	बेतुल, न	Chicholi.	Betul n.
चीखलि	आकोला, न	Chikhli.	Akola n.
चीखलि	सूरत, ब	Chikhli.	Surat b.
चाएसा	दिल्ली, प	Chaesa.	Delhi p.
चाएसा	आरा, वि	Chaesa.	Arrah be.
चौराही	इन्दौर, ए	Chorai.	Indore a.
चौराही	छिंदवारा, न	Chourahi.	Chindwara n.
चौबेपुर	बनारस	Chaubepur.	Benares.
चौबेपुर	कानपर	Chaubepur.	Cawnpore.
छिंदवारा	छिंदवारा, न	Chhindwara.	Chhindwara n.
छिंदवारा	नरसिंघपुर, न	Chhindwara.	Narsingpur n.
छपरा	छपरा वि,	Chupra.	Chupra be.
छपरा	नदीया क,	Chapra.	Nuddea c.
दादरी	जद प,	Dadree.	Jhind p.
दादरी	बुलंदशहर ए,	Dadree.	Bulandsahr a.
दमन	सूरत ब,	Damaun.	Surat b.
दमन	झेलम प,	Daman.	Jhelum p.
दारानगर	एलाहाबाद ए,	Dáránagar.	Alláhábád a.
दारानगर	बिजनौर ए,	Dáránagar.	Bijnor a.
देवगढ	रतनागरी ब,	Deogarh.	Ratnagri b.
देवगढ	बरौदा ब,	Deogarh.	Baroda b.
देवगढ	सोंथाल परगना क,	Deogarh.	Sonthal P. c.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
देवीपुर	रंगपुर	Debipur.	Rangpur.
देवीपुर	२४ परगना क,	Debipur.	24 Purgnahs.
देवली	अजमेर ज,	Deoli.	Ajmir j.
देवली	वरधा (पालकवाड़ी) न	Deoli.	Wardha n.
दुधाइ	ललितपुर ए	Dudhai.	Lalitpur a.
दुधाइ	मियानी व	Dudhai.	Miani.
दुर्गापुर	बरद्वान क,	Durgapur.	Bardwan c.
दुर्गापुर	राजशाही क,	Durgapur.	Rajshaye c.
दुर्गापुर	सुसुंग क,	Durgapur.	Shusung c.
दीवानगंज	नोआखाली क,	Diwanganj.	Noakhally c.
दीवानगंज	मैमन सिं क,	Diwanganj.	Mymonsing c.
दौलतपुर	सिंध	Daulatpur.	Sind.
दौलतपुर	नदिया क,	Daulatpur.	Nuddea.
धबा	होशंगाबाद न,	Dhaba.	Hosangabad n.
धबा	चांदा (चंदरपुर) न,	Dhabah.	Chánda n.
धरमकोट	फीरोजपुर प,	Dharmkot.	Forozepore p.
धरमकोट	सीयालकोट प,	Dharmkot.	Sialkot p.
धरमशाला	कटक् क,	Dharmshala.	Kuttack c.
धरमशाला	कांगरा प,	Dharmshala.	Kangra p.
दीनहठा	रंगपुर क,	Dinhata	Rungpur c.
दीनहट्टा	कुचबिहार आ,	Dinhata	Kuchbehar as.
दमदमा	कलकत्ता क,	Dumdum	Calcutta c.
दमदमा	लखिमपुर आ,	Dumdum	Lakimpur as.
फतेहाबाद	इन्दौर ए,	Fatehabad	Indore a.
फतेहाबाद	चटगांव क,	Fatehabad	Chittagong c.
फतेहाबाद	आगरा प,	Fatehabad	Agra a.
फतेहाबाद	हिसार प,	Fatehabad	Hissar p.

डाकघर	ज़िला	Post Office.	Zilla
फिरोजपुर	बाकरगञ्ज प	Ferozepur	Backergunge c.
फीरोजपुर	फीरोजपुर प,	Ferozepur	Ferozepore p.
फीरोजपुर, भिरका	गुरगांव प,	Ferozepur	Gurgaon p.
फरीदपुर	पवना क,	Faridpur	Pabna c.
फरीदपुर	फरीदपुर क,	Furreedpore	Furreedpore c.
फरीदपुर	बरेली प,	Faridpur	Bareilly a.
फतेहगढ़,	गुरदासपुर प,	Fatehgarh	Gurdaspur p.
फतेहगढ़	फतेहगढ़ प,	Fatehgarh	Fatehgarh a.
फतेपुर सीकरी	आगरा प,	Fatehpur (Shikri)	Agra a.
फतेपुर हसवा	फतेपुर पै,	Fatehpur (Haswa)	Fatehpur a.
फतेपुर	होशंगाबाद म,	Fatehpur	Hoshangabad
फतेपुर	बाराबंकी अ,	Fatehpur	Bara Banki o.
फतेपुर	जैपुर ज,	Fatehpur	Jaipur j.
फतेपुर	गया बि,	Fatehpur	Gya be.
फतेपुर	सहारनपुर प,	Fatehpur	Saharanpur a.
फतेपुर	उनाव प,	Fatehpur	Unao o.
फुलवारी	पटना बि,	Phulbari	Patna be.
फुलवारी	दीनाजपुर क,	Phulbari	Dinajpur c.
गाजीपुर	फतेपुर प,	Ghazipur	Futehpur a.
गाजीपुर	गाजीपुर प,	Ghazipur	Ghazipur a.
गाजीपुर	बरीसाल क,	Gazipur	Barisal c.
गोविंदगंज	चमपारन बि,	Gobindganj	Chumparun be
गोविंदगंज	बोगरा क,	Gobindganj	Bogra c.
गोगो (घोघो)	अहमदाबाद ब,	Gogo	Ahmedabad b.
गोगो (घोघा)	भागलपुर क,	Gogah	Bhagulpur c.
गोविंदपुर	मानभूम क,	Govindpur	Manbhum c.
गोविंदपुर	[redacted] क,	Gobindpur	Calcutta c.
गोविंदपुर	गया बि,	Gobindapur	Gya be.

डांकघर	जिला	Post Office.	Zilla
गोपालनगर	नदीया बं,	Gopalnagar	Nuddeah c.
गोपालनगर	बांकुरा बं,	Gopalnagar	Bankoora c.
गोपालपुर	गंजाम म,	Gopalpore	Ganjam m.
गोपालपुर	रंगपुर बं,	Gopalpur	Rangpur c.
गोपालपुर	बरद्वान बं,	Gopalpur	Bardwan c.
गोपालपुर	फरीदपुर	Gopalpur	Furreedpore c.
गोपालपुर	मैमनसिंग बं,	Gopalpur	Maimonsing c.
गोपिगंज	मेदनीपुर बं,	Gopiganj	Midnapur c.
गोपिगंज	मिरजापुर ए,	Gopiganj	Mirzapore a.
गुरगांव	दिल्ली प,	Gurgaon	Delhi p.
गुरगांव	कोलाबा ब,	Goregaun	Colaba b.
हाजीपुर	मोजफरपुर बि	Hájeepore.	Mozufferpore b.
हाजीपुर	होशियारपुर प,	Hájipur.	Hoshiárpur p.
हमीरपुर	हमीरपुर ए,	Hamirpur.	Hamirpur a.
हमीरपुर	कांगरा प,	Hamirpur.	Kángrá p.
हंडीया	होशंगाबाद न,	Hundia.	Hoshangábad n.
हंडीया	एलाहाबाद ए	Handia.	Alláhábád a.
हसनाबाद	रांची बं,	Husanábád.	Ranchee c.
हसनाबाद	कलकत्ता बं,	Husanábád.	Calcutta.
हुसैनाबाद	मुंगेर बं,	Husainábád.	Monghyr c.
हुसैनगंज	छपरा बि,	Husaingunj.	Chuprá be.
हुसैनगंज	फतहपुर ए,	Husaingunj.	Futehpur a.
हसनपुर	मोरादाबाद ए,	Hasanpur.	Morádábád a.
हसनपुर	गुरगांव प,	Hasanpur.	Gurgáon p.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
हुसैनपुर	मैमैमसिंग क,	Hussainpur.	Mymensing c.
हुसेनपुर	शुलतानपुर श,	Hussainpur.	Sultánpur o.
हैदराबाद	हैदराबाद स,	Hyderábád.	Hyderábád s.
हैदराबाद	हैदराबाद म,	Hyderábad.	Hydeıábád m.
हैदराबाद	डेराइसमाइलखां	Hyderábád.	D. Ismáil Khán.
जाफरगंज	तिपरा क,	Jáfarganj.	Tippeıá c.
जाफरगंज	फतहपुर	Jáfaıganj.	Fatehpur a.
जाफरगंज	ढाका क,	Jáfarganj.	Dacca c.
जफराबाद	बनारस ए,	Jáfarabád.	Benares a.
जाफराबाद	बाबरीयावार ब,	Jáfarabád.	Babriawar b.
जहानाबाद	बरेली ए,	Jahánábád.	Bareilly a.
जहानाबाद	आरा बि,	Jahanabad	Arra b.
जहानाबाद	बरद्वान क,	Jahánábád.	Burdwán c.
जहानाबाद	गया बि,	Jahánábád.	Gya be.
जलालाबाद	शाहजहानपुर ए	Jalálábád.	Sahjahanpur a.
जलालाबाद	मुजफरनगर ए,	Jalalábád.	Muzaffernagar a.
जलालाबाद	मूंगेर क,	Jalálábád.	Monghyr c.
जलालपुर	झेलम प,	Jalálpur.	Jhelum p.
जलालपुर	बनारस ए,	Jalálpur.	Benares a.
जलालपुर	हमीरपुर ए,	Jalálpur.	Hamirpur a.
जलालपुर	सुलतानपुर श,	Jalálpur.	Sooltánpur o.
जलालपुर	सूरत क,	Jalálpur.	Surát b.
जलालपुर	गुजरात प,	Jalalpur.	Gujerát p.
जलालपुर	मुलतान प,	Jalálpulr.	Mooltan p.
जमालपुर	मैमननसिंग क,	Jamálpur.	Mymensingh c.
जमालपुर	मुंगेर क,	Jamálpur.	Monghyr c.
जमालपुर	बरद्वान क,	Jamálpur.	Burdwan c.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
झाटी	करांची स,	Jati.	Karáchi a.
झाटी	रावलपिंडि प,	Jati.	Báwalpindi p.
जैपुर	जैपुर ज,	Jaipur.	Jaipur j.
जैपुर	लखिमपुर षा,	Jaipur.	Lakhimpur sa.
जैपुर	मानभुम क,	Jaipur.	Mánbhoom c.
जैपुर	बांकुरा क,	Jaipur.	Bánkura c.
झजर	बुलंदशहर ए,	Jhajar.	Bulandshahr a.
झजर	रोहतक प,	Jhajar.	Rohtak p.
जगदीस पुर	सुलतानपुर [illegible],	Jagdispur	Sultanpur o.
जगदीस पुर	आरा बि,	Jagdispur	Arráh be.
जलगांव	आकोला न,	Jalgaon	Akolá n.
जलगांव	खानदेश म,	Jalgaon	Khándesh b.
कालियागंज	ढाका क,	Kaliaganj	Dáccá c.
कालियागंज	दीनाजपुर क,	Kaliaganj	Dinájpur c.
कालिगंज	नदीया क,	Kaliganj	Nudea c.
कालिगंज	ढाका क,	Kaliganj	Dáccá c.
कालिगंज	२४ परगना क,	Kaliganj	24 Purganas c.
कालिगंज	रंगपुर क,	Kaliganj	Rangpur c.
कालिगंज	बाकरगंज क,	Kaliganj	Backergunge c.
काशिपुर	कमाउं ए,	Káshipur	Kamaon a.
काशिपुर	मानभूम क,	Kásipur	Mánbhoom c.
काशिपुर	हमीरपुर ए,	Káshipur	Hamirpur a.
काशिपुर	बाकरगंज क,	Kashipur	Backergunge c.
कानौड	दिल्ली प,	Kanoud	Delhi p.
कानौड	धूलीया म,	Kánod	Dhoolia b.
खंडाला	पूना म,	Khandálá	Pooná b.
खंडाला	कोलहापुर म,	Khandálá	Kolhápur b.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
कालिकापुर	चैबासा क,	Kalikápur	Chaibássá c
कालिकापुर	बरद्वान क,	Kalikápur	Burdwan c.
खैरपुर	मुलतान प,	Khairpur	Mooltán p.
खैरपुर	बाहावलपुर प,	Khyrpur	Bahawalpur p.
खरकदीया	हजारीबाग बि,	Kharakdiya	Hazaribág bc.
खरकदीया	फरीदपुर क,	Kharakdiya	Faridpur c.
खानपुर	गोरखपुर	Khanpur	Gorakhpur a.
खानपुर	बुलंदशहर ए,	Khanpur	Bulandshahr a.
खानपुर	हजारा प,	Khanpur	Harra p
खानपुर	खानपुर प,	Khanpur	Khanpur p.
किशूनगंज	भागलपुर क,	Kishanganj	Bhágalpur c.
किसेनगंज	पुरनीया क,	Kissengunge	Purneah c.
किशनागंज	नदिया क,	Krishnagaj	Nuddeah b.
कीशोरगंज	रंगपुर	Khishorganj	Rangpur c.
कीशोरगंज	मैमिनसिंग क,	Kishorganj	Maimonsing c.
खगरा	मूंगेर क,	Khagrá	Monghyr c.
खगरा	बेरहामपुर क,	Khagrá	Berhámpur c.
कोला	मेदनीपुर क,	Kolá	Mednipur c.
कोला	ढाका क,	Kolá	Dácca c.
कोल्हापुर	कोल्हापुर ब,	Kolhápur	Kolhapur b.
कोल्हापुर	अमरावती न,	Kolhapur	Umrawati n.
कोल्हार	कालादगी ब,	Kolhár	Kaládgi b.
कोल्हार	अहमदनगर ब,	Kolhár	Ahmednagar b.
करौली	नरसिंगपुर न,	Karauli	Narsinghpur n.
करौली	करौली ए,	Karauli	Karauli j.
करौली	आगरा ए,	Karauli	Agra a.
करौली	राजपुताना	Kaurauli	Rajputna j.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
कसबा	वीरभूम क,	Kasbá	Beorbhum c.
कसबा	पुरनीयां क,	Kasbá	Purneah c.
कसबा	तिपरा क,	Kasbá	Tipperá c.
करनौल	मजफरपुर वि,	Kurnaul	Mozufferpur be.
करनाल	करनाल प,	Karnal	Karnál p.
कटरा	एलाहाबाद ए,	Katrá	Allahábád a.
कटरा	शाहजहानपुर ए,	Katra	Sháhájahánpur a.
कटरा	मजफरपुर	Katra	Mozeffeipur be.
कुरा	अहमदनगर ब,	Kuia	Ahmednagar b.
कुरा	एलाहाबाद	Kuira	Allahábád a.
कोटा	कोटा ज,	Kotáh	Kotáh j.
कोटा	नेलोर म,	Kotah	Nelloio m.
कोटा	वरधा न,	Koutá	Wardha n.
कोटरा	मेवाड र,	Kotara	Mewar j.
कोटरा	मजफरपुर वि,	Kotaia	Mozufforpore be.
लालगंज	मजफरपुर वि,	Lalganj	Mozufforpore be.
लालगंज	रायबरेली अ,	Lalganj	Rae Bareli o.
लालगंज	प्रतापगढ़ अ,	Lalganj	Pratápgarh o.
लाकी	बन्नू पं,	Laki	Bannu p.
लाकी	कराची स,	Laki	Karachi s.
मदनपुर	नदीया क,	Madanpur	Nuddeah c.
मदनपुर	गया वि,	Madanpur	Gya be.
मधुबन	मोतिहारी वि,	Madhuban	Motiharee be.
मधुबन	आजमगढ़ ए,	Madhuban	Azamgarh a.
माधोगढ़	रीवा ए,	Mádhogarh	Rewa a.
माधोगढ़	ओराई ए,	Mádhogarh	Orai a.

डाकघर	ज़िला	Post Office	Zilla
मालदह	मालदह क,	Máldah	Maldah c.
मांलदह	पबना क,	Máldah	Pabná c.
मधुपुर	बोगरा क,	Madhupur	Bogra c.
माधुपुर	मैमिनसिंग क,	Madhupur	Maimensing c.
मधुपुर	सांथालपरगना क,	Mádhupur	Santhál P's c.
मधुपुर	गुरदासपुर प,	Mádhupur	Gurdáspur p.
महाराजगंज	रायबरेली अ,	Máhárájganj	Rae Bareilly o.
महाराजगंज	बाकरगंज क,	Máhárájganj	Baekurgunge c.
महाराजगंज	छपरा बि,	Máhárájganj	Chupra be.
महाराजगंज	आजमगढ़ ए,	Mohárájganj	Azamgarh a.
मांडवी	भूज ब,	Mándvi	Bhooj b.
मांडवी	सूरत ब,	Mándvi	Surat b.
महमदाबाद	सीतापुर	Mahmudábád	Sitápur o.
महमदाबाद	कैरा ब,	Mohmadábád	Kaira b.
मुहमदाबाद	फतेहगढ़ ए,	Muhammadábád	Fategarh a.
मुहमदाबाद	आजमगढ़ ए,	Muhammadábád	Azamgarh.
मुहमदाबाद	गाजीपुर ए,	Muhammadábád	Gházipur a.
मोहेशपुर	सौंथलपरगना क,	Mohespur	Southál Purgna.
महेशपुर	नदीया क,	Mahespur	Nuddeah c.
मंगरोल	सोरठ ब,	Mangrol	Soráth b.
मंगलौर	साहारनपुर ए,	Manglour	Sáháranpur a.
मंडावर	बिजनौर ए,	Mandáwar	Bijnor a.
मंडावर	जैपुर ज,	Mandáwar	Jaipur j.
मुरादनगर	मीरठ ए,	Muradnagar	Meerut.
मुरादनगर	तिपरा क,	Morádnagar	Tippera c.
मौधा	हमीरपुर ए,	Mowdhá	Hamirpur a.
मौधा	नागपुर न,	Mowdhá	Nágpur n.

डाकघर	ज़िला	Post Office	Zilla
मथुरा	पबना क,	Mathurá	Pubná c.
मथुरा	पेशावर प,	Mathrá	Peshawar p.
मथुरा	मथुरा ए,	Muttrá	Muttrá a.
मोहबा	जैपुर ज,	Mohba	Jaipur j.
मोहबा	हमीरपुर ए,	Mohobá	Hamirpur a.
महुवा	गोहिलवाड़ ब,	Mahuwá	Gohelwád b.
महुवा	मजफ़रनगर,	Mahuwá	Mozufferpur.
मिरज़ापुर	मिरज़ापुर ए,	Mirzápur	Mirzapur a.
मिरज़ापुर	बरहमपुर क,	Mirzapur	Berhampur c.
मिरज़ापुर	छपरा वि,	Mirzápur	Chupra be.
मिरज़ापुर	शाहजहानपुर ए	Mirzápur	Shahjehanpur a.
मियानी	सीयालकोट प,	Miani	Sialkote p.
मियानी	होशीयारपुर प,	Miani	Hoshiarpur p.
मलकापुर	कोल्हापुर ब,	Mulkápur	Kolhápur b.
मलकापुर	आकोला न,	Mulkápur	Akolá n.
मूरद	हबसन ब,	Moorood	Habsan b.
मूरद	रतनागरी ब,	Murud	Ratnágari b.
मउ	इन्दौर ए,	Mhow	Indore a.
मउ	झांसी ए,	Mau	Jhansee a.
मउ	आजमगढ़ ए,	Mau	Azamgarh a.
मनसूरगंज	भागलपुर क,	Monsurganj	Bhágálpur c.
मनसूरगंज	गोरखपुर ए,	Mansurganj	Gorakhpur.
नागोर	अजमेर ज,	Nagore	Ajmir j.
नागोर	तांजोर म,	Nagore	Tanjore m.
नेर	खानदेश ब,	Ner	Khandesh b.
नेर	अमरावती न,	Nair	Umrawati n.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
नांदगांव	रायपुर नं	Nandgaon	Raipur n.
नांदगांव	नासिक ब,	Nandgaon	Násick b.
नरायनपुर	कलकत्ता क,	Naráyanpur	Calcutta c.
नरायनपुर	मुरशेदाबाद कां,	Naráyanpur	Moorshedabad c.
नरायनगंज	ढाका क,	Naráyanganj	Dacca c.
नरायनगंज	जब्बलपुर	Naráyanganj	Jubbulpore n.
नवाबगंज	गोंडा ओ,	Nawábganj	Gonda o.
नवाबगंज	२४ परगना	Nawábganj	24 Purgunahs.
नवाबगंज	बरेली ए,	Nawábganj	Bareilly a.
नवाबगंज	ढाका क,	Nawábganj	Dacca c.
नवाबगंज (चपाइ)	मालदे क,	Nawábganj	Maldah c.
नवाबगंज	दिनाजपुर कां,	Nawábganj	Dinájpur c.
नवाबगंज	पुरनिया का,	Nawábganj	Purnea c.
नवाबगंज	कानपुर ए,	Nawábganj	Cawnpur a.
नवाबगंज	एलाहाबाद	Nawábganj	Allahabad.
नवाबगंज	फतेगढ ए,	Nawábganj	Fategarh a.
नवाबगंज	बारावंकी ओ,	Nawábganj	Bara Banki o.
नवाबगंज	एलियाबाद ओ,	Nawábganj	Alleabad o.
नूरपुर	कांगड़ा प,	Nurpur	Kangra p.
नूरपुर	होशीयारपुर प,	Nurpur	Hoshiarpur p.
नूरपुर	बिजनौर ए,	Nurpur	Bijnor a.
नौगांग	बुंदेलखंड	Nowgong	Bundelcund.
नौगांग	नौगांग, आ	Nowgong	Nowgong as.
नौगांग	कटक, का,	Nowgong	Katak c.
नवानगर (जामनगर)	राजकोट ब, ,,	Nawanagar (Jamnagar)	Rajkote b. ,,
नयानगर (बेवर)	अजमेर ज, ,,	Nyanagar (or Beawar)	Ajmir j. ,,
नवानगर	आरा बि,	Nawanagar	Arrah be.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
नौरंगाबाद	आकोला न,	Naurungábád	Akola n.
औरंगाबाद	,,	(Aurangabad)	,,
नौरंगाबाद	गुजरात प',	Naurungábád	Gujrat p.
नौरंगाबाद	गाया बि,	Naurungábád	Gya be.
नौशेरा	खानपुर प',	Nowshera	Khanpur p.
नौशेरा	पिशावर प',	Nowshera	Peshawer p.
नौशेरा	हैदराबाद सिं	Naushera	Hyderabad s.
नगीना	गुरगांव प',	Nagina	Gurgaon p.
नगीना	बिजनौर प,	Nagina	Bijnour a.
नलडांगा	जेशोर क,	Naldanga	Jessore c.
नलडांगा	रंगपुर क,	Naldanga	Rangpur c,
नरसिंगढ	दमोह न	Nursingarh	Damoh n.
नरसिंगढ	नरसिंगढ म,	Nursingarh	Nursingarh.
नरसिंगपुर	तिपरा क,	Nursingpur	Tippera c.
नरसिंगपुर	नरसिंगपुर न	Nursingpur	Nursingpur n.
नरसिंगपुर	शोलापुर ब	Nursingpur	Sholapur b.
नसीराबाद	खानदेश ब,	Nasirabad	Khandesh b,
नसीराबाद	अजमेर ज	Nasirabad	Ajmir j.
नसीराबाद	मैमनसिंग क	Nasirabad	Mymensing c.
उच	बहावलपुर प',	Ooch	Bahawalpur p.
उच	झंग प',	Ooch	Jhang p.
पलाशबारी	रंगपुर क,	Palashbari	Rangpur c.
पलाशबारी	सिलहट आ,	Palashbari	Sylhet as.
पनागर	बर्दवान क,	Panágor	Burdwan c.
पनागर	जब्बलपुर न	Panágar	Jubbulpore n.
पारबतिपुर	विजगापटम म,	Párbatipur	Vizgapatan m.
पारबतिपुर	दिनाजपुर क,	Párbatipur	Dinajpur c.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
पाटन	सतारा ब,	Patan	Satara b.
पटन	अब्बलपुर न,	Pattan	Jubbulpore n.
पाटन	अहमदाबाद ब	Patan	Ahmedábád b.
फुलपुर	एलाहाबाद ए	Phulpur	Allahabad a.
फुलपुर	बनारस ए,	Phulpur	Benáres a.
पेठापुर	माहिकान्ता बि	Pethapur	Máhikantá b.
पेठापुर	गोदावरी म,	Pethapur	Godavery m.
पाटि	परतापगड [illegible]	Patti	Partapgarh o.
पाटि	लाहौर प',	Patti	Lahore p.
फुलबारी	दीनाजपुर क	Phulbari	Dinajpur c.
फुलबारी	पटना बि,	Phulbari	Patna be.
पिंपलगांव	बुलडाणा न,	Pimpulgaon	Buldana n.
पिंपलगांव	नासिक ब,	Pimpulgaon	Nasick b.
परसा	दिनाजपुर क,	Pursa	Dinajpur c.
परसा	छपरा बि,	Pursa	Chupra be.
पीरगंज	दिनाजपुर क	Pirganj	Dinajpur c.
पीरगंज	रंगपुर क,	Pirganj	Rangpur c.
पंडुवा	हुगली क,	Pandooah	Hughly c.
पंडुवा	सिलहट आ,	Pundya	Sylhet as.
रायगंज	दिनाजपुर [illegible]	Raiganj	Dinajpur c.
रायगंज	पबना क,	Raiganj	Pabna c.
राजापुर	बरिसाल क,	Rajapur	Barisal c.
राजापुर	राजसाही क,	Rajapur	Rajshahi c.
राजापुर	परतापगढ अ	Rajapur	Pertabgarh o.
राजापुर	रतनागिरी ब,	Rajapur	Ratnagiri b.
राजापुर	बांदा ए,	Rajapur	Banda a.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
रायपुर	रायपुर न,	Raipur	Raipur n.
रायपुर	अम्बाला प',	Raipur	Umballa p.
रायपुर	मानभूम क,	Raipur	Manbhoom c.
रायपुर	बीरभूम क,	Raipur	Beerbhoom c.
राजगंज	मानभूम क,	Rajganj	Manbhoom c.
राजगंज	दिनाजपुर [illegible]	Rajganj R. H.	Dinajpur c.
राजनगर	बीरभूम क,	Rajnagar	Beerbhoom c.
राजनगर	दिनाजपुर क	Rajnagar	Dinajpur c.
रामगढ	हजारीबाग [illegible]	Ramgarh	Hazaribagh c.
रामगढ	मंडला न,	Ramgarh	Mandla n.
रामगढ	जैपुर ज,	Ramgarh	Jaipur j.
रामगढ	लुधियाना प',	Ramgarh	Ludhiana p.
रामगढ	आरा वि,	Ramgarh	Arrah bc.
रामनगर	बनारस ए,	Ramnagar	Benares a..
रामनगर	गुजरानवाला प'	Ramnagar	Gujranwala p.
रामनगर	कमाऊं ए,	Ramnagar	Kamaon a.
रामनगर	चमपारन वि,	Ramnagar	Chumparon bc.
रामनगर	फैजाबाद अ,	Ramnagar	Fyzabad o.
रामनगर	बाराबंकी अ,	Ramnagar	Bara Banki o.
रामपुर	रामपुर ए,	Rampur	Rampur a.
रामपुर	सहारनपुर ए	Rampur	Shaharanpur a.
रामपुर	जौनपुर ए,	Rampur	Jaunpur a.
रामपुर	बुसहीर प'	Rampur	Bussahir p.
राणीगञ्ज	बरदवान क,	Raneegunge	Burdwan c.
राणीगञ्ज	पुरनिया क,	Raniganj	Purneah c.
राणीगञ्ज	प्रतापगढ अ,	Raniganj	Pertapgarh o.
रिगौली	गया वि,	Reganli	Gya bc.
रिगौली	गोरखपुर ए	Reganli	Gorakhpur a.

डाकघर	ज़िला	Post Office.	Zilla.
रघुनाथपुर	कटक क,	Raghunathpur	Katak c.
रघुनाथपुर	मानभूम क,	Raghunathpur	Manbhoom c.
रघुनाथपुर	छपरा वि,	Raghunathpur	Chupra be,
रघुनाथपुर	मेदनीपुर क,	Raghunathpur	Medinipur c.
रघुनाथपुर	आरा वि,	Raghunathpur	Arrah be.
रानिया	गुरदासपुर प'	Rania	Gurdaspur p.
रानिया	सिरसा प',	Rania	Sirsa p.
रंगपुर	रंगपुर क,	Rungpur	Rungpur c.
रंगपुर	मुलतान प'	Rangpur	Mooltan p.
रसूलपुर	बरद्वान क,	Rasulpur	Bardwan c.
रसूलपुर	दिल्ली प'	Rasoolpore	Delhi p.
साहिबगंज	भागलपुर क,	Sáhebganj	Bhagulpore c.
(सकरीगली)	„	(or Sakrigali)	„
साहिबगंज	चमपारन वि,	Sahibganj	Chumparun be.
साहिबगंज	गोरखपुर प,	Sahibganj	Gorakhpur a.
साहिबगंज	बरद्वान क,	Sahibganj	Bardwan c.
साहिबगंज	बाकरगंज क,	Sahibganj	Backerganj c.
साहिबगंज	गया वि,	Sahibganj	Gya be.
सांतीपुर	नदीया क,	Santipur	Nuddea c.
सातीपुर	बालासोर क,	Santipur	Balásore c.
सिकन्दरा	मुंगेर क,	Sikandrá	Monghyr c.
सिकन्दरा	कानपुर प,	Sikandra	Cawnpur a.
सीकन्दराबाद	बलंदशहर प,	Sikandrábád	Bulandshahr a.
सेकन्दराबाद	हैदराबाद म,	Secundrábád	Hyderábád m.
शिगांव	धारवार ब,	Sheogaon	Ahmednagar b.
शेगाव	आकोला न,	Sheagaon	Akola n.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
शिरपुर	खानदेश ब,	Shirpur	Khándesh b.
सिरपुर	आकोला न,	Sirpur	Akola n.
सीतापुर	सीतापुर अ,	Sitápur	Sitápur o.
सीतापुर	मुलतान प',	Sitápur	Mooltán p.
सिहोर	भूपाल ए,	Sehor	Bhopal a.
सिहोर	गोहिलवाड ब,	Sihor	Gohelwár b.
सीवनी	जब्बलपुर न,	Seoneo	Jubbulpo1e n.
सीवनी	हुशंगाबाद न,	Seoneo	Hoshangabad n.
शाहाबाद	अम्बाला प,	Sháhábád	Umbálla p.
शाहाबाद	हैदराबाद म	Sháhábád	Hyde1ábád m.
शाहाबाद	शाहाबाद अ	Sháhábád	Sháhábád o.
शाहागंज	फैजाबाद अ,	Shákáganj	Fyzabad o.
शाहगंज	जौनपुर ए,	Sháhganj	Jaunpur a.
शाहजहानपुर	गुरगांव प,	Sháhjahánpur	Gurgaon p.
शाहजहानपुर	शाहजहानपुर ए,	Sháhjahánpur	Shahjahanpur a.
शेखपुरा	लाहौर प,	Shekhpura	Lahore p.
शेखपुरा	मुंगेर क,	Shaikhpura	Monghyr o.
शाहपुरा	जब्बलपुर न,	Sháhpurá	Jubbulpore n.
शाहपुरा	बैतुल न,	Sháhpurá	Betul n.
शाहपुरा	अजमेर ज,	Sháhpurá	Ajmir j.
शाहपुरा	मंडले न,	Sháhpura	Mandla n.
शाहपुर	बीरभूम क,	Sháhpur	Beerbhoom o.
शाहपुर	कांगरा प',	Sháhpur	Kángrá p.
शाहपुर	गुरदासपुर प',	Sháhpur	Gurdaspur p.
शाहपुर	शाहपुर प',	Sháhpur	Sháhpur p.
शाहपुर	मुजफ्फरनगर ए,	Sháhpur	Muzaffarnagar a.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
शाहपुर	थाना ब,	Sháhapur	Tanna b.
शाहपुर	निमार न,	Shahapur	Nimar n.
शहजादपुर	एलाहाबाद ए,	Shahzadpur	Allahabad a.
शहजादपुर	अम्बाला प',	Shahzadpur	Umballa p.
शहजादपुर	पबना क,	Shahzadpur	Pubna c.
सादरा	अहमदाबाद बं,	Sadra	Ahmedabad b.
शाहदेरा	लाहौर प'	Shahdera	Lahore p.
शाहदरा	मेरट ए,	Shahdara	Meerut a.
शेरपुर	पटना बि,	Sherpur	Patna be.
शेरपुर	बोगरा क,	Sherpur	Bogra c.
शेरपुर	मैमनसिंग क,	Sherpur	Maimensing c.
शिकारपुर	शिकारपुर सिं	Shikarpur	Shikarpur s.
शिकारपुर	नदीया क,	Shikarpur	Nuddea c.
शिकारपुर	बलंदशहर ए,	Shikarpur	Bulandsahr a.
शिकारपुर	चमपारन बि,	Shikarpur	Chumparun be.
शमशाबाद	फतेगढ ए,	Shamsabad	Fategarh a.
शमशाबाद	आगरा ए,	Shamsabad	Agra a.
सिरसा	सिरसा प',	Sirsa	Sirsa p.
सिरसा	एलाहाबाद	Sirsa	Allahabad.
सोनापुर	कलकत्ता	Sonapur	Calcutta.
सोनापुर	कामरुप आ,	Sonapur	Kamrup as.
सोनबरसा	मुजफरपुर बि,	Sonbarsa	Mozufferpur be.
सोनबरसा	भागलपुर,	Sonbarsa	Bhagulpur.
सुलतानपुर	जलंधर प',	Sooltanpore	Jullundhur p.
सुलतानपुर	सुलतानपुर अ,	Sultanpur	Sultanpur o.
सुलतानपुर	कलकत्ता	Sultanpur	Calcutta.
सुरजगढ	जैपुर ज,	Surajgarh	Jaipur j.
सुरजूगढ	मुंगेर क,	Surjogarh	Monghyr c.

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
श्रीनगर	अलमोरा ए,	Srinagar	Almora a.
श्रीनगर	अजमीर ज,	Srinagar	Ajmir j.
श्रीनगर	ढाका क,	Srinagar	Dacca o.
संथीया	पबना क,	Santhia	Pubna c.
संथीया	बीरभूम क,	Synthea	Beerbboom o.
सैयदपुर	गाजीपुर ए,	Sayadpur	Gházipur a.
सैयदपुर	दिनाजपुर क,	Sayadpur	Dinajpur c.
सैयदपुर	बलंदशहर	Sayadpur	Bulandshahr a.
ताजपुर	दुरभंगा बि,	Tajpur	Durbhanga bo.
ताजपुर	सिलहट आ,	Tajpur	Sylhet as.
टांडा	हुशियारपुर प,	Tanda	Hoshiarpur p.
टांडा	फैजाबाद अ,	Tanda	Fyzabad o.
वाला	राजकोट ब,	Wala	Rajkote a.
वाला	राजशाही क,	Wala	Rajshahi c.
वजीरगंज	गोंडा अ,	Wazirganj	Gonda o.
वजीरगंज	गया बि,	Wazirganj	Gya bo.

उपरोक्त डाकघरोंके साथ जिलेतो लिखेहोहैं पर उनके ऊपर जोनिशान लिखेहैं वहसब हातोंका समझ ना जैसे:—क, कलकत्ताहाता ब, बम्बईहाता म, मदराजहाता ए, एलाहाबाद अ, अवध ज, राजपुताना न, नागपुर स, सिंध आ, आसाम बि, बिहार और र, रंगून।

चिट्ठी गैर बदले पडजानेका दुसरा सबब [redacted] है कि मुडिया अर्थात् बेमात्राके हरफों में मुकामका नाम एकका लिखा हुआ दुसरा आदमी कुछका [redacted] पढ़लेता हैं इस लिये थोडेसे मिलते हुए शहरोंकेनाम यहां लिखते है इसपर खियाल रखके जिलेके साथ लिखना चाहिये।

डाकघर	जिला	Post Office	Zilla
आरी	जब्बलपुर,	Aree	Jubbulpore.
आरा	बिहार,	Arrah	Behar.
आंकोला	अहमदनगर,	Ankola	Ahmednagar.
आकोला	बेरार,	Akola	Berar.
बांदा	बांदा,	Banda	Banda,
बुंदी	राजपुताना,	Bundi	Rajputana.
बोदा	जलपाइगुरी,	Boda	Jalpaiguri.
बोलीया	राजसाही,	Bauleah	Rajshahye.
बलिया	गाजीपुर,	Ballia	Ghazipur.
चंदौस	अलिगढ़,	Chandaus	Alligarh.
चंदौसी	मुरादाबाद,	Chandausi	Moradabad
डौसा	जैपुर,	Dausa	Jaipur.
डीसा	पालनपुर,	Deesa	Palanpur.
हरदी	मुजफरपुर,	Hardi	Mozafurpur.
हरदा	हुसंगाबाद,	Harda	Hoshangabad.
जेवर	बलन्दशहर,	Jewer	Bulandshahr,
जावरा	इन्दौर,	Jawra	Indore.
जालना	आकोला,	Jalna	Akola.
जालौन	मुजफरनगर,	Jilaun	Muzafarnagar.
झुंझनुं	जैपुर,	Jhanjhnu	Jaipur.
झांझना	मुजफरनगर,	Jhanjhana	Mozaffurnagar.
जौनपुर	बनारस,	Jaunpur	Benares.
जानीपुर	नद्दीया,	Janipur	Nuddea.

I	आई	मैं	us	अस्	हमें, हमको
he	ही	वह	[redacted]	सो	ऐसा
it	इट्	वह, यह	up	अप्	पर, उपर
we	वी	हम	on	ऑान्	पर, उपर
ye	ई	तुम	in	इन्	में, भीतर
ox	ऑक्स	बैल	as	ए'ज्	ऐसा, जैसा
am	एम्	हूं	if	इफ्	जो, अगर
is	इज्	है	of	ऑाफ्	का, साथ
be	बी	होना	by	बाई	पास, साथ
go	गो	जाना	to	टु	को, पास
do	डू	करना	at	ए'ट	तरफ,दर,पर
lo	लो	देख देखो	an	ए'न्	एक
me	मी	मुझे	no	नो	नहीं, ना
my	माई	मेरा	or	ऑार	या, अथवा,

Lesson लेसन पाठ २ ।

I am	मैं हूं	He is	वह है	It is	यह है
we go	हम जावें	Do it	यह करो	My ox	मेरा बैल
An ox	एक बैल	Go up	उपर जाओ	Go on	चलो

I am up	मैं उपर हूं	Do we go ?	क्याहम जावें ?
He is up	वह उपरहै	I go up	मैं उपर जाउं
It is so	यह ऐसाहै	Is he in ?	क्यावह भीतर है ?
We go in	हम भितर जावें	He is up	वह उपर है
We do so	हम ऐसा करें	Go by us	हमारे साथ चलो
If I be	अगर मैं होउं	He or I	वह अथवा मैं

Lesson लेसन् पाठ ३।

the	दी	वह	boy	बॉय	लड़का
can	कैन्	सकना	sun	सन	सूर्य
see	सी	देखना	son	सन्	बेटा
you	यू	तुम	box	बॉक्स	बकस
run	रन्	दौड़ना	hot	हॉट्	गरम
ill	इल्	बीमार	fat	फैट्	मोटा
him	हिम्	उसको	may	मे	सकना
let	लेट्	परवानगीदेना	say	से	कहना
sit	सिट्	बैठना	put	पुट्	रखना
now	नौ	अब	sin	सिन्	पाप
buy	बाई	खरीदना	bad	बैड	खराब
ten	टेन्	दश	bag	बैग्	थैला

Lesson लेसन पाठ [illegible]।

I can see	मैं देखसकूं	A fat boy	एक मोटा लड़का
Can you run ?	क्या तुम दौड़सकते ?	I see the sun	मैं सूरज देखताहूं
He is ill	वह बीमार है	How is he ?	वह कैसा है ?
Sit by me	मेरे पास बैठो	My son is up	मेरा लड़काउपरहै
Let him sit	उसे बैठने दो	You may sit	तुम बैठ सकते
Let us buy	हमे खरीदने दो	Do as we say	हम कहैं वैसाकरो
Now go on	अब आगे चलो	He is my son	वह मेरा लड़काहै
Buy ten bags	दश थैले खरिदो	You can go	तुम जा सकते हो
Put the box	वह संदूक रक्खो	Let him go	उसे जाने दो
Sun is hot	सूर्य तपता है	Go to him	उसके पास जाओ

Lesson लेसन् ५ ।

she	शी	वह (स्त्री)	all	ऑल्	तमाम, सब
are	आर्	हैं	and	एण्ड	और
bed	बेड्	बिछौना	cap	कैप्	टोपी
try	ट्राई	कोशिशकरना	yes	यस्	हां, सच्
why	ह्वाई	क्यों किसवास्ते	use	यूज	काम लाना
not	नॉट्	नहीं	pen	पेन्	कलम्
ask	आस्क	पूछना,मांगना	eat	इट्	खाना
tin	टिन्	टिन, रांगा	who	हू	कौन
one	वन्	एक	fit	फिट्	लायक्
for	फोर्	वास्ते, बाबत्	his	हिज्	उसका, अपना
sir	सर्	साहिब, सेट्	ate	ऐट्	खाया

Lesson लेसन् पाठ ६ ।

I can sit on the box	मैं उस संदुकपर बैठ सकता हूं
Buy ten boxes of caps	दश पेटी टोपियांकी खरीदो
Put it on the bed	इसको बिछौनेपर रक्खो
Go one by one	एक एक करके जाओ
Is she so ill?	क्या वह ऐसी बीमार है ?
Who is that man?	वह आदमी कौन है ?
I do not ask him	मैं उसको नहीं पूछता हूं
Why do you say so?	तुम ऐसा क्योंबोल तेहो
I ask him to do so	मैं कहता हूं ऐसा उस्को करने को
Do not eat it	यह मत खाओ

Leson लेसन पाठ ७ ।

buy	बाइ	खरीदना	about	एबौट्	आसरे बाबत्
rate	रेट्	भाव, दर	daily	डेली	रोजरोज
bale	बेल्	गांठ	market	मार्कीट	बाजार
cloth	क्लाथ्	कपड़ा	reply	रिप्लाइ	जवाब देना
less	लेस्	कमती	price	प्रैस	भाव, कीमत
more	मोर	जियादह	opium	ओपियम्	अफीम
high	हाइ	ऊंचा, तेज	wheat	ह्वीट्	गेहूं
sell	सेल्	बेचना	ready	रेडी	तैयार
soon	सून	जल्दी	remit	रिमिट्	भेजना, देना
rice	राइस्	चावल	check	चेक्	हुंडी, चेक्
till	टिल्	तक	grain	ग्रेन्	अन्न,दाना,गल्ला
draw	ड्रा	हुंडीलिखना	firm	फर्म	मजबुत,दुकान

Lesson लेसन् पाठ ८ ।

Buy at market rate	बाजार भाव खरीद करो
Buy ten bales of cloth	दश गांठ कपड़ेकी खरीदो
Buy one less or more	एक कम या जियादह खरीदो
Sell at high rate reply	तेज भाव में बेचके जवाब लिखो
Buy at market rate	बाजार भाव खरीद करो
Sell soon all rice	चावल सब जलदी बेचो
Sell till ten, not less.	दशसें कमती भाव में मत बेचो
Send 200 rice bags.	२०० थैले चावलके भेजो
Send ready wheat bags	तइयार गेहूं के थैले भेजो
I am ready to remit.	मैं रकम भेजनेको तैयार हूं
Draw Jaipur 5000 Hundi	५००० की जैपुरकी हुंडी करलो

Lesson लेसन् पाठ ९ ।

ship	शिप	जहाजमें चढ़ाना	upon	अपॉन्	उपर
gram	ग्रॅम्	चना	from	फ्रॉम्	से
will	विल्	गा, गो, गे	shall	श्यल्	गा, गो, गे
start	स्टार्ट	रवाने होना	very	वेरी	बहुत
come	कम्	आना	good	गुड्	अच्छा
don't	डोन्ट	मत	news	निउज	खबर
delay	डिले	ढील	what	ह्वाट्	क्या
dull	डल्	मंदा, सुस्त	want	वान्ट	चाहना
there	थेयर्	वहां	your	योर	तुम्हारा
five	फाइव	पांच	name	नेम्	नाम
half	हाफ्	आधा	live	लिव्	रहना
note	नोट्	नोट चीठी	that	दैट्	वह, जो कि

Lesson लेसन् पाठ १० ।

Dont buy any more	और मत खरीदो
Dont sell any more	और मत बेचो
Grain market is firm	गल्ले का बाजार मजबूत है
Ship all wheat bags	गेहूं के सब थैले चढ़ाओ
Reply if wheat ready	गेहूं अगर तैयार होवेतो जबाबभेजो
When will you strart	तुम कब रवाने होओगे
Market is dull sell there	बाजार मंदा है वहां बेचो
What news are there	वहां क्या खबर है
What are you doing	तुम क्या करते हो ?
What do you want	तुम क्या चाहते हो
What is your name	तुम्हारा नाम क्या है ?
Sent five half notes	पांच आधे नोट भेजे हैं

Lesson लेसन् पाठ ११ ।

apply	अंप्लाइ	लगाना	arrival	अरैवल्	आमदानी
equal	इक्वल्	बराबर करना	arrive	अरैव	आना, पहुंचना
report	रिपोर्ट	खबर देना	quality	क्वालिटी	जात
rupee	रुपी	रुपया	linseed	लिनसीड	अलसी तीसी
money	मनी	रकम रुपया	bargain	बार्गेन्	सवदा
without	विदौट्	बगैर, बिना	sharp	शार्प	जलद, तेज
be ready	बिरेडी	तैयार रहो	be sharp	बीशार्प	जलदी करो

Lesson लेसन् पाठ १२ ।

apply ten louds Teji	दश बोजोंकी तेजी लगाओ
Report your arrival him	तुम्हारे आनेकी खबर उसको देओ
The ship will arrive soon	वह जहाज जलदी आवेगी
Equal all arrival bargain	आमदानी सवदा सब बराबर करो
Sell arrival linseed sharp	आमदनी तीसी जलदी बेचो
Buy grains of good quality	अच्छी जातका गल्ला खरीदो
Come here without delay	यहां आओ ढील मत करो
What do you want from me	तुम मुझसे क्या चाहते हो
I will go there with money	मैं वहां रुपयोंके साथ जाउंगा
Be sharp to send rupees	रुपये भेजने में जलदी करो
May I draw darsani Hundi	मैं दरसनी हुंडी करुं क्या
Be ready to send in cash	रुपये भेजनेको तइयार रहो
I want to draw more reply	और हुंडी करने चाहता हुं जवाब
Dont draw without order	हुकम बिना हुंडी मत करो

Lesson लेसन पाठ १३ ।

sold	सोल्ड	बेचा	averago	अवरेज्	भाव
chest	चेस्ट	पेटी	bought	बॉट्	खरीदा
please	पलिज्	महरवानीकरके	account	एकौंट	हिसाब
order	ऑरडर	हुकुम	demand	डिमेण्ड	चाह मांग
post	पोस्ट	डाकमेंभेजना	accept	एक्सेपट्	सकारना
tight	टैट्	तंग तंगी	detail	डिटेल	वेरेवार

Lesson लेसन् पाठ १४ ।

Sold ten chests your account	दशपेटी तुम्रे हिसाब बेची हैं
Please send order to sell	मेहरबानगीकरकेबेचनेकाहुकमभेजो
Bought 100 chests of average	एकसो पेटी आवरेजकी खरीदी हैं
Send your account in detail	तुम्हारा हिसाब वेवरेवार भेजो
Send soon your account	तुम्हारा हिसाब जल्दी भेजो
Accept our due Hundis	हमारी पूगती हुण्डियां सकारो
The money market is tight	रुपयोंकी बाजार में तंगी है
Pay the money on demand	मांगने माफ रुपया देवो
Demanded account is sent	हिसाब मङ्गवाया सो भेजा है
Eat Teji average not above	तेजी खाओ आवरेज ऊंचा नहीं
Eat mandi average not less	मन्दी खाओ आवरे जकमती नहीं
Do Teji work opinion high	तेजीका काम करोरुख तेज
Telegraph opinion and rate	रुखका और भावका तार भेजो
China dull sell highly	चीनमंदी बेचोऊंचेसे
Arrange 500 hundis reply	हूण्डी ५००हजारका बंदोवस्तकरो
Tell Ramjee dont start now	रामजीको कहो मतरवाने होओ
Market irregular, bargain carefully	बजारका कुछ ठीकाना नहीं है होशियारी से काम करो

Lesson लेसन् पाठ १५ ।

Good morning.	फजरकी सलाम	Mend my pen.	मेराकलम बनाओ
Good evening.	शामकी सलाम	Ring the bell.	घण्टा बजाओ
Good night.	रातकी सलाम	Do you smoke	क्या हुक्कापीते हो
Good day.	मुलाकातकेवेसमें	Speak slowly.	धीरे धीरे बोलो
Good by.	सलाम	Hold the horse.	घोड़ा पकड़ो
Go quickly.	जलदी जाओ	Drive quickly.	जलदी हांको
Go away.	चले जाओ	Stop stop.	ठहरो ठहरो
Very good.	बहुत अच्छा	Make tea.	चाह बनाओ
Yes, sir.	हां, साहिब	How many.	कितने
All right.	ठीकहैबहुतअच्छा	How much.	कितना
What is this	यह क्या है	What thing.	क्या चीज
Who is that	वह कौन है	Send for him	उसको बुलाओ
Say that again	वह फिर कहो	For what.	क्यावास्ते
No matter.	चिन्ता नहीं	To whom.	किसको
Shut the door.	दरवाजाबंदकरो	Be happy.	खुशी रहो
Open the door.	दरवाजा खोलो	Be careful.	होशियार रहो
Light the lamp.	चिराग जलाओ	Dont bother.	दिक मत करो
Don't forget.	भूलो मत	I want.	मैं चाहता हूं
Be silent.	चुप रहो	I think.	[redacted] करता हूं
Come here.	इधर आओ	Never mind.	मुजाका नहीं
Come near.	नजदीक आओ	What news	क्या खबर
Let it alone.	रहने दो	What I do.	मैं क्या करूं
Who are you	तुम कौन हो	I don't know.	मैं नहीं जानता
Of course.	अलबत्ता	Listen to me.	मेरी सुनो
One of them.	उनमें से एक	Up to date.	आज तक

Lesson लेसन् १८।

God created the world.	ईश्वरने दुनियांको बनाई है
Good morning, sir.	सलाम साहिब
where you have been?	तुम कहां हो आये?
Sir, I have been at Benares	साहिब, मैं बनारस हो आया
How long have you been there	वहां कितने दिन लगे?
Have you ever been Agra?	क्या कभी तुम आगरे गये हो?
Give me some thing to eat.	मुझे कुछ खानेको दो
What will you like	क्या खाओगे?
I should like a mangoe.	मुझे आम चाहिये
It is not now mangoe season	यह अब आमकी मौसिम नहीं है
What have you then.	तब आपके पास क्या है
I have an orange.	मेरे पास नारङ्गी है
Whose servant is he?	वह किसका नौकर है?
He is my servant,	वह मेरा नौकर है
Where does he live?	वह कहां रहता है?
He lives at Howrah.	वह हवड़े में रहता है
Call Ramji at once.	रामजीको जलदी बुलाओ
He nas just went away.	वह अभी गया है
What is the cause of this?	इसका सबब क्या है?
I do not know, sir.	मैं नहीं जानता हूं, साहिब
At what time shall I come.	मैं कौन वक्त आऊं
Come to-morrow morning.	कल फजरके वक्त आओ
To-day I am very busy	आज मेरेको फुरसत नहीं है
I am not afraid of you	तुम्हारा मुझे डर नहीं लगता है
It is not dafe to speculate	बगैरसमझेफाटकाकरनाअच्छानहीं
He is extremly avaricious	वह बहुत कृपन है
This fruit is very acid	यह फल बहुत खट्टा है

Lesson लेसन पाठ २०।

I agree to what you say	जो तुम कहते हो मंजूर करता हूं
Allow me to go with you	मुझे आपके साथ लेचलो
Do you approve what I say	क्या तुम मैं कहता सो मंजूर करतेहो
He gives me much trouble	वहमुझको बहुत तकलीफ देता है
I shall now close his account	मैं अब उसका हिसाब बंद करूंगा
I cannot cancel this matter	मैं यह काम रद्द नहीं कर सकता
I wil desire him to do so	मैंने उसको ऐसा करनेको पूछा
I can not disobey his order	मैं उसका हुकम अदूलीकरसकतानहीं
Enclose my letter in yours	तुम्हारीचीठीमें मेरीचीठी बंदकरदो
When did that happen ?	यह कब हुआ ?
Do you hear what I say ?	मैं जो बोलताहुं क्या तुम सुनते हो
Listen to what I tell you	जो मैं बोलं उसको सुनो
Why do you delay to do this	यह करने में क्यों ढील करते हो
What is the matter With you	तुम्हारे क्या हुआ ?
You are very lazy	तुम बहुत सुस्त हो
Where are you going ?	तुम कहां जाते हो ?
I am going to Rajaram	मैं राजा रामके पास जाता हूं
When will you start ?	तुम कब रवाना होगे
I will start in a day or two	मैं एक दो दिनमे रवाना होऊंगा
I was delighted to see him	मैं उसको देखकरके बहुत खुशहुआ
Will you go instead of me ?	क्या तुम मुझे यह कीताब दोगे ?
Will you give me this book ?	क्या तुम मेरी एवज में जाओगे ?
The jackal is very cunning	शीयाल बहुत चतुर है
Does this make you angry ?	इस सें तुम को क्या गुस्सा होगा ?
Yes, I am very angry	हां, मेरेको बहुत गुस्सा हुआ है
What use is made of this ?	यह क्या काम आता है ?
This is ■ secret, I must not tell	यह गुप्त है मुझे कहनानहीं चाहिये

Lesson लेसन् पाठ २१ ।

Can you speak English ?	क्या तुम अंगरेजी बोल सकते हो ?
I can speak a little	मैं थोड़ी बोलने सकता हूं
I know [redacted] few words	मैं थोड़े लफ्ज जानता हूं
I can read, but cannot speak	मैं पढ़ने सक्ता लेकिन बोलने नहीं
I have bought a Grammar	मैंने एक व्याकरण खरीदी है
It is very good school	यह बहुत अच्छी स्कूल है
Please to give me a book	मिहरबानी करके मुझे एक किताब दो
He pronounces very well	वह बहुत अच्छा उच्चारण करता है
Where is to-day's lesson ?	आजका पाठ कहां है ?
I have learned my lesson	मैंने अपना पाठ सीखलिया है
Can you say it by heart ?	[redacted] तुम यह जबानी बोल सको ?
Don't read so loud	ऐसा पुकारके मत पढ़ो
Do you understand ?	क्या तुम समझते हो ?
No, I do not understand	ना, [redacted] नहीं समझता हूं
I do not know the meaning	मैं वह अर्थ नहीं जनता
These are very easy words	यह लफजें बहुत सहल है
If I speak wrong correct me	अगर मैं गलत् बोलुं तो सुधारदो
Tell me if I speak wrong	मैं अगर अशुद्ध बोलूं तो कहदो
I told him six times over	मैंने उसको छै वक्त कह दिया है
Read what you have written	पढ़ो जो कुछ तुमने लिखा है
What are you looking for ?	तुम क्या देखते हो ?
Why have you come so late ?	इतनी देरसे क्यों आया ?
School closes at 5 o'clock	स्कूल ५ बजे बंध होती है
Hang up your slate	तुम्हारी सलेट टांग रक्खो
Take up the inkstand	दवात उठाओ
Where is my pen ?	मेरा कलम कहां है

Lesson. लेसन् पाठ २२।

Where are your books ?	तुम्हारी कीताबें कहां हैं ?
Where did you lay them ?	तुमने उनको कहां रक्खा ?
I cannot write with this pen	मैं इस कलम से नहीं लिख सकता
Let me look at your writing	तुम्हारे लिखनेको तरफ देखने दो
Stand in your proper places	अपनी जगह पर ठीक खड़े रहो
I have not room to write	मेरेको लिखनेको जगह नहीं है
Look at your book	तुम्हारी कीताबको तरफ देखो
Why do you look at me ?	मेरी तरफ क्यों देखते हो ?
Why don't you speak ?	तुम क्यों नहीं बोलते हो ?
How do you know it is so ?	यह ऐसाहै तुम किसमाफिकजानो
It is time to go home	यह घर जानेका वक्त है
Why find fault with me ?	मेरे में कसूर क्यों निकालते हो
He is unable to get up	वह उठने लायक नहीं है
Give me leave to go with you	तुमहारे साथ जानेको मुझे रजाहा
I have a mind to go now	मेरा इरादह अब जानेका है
Bid him hold his tongue	उसको चुप रहनेको कहो
Make haste and come back	जलदी करके लोट आओ
When did this take place	यह कब हुआ
I wish to take your advice	मैं तुम्हारी सलाह लेने चाहता हूं
Lend me ten rupees	मुझको दश रुपये करज दो
Why do you demand twenty ?	तुम बीस क्यों मांगते हो
Take what is your due	तुम्हारा वाजब है सो लो।
I owe you only five rupes	मेरीतरफतुम्हारापांचरुपयाबाकीहै
What will you take interest	तुम क्या ब्याज लेवोगे
At 12 per cent, not less	१२ रुपये सैकड़े से कम नहीं
I am ready if you like	अगर मरजी हो तो तैयार हूं

Lesson लेसन् पाठ २३ ।

It is sinful to kill animal without cause.	जानवरों को बेसबब जानसें मारना गुन्हा है
I hope I shall soon have the pleasure of seeing you.	तुम्हारे साथ जलदी मुलाकात कर के खुशहोऊंगा ऐसी आशा है
It seems you have taken in	यह मालूमहोताहैकि तुम ठगा आये
Sir, your orders shall be executed without delay.	साहिब, आपका हुकम फौरन बजलाया जावेगा
We ought daily and hourly to pray to God.	हमेशा और हरघड़ी ईश्वर भजना हमको मुनासिब है
If I had known this before, would not told him.	अगर मैं यह पहिला जानता तो उसको नहीं बोलता
Why do you say Contrary to what I tell you ?	[illegible] तुमको जो बोलता हुं उससे उलटा क्यों बोलते हो ?
Go there, and enquire whether they have arrived or not.	जा करके चौकसी करो वे आय है या नहीं
Remind me of this to-moroaw morning at 10 or ½ past.	यह बात कल १० तथा १० ।। बजे मुझे याद दिला देना
Pray, tell your master I wish to see him to-morrow.	मिहरबानी करके तुम्हारे मालिक से कहो मैं कल उनसे मुलाकात करने चाहता हूं
It is all nonsense going round about.	लम्बा चौड़ा कहने मे कुछ फायदा नहीं है
Before I had [illegible] great desire to him but not now.	पहिले मुझको उसको बहुत दरकार थी लेकिन अब नहीं है
If you wish to take it take it ; or else go away.	अगर तुमको यह लेना हो तो लेओ नहीं तो चले जाओ

Lesson लेसन् पाठ २४ ।

I am working against time.	मुकररीवक्तके सिवा काम करता हूं
What are you about ?	तुम क्या करते हो ?
He was quite at his ease	वह चैन [redacted]
I take you at your word	तुमने जोकहा उसीमुजब करता हूं
Go and ask how he is to-day	जाकरके पुछो वह आज कैसा है
Has the fever abeted or not ?	तप कुछ आज कमती [redacted] क्या ?
I have got fever	मेरेकोबुखार आया [redacted]
When were you taken ill ?	तुम्हारा मिजाजकब बिगड़ा ?
Last night at bed time	कलरातको सोनेके वक्त
Let me feel your pulse	तुम्हारी नबज दिखलाओ
Show me your tongue	तुम्हारी जीभ दिखलाओ
Have you any oppetile ?	तुमको भूख लगती है क्या ?
Very little	बहुत कम
Are you bowels regular ?	क्या तुम्हारे दस्त ठीक आता है ?
I am rather castive	मेरा कोठा [redacted] सख्त [redacted]
Did you understand what I said to you ?	[redacted] तुमको जो कहा तुम समझ लिया हैं क्या ?
Yes, what must I eat	हां समझा, लेकिन मैं [redacted] खाऊं
You must eat nothing to-day	आजतुमको कुछनहीं खानाचाहिये
I shall see you again	मैं तुमको देखनेको फिर आऊंगा
I am very much obliged to you for your kindness	आपकी मिहरबानगी है इसवास्ते [redacted] आपका बहुत अहसानमंद हूं
Well, good by	अच्छा, सलाम
I will come to-morrow	मैं कल आऊंगा
Please come after 9 o'clock	मिहरबानगीकरकेटबजे बादआओ
What o'clock is it ?	कितने बजे हैं ?

Lesson लेसन पाठ २५।

Good men are scarce in the world, but bad men are plentiful.

अच्छे आदमी दुनियामें थोड़े है लेकिन खराब बहुत है

I told him what I thought right, but he did not listen to me.

मैं ने वाजब विचारकी कहा लेकिन उसने सुना नहीं

He told me many things, but I was quite mute.

उसने मुझको बहूतसी बाते कही लेकिन मैं तो चुपही रहा

I was to come here yesterday; but having something I did not.

मैं कलदिन आनेवाला था थोड़ा काम होगया इसलिये नहीं आया

I asked him for the book ! but he did not lend it to me.

मैं ने उसको उस किताबके वास्ते कहा लेकिन उसने दी नहीं।

I told him that if he would satisfy me that he did not charge me more than the market price for the grain, I would give him the money he asked.

मैं ने उसको कहा कि अगर तुम अनाजकी कीमत बजार भावसे जियादह नहीं लेओ, ऐसी खातरी कर देओ तो मैं तुम्हारे कहने मुजब रुपये देऊंगा।

I wrote to Ram this morning, and told him that I would send him the book in a day or two ; if he did not want it sooner.

मैं ने आज फजर रामको लिखा है कि अगर आपको कीताब की जरुर न होतो एक दोय रोज में भेजूंगा।

If he had informed me on this subject a week before, I would have acted in Conformity with his wishes.

अगर वह इस बाबत में मुझको एक हफता पहिले बोलता तो मैं उसकी मरजी मुवाफक करता।

I conjure you by God, not to mention this business to any ono

मैं तुमको खुदाकी कसमदेके कहताहूं कि यह बातकिसी आगेमतबोलो

Please tell me, what will be tho expense of doing this.

मिहरबानगी करके बोलो इस करनेसे क्या खरच होगा।

Lesson लेसन् पाठ २६।

D. Ram said, I am going home.

I. Ram said, that he was going home.

रामने कहा मैं घर जाता हूं।

D. You said I am going home.

I. You said that you were going home.

तुमने कहा मैं घर जाता हूं।

D. I said to him, you are the man that I want.

I. I told him that he was the man that I wanted.

मैंने उसको कहा की मैं चाहताहुं वही तुम आदमी हो।

D. I said to him, why do you act thus

I. I asked him, why he acted thus

मैंने उसको कहा तुम ऐसा क्यों करते हो

D. I said to him, why do you not go home

I. I asked him, why he did not go home

मैंने उसको कहा तुम घरको क्यों नहीं जाते हो

D. You said to him; where did I go Yesterday

I. You asked him where you had gone yesterday

तुमने उससे पूछा मैं कल कहां गया था।

D. He said to me, were you once in the army

I. He asked me if I had been once in the army

उसने मुझसे कहा तुम एक मरतबालश्कर में थे।

D. I say am going home.

I. I say that I am going home.

मैं कहके घर जाता हूं।

D. I told him not to talk nonsense.

I. I told him not to talk nonsense.

मैंने उससे कहा बेहुदा मतबको।

Telegraphic news तार संबन्धी समाचार

Of opium अफीमका।

Buy twenty chests tenth sale
बीसपेटी दशवे लीलामकी खरीदो
Purchase sold chests reply.
बेचीहुईपेटियां खरीद करो
Buy soon china 600 firm.
जलदी खरीदो चीन ६०० मजबूत
Untransacted 1800 dutarfa 20.
सवदा नहीं बना १२०० दुतरफा२०
Sauda undone average 1802.
सवदा नहीं बना अवरेज १२०२
Sell 200 till 1290 telegraph.
२००पेटी १२९० तक बेचके तारभेजो
Telegram received resell all.
तारपहुंचा सब पीछी बेचो
Dont sell if sold repurchase.
मतबेचो अगर बेचाहो पीछाखरीदो
Buy in auction 200 chests.
नीलाममें २००पेटी खरीद करो
Will send buying to-morrow.
कलके दिन खरीदी भेजूंगा
Apply ten chests 1300 teji.
दशपेटीका १३००की तेजी लगाओ
Applied ten chests 1300 teji 15
दशपेटी १३००की तेजी १५लगाया

Sellers confusing market firm.
बेचवाल घबराते हैं बजार मजबूत
Confusing telegraph certain.
घबरातहुं निश्चय तार भेजो
Cannot write transact as best.
लिखने सकुं नहीं अच्छाहो सो करो
Fraud uncertain but beware.
खेलाकोठीकनहीं पर होशीयार रहो
Here nothing sell doutless.
यहां कुछ नहीं है बेशक बेचो
Make teji work immediately.
जलदीसे तेजीका काम करो
Do mandi work at once.
मंदीका काम एकदम करो
Fraud certainly change soon.
खेलापक्का जलदी बदलेगा
Who doing mandi work reply.
मंदीका काम कौन करता है
जबाब भेजो
Dont fear market declining.
डरोमत बजार घटता है
Market unsteady be carefull.
बजार स्थिर नहीं होशीयार रहो
Heavy loss please assist me.
भारी नुकसान कृपा करकेमददो

Market irregular dont see china, stop bargain at all.

बजारका ठीकाना नही चीनको मत देखो लेना बेचना बिलकुल बंद करो ।

1298 but temporary fearless.

१२९८ लेकिन थोड़े वक्तकेवास्ते है

Reply your avergae opinion.

आवरेजकी तुमारी बख लिखो

1360 my aspect not less.

१३६० मेरी बख कमती नहीं

Average opinion not high.

आवरेजकी बख तेज नहीं

Thinking average about 1200

दीखता है आवरेज करीब १२००

Rumoured that Government will publish 50000 chests..

सरकार ५०००० बेचैगी ऐसा रोला

Now market depending on new chests selling.

अभी बजार नई पेटियों पर है

China crop partially damaged.

चीनकी [redacted] कहीं२ खराब हुई

Buy 10 loads till 79 reply.

१०बोजा ७९तक खरीद करकेलिखो

Sell 50 chests bysak reply.

५० पेटी बैसाखकी बेचके लिखो

Boja price to-day cut off 75.

आज दिन बोजोंका भाव ७५कटा है

Heavy rain crop suffering.

बरसात बहुत फसल बिगड़ती [redacted]

Buy crop damaged partially.

खरीदो पाक कहीं२ बिगड़ा है

Damaged partially by hail.

ओलोंसे थोड़ा नुकसान हुआ है

Apply figure 5 here 3.

५ आखर लगाओ यहां ३ है

Dont apply cipher but eat.

बिंदी लगाओ मत लेकिन खाओ

Make 6 if 5 receive 2000,

५ होवे तो ६करो लेओ २०००

Recived, if so require 3000.

तारपाया योंकरोतो ३००० चाहिये

Ship 25 chests to china.

२५ पेटी चीनको भेजो

Shipped your account 25.

तुम्हारे हिसाब २५ पेटी भेजदी है

Shippers buying market firm.

चलानी वाले खरीदते हैं मजबूत

Shipped 3500 remained 200.

३५०० पेटी चढी बाकी रही २००

China stocks 1500 here 500.

चीनमें इस्टाक १५०० यहां ५००

China steamer arrived to-day.

चीनकी इस्टीमर आज आपहुंचो है

Drawn lac sight to-day.
आज दिन एकलाखकी दरशनीकीहै

Accept Ramjis rakhias Hundi.
रामजीके राख्याकी हुंडी सकारो

Dont accept Ramji's Hundi.
रामजीकी हुण्डी मत सकारो

Dont accept Benares account.
बनारस खाते हुण्डी मत सकारो

Pay 2000 to B. R. send receipt
बी.आर.को २००० देके रसीद भेजो

Don't return Indore Hundi.
इन्दौरकी हुण्डी पीछी मतलोटाओ

Send remittance Hundi came.
एवज भेजो हुण्डी आई है

Unless money cant accept.
रकम बगैर नहीं सकार सकता

Unaccepted 1200 but trying.
१२००की सकरी नहीं, चेष्टा करता

B. N. dishonoured 1000 bill.
बी. एन १००० का बिल नहींसकारा

Dont return without protest.
पटेस कराये बिना मत लौटाओ

Dishonour Abus sight Hundi.
आबूकी दरशनी हुण्डी मत सकारो

On demand pay 2000 to B. C.
२०००की. सी. को तुरत देके लिखो

Ramjis work disorder beware.
रामजीकाकाम गोलमालहोशीयार

B. D. failed due to us 2000
बी.डी.फेलहोगया हमरा२००० बाकी

Enclosed 5000 Check on Bank
बंकपे २०००का चेक चीठीमेंभेजाहै

Dishonour 300 our discounted
हमारी ३०० की डिसकौण्ट करीडी मत सकारो

Dont draw sight Hundi.
दरशनी हुण्डी मत करो

Send full amount before 15th.
चुकती रकम १५वीं पहिले भेजो

Money tight discount 7½.
रुपयोंकी तंगी डिसकौण्ट ७॥

Government will issue loan
सरकार लोन कायेगी

Send 25000 papers 4-8 per-cent
४॥के ब्याजके १५०००का कागजभेजो

Sent 99999 half notes drawn.
एकला[redacted]आधा नोटभेजाहुंडीकी

Arrange soon for 5000 Hundi
५०००की हुंडीका बन्दोबस्त करो

Lost 500 on B. R. send pait.
बी. आर. उपर की ५००की खोई गई पैठ भेजो

Will remit to-morrow accept.
रकम कलभेजूंगा हुण्डी सकारो

Buy Jaipur draw Bombay.
जैपुर खरीदो बंबई करो
Draw 51 days not sight.
५१ दिनकी लिखो दरशनी नहीं
Send 2ooo notes rate 98.
२०००के नोट भेजो भाव ९८
Remit 5ooo by telegraph.
तारकी मारफत ५०००रुपये भेजो
Send five bundles gold.
पांच बंडल सोनेका भेजो
Send 5ooo tolas bullion.
५००० तोले सोना या चांदी भेंजो
Exchange Calcutta and Jaipur.
जैपुर कलकत्ते का बदला करो
Sent cash instead buy guinea.
रुपये भेजे बदले गिनी खरीदो
Posted five bundles leaves.
पांच बंडल पत्ता डाकमें भेजा है
Rupees send for from agent.
अडतीयेसे रुपये मंगवाओ
How many rupees at Ramji.
रामजीकी तरफ कितने रुपये है
Buy silver if 5 premium.
चांदी जो ५ बादे होता खरीदो
Sent by Mail train 5oooo.
डाकगाडड़ी [redacted] ५०००० भेजे हैं

Of Piece Goods कपड़े का

Send two bales grey shirting.
कोरा लंकलाटकी २ गांठ भेजो
Piece goods market firm.
कपड़े का बजार मजबत है
Send 4o inches jaconet.
४० इञ्चीका नेनसुक भेजो
Buy 8½ pounds markin.
८॥ पनका मारकीन खरीदो
Send 1o packages madaplam.
१०गांठ माटापीलामकी भेजो
Buy arrival grey Shirting.
आमदनी लंकलाट खरीदो
No 57o bale found damaged.
नंबर ५७० की गांठ दागी निकली
Return soon damaged bales.
दागी गांठि पीछे लोटादो
Received 1o pieces short,
१० थान कमती मिले
Dont sell Manchester market firm-house merchants firm.
मानचेष्टरका बजार मजबूत है तथा कोठीवालेभी मजबूत है बेचो मत
Send-5oo bundles thread.
५०० बंडल सूतेका भेजो
Dont send broad cloth.
बनात मत भेजो

Of Grain गल्ले वगैरेका

Buy 1ooo maunds wheat 15.
गेहुं १००० मन खरीद करो १५सेर
Bought 1ooo wheat 15½ seers.
१०००मन गेहुं खरीदी प्र०१५॥सेर
Sent 5oo bags gram remit.
५००थैले चनेका भेजा रकम भेजो
Loaded 5 remainders sending.
लादे ५ बाकीका भेजता [illegible]ं
Send 2oo tons wheat reply.
गेहुं २००टन भेजके लिखो
Buy grain Europeans buying.
गल्ला खरीदो अंगरेज खरीदते हैं
Buy if cheaper here dull.
मंदा होवेतो खरीदो यहां मंदा
Sell arrival wheat till 3½.
आमदनी गेहुं ३॥ तक बेचो
Dont send dhal sell there.
दालमत भेजो वहां होवेचो
Send purchased bags reply.
खरीद किया हुआ थैले भेजो
Sell april delivery rice.
एप्रिलको डिलेवरीका चावल बेचो
Purchase 1oo tons Linseed.
अलसी १०० टन खरीदो
Bought 5o tons bold linseed.
बड़े दानोंकी अलसी ५०टनखरीदी

Sent 5o tons small linseed.
छोटे दानेकी ५० टन तीसी भेजो
Dont send wheat but gram.
गेहु मत भेजो लेकिन चना भेजो
Whether bags send or keep.
थैले भेजूं वा रक्खूं जवाब लिखो
Buy 5o tons rapeseed reply.
सरसो ५०टन खरीद करो जवाबदो
Bought 25 tons brown rape.
काली सरसो २५ टन खरीदी है
Purchase 25 tons yellow rape.
पीली सरसों २५ टन खरीद करो
Pack and send 2¼ bag.
थैला २। मनी भरके भेजो
Send five o-o refractions pea.
पांच सैंकड़े खादका मटर भेजो
Send less refraction wheat.
कमती खादको गेहुं भेजो
Ship 5oo wheat bags London.
गेहुंके ५०० थैले लंडनको चढाओ
Ship grain Madras if profit.
नफा होवेतो मदराजको गल्लाभेजो
Send 2ooo empty bags soon.
२०००खाली थैले जल्दी भेजो
Send 2ooo bags 28 inches.
२८ इंचीके २००० थैले भेजो

Of Cotton रुईका

Buy 2oo bales best quality.
अच्छी जातकी २०० गांठ खरीदो
Send 6o maunds midling.
मधम जातकी ६० मन भेजो
Eorwarded 6o your account.
तुम्हारे हिसाब ६० भेजा ।
Write all qualities rates.
सब जातका भाव लिखो
Your cotton unsaleable reply
तुम्हारी रुई नहीं बिकती है जवाब
Dont buy without orders.
हुकम बिना मत खरीदो
Cotton market steady what do
रुईका बजार स्थिर है क्या करें
6o bales weighed yester,day.
कलदिने ६० गांठ वजन कीया है
Send pressed bales sharply.
परेस करीहुई गांठजल्दीसे भेजो
Send according to sample.
तुम्हारे नमूने मुजब भेजो
Liverpool market is quiet.
लिवरपुलका बजार चुप ।
Ship 2o bales china answer.
२०गांठ चीनको चढाओ जवाबभेजो
Make over our bales to Ramji.
हमारी गांठ रामजीके हवालेकरो

American cotton crop less.
आमरीकानकी रुईका पाक कमहै
American all crop damaged.
आमरीकानका सब पाक खराबहुआ
Received only 6 bales receipt.
फकत ६गांठोकी रसीद पहुंची है
Telegraph stocks and rates.
इस्टाकका और भावोंका तारभेजो
Sell arrival here 26 dull.
आमदनी बेचो यहां २६ मंदा
Ready 27 arrival 26 reply.
तईयार २७ आमदानी २६ जवाब
Good demand send quickly.
अच्छी खप है जल्दीसे भेजो
Umrawati 6½ Bengal 6 pence.
अमरावती ६॥ बङ्गाली ६ पेनी
Stop purchasing here 2o.
खरीदी बन्दकरो यहां २०
Send quotation and sample.
भाव और नमुना भेजो
Ship 2oo and sell insurance.
चढावो २०० जोखिम बेचकर
Sell 1o candies of bysak.
बैसाखकी १० खांडी बेचो
Speculators dispute unsettled.
फाटकीवालोंका तकरार सेटल नहींहै

Of Court कोरट का

Your case is on 16th July.
तुम्हारा मुकद्दमा १६वींजूलाईकाहै
Apply for-summons dont delay.
समनकेवास्ते जल्दी अरज करो
Warrant issued on you.
तुम्हारे उपर वारंट निकला है
Unable to start case adjourn.
नहीं आसकं मुकद्दाम मुलतवीरक्खो
B. filed case against you.
बी, ने तुम्हारे पर नालिशकी है
Case will be heard on monday
मुकद्दमा सोमवारको निकलेगा
Case succeeded be happy.
मुकद्दमा जीते खुशी रहो
Small court case defeated.
छोटी कोर्टका केस हार गये
Ramji arrested by police.
रामजीपोलिस [illegible] पकड़ा गया
Cannot come sent certificate.
नहीं आसकता सरटीफीकट भेजा
Send power of attorney.
मुखतियारनामह भेजो
Send soon statement.
हकीकत जल्दी भेजो
Ramji released on bail.
रामजी जमानत पर छूटा है

Ramjis case dismissed to-day
[illegible] रामजीका मुकदमा डिसमिस
Dont proseoute on Ramji.
रामजीपर नालिस मत करो
Expend in our partnership.
अपने साझाकमें खर्च करो
Ramji trasported for life.
रामजीको जन्म कालापानी हुआ
Three years sentenced to Ram
रामको तीन बरसकी मीयाद हुई
Court appointed arbitration.
कोर्टने पंचायत मुकर्रर की है
Inquiry being made by police.
पुलिसवाले चौकसी कर रहे है
Send all documents to me.
तमाम दस्तावेज मुझको भेजो
Assist Ramji for his case.
रामजीके मुकद्दमें वास्ते मददकरो
Furnitures plundered near.
Pali inform police.
असबाब सब पालीके पास लुटगया
[illegible] पुलिसको खबरदो
Send every report to me.
हर [illegible] रपोट मुझको भेजो
Dont care money release him.
रामको छुड़ावो पैसेका परवा नहीं

Private Telegram

Will reach on thirsday.
गुरुवारके दिन पहुंचूंगा
Very anxious reply health.
बहुत चिन्ता जवाबदो तनदुरस्तीका
Come soon if possible
अगर बनसके तो जल्दी आओ
Ramji to-day got son.
रामजीके आजदिन लड़का हुआ है
Be ready coming to-morrow.
तईयार रहो कल आता हूं
Telegraph by Ramji to pay.
रामजीसे तारदीलाओ रुपयेदेनेको
I am very sick come soon.
मैं बहुत मांदाहुं जल्दी आओ
Ramji coming detain there.
रामजी आताहै यहां अटकाओ
Dont come particulars posted.
मत आओ वेरा चीठीमें भेजा है
All arrived safely to-day.
आजदिन सब राजी खुशी पहुंचे
Will start to-morrw morning.
कालफजरको रवाना होउंगा
Ramjis mother died on-sunday.
रामजीकी माय दीतवारको मरगई
Deputes urgently I am sick,
गुमस्ता जरूरसे भेजो मैं मांदा हुं

Whether come reply sharp.
आउंया नहीं जल्दी जवाब लिखो
Your betroth done come soon.
तुम्हारी सगाई हुई जलदी आओ
Ramjis marriage is on 1.
रामजीका विवाह १ का है
Beware another man coming.
होशीयार रहो दुसरा आदमी आता
Average payment stopped.
आवरेजका भुगतान अटक गया
Already sent man to you.
तुम्हारे पास आदमी भेज चुकाहुं
Neither letter nor telegram.
नतो चीठी है और नतार है
Explain him to go country.
देश जानेको उसको समझाओ
Cannot start without you.
तुम्हारे बिना नहीं रवाना होउंगा
Sett coming there welcome.
सेठ आते हैं आदर सत्कार करो
Dont Send Ramjis wife.
रामजीकी औरतको मत भेजो
Stop Ramji till monday.
सोमवार तक रामजीको थामो
Coming otherwise send Ram.
आताहुं नहीं तो रामको भेजो

DICTIONARY.

A

Abandon, v.a. (एबन्डन्) छोड़ना
Abate, v.(एबेट) घटाना, कमकरना
Abbreviation, (एब्रिवियशन्) संक्षेप मुख्तसर
Able, a. (एबल्) लायक होशियार
About, a. (एबौट) आसपास चौतरफ बाबत आसरे
Above, (एबव) उपर-all सर्वोपरी सबके उपर
Abscond, v.(एब्सकांड)भागजाना —with property माललेके भागजाना
Absent, v. (एब्सेंट) गैरहाजिर —in-mind, अचेत, गाफिल
Abuse, v. (एब्यूज्) गालीदेना
Accept, v. (अकसेपट)कबूलकरना हुंडी सीकारना-ance सीकारा
Accident, s. (अकसिडेंट) अचानक अकसमात by a-दैवयोगे
Accompany (एकम्पनी) साथजना
According, (अकोर्डिंग) प्रमाणे
Account, s.(एकौंट) हिसाब जमा खर्च-current चलताखेखा —sales बिक्रिका हिसाब of balance बाकी हिसाब on-बाबत
Acknowledge (एकनालेज) कबूल करना इकरार करना
Adultery, s. (एडलटरि) व्यभिचार व्यभिचार छिनाला
Advance, s. (एड्वान्स)आगेजाना बढ़ना in—पेसगीअगाउदाम देना
Advantage, s. (एड्वनटेज) नफा लाभ-ous लाभकारी
Advice, s. (एड्वाईस्) सलाह
Adulation (एडुलेशन) खुशामद
Advise, v. (एड्वाईज्) सलाहदेना
Affect, v. (एफेक्ट) असर, क, सूझ
Affix, v. (एफिक्स) लगाना जोड़ देना-seal महोर लगाना

Afraid, a. (एफ्रेड)भय भयभीत

After, prep (आफटर) पीछे बाद

After noon,s.(आफटरनून)दोपहर

Afterwards, ad. (आफटरवार्डस्) बाद पीछे बाद इसके

Again, ad. (एगेन्) फिरसेदुसरी [redacted] much दूना

Against, prep (एगेन्ष्ट) बिपरीत सामने, बरखिलाफ

Ago, s. (एज्) उमर old बुढ़ापा

Agency, s. (एजन्सी) आढ़त

Agent, s. (एजेंट) गुमास्ता, आढ़तिया, कर्त्ता

Agree, v. (एग्री) कबुलकरना एक मत होना

Agreed, (एग्रीड) कबूलकिया

Agreement, (एग्रीमेंट)इकरारनामा

Aid, s. (एड्)मदद उपकार

Air, s. (एअर्) हवा पवन वायु

Alive, a. (एलाइव) जीवता जीता हुवा

All, a. (आल) सब तमाम—right ठीक अच्छा over—निबड़गया होचुका of a sudden अचानक,

Allow, v. (एलौ) परवानगीदेना कबूलरखना-ance कूट बट्टा

Almanac,s. (एल्मैनक) पंचांगपत्रा

Almond, s. (आमण्ड) बादाम

Already, (आल्रेडि) चुका जैसे I have told already मैं कह चुका I have done already मैं करचुका

Also, ad. (आल्सो) भी फिरभी

Alter, v. (आल्टर) बदला करना

Alteration,s. (आल्टरेशन्)बदला

Althouh, con. (अल्दो) अगरचे जोकी जो अगर

Altogether, ad. (आल्टुगेदर) तमाम सबमिलाके

Alum, s. (एलम्) फिटकड़ी

Always, ad. (आल्वेज्) हमेशा

Among, prep. (एमंग) अंदर मध्ये

Amount, s. (एमौंट) रकम जुमला

Amuse, v. (एमूज)मनरंजनकरना धान करना

And, conj. (एण्ड) और एवं

Anger, s. (एङ्गर) गुस्सा क्रोध

Angery, a. (ऐंग्री) गुस्से खफा

Animal,s. (एनिमल्)जानवर प्राणी

Annex, v. (एनेक्स्) जोड़ना मिलना

Announce (एनौन्स) खबरदेना

Anual,a. (एनूअल)वार्षिक,वर्षका

Another, a. (अनोदर्)दूसरा दूजा

Answer, s. (अन्सर) जवाब उत्तर

Ant, s. (एण्ट) कीड़ी चिंटी

Anxious, a. (अंग्झियस्) आतुर इन्तजार फिकरमंद,

Any, a. (एनि) कोई कोईभी

Appeal, s. (एपील) अपील

Appear, v. (एपीअर) हाजिरहोना दिखना मालूम करना

Appearance, s. (एपीअरेंस्) आकार चेहरा हाजरी

Apply, v. (एप्लाई) चोपड़ना लगाना अर्जकरना तेजी मंदी दुतरफा लगाना

Appoint, v. (अपॉइण्ट) ठहराना मुकर्रकरना-ment s. ठहराव नोकरी चाकरी

Apprehand, v. (एप्रिहेन्ड) पकड़ना

Approach; v. (एप्रोच) पास आना पहुंचना

Approve, v. (एप्रूव) मंजूर करना पसंदकरना

April, s. (एप्रिल) अंगरेजोंका चोथा महिना माघ

Arbiter, s. (आर्बिटर) पंच मध्यस्थ

Arbitration, s. (आर्बिटरेशन) पञ्चायत्

Are, v. (आर) है is का बहुवचन

Argue, v. (आर्गू) तकरार करना

Aright, ad. (एराइट) ठीक दुरस्त

Arise (एरैज) उठना

Arm, s. (आर्म) भुजा हथियार

Armory (आरमोरी) सिलाखाना

Army, s. (आर्मि) लशकर फौज

Around ad. (एरौंड) चौतरफ आसपास

Arrange, v. (एरेंज) बन्दोबस्त करना रचना करनी

Arrangement, s. (एरेंजमेण्ट) रचना बन्दोवस्त

Arrest, v. (आरेष्ट) पकड़ना अट-काना कैदकरना

Arrive, v. (एराइव) आपहुंचना दाखल होना

Arrival, s. (एराईल) आमदनी आवताहुआ पहुंच

Arsenic, s. (आरसेनिक) सोमल

Art, s. (आर्ट) हुनर विद्या

Article, a. (आर्टिकल) चीजवस्तु बोली नग, दागिना उपपद जैसे a, an, the आरटीकल

Artillery, s. (आर्टिलरि) तोपखाना

As, conj. (एज) जैसा वैसा उसी मुजब-soon as जलदी —well as वैसा अच्छा-yet अभि तक-for as जहांतक -least interval दरम्यानके बीचबीच में निदानकमसेकम-this rate कुछ भीहो वैसेभि-hand-पास-first-प्रथक -most-जियादा में जियादा

Ascertain, v. (एसर्टेन) निश्चय करना चोकस करना

Aside, ad. (एसाईड) एकतरफ

Ask, v. (आस्क) पुछना सवालकरना

Aspect, s. (असपेक्ट) आकाररूप डोल वख

Ass, s. (एस्) गधा खर

Assault, s. (एसाल्ट) हमला लड़ाई मारामारी

Assemble, v. (एसेम्बल) जमाहोना

Assembly, s. (एसेम्बलि) सभा

Assist, v. (एसिष्ट) मदद करना

Assistant, s. (एसिष्टंट) मददगार

Astronomy, s. (एष्ट्रोनामि) ज्योतिष शास्त्र

At, prep. (एट) तरफ नजदीक मां पास-once एकवक्त एक दम -last आखिर-all बिलकुल कोईतरह -length आखिर गरज-present-अब फिलहाल-that time उसवक्त

Ate, v. (ए) खाया eat काभूतकाल

Attach, v. (एटेच्) मिलगना लगाना जमकरना टांच संयोग करना

Attack, s. (एटेक) हल्ला करना चढाई करना

Attempt, s. (एटेम्ट) तजवीज

Attend, v. (एटेन्ड्) हाजिरहोना साथजाना ध्यानदेना

Attendance, s. (एटेन्डेन्स) हाजरी ध्यान-book हाजरी बुक

Attention, s. (एटेन्शन्) चित्त मन इरादा

Attorney, s. (एटर्नि) वकील power of—मुखतिआरनामा general—कुलमुखतियारनामा

Auction, s. (आक्शन) निलाम

Average, s. (आवेरेज) फाला दृढा

Aware, a. (एवेअर) सावधान

B

Back, s. ad. (बॅक) पीछा पीठ

Bad, a. (बॅड) खराब word खराब बात

Backkbite,v.(बक्बाइट)चुगलिखाना
Bag, s. (बग्) थैला कोथली
Bail, s. (बेल्) जमानत जामनी
pecuniary—मालजामनी
personal—हाजिर जामनी
—for good conduct फैलजामनी
Balance,s. (बलन्स) बाकी, तराजु
—of account खातिबाकी
—struck हिसाब होके बाकीमी कालिगई
—receivable बाकी लेना
—payable बाकी देना
—lies over बाकी चलिआवती है
Bale, s. (बेल) गांठ गाठड़ी
Ball, s. (बाल) गोला गिंडो नाच
Balloon, s. (बलून्) बिमान लड्डूके आकार रेशमी कपड़ेमें हलकी हवा भरकर आसमानपर चढ़तिहै
Bamboo, s. (बांबू) बांस
Bank, s. (बेंक)शराफी कोठी बंध नदिका किनारा
—rupt देवालीया होना
Banker, s. (बेंकर) शरीफ कोठीवाल शाहूकार
Bar, s. (बार) गज लोहकी पट्टी
Bar silver, s (बार सिलवर) चकिकी बिलाती चांदी

Barber, s. (बार्बर) हजाम नाई
Bargain, s. (बारगीन्) सवदा खरीद बिक्री
Barrister, s. (बारिष्टर) बड़े दरजे का वकील कौसली
Basket, s. (बासकेट्) डाली कवड़ो
Bat, s. (बट) चमचेड लाठी
Bathe,v.(बेद)स्नान करना नाहाना
Battle, s. (बटल्) लड़ाई युद्ध
Bay, s. (बे) खाड़ि तीन तरफ जमीन एक तरफ पानी
Be, v. (बी) होनाभूधातु—it so होओ तथास्तु
Beam, s. (बीम) किरण,कड़ीकाष्ठ
Bear, v. (बेर) लेजाना सनमि सम झना रीछ भालू
Beard, s. (बीयर्ड) दाढ़ी डाढ़ी
Bearer, s.(बेरर) लेजानेवाला बहरा कहार
Beast,s. (बीष्ट)हैवान पशु जानवर
Beat, v. (बीट्) मारना ठोकना
Beautify. (बिउटीफाइ)सुन्दरकरन
Beautiful,a. (बूटिफुल) खुबसूरत
Became, (बीकेम) हुआ-become क्रियाका भूतकाल
Because, con. (बीकाज) कारण क्योंकि

Bed, s. (बेड) बिछौना बिस्तरा
Bee, s. (बी)मधुमाखी मोखमाखी
Before, prep. (बीफोर) अगाड़ी आगे
—hand प्रथमतो पहिलेही
Beg, v. (बेग) भिक्षामागना अर्ज
Began, v. (बीगन्) शुरूकिया चालुकिया
—begin क्रियापदका भूतकाल है
Begin, v. (बीगिन्) चालुकरना आरम्भ करना
Beginning, g s. (बीगनिं) चालु शुरूआत
Begone, int. (बीगोन) निकल दूरहो
Bell, s (बेल) घण्टा झाली
Bellows, s. (बेलोज) धवण धौंघ
Belly, s. (बिलि) पेटउदर
Benefit, s.(बेनीफिट) नफा फायदा
Benzoin, s. (बेनजोइन) लोबान
Besides, ad. (बीसाइडस) दूसरा सिवायइस्के
Best, a. (बेस्ट) उत्तम बहुत उमदा
Betel, s. (बीटल) पान ताम्बूल
—nut सुपारी
Betook, v. (बीटूक) betake क्रिया पदका भूतकाल आसरापकड़ा
Better, a. (बेट्र) बहुत अच्छा
Between, prep. (बीटवीन) बीचमें
Beware, v. (बीवेर) होशियाररहो
Beyond, (बीयान्ड) पार उसतरफ बाहर
Bid, v.(बिड) हुकम करना निलाम की डाक डाकदेना
Big, a. (बिग) बड़ा
Bile (बाइल) पित्त
Bill, s. (बिल) आंकड़ा बिल हुण्डी पक्षिकी चूंच
—of sale विक्रिपत्र
—of exchange हुंडी
—is suspend खली हुण्डी
—at sight दरसनि हुण्डी
—book हुण्डी बही
—on demand दरसनी हुण्डी
paid—खोखा
second—पैठ third—परपैठ
Bind, v. (बाइन्ड) बांधना लपेटना
—over हाजर जामनी लेना
Birth, s. (बर्थ) जन्म
—day जन्म दिन वर्ष गांठ
Bit, s. (बिट) टुकरा लगाम
—bite क्रियापदका भूतकालकाटा

Black, a. (ब्लैक्) कालारंग
—wood सिसम की लकड़ी
Blank, s. (बलांक) कोरासादा
Bless, v. (बलेस) आशीर्वाद देना
Blind, s. (बलाइण्ड) आंधा अन्ध
Blow, s. (बलो) ठोसो मुक्की घूंसा
—out फुंकदेना
Blue, a. (ब्लू) नीला रंग
Board, s. (बोर्ड) पाटीया तखता
—of revenue अकालघर
—on board जहाज पर
Boat, s (बोट) नाव किश्ती
Body, s. (बाडि) सरीर काया
Bold, a. (बोल्ड) हिम्मतवान
Boldly, ad. (बोल्डलि) हिम्मतसे
Bond, s. (बोण्ड) खत दस्तावेज इखारा discharged—पटा हुवा खत वा टीप penalty—मुचलका indemnity शरति तमसुख शरतसे लिखना
Book, s. (बुक) किताब बही
Borrow, v. (बारो) उधारालेना
Bosom, s. (बोजम्) छाती उर
Both, a. (बोथ) दोनु उभय
Bottle, s. (बाटल) बोतल सीसी
Bottom, s. (बाटम) मूल पाया

Bought, v. (बाट) buy क्रियापद का भूदकाल खरीद किया
Bow, s. (बो) कमान धनुष
Box, s. (बाक्स) पेटी संदूक
Boy, s. (बाय) लड़का छोकरा चाकर
Breach, s. (ब्रीच) टूट भंजन तोड़ना—of rules हुकम नहीं मानना
Bread, s. (ब्रेड) रोटी रोटा
Break, v. (ब्रेक) तोड़ना फोड़ना
—of [illegible] law कानूनकी खिलाफ
—up करखाना वो मौकूफकरना
— a promise [illegible] तोड़ना
—of day तड़का भोर
—in अचानक चले आना
—off बन्द करना अटकाना
—out खिलजाना टूटना
—wind बावसरना पादना
—open तालातोड़ना, इसका भूतकाल Broke है [खाना
Breakfast, s. (ब्रेकफास्ट) हाजरी
Breast, s. (ब्रेष्ट) छाती स्तन
Breath, s. (ब्रेथ) स्वास दम
Bribe, s. (ब्राईब) रिश्वत घूस
Brick, s. (ब्रिक) ईंट रींट

Bride, s. (ब्राइड) दुलहन बींदनी

—groom दुलहा बींद

Bridge, s. (ब्रिज) पुल सेतु

Bright, a. (ब्राईट) चमकदार

Bring, v. (ब्रिंग) लेआना लाना

—forth जणना जाहर करना

—up पालना धारना

—about बनाना करना

—out खुला करना

—over मनाना समझाना

—off निर्दोष कर्ना निर्मल कर्ना

Brisk, a. (ब्रिसक) चंचल चपल

Broad, a. (ब्र'ाड) चौडा

Broker, s. (ब्रोकर) दलाल

Brokerage, s, (ब्रोकरेज) दलाली

Brother, s. (ब्रदर) भाई own—सगा भाई step—सौतिलाभाई twin—जोडला भाई foster—धायभाई older—बड़ा भाई younger-छोटाभाई by blood सगाभाई—in law साला

Brought, v. (ब्र्'ाट) bring क्रिया पदका भूतकाल लाया लेआया

Bud, s. (बड) कली

Bug, s. (बग) खटमल

Bull, [illegible] (बुल) बैल सांड

Bundle, s. (बंडल) गांठडी पुलंदा

Burn, v. (बर्न) जलाना बालना

Business, s. (बिजनेस) काम धंदा

Bustle (बसटल) धूमधाम

Busy, a. (बिजि) उद्योगी काममें फुरसत नहीं वह आदमी

But, prep. (बट) लेकिन सिवाय

Buy, v (बाय) खरीद करना

Buyer, s. (बायर) खरीददार

By, prep. (बाई) नजदीक पासमेंपास

—and by दमभरमें आहिस्ते २

—degrees आहिस्ते २ रफता२

—no means नहीं हरगिजनहीं

—path or way पगडंडीपांवरस्ता

—word कहावत मसल हांसी

—the means of मारफत द्वारा

—any means, कोईतरहसे

—a accident दैवयोगे आपसें अचानक

—stander पास [illegible] रहनेवाला

good—मुलाकातके आखिरकी सलाम

C

Cage, s. (केज) पिंजरा

Cake, s. (केक) पूरी रोटी गोटी

Calculate, v. (केलक्यु लेट्)हिसाब करना गिणना

Calendar, s. (कलेन्डर) पंचांग

Call, v. (काल) बुलाना पुकारना

—for चाहना मंगवाना तलब ■

—back पलटना रद्दकरना

—for information कैफियत तलब करना

—in question उजर करना

—upon विनती करना

—on मुलाकात करना

—over नामपुकारना

—names गालि देना

—out जोरसे पुकारना बुलवाना

—in जमा एकठा करना

Calm. (काम) शांति शीतल

Camel, s. (कॅमल्) ऊंट

—female ऊंटनी सांड

Camp, s. (कैमप्) छावणी लश्कर

Can, s. (कॅन्) सकना कटोरा

Candle, s. (कॅन्डल) मोमबत्ति

Cane, s. (केन) बैत छडी

sugar—ईख गंडा

Cannot, v. (कॅननोट) सकेनहीं

Cap, s. (कैप्) टोपी

Capture. (कैपचर) पकड़ना

Capital, s. (कॅपिटल्) राजधानी पुंजी मूलधन

—letter बड़ा हरफ

—stock माया जमा पुंजी

—punishment सजा फांसी

Captain, s. (कॅपटन) जहाजका कपतान फौजका सरदार

Card, s. (कार्ड) नामकी चिट्ठी,तास

Care, s. (केअर) फिकर होशियारी

—of ठिकाना पत्ता

Carefully, ad. (केअरफुली) होशियारी से खबरदारी से

Careless, ad. (केअरलेस) गाफिल बेपरवा बेदरकार

Cargo, s. (कारगो) जहाजमें भरा हुवा माल

Carpet, s. (कार्पेट्)गालिचासतरंजी

Carriage, s. (केरिएज) गाड़ी

Carry, v. (केरि) लेजाना हासिल करना—out अमलमें लाना मानना—on चाल-off खूनकरना

Cart, s. (कार्ट) गाड़ी छकड़ा

—man गाडिवान

Case, s. (केस) मुकद्दमा दशा खोल पेटी विभक्ति, अवस्था हालत in—यद्यपि बशर्त

Cashier. (केशियर) खजानची
Cash, s, (केश) रोकड़ा नकदरुपया
—a bill हुंडी पटाना
—account नकद हिसाब
—book रोकड़ बही
Cask, s. (कास्क) पीपा
Cast, s. (कास्ट) सांचा डौल v फेंक देना डालदेना
—down उदास होना
—away घरसे टुट गयेला
Caste, s. (कास्ट) जात कौम
high—कुलवान बड़ी जात
low—हलकी जात छोटीजात
mixed—दोगला वर्णसंकर
head of—चौधुरी जातमें बड़ा
put out of—जातसे वाहरकरना
lose—जातखोना वा जाना
Castor-oil, s. (कष्टर आइल) रेंड़ी का तेल
Catalogue, s. (केटलाग) टीप यादी
Cattle, s. (केटल) ढोर जानवर
Cause, s. (काज) कारण सबब
small—छोटा मुकद्दमा
Causeless, a. (कोजलेस) वृथाबेसबब
Caution, s. (कोशन) होशियारी v चेताना ताकीद राखना
Cent, s. (सेण्ट) सौ सैकड़ा per—सैकड़ा पिछु फिसद्द one per—रुपया सैकड़ा
Ceremony, s. (सेरिमनि) क्रिया संस्कार रीत पुजा funeral-प्रेतकर्म
Certain, a. (सर्टेन्) ठीक खचित
Certainly, ad. (सर्टेन्लि) निश्चय पूर्वक खचितसे
Certificate, s. (सर्टिफिकेट) आव रुपन सनद नेकनामी पत्र
—of death फौतनामा मृत्युपत्र
—clearance राहदारी की चिट्ठी
Chain, s. (चेन्) सांकलि बेड़ी
Chair, s. (चेयर्) कुरसी चौकी
Change, v. (चेंज्) बदलनाफिरफार करना, खुरदाकराना बन्धाना
small—चोआनी दोआनी
dealer in—खुरदया
Character, s. (करेक्टर) चिह्न निशान स्वरुप अक्षरलिपि चालचलण
Charge, s. (चार्ज) हवाला खर्च सौंपाहुवा काम कीमतकहनी तहोमत दाम
false—झूठी नालिश
Cheap, a. (चीप्) सस्ता मन्दा

Cheat, s. (चीट्) ठगाई दगाबाजी

Check, s. (चेक्) बंकका चौक
किस्त अटकाव तपासना

Chest, s. (चेस्ट) पेटी संदूक छाती

Chief, s. (चीफ) सरदार मुख्य

Child, s. (चाइल्ड्) बालक बच्चा

Chintz, s. (चिंटज्) छींट

Chose, v. (चूज) Choose क्रिया
पदका भूतकाल पसंदकीया

Cipher, s. (साइफर) शुन्य बिंदी
बाधणी हिसाब

Circular, a. (सर्क्यूलर्) परवाना

Circus, s. (सर्कस) घोड़ोंकी कस
रतकरानेकी जगह रंगभूमी

City, s. (सिटि) शहर नग्र नगरी

Civil, a. (सिविल) लोकव्यवहार

—court दीवानी कचहरी

—power हाकिम अदालत

—law दीवानी आईन

—death अदालतसे खारजहोना

Claim, s. (क्लेम) दावा—entire
कुल दावा—under bond तम
सुक मुताबक दावा

Class, s. (क्लास) वर्ग जातप्रकार

Clay, s. (क्ले) कादा कीच माटी

Clean, ■. (क्लीन) साफ निर्मल

Clear, a. (क्लीअर) साफ स्वच्छ

—up सफाई करनी खोलना

Clearance. (क्लिएरेन्स) परवाना

Clerk, s. (क्लारक) कारकुनकारबारी

Clever, a. (क्लेवर) काबिल चतुर

Climb, v. (क्लिम्ब) चढनाउपरजाना

Clock, s. (क्लोक) घड़ी जो बाजतीहै

Close, v. (क्लोज) बंधकरना ढकना

Close, s. नजदीक पास तंग

Cloth, s. क्लोथ्) कपड़ा

Cloud, s. (क्लाउड्) बादल अबर

Coach, s. (कोच) चारपाई गाड़ी

Cock, s. (कोक) मुरग कूकड़ा बंदू
कका घोड़ा

Coin, s, (कोइन) सिक्का नाणा

current—चलता सिक्का

false—खोटा रुपया

bored or chipped—मैखिरुपया

cracked—फुटा रुपया ठस

rubbed—घसा रुपया

Cold, a, (कोल्ड) ठंडी सरद

Collect, v. (कलेक्ट) जमा करना

College, ■. (कालेज) कालेज
पाठसाला मक्तब्

Colonel, s (कर्नल) पलटनकासरदार

Colour, s. (कलर्) रंग।

Come, v. (कम) आना आया
—on आओ आइये
—along चले आओ
—upon खैंचना
Commence, v. (कमेन्स्) शरुकरना आरम्भ करना
Commercial, a. (कम्सिंअल्)बेपार सम्बन्धी बेपारका
Commission, s. (कमिशन्)मुखत-तयार आढ़त दस्तूरी
Company, (कंपनी)टोली सहोबत भागीदार
Complain. v. (कमप्लेन) फरियाद करनी बिलाप करना
Complaint, s. (कम्प्लेण्ट) फरयाद
Complimont. (कोमप्लिमेण्ट) सलाम
Camplete, v.(कम्प्लीट) पूराकरना
Compose v. (कंपोज) शांत करना एकट्टाकरना ग्रन्थ रचनाकरना
Condition, s.(कंडिशन)दशाहालत अवस्था [कारबार
Conduct, v. (कण्डक्ट)चाल चलण
Conformity, (कनफरमिटि) मुवाफकत् एकमेल
in – with मुजब मुताबक
to law – कानूनपरवान

Confuse (कनफिउज) गभराना
Consider (कन्सिडर) विचारना सोचना गौर करना
Consideratton (कन्सिडरेशन) बिचार सोच under—बिचार सोचमे रखना
Consign. (कन्साइन) सौंपनाह वाले करना आढ़तमेंमालभेजना
Console (कोन्सोल) दिलासादेना धीरजबंधाना
Consult (कन्सलट) सलाहपूछना बीचार करना
Contain (कण्टेन) समाना अंदर
Content v (कण्टेट)राजी सन्तोषी
Contents (कन्टेंस्) सुचीअंदरकी जिनस—received भरपाया
Continue (कन्टीन्यू) चल्, रखना
Contract. (कन्ट्राकट्) सवदापत्र
Contrary. (कन्ट्रेरी) उलटाबिरुध
Convey (कन्वे) लेजाना
Cook. (कूक) रसोईदार
Copper. (कोपर) तास्बा
Copy. (कापि) नकल् प्रत
Corn. (करन्) अनाज धान
Corner. (कनार) कोना कूणा
Corps. (कोरपस्) पलटण फौज

Correct. (करेक्ट्) शुद्ध सही
Cost. (कोष्ट) खर्चा कीमत भाव
prime.—लागत असल्‌मोल
Cotton (काटन्) रुई कपास
—seed कपासोया काकड़ा
Cough. (काफ्) खांसी [कास
Could. (कुड) can क्रियापदकाभूत
Council, (काउन्सिल) सभामंडली
Counsellor. (कौनसेलर) वकील
general—दीवान आम
privy— दीवान खास
in—इजलाश में
member of—सभासद
Count. (काउण्ट) गिनना हिसाब
हिसाब है
Counterfeit.(काउण्टरफीट)खोटा
खोटीनकल बनावट
Country. (कनट्री) देश मुल्क
Couple, (कोप्‌ल) जोड़ा
Court, (कोर्ट) कचहरी आदालत
civil—आदालत दीवानी
Criminal—फौजदारी आदालत
military—लशकारी आदालत
revenue—महकमा मालगुजारी
subordinate—आदालतमातहत
Court house—अदालत कचहरी

Course, s. (कोर्स) मार्ग रस्ता
शर्तका घोड़ा दौड़ानेकीजगह
of—अलबत्ता बेशक
Cover. (कवर) ढकना लफाफा
Cow, (काउ) गउ गाय
Cream, (क्रीम) मलाई
Credit, (क्रेडिट्)आबरू जमाकरना
public—सरकारी साख
on—उधार कर्ज
to receive—वसूल पाना
to carry to—जमा करना
Crime (क्राइम) अपराध गुनाह
serious—तकसीर संगीन
—capital गुनाह फांसी
Criminal (क्रिमिनल्) अपराधी
गुनहगार फौजदारी
—conversation कामचोरी
जिनाकारी हरामकारी
Crop (क्राप) पाक मौसिम
first rate—अच्छी खेती
failure of—बुरिफसल बिगड़ा
हुआ
out the—लावनि काटना
Cross (क्रास) आडा विपरीत
औलंघजाना रद्दकरना
Crown (क्राउन) ताज मुकुट

Cruel, (क्रूएल) निर्दय दुष्ट
Cry, (क्राई) रोना पोकारना
Cultivate (कलटिवेट) खेतीकरना
Cultivator. (कलटिवेटर) कृसाण
Cultivation s. (कलटिवेशन)खेती
Cummin-seed.(कमिन्सीड) जीरा
Cup. (कप) पियाला बाटकी
Cure, (क्यूअर) आराम ईलाज
Curious. (क्यूरिअस) देखनेलायक चमत्कारीक
Current, s. (करेंट) चलणीप्रवाह रेला चलता
—coin चलता रुपया
—price बजार भाव निर्ख
—expences रोजिना पेटीया
Currency, s. (करेन्सी)चलतापैसा
—office जहां नोटोंका रुपया मिलता है—note नोट नोट
—business चलता काम
Curse, s. (कर्स) साप बद्दुवा
Curtain, s. (कर्टन) परदा मच्छेरी
Custody, s. (कष्टडि) कैदखाना
Custom, s. (कष्टम्) रीत चाल रिवाज जकात दस्तूरी
—duty महसूल
—house परमट जकात घर

—pass राहदारी चिठी परवाना
Cut, v. (कट्) काटना कटना

D

Daily, a. (डेली) रोजका नित्य
—account रोजनामा
—work रोजका काम
Damage, (डमेज) नुकसान हानी
Damp, (डेम्प) सरदी सरद
Dance, (डॅन्स) नाच नृत्य
Danger, (डेन्जर) धास्ती भय
Dangerous, (डेन्जरस)धास्तीभयंकर
—person फिसादी फरेबी
—affair जोखिमका काम
—character पक्का बदमास
Dark, (डार्क) अंधेरा
Date (डेट) तारीख खोजूर
according to— तारीख मुजब
due— पक्किमिति
on due— मुद्दत उपर
to run— कच्चिमिति
Day, (डे) दिन रोज
—by day रोज रोज दिनपरदिन
—after day हररोज रोजरोज
—break तड़का भोर
—book रोजमेल रोजवही
—before yesterdayगयाहुवापरसों

—after to-morrow आवतापरसों
Dead, (डेड) मराहुवा स्थिरनिर्जिव
—frieght बिना मालचढ़ेभाड़ा
—weight अनाज वगैरह
—letter-office जहां बेपत्ते
की चिट्ठी छाटे जाती है
Deal, (डील) व्यापार करना लेना
देना करना
Dealing, (डिलींग) काम रोजगार
व्यवहार unfair—बदमामला
बेईमानी plain—खरामामला
साफ लेनदेन
Dear, (डीअर) पियारा महंगा
Death, (डेथ) मौत मृत्यु
less—अमर नहींमरे सो
accidental—अचानक मौत
sudden—अकाल मौत
cause—मरवाना जानसे
put to—मारडालना
Debit, (डेबिट) उधार
Debt, (डेट) देना करज देना
being in—देनदारी
bad—डूबखाते
free-from—बेकरज साफ
Debtor, (डेटर्) करजदार
Deceit, (डिसीट्) कपट छल
Deceive, (डिसीव) ठगना फसाना
December, (डिसेंबर) १२ महीना
Decide, (डिसाइड) नबेड़ा करना
Declare, (डिक्लेर) जाहर करना
Decline, (डिक्लाइन्) घटना मंदा
Decrease, (डिक्रीज) घटाव कम
Decree, (डिक्री) हुकम नामा
Deduct, (डिडक्ट्) बाद करना
Deed, (डीड) काम दस्तावेज
—of gift बखसीसनामा
—of transfer इन्तकालनामा
—of sale बिक्रि पत्र
—of purchase खरीदखत
—of agreement करारनामा
—of hypothecation सुपर्दनामा
—of partnership शर्कतनामा
—of compromise राजीनामा
—of partition बंटाई पत्र
—of divorce तलाक नामा
—of a house कीरायानामा
—of mortgage गिरवी नामा
Deep, (डीप) समुद्र ऊंडा गहरा
Deface, (डिफेस) बिगाड़ना
Defeat, (डिफीट) हार हारना
Defence, (डिफेन्स) बचाव
self—हिफाजत खुद

in self—अपनी जानबचाने
private—अपनी रक्षा
for the—मुद्दालेकी तरफसे
Defendant. (डिफेण्डण्ट) प्रतिबादी
Defeciency. (डिफीसिअन्सि) कसर अपूर्णता घटाव
—or excess कमबेश
—of ayear कमसाल कमपैदा
make good a—टोटाभरदेना
Defraud. (डिफ्रौड्) फसाना
Degree. (डिग्री) दरजा औलाद अंश भूगोलका ३६० वां अंस
Delay. (डिले) ढील देरलगना
Delight. (डिलाईट) खुशी आनन्द
Deliver. (डिलिवर्)हवालेकरना सौंपना जनना
Demand. (डिमंण्ड) मांग चाप प्रश्न मागना पूछना
Demon. (डेमन्) भूत दैत्य
Deny. (डिनाई) नाकहना नाकबूल करना
Depart. (डिपार्ट) जाना सिधारना मरणा प्राणत्यागना
Depend. (डिपेण्ड) आधारी भरोसा राखना [परतन्त्र
Dependent. (डिपेण्डण्ट) आश्रित
Deposit. (डिपाजिट) अनामत डव्वाजीत
—receipt सरखत
kept in deposit अमानत रखगया जमारक्खा
Depth. (डेपथ्) गहरा ऊंडा
Deputy. (डेपुटी) वकील पेशकार
Describe. (डिसक्राइब्) बयान करना वर्णन करना
Description. (डिसक्रिपशन्)बयान गुण जात प्रकार
Desire. (डिजायर) इच्छा मर्जि अर्ज करना फरमाना
Desirous. (डिजायरस्) आतुर इच्छातूर गरजवान
Desk. (डेसक्) मेज
Despair. (डेसपेअर) निराशा आसाभङ्ग नाउम्मेदी
Despatch. (डिस्पाच्) उतावल जलदी भेजना
Detail. (डिटेल) तफसीलवार अहवाल
Detain (डिटेन्) अटकाना
Detect. डिटेकट्) पता लगाना तलास करके नीकलना चूकपकड़ना

Dew, (डिउ) ओस द्व
Diamond, (डायमण्ड) हीरा
Diary, (डायरि) रोजमेल वही
Did, (डिड्) किया बना
Die, (डाई) मरना
Difference, (डिफरेन्स्)अंतर फरक
Diffidence,(डिफिडेन्स्) अविश्वास
Differently, (डिफरेण्टलि) जुदी रीत और तरहसे
Difficulty, (डिफिकल्टि)मुश्कली सङ्कट दुःख
Difficult, (डिफिकल्ट्) कठिन कड़ा
Different, (डिफरेंट) जुदा न्यारा
Dig, (डिग) खोदना
Diligence, (डिलिजेन्स्) मह्नत [उद्योग
Diligent, (डिलिजेण्ट) मह्नती
Dinner, (डिनर) भोजन खाना
Direct, (डाइरेक्ट्) सीधा पाधरा हुकम करना कारबार चलाना
Direction, (डिरेक्शन्) हुकम मार्ग ठिकाना नाम
Director, (डाइरेक्टर) अधिकारी कारबार राहदेखाने वाला
Dirt, (डर्ट) कचरा गरद मैल
Dirty, (डार्टि) मैला मलीन —cloth मैला कपड़ा

Dis-advantage, (डिसएड्वेनटेज) नुकसान हानी खोट
Disappear, (डिसएपीअर) छिप जाना गाइबहोना नहीदिखना
Disappoint,(डिसएपॉइंट) निरास करना आसाभङ्ग करना
Disapprove, (डिसएप्रूव) नामंजूर नापसंद करना
Discharge, (डिसचार्ज) रजा बर तरफी छुटकारा v बरतरफ करना खालि करना बंदूक चलाना—on bail जमानत से छोड़ देना—from liebility जवाबदेहीसे छुटना
Discount,(डिसकौंट) बटाव छूट
Disease, (डिजीज्) रोग आजार
Disgrace,(डिस्ग्रेस) फजीती मान हानी आबरूलेना
Dish, (डिश्) रकेबी थाली
Disjoin, (डिसजोइन) जुदाकरना न्यारा होजाना
Dislike, (डिसलाइक) अभाव अप्रीति नापसंद करना
Dismiss, (डिसमिस) रजा देना मौकाल देना बरतरफ करना
Disorder, (डिसॉर्डर) अव्यवस्था धूम घालमेल गड़बड़

Dispatch, (डिसपैच) पैगाम संदेशा जलदीसे भेजदेना मारडालना

Dispence, (डिसपेन्स) बांटना बंट करना हिस्सा करना
—with माफ करना
—justice अदालत करना

Dispose, (डिसपोज) मन लगाना इच्छा करना मोड़ना—of बेचडालना निबेड़ा करना पारपाड़ देना

Disposition, (डिस्पोजीशन्) स्वभाव मिजाज रचना

Dispute, (डिसपिउट) तकरार तकरार करना

Distance, (डिस्टेन्स) अंतर फरक

Distinct, (डिस्टिंकट्) स्पष्ट खुलासा

Distinguish, (डिसटिंगुइश) पहचानना ओलखना नाम प्रख्यात करना

District, (डिस्ट्रिकट्) परगना तालुका जिला

Ditto, (डिटो) ऊपर लिखा वोही सहरहु मजकूर

Divide, (डिवाईड) भाग करना बांटा करना दोस्ति तोड़नी

Division, (डिविजन्) भागाकार हिस्सा फरक

Do, (डू) करना बजाना

Doctor, (डाकटर्) हकीम बैद

Document, डोक्यूमेंट्) दस्तावेज

Dog, (डॉग) कूत्ता श्वान

Dome. (डोम) गुम्बज कलस

Done, (डन्) किया हुआ

Dot, (डॅाट) शुन्य बींदी

Double, (डब्ल) दूना दोगुना

Doubt, (डौट) शक संशय

Down, (डाउन्) नीचे तले

Doubtful. (डाउटफुल्) शकभरा

Dozen. (डॅजन्) बारा दुरजण

Draft. (ड्राफट्) हुंडी

Drain. (ड्रेन्) मोरी नल

Draw. (ड्रॅा) हूंडी लिखना खेंचना
—back फिरना हुक्की
—attention ताकीद करना
—to-gether जमाकरना समेटना
—up तईयार करना दुरस्तकरना

Dread. (ड्रेय) धास्ती भय

Dreadful. (ड्रेडफुल) भयंकर

Dream. (ड्रीम) स्वपन सपना

Dress. (ड्रेस) पोशाक वस्त्र

Drawer. (ड्राएर्) हुण्डी लिखै वह

Drawee. (ड्राई) जिसपर हुण्डी लिखीजातीहै वह उपरलाधनी

Drawn. (ड्रान) खुचड़ी लिखी
—by one लिखीफलानेकी
Drink. (ड्रिङ्क) पीना
Drive, (ड्राइव्) हांकना
Drop, (ड्राप्) बूंद टपका
Drunk, (ड्रिङ्क) पिया
Dry, (ड्राई) सूखा खुश्क
Due, (डू) लायक वाजब
—authority पूरा अख्तियार
is—पाना रहना पाना है
balance—बाकी
marriage—नेगयोग नेगचार
Dug, (डग्) dig काभूतकालखोदा
Dull, (डल) मंदा सुस्त
Duplicate, (डप्लिकेट) नकलउतारा
During, (डारिंग) अंदर मों
Dust, (डष्ट) धूल गर्द
Duty, (डिउटि) फरज धर्म्म काम
daily—नित्यकर्म्म रोजमर्रह

E

Each, (इच्) हरएक एकेक
Ear, (ईयर्) कान
Earnest, (एर्नेष्ट) सत्यभाव साई
—money बायना साई
Earth, (अर्थ) जमीन पृथ्वि
Ease, (ईज) चैन आराम
East, (इष्ट) पूर्व
Eat, (ईट) खाना
Eclipse (इक्लिप्स) ग्रहण
Edition, (एडिशन्) छापणी
Effect, (इफेक्ट) असर गुण
of good—असल पुख्ता
to the—इसगरज से, इसमुरादसें
carry into—जारी करना
give—कामकरदेना
Egg, (एग्) अण्डा डिम्ब
Either, (इदर) दोनोंका एक
Elder, (एलडर) जेठ बड़ा
Electricity,(इलेक्ट्रिसिटि)बिजली
Ell, (एल्) सवागज प्रमाण
Eligible, (एलिजिबल्) लायक
Else, (एल्स) नहींतो सिवाय
Emperor, (एमपेरर्) शाहन शाह
Empress, (एम्प्रेस) महाराणी
Employment, (एम्पलोयमेण्ट) चाकरी रोजगार धंधा
Empty, (एम्पटि) खाली
Enclose, (एनक्लोज्) बंद करना
Enforce, (एनफोर्स) अमल मेंलाना चलाना, जबरदस्ती कामकरना
—a claim हकदिलाना
—a decree डिगरीजारी कराना

End, (एण्ड) अंत आखिर
Endeavour, (एनडेवोर) कोशिश
मेहनत प्रयत्न [करना
Endorse, (एण्डोर्स) हुण्डी सहीवाल
Endorser, (एन्डोरसर) सहीकरने
Endure (एंडूर) सहना
Enemy, (एनिमो) दुश्मन शत्रु
Engage, (एन्गेज्) काममें लगना
Engagement (इंगेजमेण्ट) कबूल
Engine, (एनजिन्) संचा यंत्र
English, (इंगलिश्) अंगरेजीभाषा
Enjoy, (एन्जोय) खुश सुखभोगना
Enough, (एनफ्) बस चाहिये जैसा
Enquire, (एनक्वाएर) पूछना
चोकसी करना
Enter, (एण्टर) दाखल करना
Enterlace, (एण्टरलेस)मिसलकरना
Entertain, (एनटरटेन) जाफत
करना मिजमानी करना
Entire, (एनटायर) तमाम बिलकुल
Entirely, (एण्टायर्लि) बिलकुल
Entry, (एनटि) नोंध मारग
Envelope, (एनवेलोप) लफाफा
Equal,(ईकवल) बराबर करना
Equality (इकवालिटि) सामानता
Error, (एरर) भूलचूक गलती

Estimate, (एस्टिमेट) सुमार काढ़ना
—of crops कूत्त
rough—अटकलपच्चु
Even, (इवन) भी पण सांज
Evening, (इवनिंग) सांज साम
Event, (इवेंट) बातफल परीणाम
in the—ऐसाहोयतो
at all—s जैसे बनैसे से करके
Eventide (इवेनटाइड) संध्याकाल
Every, (एवरि) हर एक एक एक
Ever, (इवर)कभी, कहीं, कदाचित
for—हमेशा सर्वदा
Evidence, (एविडेन्स) साक्षीसाहेद
false—झूटीसाक्षी
Exactly, (एगजाकटलि) बराबर
ठीक चाहिये जैसा
Examine, (एगजामिन्) परीक्षा
तपासना परखना
— of the senses प्रतायप्रमाण
—account हिसाबमिलाना
cross—सवाल दरसवाल करना
Exceed, (एकसीड) अधिक बढ़ना
Except, (एकसेपट) सिवाय बिना
Exchange, (एकसचेंज) बदला
बदल सट्टा बदला करना
bill of—हुण्डी नोट

Excuse, (एकसक्यूज) माफ करना सबब कारण बहाना
Execute, (एक्जेक्यूट) अमलमें लाना बजाना फांसी देना
Expect, (एकसपेकट्) आसा उम्मीद —रखना धारना बाटजोना
Expense, (एकसपेन्स्) खरच
Expire, (एकसपायर्) मुद्दत पूरी होना स्वास छोड़ना
Explain, (एकसपलेन्) समझाना
Explanation, (एकसप्लेनेशन्) समझ खुलासा कैफीयत् टीका
Export (एकसपोरट्) मालकी निकासी रफ्तानी
Express, (एकसप्रेस्) बोलना कासद भेजना जाहर करना
Extend, (एकसटेंड्) लंबा करना बधाना चालना पहुंचना
to such an—यहांतक कि
Eye, (आई) आंख नेत्र

F.

Face, (फेस्) चेहरा मुंह
—to face रूबरू सन्मुख
Fact, (फेकट्) काम हकीकत
in—सच पूछो तो [निकालना
Fail, (फेल्) चूकना दिवाला होना
without—बेकसूर लाकलाम
Fair, (फेर्) मेला यात्रा सुंदर स्त्री वाजबी अच्छा
Faithful, (फेथफुल्) निमकहलाल विस्वासु भरोसेदार
Faithless, (फेथलेस्) निमकहराम
Fall, (फाल्) पड़ना पानीका धूध
False, (फालस्) झूट बनावट
Famine, (फमिन्) काल दुकाल
Fan. (फन्) पंखा बीजना बादकस्
Far, (फार्) दूर लंबा
how—कहांतक so—यहांतक
Fare, (फेर्) भाड़ा खोराक
Fast, (फास्ट) उपवास जलदी पक्का
Fasten, (फासन्) कसके बांधना
Fat, (फट्) मोटा चरबी
Fault, (फाल्ट्) ऐब अपराध चूक
Favour, फेवर) मिहरबानी
Fear, (फीअर्) धासती
Fearful, (फीयरफुल्) भयंकर
Fearless, (फीयर्लेस) बेधासती
Fearlessly, (फीयर्लेसली) बेधड़क
Fee, (फी) रसूम खर्चा
Feel, (फील्) लगना सर्स
Feet, (फीट) Foot का भूतकालपद

Fell, (फेल) fall [redacted] भूतकालगीरा काट डाला
Fatch, (फेच्) लेआना लेके आना
Fever, (फीवर) ताप ज्वर
Few, (फिउ) थोड़ा जरा
Field, (फिल्ड) मैदान
Fig, (फिग) अंजीर गूलर
Figure, (फिगर) अंक आंक
File, (फाईल) कागज टांकनेकातार
Filcher, (फिलचर्) चोर
Fill, (फिल) भरना पेटभरखाखाना —up रोकना
Find. (फाइण्ड) मालूम पड़ना सोधना-out तलाश करना
Fine, (फाइन) अच्छा सुन्दर जरमाना दण्ड [redacted]
Fire, (फायर्) आग अग्नि
Firm, (फरम) दूकान कोठी मज बूत संगीन
First, (फर्ष्ट) पहिला प्रथम at पहिलेही प्रथमतो
Fit, (फिट) लायक योग्य
Fix,(फिक्स)जोड़नाबैठानालागाना
Flog, (फलाग) निशान पताका
Flatter, (फलाटर्) खुशामद करना
Flattery, (फलाटरी) खुशामद

Flesh, (फ्लेस) मांस गोश्त
Flour, (फ्लोर) आटा
Fly, (फलाई) मक्खी माखी
Fog, (फोग्) धुंवर धूमस
Food, (फुड) खोराक खाना
Fool, (फुल) बेवकूफ मूर्ख
Foolish, (फुलिश) मूर्ख
Foot, (फुट) पग चरण
For, (फोर) वास्ते बाबत क्योंकि
Force, (फोर्स) जोर [redacted]
Forest, (फोरेष्ट) जङ्गल बन
Forget, (फर्गेट) भूलजाना
Forgive, (फोर्गिव) माफ करना
Forgot,(फोर्गोट) forget क्रीयापद का भूतकाल भूलगया
Former, (फोरमर) आगेका
Fort, (फोर्ट) किला कोट
Forth-with, (फोर्थविथ) ततकाल
Fort-night (फोर्टनाइट)पन्द्रारादिन
Fortune, (फोरच्यून) नसीब भाग्य
Forward, (फोवार्ड) चालाक रवाने
Found, (फाउण्ड) find क्रियापद का भूतकाल मिला पाया
Four, (फोर) चार
Fourteen, (फोरटीन) चवदा
Fowl, फाउल) पक्षी जानवर

Fox, (फोक्स) लोमड़ी
Free, (फ्री) स्वतन्त्र जुदा बिनदाम
Freight, (फ्रेट) जहाजका भाड़ा
Frequently, (फ्रीक्वेंटलि) हरघड़ी बारबारमें हरवक्त
Fresh, (फ्रेश) ताजा नया
Friend, (फ्रेंड) दोस्त यार मित्र
Friend-ship, (फ्रेंडशिप) दोस्ती
Frog, (फ्रोग) मेंनडुक दादर
From, (फरोम) से पाससे
Fruit, (फ्रूट) फल मेवा
Fruitful, (फ्रूटफुल) फायदेमंद
Full, (फुल) भरपुर पुरा
Fun, (फन्) रसुज मशखरी
Fur, (फर) रूं नरमबाल पशम
Furnish, (फर्निश) पूरापाड़ना
Furniture, (फर्निचर) असबाब
Further, (फर्दर) फेर अगाड़ी
Future, (फिउचर) भविष्यकाल

G

Gain, (गेन्) लाभ फ़ायदा होना
Gait, (गेट) रस्ता मारग
Garden, (गार्डेन) बाग बगीचा
Garlic, (गार्लिक) लहसन
Gas, (गॅस) हवा जो जलती है
Gate (गेट) दरवाजा द
Gave, (गेव) देदिया देडाला
Gem, (जेम्) रत्न जवाहिर
Gender, (जेन्डर) जात लिङ्ग
General, (जनर्ल) सरदार
Generally, (जेनरलि) बहुत करकी
Gentleman, (जेन्टलमन्) अशराफ आदमी शहस्य
Geography, (जीआग्राफि) भूगोल विद्याकी किताब
Get, (गेट) मिलना पाना
Get in, (गेट इन) दाखल होना
Get out, (गेट आउट) निकलना
Get up, (गेट अप) उठना
Gift, (गिफट) बखशीस भेट
Gilt, (गिल्ट) गिलटी सुनहरी
Girl, (गर्ल) छोकरी कन्या
Give, (गिव्) देना देओ
—away देडाला
—up छोड़देना छोड़ो
Given, (गिवन्) देदिया
Glad, (गलॅड) खुशी आनन्दी
Gladly, (गलॅडली) खुशीसे
Glass, (ग्लास) काच आईना
Glove, (ग्लोव) हाथका मोजा
Go, (गो) जाना चालना
God, (गोड) परमेश्वर खुदा

Godness, (गोडेस) देवी शक्ति
Gold, (गोल्ड) सोना सुवर्ण
Goldsmith, (गोल्डस्मिथ) सुनार
Gone, (गोन्) गया चलागया
Good, (गुड) अच्छा शुभ
 stand—कायम रहना
 make—टोटा भरदेना
Goods, (गुड्स) माल जीनस
Got, (गोट) पाया मिला
Government, (गवर्नमेंट) राज्य
Grace, (ग्रेस) मिहरवानी
Grain, (ग्रेन्) अनाज
Gram, (ग्राम्) चना बूट
Grand, (ग्रान्ड) बड़ा श्रेष्ठ
 —child पोती पोता अथवानाती
 father—दादा
 mother—दादी
Grant, (ग्राण्ट) इनाम
Grape, (ग्रेप) दाख अंगूर
Grass, (ग्रास) घास तृण
Green, (ग्रीन्) कच्चा हरा
Grief, (ग्रीफ्) शोक खेद
Ground, (ग्राउण्ड) जमीन
Guarantee, (गारण्टी) जामिनगीरी
Guard, (गार्ड) चौकी पहरा
Guest, (गेस्ट) महमान

Guilty, (गिलटी) अपराध
Guinea, (गिनी) सोनेका सिक्का
Gum, (गम्) गूंद
Gun, (गन्) तोप बंदूक
Gunny, (गनी) गुणी तपड़ी
Gutter, (गटर) मोरी नाली

H

Habit, (हेबिट) टेव आदत
Had, (हेड्) पासथा था होता
Hail, (हेल्) ओला पत्थर
Hair, (हेर्) बाल केश
Half, (हाफ्) आधा
Half rupee, (हाफ्रुपी) आठआना
Hall, (हाल्) दिवानखाना
Halt, (हाल्ट) मुकाम खड़ारहना
Hand, (हाण्ड) हाथ
Handkerchief, (हांन्डकरचिफ) रूमाल स्वाफी
Handle, (हांन्डल) हाथी दाड़ी
Hang, (हंग) फांसी देना
Happen, (हपन) होना बनना
Happy, (हेपी) खुशी
Hard, (हार्ड) कड़ा
Haste, (हेस्ट) उतावल
Hat, (हेट) टोपी
Have, (हव) पासहै पासरखना
He (ही) वह प्रथमपुरुष

Head (हेड) माथा सिर
Health (हेल्थ)तनदुरस्ती
Heap (हीप) गंज ढिगली
Hear (हीअर) सुनो माननो
Hearing (हीअरिंग) सुनताहूं
Heart (हार्ट) दिल कलेजा
Heat (हीट) गरमी ताप
Heaven (हेवन्) आकास स्वर्ग
Heavy (हेवि) भारी वजनी
Hell (हेल) नरक दोजख
Help (हेल्प) मदद् उपाव
Hen (हेन्) मुरगी
Hence (हेन्स) यहांसे यस
Her (हर) उस्का स्त्रीका
Here (हीअर) यहां
Hereafter(हीअरआफटर) इस्के बाद
Herself (हर्सेल्फ)वाह खुद
High (हाइ) उंचा तेज
Highness (हाईनेस) महाराज
Hill (हिल) पहाड़
Him (हिम्) उसको
His (हिज्) उस्का आपका
History (हिष्टरी) इतिहास
Hog (हाग) सूअर
Hold (होल्ड) पकड़ना
Holy (होलि) पवित्र पाक
Home (होम्) घर स्वदेश
Honey (हनि) सहत मधु
Honour (ओनर) आवरु [दार
Honourable (अनरेवल) आवरु
Hope (होप) आसा भरोसा
Horn (हार्न) सींग
Horse (होर्स) घोड़ा
Horseman (हार्समैन) सवार
Hospital (होस्पिटल्) बीमारखाना
Hot (होट) गरम जलद
Hour (अउर) कलाक घण्टा
House (हाउस) घर मकान
How (हाउ) कैसा क्योंकर
However (हाउएवर) तवभी
Humble (अम्बल) गरीब
Humbly (अम्बलि) नम्रतासे
Hunger (हंगर) भूख क्षुधा
Hungery (हंग्रि) भूखा
Hunt (हंट) शिकार करना
Hurt (हर्ट) दुःख नुकसान
Hut (हट) झूपड़ी छपरा

I

Ice (आइस) बरफ पाला
Idea (आइडीया) विचार मत
Idle (आईडल्) आलस सुस्त
If (इफ्) जो अगर

Ignorance (इगनोरेनस) अज्ञान

Ill (इल) मांदा पाप

Ill-temper (इलटेम्पर) दुष्टस्वभाव

Imagine (इमग्राजिन) कल्पना

Immediatly(इमिजिअटलि) तुरन्त

Imperfect (इरम्रफेक्ट) अधुरा

Important (इम्परटेंएट) जरुरका

Impossible (इम्पजिबल) नहीं
बने ऐसा असाध्य

Improve (इम्प्रूव) सुधारना

In (इन) अंदर भीतर मों

—case बक्तपर कदाचित

—the meanwhile इतनेमें

—respect of बाबत

—this manner इसी तरह

—question मजकूर

—short गरज

—future आगाड़ी

—vain [redacted] बायदे

Inch (ईंच) अँची पेरवा

Inclose(इन्क्लोज)बीड़ना बंदकरना

Increase (इनक्रिज) बधारे

Increasing (इनक्रीजिंग) बढ़ता है

Independent(इण्डीपेनडेण्ट)स्वतंत्र

Indigo (ईण्डीगो) नील

Inferior (इनफीरियर) हलका

Inform (इनफोरम्) कहना
खबरदेना सूचना

Information (इनफोर्मेशन) खबर
समाचार बर्त्तमान

Initial (इनिशिअल) नामका
पहिला अक्षर सही

Injury (इनजरि) नुकशानी

Injustice (इनजुष्टिस) बेइनसाफी

Ink (इंक) सियाही रोशनाई

Inn (इन) धर्मसाला

Innocent (इनोसेण्ट) निर्दोष

Inquire (इनक्वायर) तपासना

Inquiry (इनक्वारी) तपासचौकसी

Insect (इनसेक्ट) कीड़ा

Inspection (इन्सपेकशन) चौकसी
तपास तलास

Instant (इनसटेण्ट) चालू महीना

Instead (इनसटेड्) बदले

Instruct (इनसट्रकट) हुकमकरना
फरमाना हीदायत करना

Instruction (ईनसट्रकशन) शिक्षा
बोध भाषा नसीहत

Insufficient (इनसफिसेण्ट)थोड़ा
चाहिये जितना नहीं

Insure (इनस्यूर) जोखिम वेचना

Intelligence (इण्टेलिजेनस) खबर
समाचार होशीयारी

Intelligent (इण्टेलिजेंट) होशियार
Intend (इण्टेण्ड) इरादा करना
Intention (इण्टेन्शन) मनसुबा
Interest (इण्टरेष्ट) व्याज लाभ
Interfere (इण्टरफीयर) बीचमें पड़ना आडे आना
Interrupt (इण्टरपट) हरकतकरना
Into (इन्टु) अंदर माहे [राटौ
Introduce (इण्ट्रोडिउस) पीछानक
Invisible (इनविजिबल्) नहीं दिखे ऐसा अदृस
Invite (इन्वाइट) बोलाना नौता देना मेमता
Iron (आयर्न्) लोहा
Irregular (इरेगुलर्) उ'चनीच बेकायदे गैरवाजिब
Issue (इसू) प्रगट करना
without—बेओलाद
It (इट) यह वह
Ivory (आइवरि) हाथी दांत

J

Jackal (जाकेल) गीदड़
Jacket (जाकेट) कुरता
Jail (जेल) कैदखाना
January (जान्युअरि) महीना
Jewel (जुएल्) जवाहर
Join (जोईन) सामिल होना जोड़ना मिल जाना
Journal (जर्नल्) रोजमेल
Journey (जर्नि) मुसाफरी
Joy (जोय) आनन्द हर्ष
Judge (जड्ज) न्यायाधीश
Judgment (जजमेंट) फैसला
Juice (जुस) रस पानी
July (जुलाइ) सातवीं महीनो
Jump (जम्प) कूदना
June (ज्यून) छट्टा महीना
Jury (जूरि) जुरी पंच
Just (जष्ट) अभी वाजिब
Justly (जष्टलि) रीति प्रमाण

K

Keep (कीप) रखना पालना
Keeper (कीपर) रखनेवाला
Key (की) कुंजी चावी
Kick (किक्) लातमारना
Kid (किड) बकरीका बच्चा
Kill (किल्) मारडालना
Kind (काइण्ड) जात दयालु
Kindly (काइण्डली) मिहरबानी
Kindness (काइन्डनेस) दया कृपा
King (किंग) बादशाह राजा
Kiss (किस) चुमा आलोलेना

Kite (काइट) गुड्डी चील

Knife (नाईफ) चाकू छुरी

Know (नो) जानना

Knowledge (नालेज) ज्ञान विद्या

L

Labour (लेबर्) मेहनत्

Lace (लेस) किनारी जर

Lad (लेड) लड़का

Lady (लेडि) बीबी सेठाणी

Lake (लेक) तालाव

Lamp (लम्प) चीराग

Lance (लेन्स) भाला

Land (लांड) जमीन

Lane (लेन) गली

Language (लन्गवेज) बोली

Large (लार्ज) लम्बा बड़ा

Last (लाष्ट) गुजराहुआ

Lately (लेटलि) थोड़ा दिनहुआ

Laugh (लाफ) हंसना

Laughable (लाफेबल्) हसनेजोग

Law (लो) कानुन

civil-कानुनदीवानी

criminal—कानुन फोजदारी

revenue—कानुन माल

Lawful (लाफुल) कानुनमुजब

Lay (ले) रखना गीत

—hold of पकड़ना

—down काम छोड़ना

—up दरदसें पड़ारहना

Lazy (लेजि) आलसं सुस्त

Lead (लेड) सीसा

Leaf (लीफ) पत्ता पान

Lean (लीन्) दुबला

Learn (लर्न) सीखना

Learned (लर्नेड्) विद्वान

Least (लीष्ट) कमसेकम

Leather (लेदर) चमड़ा

Leave (लीव) छुट्टी रजा

Lecture (लेकचर) भाषाण

Left (लेफट) छोड़ा त्यागा

Leg (लेग्) पग टंगड़ी

Legal (लीगल्) कायदे मुजब

Legible (लेजिबल्) स्पष्ट

Leisure (लीजर) फुरसत

Lemon (लेमन) नीबू

Length (लेङ्गथ्) लम्बाई

Less (लेस) कमती थोड़ा

Lesson (लेसन्) पाठ

Lest (लेष्ट) नहींतो

Let (लेट) परवानगी देना

—him go उसको जानेना

—fall गिरनेदो

Letter (लेटर) कागज चीठी हरफ

Level (लेवल्) बराबर सम

Liable (लायबल्) जवाबदार

Lie (लाई) झुठबोलना

Life (लाईफ) जीव जिंदगी

Light (लाईट) रोशनी हलका

Lightning (लाईटनिंग्) बिजली

Like (लैक) पसन्दकरना चाहना

Lime (लैम) चूना

Limit (लिमिट्) हद सीमा

Line (लैन) रेखा लकीर

Lion (लायन्) सिंह

List (लिस्ट) टीप फरद

Listen (लिसन्) सुनो

Live (लिव) जीवता रहना

गुजरान करना रहना

Lizard (लिजार्ड) छिपकली

Load (लोड) बोजा भार

Loaf (लोफ) पाउ रोटी

Loan (लोन) करज देना लोन

Local (लोकल्) जगह खासगी

Lock (लोक) ताला चांप

Long (लांग्) लंबा

Look (लूक) देखना नजर

—after चोकसी करना

—राह देखना

—out तलाश करना

Looking(लूकिंग)अवलीकन दिखना

Loose (लूज) नीराला खुल्ला

Lord (लार्ड) प्रभू खाविंद

Lose (लुज) खोना नुकसान होना

Loss (लोस) नुकसान

Lot (लोट) बाट समूह नसीब थोक

Love (लव्) प्रेम मुहब्बत

Low (लो) हलका नीचे कम दामी

Lower (लोअर) बहुत नीचा

Lowly (लोलि) गरीब नीचेसें

Lungs (लंगश) फेफसा

M

Mace (मेस) जावत्री

Machine (मेशीन) [illegible]

Mad (मेड्) दीवाना

Madam (मेडम) बाईसाहिबा

Made (मेड) बनाया कीया

Magistrate (मेजिस्ट्रेट) फोजदार

Mail (मेल) डाक

Make (मेक) करदेना

—good भरदेना

—out दरयाफ्त करना

—money पैदा करना

Maker (मेकर) बनानेवाला

Malo (मेल) पुरुष पुलिङ्ग

Man (मॅन्) आदमी
Manage (मॅनेज) काम चलना
Mango (मॅन्गो) आम
Manifest (मॅन्फॅस्ट) मालकी
नोंध भरतीयो
Manner (मैनर्)रीतिप्रकार रीवाज
Many (मेनि) बहुत घना
March (मार्च) तीसरा महीना
Mare (मेर) घोड़ी
Margin (मार्जिन्) कोर हांसीया
Mark (मार्क) चिह्न
Market (मार्कॅट्) बाजार
—rate बाजार भाव
—price बाजार भाव
—dull बाजार मंदा
—quiet बाजार चुप
—high बाजार तेज
—strong बाजार जोर में
—rising बाजार चढ़ता
—declining बाजार गलता
—falling बाजार गिरता
—sharp बाजार तेज
—steady बाजार स्थिर
—advancing बाजार बढ़ता
—opinion बजारकी रुख
—rumour बाजारूगप
—firm बाजार मजबूत
—stopped बाजार बंद
—opened बाजार खुला
Morriage (मेरिएज) विवाह
Master (मास्टर) गुरु सेठ मालिक
Mat (मॅट्) चटाई
Match (मॅच) दीवासलाई
Material (मटिरियल) चीज वस्तु
Matter (मॅटर्) प्रकरण काम
Maund (मॉण्ड) मन
May (मे) सकना महीना
Me (मी) मुझे मेरेको
Meal (मील) खोराक भोजन
Mean (मीन्) नीच [illegible]
Meaning (मनिङ्ग) अर्थ
Means (मीनस्) उपाय इलाज
Meanwhile (मीनव्हाइल) इतने में
Measure (मॅजर) माप इलाज
Meat (मीट्) मांस
Medicine (मेडिसन्) दवा
Meet (मीट) मिलना योग्य
Meeting (मीटिङ्ग) सभा मीलाप
Member (मेंबर) [illegible] पञ्च
Memorandum (मिमोरॅण्डम) यादी
टीप नोंध
Memory (मेमॉरी) यादराश्त

Men (मेन्) बहुत आदमी
Mend (मेण्ड) दुरस्त करना
Mention मेनशन् कहना
Mercantile (मर्कण्टाइल) व्यापार सम्बन्धी साहुकारी
Merchant (मर्चेंट) बापारी
Mercury (मर्क्यरी) पारा
Mercy (मर्सि) दया
Mere (मीयर) फकत
Message (मेसेज) समाचार
Metal (मेटल्) धातु
Method (मेथड) रीति तरीका
Mid-day (मिड्डे) मध्यान
Middle (मिड्ल्) मध्य बिचला
Midnight (मिडनैट) आधीरात
Might (मैट) सक्ता जोर
Mile (मैल) आधाकोस
Military (मिलिटरि) लस्करी
Milk (मिल्क) दूध
Mill (मिल्) चाकी [redacted] चाकी
Million (मिलियन्) दसलाख
Mind (मैंड) चित मन
Mine (माइन) मेरा [redacted]
Minister (मिनिष्टर) वजीर
Minute (मिनिट) मिंट २॥ पल
Misconduct (मिसकण्डाक्ट) खराब चाल बदचाल
Miser (मैजर) कंजूस बखील
Misfortune (मिसफार्चून) कमन सीब कमबखत
Miss (मिस्) भूल चुक छोकरी
Mistake (मिष्टेक) भुल [redacted]
Mistress (मिष्ट्रेस) बेठाणी
Mix (मिक्स) मिलाना
Mixed (मिक्सड) मिलाहुआ
Moist (मॉइष्ट) भीजा
Mole (मोल) तिल चकचुंदर
Moment (मोमेण्ट) क्षण पल
Monday (मण्डे) सोमवार
Money (मनि) पैसा नाणा
Monkey (मंकि) बंदर
Moon (मुन) चांद
Moonlight (मुनलैट) चांदनीरात
More (मोर) जीयादा
—and more और जीयादा
—and less कम जीयादा
Morning (मॉर्निंग) प्रभात
Most मोष्ट सबसे बड़ा
Mother (मदर) मा माता
Motion (मोशन) चालगति
Mould (मोल्ड) संचा ठापा
Mountain (माउनटेन्) पाहाड़
Mourn (मोर्न) शोक विलाप

Mouth (माउथ) मूंह मुख
Moveable (मूवेबल्) जंगम माल
Move (मूव) सरकाना हालना
Mow (मो) काटना
Much (मच) बहुत
Mud (मड्) कादा कीच
Mule (मूल) खचर
Mungoose (मंगूस) नौलिया
Murder (मर्डर) खून
Musket (मस्केट) बन्दूक
Muslin (मसलिन्) मलमल
Must (मष्ट) चाहिये
Mutiny (मूटिनि) दङ्गा
Mutual (मूच्युएल) आपसमें
My (माई) मेरा
Myself (माइसेल्फ) मैंखुद

N

Naked (नेकड्) नंगा
Name (नेम) नाम
Namely (नेमलि) जैसे
Native (नेटिव) देशी
Natural (नेचरल्) स्वाभाविक
Near (नीअर) नजदीक
Necessary (नेसेसरी) जरूरका
Need (नीड) जरूर गरज
Needful (नीड्फुल) जरूरका
Neglect (निगलेक्ट) छोड़ना
Neighbour (नेबर) पड़ोसी
Neither (नीदर) नतो
Nephew (नेफ्यु) भतीजा भानजा
Nest (नेष्ट) घुंसला
Never (नेवर) कभी नहीं
Nevertheless (नेवर्दिलेस) तवभी
New (न्यू) नया ताजा
News (न्यूज) खबर
News-paper (न्यूजपेपर) अखबार
Next (नेक्स्ट) दुसरा पासका
Nice (नैस) सुन्दर बारीक
Night (नैट) रात
Nine (नैन) नव
Ninety (नैनटी) नब्बे
Ninth (नैनथ) नववां
No (नो) नहीं ना
Noble (नोबल्) उमराव
Noise (नोएज) गुल रोला
None (नान) नहीं
Noon (नून) दोपहर
Nor (नोर) नतो
North (नार्थ) उत्तर
Nose (नोज) नाक
Not (नाट) नहीं ना
Note (नोट) चीठी नोट नोधना

Nothing (नथिंग) कुछ नहीं
Notice (नोटिस) इतला खबर
Noun (नउन) संज्ञा नाम बिशेष
November (नवेम्बर) महीनेकानाम
Now (नाउ) अभी अब
Nowhere (नोह्वेर) कहींनहीं
Number (नम्बर) संख्या शुमार
नम्बर गिणना
Nurse (नर्स) दाई धाय
Nut (नट्) सुपारी
Nutmeg (नट्मेग) जायफल

O

Obedience (ओबिडीएन्स)ताबेदारी
Obedient (ओबीडियण्ट) ताबेदार
Obey (ओबे) हुकम मानना
Object (ऑबजेक्ट) वस्तु मतलब
बाबत ताह्मने होना
Objection (ऑबजेकशन्) हरकत
बाधा तकरार
Oblige (ओबलाइज)उपकार करना
जरूर फरज करना
Observe (ऑबजर्व) देखना रखना
ताबे होना बीचार (होना
Obtain (ऑबटेन) मिलना हासिल
Occasion (ऑकेजन्) प्रसंग तक
Occupation (ऑकूपेशन) काम
Occupy (ऑकूपाई) दखल करना
Occur (अकर) होना बनना
October (अक्टोबर) महीना
Of (ऑफ्) का, के, को
Off (ऑफ्) दूर चल, जा, निकल
Offence (ऑफेन्स) अपराध
Offer (ऑफर) मांगना भेट
Office (ऑफिस) अधिकार दुकान
Officer (ऑफिसर) अमलदार
Often (ऑफन) बारबार
Oil (ऑईल) तेल तेलचोपड़ना
Old (ओल्ड) पुराना बुढ़ा
Omen (ओमन) सगुन सूरत
Omit (ओमिट) भूलना छोड़ना
On (ऑन्) उपर पर विषे
Once (वन्स) एकवक्त एकबार
at—(एट् वन्स) तुरन्त
One (वन) एक कोई
Only (ओन्लि) फकत् केवल
Open (ओपन्) खोलना खुल्ला
Openly (ओपन्लि) खुला
Opinion (ओपिनिएन) बख मत
Opium (ओपिअम्) अफीम
Opportunity (ऑपर्च्यूनिटि) तक
लाग संयोग संधान
Opposite (ऑपोजिट्) साह्मने

Orange (ऑरेंज) नारंगी

Order (आर्डर) हुकम

general—हुकमसदर

in—to वास्ते लिये

Ordinary (ओर्डिनरि) साधारण रीति प्रमाणे न्यायाधिस

Original (ओरिजिनल) असल

Ornament (ऑर्नमेंट) गहना

Orphan (ऑर्फन्) बिनमाबापका

Other (अदर्) दूसरा जुदा

Otherwise (अदरवाइज) नहीं तो दुसरी तरह

Over (ओवर) उपर पर

make—हवाले करना

made—हवालेकिया सौंपा

all—होचुका खलास

Overload(ओवरलोड) बहुतलादना

Ought (ऑट) चाहिये मुनासिब

Our (अवर) हमारा अपना

Ounce (औंस) २॥ तोला प्रमाण

Out (आउट) बाहर

—of hand इसीवक्त

Owe (ओ) करजदार होना

Own (ओन) अपना खास

Owner (ओनर) मालिक

Ownership (ओनरशिप) मालकी

Ox (ऑाक्स) बैल बलद

P

Pack (पॅक) गांठबाधनी

Packet (पॅकेट) डाकका बण्डल

Page (पेज) सफा प्रष्टी

Paid (पेड्) दीया रुपये दिये

Pain (पेन्) दुःख पीड़ा

Paint (पेंट) रंग रंगना

Pair (पेर) जोड़ा जोड़ी

Palace (पॅलेस) महल हवेली

Pale (पेल) फीका सफेद

Paper (पेपर) कागज दस्तावेज

Parcel (पार्सल) बीटकी

Parchment (पार्चमेण्ट) चर्मपत्र

Parden (पार्डन्) क्षमा माफी

Parent (पेरेंट) मा बाप

Parrot (पॅरट्) सुआ तोता

Part (पार्ट्) भाग हिस्सा पक्ष

Partake (पार्टेक) हिस्सालेना

Partial(पार्शिएल्)पक्षपातीथोड़ासा

Particulars (पर्टिकूलरस) चोकस खबर बाबत विगतवार

Particularly (पर्टिकूलर्लि) बहुत करके तफसीलवार

Partner (पार्टनर) भागीदार

Partook (पार्टुक) हिस्सा लिया

Party (पार्टि) टोली आसामी भागीदार मिजमानी

Pass (पास) रस्ता परवाना पसार होना पास होना

Passenger (पसेंजर) मुसाफिर

Past (पास्ट) गयाहुआ

Path (पाथ) रस्ता मार्ग

Pay (पे) देना पगार देना

Pay'in (पेइन) भरदेना

Pay'off (पेऑफ) देजाओ देडालो

Pea (पी) मटर

Peace (पीस) सलाह मिलाप

Peacock (पीकॉक) मोर

Pearl (पर्ल) मोती

Pen (पेन) कलम लेखनी

Penal (पीनल) सजासंबंधी

Penalty (पेनल्टि) सजा दंड

Pencil (पेन्सिल्) पेनसील

Pension (पेनशन) घरबैठे तनखा जो मिलती है

People (पीपल) लोक आदमी

Pepper (पेपर) मिरच

Perfume (पर्फ्यूम) सुगंध

Perhaps(परहेपस)कदासकदाचित

Period (पीरिअड्) मुद्दत वक्त

Periodical (पीरियोडिकल) मुद्दती

Permission (पर्मिशन्) परवानगी रजा फरमाइश

Permit (पर्मिट) परवानगी देना

Person (पर्सन्) आदमी

Pet (पेट) पियारा लाड़ला

Petition (पिटिशन्) अरजी

Petty (पेटी) छोटा कम कीमती

Pice (पाइस) पैसा टका

Pick (पिक) पसंद करना चुनना

Pick'up (पिकप्) उठाना उंचाना

Picture (पिक्चर) तसवीर

Piece (पीस) टुकड़ा थान

Pig (पिग) सूरका बच्चा सूरीया

Pigeon (पिजन्) कबूतर

Pile (पाईल) ढिगली गंज

Pill (पिल) गोली गुटिका

Pillar (पिलर) खंभ खम्भा

Pillow (पिलो) तकीया बालिस

Pin (पिन) आलपीन

Pinch (पिंच्) चुंटिया चुटकी

Place (प्लेस) जगह ठिकाना

Plain (प्लेन्) मैदान सादा

Plaintiff (प्लेन्टिफ) फरयादी

Play (प्ले) खेल खेलना

Pleader (प्लीडर) वकील

Please (प्लीज) खुशी मिहरबानी

Pleasure (प्लेजर) खुशी
Plenty (प्लेनटि) बहुत
Plural (प्लूरल) बहुवचन
Pocket (पाकेट) खीसा
Point (पोइन्ट) अणी विषय
Poison (पोइजन) जहर
Police (पोलिस) चबुतरा
Policy (पालिसि) जोखिमनामा
Poor (पूअर) गरीब कङ्गाल
Port (पोर्ट) बंदर
Portion (पोर्शन) हिस्सा भाग
Possession (पजेसन) कबजा
Possible (पासिबल) बननेयोगर
Post (पोस्ट) डाक डाकमें भेजना थाना जगह चोकी
Potatoe (पोटेटो) आलु
Pound (पाउंड) आधा सेर
Powder (पाउडर) चूर्ण भूकी
Power (पाउर) जोर अधिकार
Practice (प्राकटिस) अभ्यास
Praize (प्रेज) तारीफ बखाण
Pray (प्रे) प्रार्थना विनती
Precious (प्रेशिअस) कीमती
Presence (प्रेजेन्स) हाजरी रुबरु
Present (प्रेजंट) इनाम हाजिर
Press ((प्रेस) छापाखाना दबाना
Pretty (प्रेटी) सुंदर ठीक
Prevail (प्रिवेल) चालु रहना
Prevent (प्रिवेंट) अटकाना
Previous (प्रिविअस) आगला
Price (प्राईस) मोल भाव
Prince (प्रिन्स) राजा शाहजादा
Princess (प्रिनसेस) शाहजादी
Principal (प्रिन्सिपल) मुख्य
Prisoner (प्रिजनर) कैदी
Private (प्राईवेट) गुप्त
Prize (प्राईज) इनाम बक्सिस
Proceed प्रोसीड आगाड़ी चलना उपजना तजबीज करना
Proclaim (प्रोक्लेम) ढंढेरा पीटना
Procure (प्रोक्यूर) मिलना लेआना भडवाई करनी
Produce (प्रोडिउस) पैदास फल
Profit (प्रोफिट) नफा लाभ
Profitably (प्रोफिटेबलि) नफेसे
Promise (प्रामिस) कोलकरना
Pronounce (प्रोनउन्स)उच्चारकरना
Proof (प्रूफ) सबूत प्रमाण
Proper (प्रोपर) वाजब लायक
Property (प्रापरटि) माल दौलत
Prospect (प्रोसपेक्ट)आसा सुमार
Protection (प्रोटेकशन) आसरा

Proud (प्राउड) मगरूर
Prove (प्रूव) साबित देना
Province (प्रोविन्स) देश मुल्क
Public (पबलिक) आलम जाहिर
Publish (पबलिश) छापके जाहिर करना प्रगट करना
Pull (पुल) खेंचना तोड़ना
Punish (पनिश) सजादेनी
Purchase (पर्चेस) खरीदना
Purchased (पर्चेसड्) खरीदा
Purchasing (पर्चेसिंग) खरीदी
Purpose (पर्पस) मतलब काम
Purposely (पर्पसलि) जानबूझके
Push (पूश) धक्का मारना
Put (पुट) रखना मेलना
—down जेर तावे करना
—on पहनना शृंगार करना
—out गुल करना बुझाना
—in mind यादृदिलाना

Q

Quality (कवालिटि) जात गुण
Quantity (क्वानटिटि) प्रमाण
Quarrel (क्वारल) झगड़ा टंटा
Quarter (क्वार्टर) चौथा भाग
Queen (क्वीन्) राणी
Question (क्वेसचन्) सवाल
Quickly (क्वइकली) जलदी से
Quick-silver (क्वइकसिलवर) पारा
Quiet (क्वाएट) स्थिर चुप
Quietly (क्वाएटलि) गुप चुप
Quill (क्वइल) परकी कलम
Quire (क्वाएर) कागजका हिस्सा
Quit (क्विट) छोड़ना
Quite (क्वाइट) बिलकुल
Quotation (कोटेशन) भाव

Race (रेस) जात बंस दोड़दौड़
Rag (रेग) चीथरा
Rail (रेल) गज पट्टि
Railway (रेलवे) लोहेकी सड़क
Rain (रेन) वर्षा पानी गिरना
Raise (रेज) उठाना चढ़ना
Ram (रम्) मेंढ़ा
Rascal (रास्कल) लुच्चा सहोदा
Rat (र्‌ट) चुहा उंदर
Rate (रेंट) भाव मोल
Raw (रा) कच्चा अनारी
Ray (रे) सुरज की कीरण
Razor (रेजर) उसतरा छुरा
Reach (रीच) पहुचना ताकत
Read (रीड) बांचना पढ़ना
Readiness (रेडिनेस) तइयारी

Ready (रेडि) तइयार
Ream (रीम) कागज़ २० दस्ता
Reason (रीजन) कारण मनाना
Recall (रीकाल) पीछा बोलाना
Recieve (रिसीव) लेना पाना
Receipt (रिसीट) पहुंच रसीद
Recent (रीसेंण्ट) हाल नया
Recognize (रिकोगनैज) पहचानना
Recollect (रिकलेक्ट) याद करना
Recommend (रिकमेण्ड) शिफारस
Recover (रिकवर) आराम होना मिलना पावना
Red (रेड) लाल सुर्ख
Reduce (रिडिउस) घटाना कम
Reel (रील) फिरकी चर्खी
Refine (रिफाइन) साफ करना
Reflect (रिफ्लेक्ट) विचारकरना
Refreshment (रिफ्रेशमेंट) आराम
Refuse (रिफ्यूज) नटना कचरा
Register (रेजिस्टर) नोंध नोधना
Reject (रिजेक्ट) नापसंद करना
Relation (रिलेशन) सगपणसम्बन्ध
Release (रिलीज) छुटकारा
Remain (रिमेन) बाकी रहना
Remains (रिमेन्स) बाकीका
Remark (रिमार्क) कैफियत
Remedy (रिमिडी) उपाव इलाज
Remember (रिमेम्बर) यादि स्मरण
Remit (रिमिट) ओलाकरना रुपया हुंडी इत्यादि भेजना
Remove (रिमूव) सरकाना छोड़ाना
Rent (रेंट) घरकाभाड़ा भाड़ेदेन
Repair (रिपेर) मरम्मत करना
Repay (रिपे) पीछा देना
Repeat (रिपिट) फिरसे कहना
Reply (रिपलाई) जवाब देना
Report (रिपोर्ट) हकीकत खबर
Request (रिक्वेष्ट) अर्जकरना
Require (रिक्वायर) चाहिये
Reserve (रिजर्व) रखना जमानत
Residence (रेसिडेन्स) घर मुकाम
Resign (रिजाइन) राजीनामादेना छोड़ना सोंपना
Respect (रेस्पेकट) मान इज्जत
Respectable (रेस्पेकटेबल) आब रुदार मर्यादाशील
Respecting (रिसपेकटिंग) बाबत
Rest (रेष्ट) आराम उंघ निद्रा
Result (रिजल्ट) नतिजा परिणाम
Retail (रिटेल) खुदरा बेचना
Return (रिटर्न) पीछा फीरना
Reward (रिवार्ड) ईनाम

Rice (रैस) चावल
Rich (रिच्) पैसावाला श्रीमन्त
Right (रैट) रीति न्याय ठीक
Ring (रिंग)घण्टा बजाना बींटी
Rise (रैज) चढ़ना उठना
Risk (रिस्क) जोखिम
River (रिवर) नदी
Road (रोड) रस्ता सड़क
Rob (रोब) चोरना
Robber (रॉबर) चोर
Robbery (रॉबरि) चोरी लूट
Rod (रॉड) सोंटा कुतका
Roof (रूफ) छत छावणी
Rook (र[illegible]) काग कागला
Room (रूम) जगह कोटरी
Root (रूट) मूल जड़
Rope (रोप) रस्सी डोरी
Rose रोज) गुलाबफूल
Rosin (रॉजिन) राल
Rough (रफ्) खरड़ा कड़ा
Round (राउण्ड) गोल
Route (रौट) रस्ता मार्ग
Royal (रॉयल) बादशाही
Rub (रब्) घिसना
Ruby (रूबि) माणिक लाल
Rule (रूल) अमल कायदा
Rumour (रूमर) गप अफवा
Run (रन्) दौड़ना भागना
Run'away (रन्एवे) भागना

S

Sack (सॅक्) थैला बोरा
Sad (सॅड्) उदास दलगीर
Safely (सेफली) सलामती से
Sago (सेगो) साबूदाना
Sail (सेल) जहाज हंकारना नाव जहाज का पाल
Sale (सेल) बिक्री बेचाण
Salary (सॅलरी) तनखा पगार
Salt (सॉलट) नमक लवण
Saltpetre (सोल्टपीटर) सोरा
Salute (सॅलूट) सलाम मान्य तोप
Same (सेम) सागी वही
Sample (सॅम्पल्) नमूना
Sanction (संकशन) मंजूर करना
Satan (सॅटिन्) शैतान
Satisfy (सॅटिस्फाई) खातरी करना
Satisfaction(सॅटिस्फॅक्शन)खातरी सन्तोष पतीज
Saturday (सॅटरडे) शनिवार
Say (से) कहना बोलना
Scale (स्केल)कांटा तराजु
Scheme (स्कीम) उपाय युक्ति

School (स्कूल) पाठशाला
Sea (सी) समुद्र
Seal (सील) मुहोर सील करना
Search (सर्च) तलास करना
Season (सीजन) ऋतु मोसिम
Second (सेकन्ड) दूसरा मिंटका ६० वां हिस्सा
Secret (सीक्रेट) गुप्त छाना
Secretary (सेक्रेटरी) कारवारी
Section (सेक्शन) वर्ग भाग
Security (सिक्यूरिटि) जमानत
See (सी) देखना समझना
Seed (सीड) बीज तुखम
Seize (सीज) पकड़ना
Select (सीलेक्ट) चुनना बाछना
Self (सेल्फ) खुद आप
Selfish (सेलफिश) मतलबी
Sell (सेल) बेचना
Selling (सेलिंग) बिक्री
Send (सेन्ड) भेजना
Send'for(सेंडफोर)बुलानामंगवाना
Sense (सेन्स) समझ मतलब बुद्धि
Sensible (सेन्सिबल) होशीयार
Sentence (सेंटेन्स) शिक्षा टीप
Separate (सेपरेट) जुदा
Sepration (सेपरेशन) जुदाई
September (सेपटेम्बर) महीना
Serious (सीरीएस) मोटा भारी
Servant (सर्वेंट) नोकर
Service (सर्विस) नोकरी
Set (सेट) निकलना टोला
Set'in आरंभ करना
Set'with जड़ना नग जड़ना
Set'up खड़ा करना स्थापन
Settle (सेटल) निबेड़ा करना बन्दोबस्त करना फैसला करना
Settlement (सेटलमेंट) बन्दोबस्त
Seven (सेवन) सात
Several (सेवरल) बहुत कितनाक
Shall (शल) गा गी गी
Shame (शेम) लाज शरम
Shere (शेर) हिस्सा
Sharp (शार्प) तेज जलद
She (शी) वह स्त्री
Sheep (शीप) भेड़
Sheet (शीट) चादर तखती
Shilling (शिलिंग) आठ आना
Ship (शिप) जहाज जहाजपर मालचढ़ाना
Shipped (शिप्ड) चढ़ाया
Shoe (शू) जूता पगरखी
Shop (शाप) दुकान हाट

Short (शॉर्ट) थोड़ा कम
Show (शो) दिखलाना
Shut (शट) बंद करना
Sick (सिक्) मांदा बीमार
Side (सैड) तरफ बाजू
Sight (सैट) दरसन दरसनी
Sign (साइन) दसखत सही
Signal (सिगनल) चिह्न
Silk (सिल्क) रेशम
Silver (सिलवर) चांदी
Similar (सिमिलर) समान सरखा
Simple (सिम्पल) निष्कपट
Simply (सिम्पली) फक्त
Sin (सिन्) पाप गुन्हा
Since (सिन्स) जबसे जिसबाद
Sing (सिंग) गाना
Sincerely (सिनसरेली) दिलजानसे
Single (सिंगल्) अकेला एकहरा
Singular (सिंग्युलर) एकवचन
Sink (सिंक) डूबना दबाना
Sir (सर) सेठ महाराज
Sister (सिस्टर) बहिन
Sit (सिट) बैठना
Situation (सिच्यूएशन) जगह
Six (सिक्स) छे ६
Size (साइज) कद डौल आकार
Skin (स्किन्) चमड़ा खाल
Sky (स्काई) आसमान
Skill (स्किल) हिकमत
Skilful (स्किलफुल) हिकमती
Slack (सलाक) ढीला नरम
Sleep (स्लीप) सोना
Slight (स्लाइट) हलका बारीक
Slowly (स्लोली) धीमे धीमे
Smell (स्मेल) गंध बू बास
Smile (स्माइल) हंसना मुलकना
Snow (स्नो) बरफ हिम
Snuff (स्नफ) सुंघनी तमाखू
So (सो) ऐसा जैसा तैसा
—and [redacted] जैसे इतना
—long as जहां तक [redacted] तक
—often as जितना वक्त
—far as जहां तक यहां तक
—that ताकि जिससे
Society (सोसायटि) मंडली संगत
Soft (सॉफ्ट) नरम धीमे
Solicit (सोलिसिट) अरज करना
Some (सम) कुछ जरा
Something (समथिंग) कुछभी
Sometime (समटाइम) कोई [redacted]
Son (सन) पुत्र लड़का
Soon (सून) जलदी
Sort (सॉर्ट) जात तरह
Sound (सउंड) आवाज

South (साउथ) दक्षिण
Speak (स्पीक) बोलना
Special (स्पे शल) विशेष
Specimen (स्पेसीमेन) नमूना
Spell (स्पेल) शब्द जोड़ना
Spend (स्पेन्ड) खर्चना
Spoil (स्पाइल) खराब करना
Spoon (स्पून) चमची
Stable (स्टेबल) अस्तबल
Stamp (स्टाम्प) छाप मुहर
Stand (स्टेण्ड) खड़ा रहना
Star (स्टार) तारा नक्षत्र
Start (स्टार्ट) रवाने होना
State (स्टेट) हालत राज्य
Statement (स्टेटमेंट) इजहार
Station (स्टेशन) जगह थाना
Stay (स्टे) रहना अटकाव
Steady (स्टेडि) स्थिर पायदार
Steal (स्टील) चोरी करना
Steam (स्टीम) बाफ भाफ
Steel (स्टील) इस्पात फौलाद
Stick (स्टिक) लकड़ी छड़ी
Still (स्टिल) चुप अभितक
Stock (स्टाक) बाकी जत्था
Stone (स्टोन) पत्थर
Stop (स्टाप्) अटकाना रोक
Stopped (स्टापड्) बंदकीया
Store (स्टोर) संग्रह भरके रखना
Storm (स्टार्म) तोफान हल्ला
Story (स्टोरि) कहानी बारता
Straight (स्ट्रेट) सीधा दुरस्त
Stranger (स्ट्रेंजर) परदेशी
Street (स्ट्रीट) रस्ता गली
Strike (स्ट्राइक) मारना
Strike-off छेकना तोड़ डालना
Strike-out (स्ट्राकआउट) छेकके
निकालना
Strong (स्ट्रांग) जोरावर जबर
Study (स्टडि) अभ्यास पढ़ना
Subject (सबजेक्ट) प्रजा बाबत
Submit (सबमिट) दाखिल करना
Subordinate (सबार्डिनेट) ताबेदार
हाथनीचेका
Succeed (सक्सीड) फतेह एकपीछे
दूसरा आना
Such (सच) ऐसा इस जातका
Suffer (सफर) भोगना सहना
Sufficient (सफिशिएण्ट) बसपूरता
लायक योग्य
Sugar (शुगर) खांड़ चीनी
Suit (सूट) मुकद्दमा अरजी
Sum (सम्) रकम एकठा करना
Summons (समन्स) [redacted]
Sun (सन्) सूर्य आफताब

Superior (सुपिरिएर) अच्छी जात ऊंचीपदवीका
Supply (सप्लाई) भरतीपूरापाडना
Suppose (सपोज) अटकल तर्क
Sure (श्यूर) निश्चय नक्की
Surprise (सरप्राइज) आश्चर्य
Suspect (सस्पेकट) शक वहम
Suspend (सस्पेण्ड) टांगना मुलतवी
Suspicion (सस्पिशन) शक
Sweep (स्वीप) झाडना झारना
Sweep-away (स्वीप्‌एवे) झाडडालना
Sweeping (स्वीपीं) कचरा कूडा
Sweet (स्वीट) मीठा
Sweetmeat (स्वीटमीट) मीठाई
Swim (स्विम्) तिरना
System (सिस्टम) बंदोबस्त कायदा आम शरीर

T

Table (टेबल) मेज कोठा
Tail (टेल) पुंछडी दुम
Tailor (टेलर) दरजी
Take (टेक) लेना इसका भूतकाल took लिया
Taken (टेकन) लेलिया
Tale (टेल) कथा बारता
Talk (टाक) बात बोलना
Tall (टाल) लम्बा ऊंचा
Taste (टेस्ट) स्वाद रुचि
Tax (टैक्स) छापा कर जकात
Tea (टी) चाह चाहपीना
Teach (टीच) सिखलाना
Teacher (टीचर) सिखानेवाला
Teeth (टीथ) दांतसब
Telegraph (टेलिग्राफ) तार भेजना यकोचाना
Telescope (टेलस्कोप) दूरबीन
Tell (टेल) कहना बोलना
Temper (टेम्पर) मिजाज
Temple (टेम्पल) मंदिर देवालय
Ten (टेन) दश संख्या
Tenant (टेनेंट्) आसामी भाडुत
Tent (टेण्ट) तम्बू
Term (टर्म) मर्याद मुद्दत वादा
Than (दैन) से बरता
Thank (थेंक्क) धन्य उपकार.
That is to say (दाट इज टु से) अर्थात् जैसेकि
Theatre (थीएटर) नाटक रंगभूमी
Thee (दी) तू तने
Theft (थेफ्ट्) चोरी
Their (देअर) उन्होंका आपना
Them (देम्) उन्होंने उन्होंको
Then (देन्) तब, तो, उस वक्त
Thence (देन्स) वहांसे

There (देअर) वहां तहां
Therefore (देअरफर) इसवास्ते
Thereon (देअर ऑन) उसपर
They (दे) वे वहसब
Thick (थिक्) जाडा मोटा
Thief (थीफ) चोर
Thin (थिन) पतला दुबला
Thine (दाइन) तेरा तुमारा
Thing (थिंग्) चीज वस्तु
Third (थार्ड) तीसरा
Thirsty (थर्स्टि) प्यासा तीसो
This (दिस) यह वह याह
Thither (दिधर) उसजगह
Those (दोज) उन्होंका वेह
Thou (दाउ) तू तुम
Though (दो) तबभी जोकि
Thought (थॉट) विचार चिन्ता
Thousand (थाउजंड) हजार
Thread (थ्रेड) डोर सूत
Threat (थ्रेट) धमकी भय
Tree (थ्री) तीन
Throat (थ्रोट) गला कंठ
Through (थ्रू) मारफत पार
Throw (थ्रो) फेंकना
Thunder (थण्डर) गर्जना
Thus (दस) इसमुजब
Thy (दाई) तेरा तेम्हारा

Tiger (टाइगर) बाघ
Tight (टैट) तंग बखील
Tile (टैल) खपरा नलिया
Till (टिल) तक लग
Time (टैम्) वक्त काल
Together (टूगेदर) एकंदर
Too (टू) बहुत भी
Tongue (टंग) जीभ रसना बली
Tomorrow (टूमॉरो) कल
To-night (टूनैट) आजरात
Tool (टूल) हाथियार यस्त
Tooth (टूथ) दांत एकदांत
Top (टॉप) ऊपर चोटी लट्टू
Touch (टच्) तपास स्पर्श
Town (टाउन) शहर
Trace (ट्रेस) पतालगाना
Trade (ट्रेड) व्यापार रोजगार
Train (ट्रेन) चाल कातर
Transaction (ट्रेनजेक्शन) काम काज कारबार सौदा
Translation (ट्रेन्सलेशन) तरजुमा भाषांतर
Transport (ट्रेन्स्पोर्ट) काले पानी भेजना इत्यानन्द
Treasure (ट्रेजुर) खजाना
Tree (ट्री) वृक्ष
Trial (ट्रायल) परख तपास

Troop (ट्रूप) फौज सवार
Trouble (टब्ल्) तकलीफ
True (ट्रू) सत्य
Trust (ट्रष्ट) विश्वास भरोसा
Try (ट्राई) परीक्षा चेष्टा करना
Turn (टर्न) फीराना
Twice (टवाइस) दोबेर
Twine (टवाइन) सुतली
Tyranny (टिरनि) जुलम

U

Ugly (अगलि) बेडौल
Umbrella (अम्ब्रेला) छतरी
Unable (अनएबल) अशक्त
Unchanged (अनचेंजड) बही फेरफार जिसमें नहो [फिकारना
Unaccept (अनएकसेपट) नहीं
Uncertain अनसर्टन) निश्चय नहीं
Under (अण्डर) नीचे ताबे काम
Understand (अण्डरष्टेंड) समझना ध्यानमेंलाना
Undertake (अण्डरटेक) अंगपर लेना माथेलेना [खचित
Undoubtedly (अनडाउटेडलि)बेशक
Undo (अनडू) मतकरो
Undue (अनड्यु) बेहद अयोग्य
Uneasy (अनईजि) बेचैन दुःखी
Unfinished (अनफिनिशड) अधूरा अपूर्ण आधा
Unfortunate (अनफार्च्युनेट) कमबख्त
Unhappy (अनहेपि) दुःखी अदुखी भाग्यहीन [नाफका
Uniform (युनिफार्म) एकजात एक
Unintelligible(अनइनटेलिजिबल) समझ में नहीं आनेलायक
Unknown (अननोन) अज्ञात
Unless (अनलेस) नहींतो सिवाय
Until (अनटिल) जहां तक
Unusual (अनयुजवल) बेरिवाज उलटा गैरवाजिब
Untransacted (अनट्रेनजेक्टेड) सौदा नहींबना
Unwilling (अनविलिंग) नाखुशी नाकबूल नाराजी
Up (अप्) उपर पर
Upon (अपान्) उपर पर
Upper (अपर) उपरका
Upstairs (अपष्टेर्स) उपरमाला
Upwards (अपवार्डस) उपर ऊंचे
Us (अस्) हमने हमको
Use (यूस) काम उपयोग
Useful (यूजफुल) कामका
Useless (यूसलेस) निकम्मा
Usual (यूजवल) औरसा सुजब

V

Vacant (वेकांट) खाली
Vain (वेन) व्यर्थ फोकट बायदे
Valuable (वंल्यू एल्) कीमती
Value (वंल्यु) मोल कीमत
Various (वेरिएस) भांत भांतका
Vegetable (वेजिटेबल्) औषधि
Velvet (वंलवंट) मुखमल
Vender (वेण्डर) बेचनेवाला
Vend (वेण्ड) बेचना
Verb (वर्ब) क्रियापद
Very (वेरि) बहुत बड़ी लागी
Verbally (वरबली) जबानी बात
Vice (वाइस) ऐब दुर्गुण
Viceroy (वाइसराय) प्रधान सुबा
Victory (विकटरी) फतह जै
Village (विलेज) गाव गांम
Visible (विजिबल्) दीखै ऐसा
Visit (विजिट्) मुलाकात भेट
Viz. (विज) जैसेके
Voice (वाइस) आवाज
Vowel (वावेल) स्वरवर्ण

W

Waggon (वंगन्) गाड़ी डब्बा
Wait (वेट) राह देखना ठहरो
Wake (वेक) जगाना
Walk (वाक) चलना फिरना
Wall (वाल) भींत दीवार
Wander (वाण्डर) फिरना भटकना
Want (वाण्ट) चाहना गरज
War (वार) लड़ाई
Warlike (वारलैक) युद्धविषे
Warm (वार्म) गरम गुस्से
Warn (वार्न) ताकीद देना चेताना
Wash (वाश) धोना साफकरना
Watch (वाच) घड़ी चौकी
Water (वाटर) पानी जल
Wax (वाक्स) मोम
Way (वे) मार्ग रस्ता
We (वी) हम
Weak (वीक) कमजोर
Wealth (वेल्थ) दौलत.
Weather (वेदर) हवा
Week (वीक) हफ्ता
Weep (वीप) रोना
Welcome (वेलकंम) सत्कार आदर
Well (वेल) अच्छा कुवा
Wet (वेट) भीजा पाणी
What (व्हाट) क्या क्यों
Whatever (व्हाटएवर) जो कोई
Wheat (व्हीट) गेहूं
Wheel (व्हील) चाक पैड़ा
When (व्हेन) जब कब उसवक्त
Whence (व्हेन्स) जहांसे कहांसे

Whenever (ह्वेनं एवर) जबकभी
Where (ह्वेर) कहां जहां
Whether (ह्वेदर) अथवा नहीं
Which (ह्विच) जो कोन कैसा
While (ह्वाइल) जिसवक्त वक्त
Whip (ह्विप) कोरड़ा चाबुक
White (ह्वाइट) सफेद धोला
Who (हू) कोन जो
Whoever (हूएवर) जोकोई हरकोई
Whole (होल) सब कुल
Wholly (होलि) बिलकुल
Whom (हूम) किसको किसने
Whose (हूज) किसका
Why (ह्वाय) किस वास्ते क्यूं
Wide (वैड) चोड़ा
Widow (विडो) विधवा
Wife (वाइफ) स्त्री लुगाई बहू
Will (विल) गा, गे, गी खुशी
Win (विन) जीतना
Wind (विंड) पवन वायु
Wine (वाइन) शराब दारू
Wire (वायर) तार
Wisdom (विजडम) अकल
Wise (वाइज) अकलमंद
Wish (विश) इच्छा मरजी चाहना
Withdraw (विथड्रा) पीच्छा लेना पीछाखेंचना समेटना
Within (विदिन) मां मध्ये
Without (विदौट) बगैर बिना
Witness (विटनेस) गवाह साक्षी
Wolf (वुल्फ) भेडीया वालो
Woman (वमन) स्त्री औरत
Wonderful (वोण्डरफुल) ताजिब
Wool (वूल) ऊन पशम
Word (वर्ड) बात कथा लफज
Work (वर्क) काम धंधा
World (वर्ल्ड) दुनिया
Worship (वरशिप) पूजा
Worth (वर्थ) कीमत मोल
Worthy (वर्दि) योग्य लायक
Wound (वोण्ड) घाव जखम
Write (राइट) लिखना
Writing (रैटिंग) लेख हरफ
Wrote (रोट) लिखा
Written (रिटन्) लिख दीया
Wrong (रौंग) गलत खोटा

Y

Ye (यी) तुम
Yes (येस्) हां ठीक
Year (यीअर) बरस साल
Yellow (यलो) पीला
You (यू) तुम आप
Young (यंग) जुवान
Your (योर) तुम्हारा आपका

Youiself (योरसेलफ) तुम आप

Youth (यूथ) जवानी तारुण्य

Yam (याम) रतालु

Yard (यारड्) गज आंगन

Yesterday (यष्टरडे) कल

Yield (ईल्ड) पउजना पैदा

Yet (यट्) तबभी लेकिन तक

Yesterenight (इस्टरनैट) तागुर जोरातका गुजरगई

Z

Zebra (जिबरा) जंगली गदहा

Zinc (जिंक) दस्ता जस्त

Zeal (जील) गरमी

Zest (जेष्ट) मजा लज्जित

Zigzag (जिगजाग) ढेढा बांका

Zoology (जूवलोजी) जानवरोंका बयानका इल्म्

VOCABULARY

वाक्यावली

OF HEAVEN स्वर्गका

God (गॉड) ईश्वर खुदा
Deity (डेटि) परमब्रह्म
Almighty (आलमाइटि) भगवान
Goddess (गॉडेस) देवी भगवती
Lord (लार्ड) प्रभु
Divine (डिवाइन्) भगवत् ब्रह्मा
Creator (क्रियेटर) कर्त्ता
Universe (युनिवर्स) ब्रह्माण्ड

Sage (सेज) मुनि ऋषि
Angel (एञ्जल) दूत
Heaven (हेवन) स्वर्ग
Hell (हेल्) नर्क दोजख
Fairy (फेअरि) परि हूर
Demon (डेमन्) भूत
Devil (डेविल) दैत्य दाना
Prophet (प्रोफेट) नबि पैगम्बर

OF SKY आसमानका

Sky (स्काई) आसमान
Sun (सन्) सूरज
Moon (मून) चांद
Star (ष्टार) तारा
New moon (निउमून) नया चांद
Planet (प्लानेट्) ग्रहा
Mercury (मर्क्यूरी) बुध
Jupiter (जुपीटर्) बृहस्पत
Venus (वेनस्) शुक्र

Saturn (सटरन) शनि
Earth (अरथ) पृथिवी
Mars (मारस) मङ्गल
Zodiac (जोडिक्) राशिचक्र
Sign (साइन) राशि
Aries (एरिस्) मेष
Taurus (टारस्) वृष
Gemini (जिमिनाइ) मिथुन
Cancer (केनसर्) कर्क

Leo (लिओ) सिंघ
Virgo (विर्गो) कन्या
Libra (लाइब्रा) तुल
Scorpio (स्कोर्पिओ) वृश्चिक
Saggittarius (सगिटेरियस्) धन
Capricornus (केपरिकार्नस) मकर
Aquarius (एक्वारीस) कुंभ
Pisces (पिसेस्) मीन
Rain (रेन) वर्षा मेह
Showers (शौरस्) मेह वर्षना
Drop (ड्राप) बूंद छींटा
Cloud (कलउड) बद्दल मेघ
Dew (डिउ) ओस
Hail (हेल्) ओला पत्थर
Thunder (थण्डर) गर्जना
Lightning (लाइटनिंग) बिजलि

Comet (कामेट्) धूमकेतु
Ray (रे) कीर्ण
Sunshine (सनशाइन) धूप तावडी
Moonshine (मूनशाइन) चांदनिरात
Rainbow (रेनबो) धनुष धनक
Eclipse (इक्लिपस्) ग्रहण
Latitude (लेटिचीउड) अक्षप्रभा
Longitude (लांगजिचिउड)अक्षांस
Horizon (होराइजन) दृष्टिमर्यादा अकास कक्षा [कीरण
Sun-beam (सन्बीम्) सूरजकी
Blow (ब्लो) तोफान
Tempest (टेमपेष्ट) तोफान
Wind (विंड) हवा
Air (एर्) हवा
Calm (काम) निर्वात, साफ,सान्ती

OF SIDES दिशाका

East (ईस्ट) पूर्व
West (वेस्ट) पश्चिम
North (नार्थ) उत्तर
South (सउथ) दक्षिण

North-east (नार्थ ईस्ट) ईशान
South-east (सौथ ईस्ट) अग्नि
South-west (सौथ वेस्ट) नैरुत्य
North-west (नार्थ वेस्ट) वायव्य

OF SEASON मोसिम ऋतुका

Season (सीजन्) मोसिम काल
Spring (स्प्रिङ्ग) बसंत

Summer (समर) ग्रीषम
Autumn (आटम्) वर्षा

Winter (विंटर) शीशीर जाड़ा हिम	Cold (कोल्ड) ठण्ढा हिम

OF WATER पानीका

Water (वाटर) जल	Wave (वेव्) लहर
well (वेल्) कुआ कूप	Flow-tide (फलोटाइड) जोवार
Creek (क्रीक) खाल	Ebb-tide (एब टाइड) भाटा
Tank (टेंक) होज तालाब	Boar (बोर) बान
Pound (पोंड) तलाव	Flood (फ्लड) भरति
Sea (सी) समुद्र	Marsh (मार्श) दलदल
Ocean (ओसन) महासागर	Ice (आइस) वर्फ पाला
River (रिवर) नदी	Snow (स्नो) वर्फ पाला
Lake (लेक) सरोवर झील	Bubble (बबल्) बुलबुला
Rain (रेन) वर्षा	Monsoon (मोनसून) चौमासा

OF FIRE आगका

Fire (फायर) आग	Ashes (एशेस) राख
Heat (हीट्) ताव आंच गरमी	Smoke (स्मोक्) धूंवां
Flame (फ्लेम्) [redacted] लाट	Soot (सूट) धुंवांसो
Spark (स्पार्क) चिनगारी	Fuel (फिउल) ईन्धन
Flash (फलेश) चमक	Char-coal (चारकोल) कोयला

OF EARTH जमीनका

Earth (अर्थ) पृथ्वी	Mountain (माउनटेन) पर्वत पहाड़
Earth-quake (अर्थकोयक) भूंचाल [भूमिकम्प	Plain (प्लेन्) मैदान
Continent (कन्टिनेण्ट) महाद्वीप	Hill (हिल्) पर्वत
Island (आइलेण्ड) द्वीप	Dirt (डर्ट) मैल कादा
Abyss (एबिस) अगाध खन्दक	Chalk (चाक) खड़ी

Stone (स्टोन्) पत्थर
Dust (डस्ट) धूल खाक
Sand (सेन्ड) बालू
Gravel (ग्रेवल्) कंकार
Path (पाथ्) रस्ता
Bridge (ब्रिज) पुल

AFFINITY कुटिम्बिता

Ancestor (एनसेस्टर) बडका
Ancestry (एनसेस्टरी) वंश कुल
Kinsman (किन्समन) कुटुम्ब
Kinswoman(किन्सउमन) कुटुम्बिनी
Family (फेमली) परिवार
Father (फादर) पिता बाप
Step-father (स्टेपफादर) उपपिता
God-father (गाडफादर) धर्मबाप
Foster-father (फोस्टरफादर) अन्नदाता पिता
Grand-father (ग्राण्डफादर) दादा
Mother (मदर) माता मा
Grand-mother (ग्रांडमदर) दादी
Step-mother(स्टेपमदर)सोतीलीमा
God-mother (गाडमदर) धरम मा
Foster-mother (फोस्टरमदर)पालनकरनेवाली मा
Parent (परेण्ट) माता पिता मायत
Brother (ब्रदर) भाई [भाई
Step-brother (स्टेपब्रदर) सोतीला
Foster-brother(फोष्टरब्रदर)धायभाई
Own-brother (वोनब्रदर) सगाभाई
Twin-brother (टुइनब्रदर) जोड़ा भाई [छोटाभाई
Younger-brother (यंगरब्रदर)
Elder-brother (एलडरब्रदर) बड़ा भाई दादाभाई [भाईचारा
Brother-hood (ब्रदरहुड) बरादरी
Sister (सिस्टर) बहन
Foster-sister (फोस्टरसीसटर) पालीहुई बहन [सौबहन
Step-sister (स्टेपसीसटर) सोती
Daughter (डाटर) कन्या
God-daughter(गाडडाटर)धरमकन्या
Foster-daughter (फोस्टरडाटर) पोसी कन्या पालीहुई लड़की
Son (सन्) पुत्र बेटा
Step-son (स्टेपसन) सोतीलाबेटा
Foster-son(फोष्टरसन्)पालाहुआबेटा
God-son (गाडसन्) धरमपुत्र
Child (चाइल्ड) बालक टाबर
Infant (इनफेंट) बालक शिशु

Lad (लेड) छोकरा लड़का
Orphan (आरफन्) बिनमाबापका
Husband (हज्बण्ड) खाविंद पति
Wife (वाइफ) जोरू बहू
Uncle (अंकल) चचा मामा
Aunt (अंट) चची मामी
Nephew (नेफिउ) भानजा भतीजा
Niece (नीस) भतीजी भानजी
Father-in-law (फदरइन्लॉ) ससुर
Mother-in-law (मदरइन्लॉ) सास
Brother-in-law (ब्रदरइन्लॉ) साला
Son-in-law (सन्इन्ला) जामाई

Adopted-son (एडप्टेडसन्) दत्तपुत्र
Daughter-in-law (डाटरइन्ला) बेटेकी बहू
Paramour (पेरमौर) यार
Lover (लवर) पियारा दोस्त
Friend (फ्रेण्ड) दोस्त
Concubine (कनक्यु बाइन) पासवान डोमनी रखीहुई
Bastard (बस्टार्ड) गोला
Slave (सलेव) गुलाम
Slave-girl (सलेवगेरेल) दासीलौंडी
Relation (रिलेशन) सम्बन्ध

OF BODY शरीरका

Body (बाडि) सरीर अंग
Head (हेड) सिर
Hair (हेर) बाल
Grey hair (ग्रेहेर) वकाबाल
Forehead (फारहेड) कपाल
Skull (स्कल्) खोपरी
Mouth (मउथ) मुंह
Brain (ब्रेन) मगज
Eye-brow (आईब्रो) भौं भुंवारा
Eye-lash (अईलश्) भाफाया पलक
Eye (आई) आंख
Tear (टीएर) आंसु

Ear (इएर) कान
Nose (नोज) नाक
Nostrils (नोस्ट्रिलस्) नाकका छेद
Cheek (चीक्) गाल
Lip (लिप्) होंठ
Tooth (टूथ) दांत एकवचन
Jaw (जा) जबाडी
Tongue (टङ्) जीभ
Palate (पलेट्) तालवा
Chin (चिन्) ठोडि
Beard (बीएर्ड) दाढी
Mustaches (मसएचेस) मूछ

Neck (नेक) नाड गर्दन
Throat (थ्रोट्) गला
Should (शोलड) कांधा
Hand (हंण्ड) हाथ
Armpit (आरमपिट्) बगल
Arm (आर्म) बाजु बांह
Elbow (एलबो) कुहनी
Wrist (रिस्ट) पहुंचा
Finger (फिंगर) अंगुली
Thumb (थम्ब) अंगुठा
Fist (फिष्ट) मुट्ठी
Nail (नेल) नख
Back (बंक्) पीठ
Bosom (बोजम्) छाती
Belly (बेली) पेट
Side (साइड्) पसवाडा
Loin (लोइन्) कमर
Navel (नेवल्) नाफ ढूण्डी धूरी
Abdomen (एबडोमेन) पेडू
Thigh (थाई) जांघ
Groin (ग्राइन्) कांख
Knee (नी) गोडा
Leg (लेग्) टांग नली
Toe (टो) पगकीअंगुली
Member (मेम्बर) अंग
Joint (जोइंण्ट) संध
Bone (बोन) हाड
Skin (स्किन) चमडी त्वचा
Flesh (फलेश) मांस
Pore (पोर) रू छेद्र
Fur (फर) रों पशम
Mole (मोल) तिल
Freckle (फ्रेकल) मस दाग
Breath (ब्रेथ) सास दम
Heart (हारट) दिल जीगर
Liver (लिवर) कलेजा
Lungs (लंगस) फेफसा
Sinew (सिनिउ) नस शीर
Pulse (पलस) नाड़ी
Testicle (टेष्टिकल) अंडकोस
Bottocks (बटोक्स) चुगा चुतड
Spleen (स्प्लीन) तिल्लि पीलाइ
Bile (बाइल) पित्त
Womb (वोम्ब) गर्भ
Sordes (सोर्डस) मल
Blood (बलड्) खून
Pregnancy (प्रेगनेन्सी) गर्भ रहना
Pregnant (प्रेगनेंट) गर्भवती
Miscarriage (मिसकरिएज) गर्भपात
Sweat (स्विट) पसीना
Spittle (स्पिटल्) थूक
Saliva (सालिवा) लाल थूक
Dung (डंग) गोबर विष्टा
Urine (युरिन) मूत पेशाब

OF SENSES इन्द्रियोंका

Senses (सेनसेस) इन्द्रिय
Sight (साईट) दृष्टि रूप
Hearing (हियरिंग) श्रवन शब्द
Smelling (स्मेलिंग) सुगन्ध बू
Taste (टेष्ट) सवाद रस
Feeling (फीलिंग) स्पर्श लगना

OF COLOURS रंगोंका

Colour (कलर) रंग
White (ह्वाइट) सफेद धोला
Black (बलाक) काला
Blue (बल्यु) नीला
Green (ग्रीन) सबज् हरा
Red (रेड) लाल सुरख
Crimson (क्रीमसन) किरमची
Yellow (इलो) पीला
Variegated (वेरिगेटेड) बहुरङ्गी
Brown (ब्रौन) भूरा
Pale (पेल) फीका
Rosy (रोजी) गुलाबी
Orange (ओरेञ्ज) नारङ्गीया
Azure (आव्यूर) आसमानी
Pink (पिङ्क) गुलाबी
Purple (परपल) बेंगनी गुलफाम

OF DISEASES बिमारियोंका

Disease (डिजीज) बिमारी रोग
Gout (गौट) बात
Bile (बाइल) पित्त
Phlegm (फलेम) कफ
Fever (फिवर) ज्वर ताप
Ague (येगु) कम्पज्वर
Cough (काफ) खांसी
Indigestion (इण्डिजेशन्) अजीर्ण
Dysentery (डिजेण्टरी) अतिसार
Rupture (रप्चर) गोला
Epilepsy (एपिलेप्सी) मृगी
Piles (पाइलस) बवासीर
Stone (ष्टोन) पथरी
Wart (वार्ट) मसा [सीसी
Hemicrania (हेमिक्रेनिया) आंधा
Cholera (कोलेरा) हैजा मरी
Leprosy (लेप्रोसी) कुष्ट
Worms (वोरमस्) कृमि कीड़ा
Wen (वेन) गलगण्ड [गठीया बात
Rheumatism (रिउम्याटिजम)
Diarrhoea (डायरीया) ग्रहनी
Sore (सोर) घाव
Prickly-heats (प्रिकलिहीटस) अलाइ
Vomit (वोमिट) उलटी

Blotch (बलोच) चट्टा दाग
Ring-worm (रिंगवोरम) दाद
Inflammation (इनफलेमेशन) दाह
Fistula (फिसचुला) भंगदर
Palsy (पलजि) पक्षाघात लकवो
Itch (इच) खुजलि
Small-pox (स्मोलपोक्स) माताचेचक
Boil (बोइल) फोड़ा [तिसार
Bloody-flux (बलडिफलक्स) रक्ता
Venereal (विनिरीएल) गरमी फिरङ्गवाय
Bubo (विउवो) बागी वद

OF REMEDIES एलाजोंका

Cure (किउर) आराम
Medicine (मेडिसिन) दवा औषध
Gargle (गार्गल) कुलि करना
Powder (पउडर) चूर्ण
Decoction (डिकोकशन) काढा
Bandage (बंडेज) पट्टि
Regimen (रेजिमन्) पथ्य
Clyster (क्लाइष्टर) पिचकारी
Cataplasm (क्याष्टाप्लाजम) पोटली
Calx (केलेक्स) भस्म
Saliva (सेलिवा) मलूल
Dose (डोस) मात्रा
Pill (पिल) गोलि
Evaporation (इवेपरेशन) सेकना
Fomentation (फोमेण्टेशन) वाफारा
Lotion (लोशन) धोनेकी दवा लेप

OF QUADRUPEDS चोपगोंका

Quadruped (क्वाडरपेड) चोपगा
Beast (विष्ट) पशु हैवान
Cattle (केटल) पशु हैवान
Lion (लाइन) सिंह
Elephant (एलिफंट्) हाथी
Horse (हारस) घोड़ा
Camel (कामेल) ऊंट [ऊटनी
Female camel (फिमेलकमेल) सांढ
Pony (पोनी) टट्टू
Colt (कोलट्) बछेरा
Filly (फिलि) बछेरी
Ass (एस) गधा खर
Donkey (डंकी) गधा खर
Ox (आक्स) बैल
Bull (बुल) बैल सांड़
Cow (काउ) गउ
Calf (काफ) बाछड़ा
Ewe (इउ) भेड
Ram (राम) मींढा
Goat (गोट) बकरी

Bear (बियर) रीछ
Tiger (टाइगर) चीता
Hog (हॉग) सूर
Pig (पिग्) सूरीया
Kid (किड्) बकरीका बच्चा
Wolf (वल्फ) भेड़ीया लाली
Mule (मिउल) खच्चर
Dog (डॉग) कुत्ता
Bitch (बिच्) कुत्ति
Puppy (पपि) कुत्तेका बच्चा
Hare (हेएर) खरगोश
Fox (फॉक्स) लूंगति लूमड़ी
Rhinoceros (रीनोसिरस) गेंडा
Buffalo (बफेलो) भैंसा
Female-buffalo (फिमलबफेलो) भैंस
Mungoose (मंगूज) नोलया

Monkey (मन्की) बंदर
Cat (कॅट) बिल्लि
Squirrol (स्क्वारेल) खोडबिलाव
Lizard (लिजार्ड) छिपकलि पल्लि
Mouse (माउस) उंदरा
Rat (रॅट) मुसा चूहा
Frog (फ्रॉग) मिंडक्
Jackal (जॅकल) शियाल
Deer (डीयर) हीरण म्रग
Chamelion (कॅमीलीएन) किरडकांट
Flock (फलॉक) एवड चोना
Wool (वूल) पशम
Horn (हॉरन्) सींग
Tail (टेल) दुम पूछ
Hoop (हूप) खुर
Claw (क्लॉ) पञ्जा

OF BIRDS परंदोंका

Peacock (पिकॉक्) मोर मयूर
Nightingale (नाइटिंगेल) बुलबुल
Parrot (पॅरोट) तोता सूवा
Partridge (पाट्रिज) तीतर
Crane (क्रेन्) सारस
Goose (गुज) बत्तक
Gander (गॅण्डर) बतका
King-fisher (किंगफिशर) राजहंस
Falcon (फॉलकोन्) बाज

Turkey (टरकी) तुरगाई
Swallow (स्वालो) पपैया
Bat (बॅट्) चमचेड
Raven (रेवन) डोड़काग
Kite (काइट) चील गुड्डी
Crow (क्रो) काग
Eagle (इगल) गरुड़ [redacted]
Hawk (हॉक) बाज
Cuckoo (कक्कु) कोयल कूंज

Sparrow (स्पेरो) चिड़या
Dove (डव) कबूतर
Pigeon (पिजन), कबूतर
Vulture (वलचर) गीध
Cock (कोक) मुरगा
Hen (हेन्) मुरगी
Strix (स्ट्रिक्स) कालपेचा कोचरी
Owl (ओल) पेचा घूघू

Sky lark (स्काईलार्क) खुडयोखाती
Flying (फलाइंग) उड़ना
Cage (केज) पींजरा
Beak (बीक) चांच
Egg (एग्) अण्डा
Wing (वींग) पांख पर
Plumage (प्लुमेज) पांख पर
Nest (नेष्ट) घोंसला

OF FISHES मच्छियोंका

Fish (फिश) मच्छि
Turtle (टर्टल) काछवा
Shrimp (श्रीम्प) एकजातकी मच्छी
Crab (क्रब) कांकडा कर्कट
Conch (कंच) संख

Crocodile (क्रोकोडाइल) मगर
Alligator (अलिगेटर) मगर
Tortoise (टरटोइज) काछवा
Frog (फ्रोग) मिंडक दादर
Dwarfish (डवारफिश) जलमानुष

OF INSECTS कीडोंका

Insect (इनसेक्ट) कीडा
Caterpillar (केटरपीलार) कीडा
Louse (लाउस्) जूं
Nit (निट्) लखीख
Ant (एण्ट) कीडी चींटी
White ant (व्हाइटएण्ड) दिमक
Earth worm (अर्थवोरम्) कींचवा
Worm (वरम) कीडा
Scorpion (स्कोर्पिअोन) विछू
Scolopendra (स्कोलोपेंडरा) कानसला
Centipede (सटीपेड) कनखजुरा

Snake (स्नेक) सांप
Bug (बग) खटमल
Musquitoe (मस्कूइट) मच्छर
Spider (स्पाइडर) मकडी
Fly (फलाइ) मक्खी
Wasp (वासप) टांटीया भिड
Bee (बी) मधुमक्खी
Guana (गोवाना) गोहसांप
Locust (लोकष्ट) टीडी
Leech (लीच) जोंक
Humble-bee (हम्बलबी) भंवरा

Fire-fly (फायरफ्लाइ) भागिया खद्योत
Swarm (सवारम) छाता मक्खीका
Venom (वेनम) विष
Sting (स्टिंग) टंक

OF METALS धातुओंका

Metal (मेटल्) धातु
Mineral (मिनरल्) धातु
Steel (स्टील) इसपात
Copper (कापर) तांबा
Tutenag (टिउटिनेग) जस्ता
Zinc (जिंक) जस्ता
Brass (ब्रास) पीतल
Bell-metal (बेलमेटल्) कांसा
Silver (सिलवर) चांदी
Gold (गोल्ड) सोना
Iron (आइरन्) लोहा
Lead (लेड) सीसा
Platinum (प्लाटीनम्) धातुविशेष *
Glass (ग्लास) काच शिशा
Tin (टिन) रांगा
Bullion (बुलियन) सोना चांदी
Bar-silver चक्की वा सिक्की चांदी

Mercury (मर्करि) पारा
Antimony (एण्टिमनि) सुरमा
Talc (टाक्) अभ्रक
Sulphur (सलफर) गंधक
Vermillion (वेरमिलियन) हिंगलु
Saltpetre (सालटपिटर) सोरा
White (व्हाइट्) सफेदा
Crystal (क्रिस्टल) बिल्लौर फटिक
Marble (मारबल) संगमर्मर
Stone (स्टोन्) पत्थर भाठा
Flint (फलिंट) आगपत्थरी
Loadstone (लडस्टोन) चुम्बक
Touchstone (टच्स्टोन) कसौटी
Agate (एगेट) सुलेमानी
Allum (आलम्) फिटकरी
Precious-stone (परेसिएसस्टोन) कीमती पत्थर मनि रतन

OF JEWELS जवाहरातका

Jewel (जुएल) जवाहिर
Diamond (डाएमण्ड) हीरा
Emerald (इमरेल्ड) पन्ना
Pearl (पर्ल) मोती दुर

Coral (कारल्) मुंगा प्रवाल
Ruby (रुबि) चुन्नी माणिक
Beryl (बेरिल) लहसनिया
Topaz (टुपेज) पुखराज

*सोना वजनमें भारी है लेकिन सोनेसेभी प्लाटिनम् भारी है।

Turcois (टरकोइस) फीरोजा
Agate (एगेट्) सुलेमानी अकिक
Amethyst (एमेथिस्ट) मणिविशेष
Brilliant (ब्रिलिएंट) कीमतीहीरा
Garnet (गारनेट) रक्तवर्णमणि
Ring (रिंग) वींटी अंगूठी [अंगूठी
Studded-ring (स्टडेडरिंग)जडीहुई
Mimic (मिमिक) नकलीटी

OF GROCERY पंसारटका

Spice (स्पाइस) मसाला
Cardamum (कार्डमम्) एलाची
Cloves (क्लोवस) लवंग
Mace (मेस) जायत्री
Nutmeg (नटमेग) जायफल
Cinnamon (सिनेमन) दारचीनी
Ginger (जिंजर) अद्रक
Dryginger (ड्राईजिंजर) सूंठ
Pepper (पेपर) मिर्च
Long-pepper (लोंगपेपर) पीपल
Turmeric (टरमरिक) हलदी
Aniseed (एनिसीड) सौंफ
Coriander (कोरीएण्डर) धनियां
Paisley (पारसली) आजमोद
Myrabalans (मैरेबलन्स) हरडे
Soapnut (सोपनट) अरीठा
Garlic (गेरलिक) लहसन
Onion (अनिआन) पीयाज
Cummin-seed (कम्मिन्) जीरा
Sago (सेगो) साबुदाना
Benzoin (बेनजोईन) लोबान
Ambergris (एमबेरग्रिस) अम्बर
Rhubarb (रूबार्ब) रेवन्दचीनी
Saffron (सफरान) केशर
Aloes (एलोइस) अगर
Borax (बोरेक्स) सोहागा पक्का
Tincal (टिंकल) कच्चासुहागा
Nux vomica (नक्सवोमिका) कुचला
Shell-lac (शेललाक) लाख
Stick-lac (स्टिकलाक) लाख
Cinnabar (सिनेबर) सींदूर
Vermillion (वेरमिलिअन) हींगलू
Drug (ड्रग) औषध माल
Druggist (ड्रगिस्ट) पनसारी

OF OILY THINGS तैलीयाजिनसोंका

Linseed (लिनसीड) अलसी तीसी
Bold-linseed (बोल्डलिनसीड) बडेदानेकी अलसी
Small-linseed (स्मालनिनसीड) छोटेदानेकी अलसी या तीसी
Mustard (मस्टार्ड) राई

Poppy (पॉपि) खसखस पोस्ता
Castor (कस्टोर) रेंडी अंडी
Sesamum (सेसंनम्) तिल
Rape (रेप) सरसें
Yellowrape (इएलोरेप) पीलीसरसें
Brownrape (ब्रौनरेप)कालीसरसें }
Mixed rape कालीपीलीमिली ऊई }
Indigo-seeds (इण्डीगोसीडस) नीलका बीज
Kurdee (करडी) कसुंभेका बीज

OF PLAYS खेलोंका

Play (प्ले) खेल खेला
Gaming (गेमिंग) जुआ
Chess (चेस) सतरंज
Chess-board(चेसबोर्ड) सतरंजकाघर
King (किंग) बादशाह
Queen (कूइन) वजीर
Knight (नाइट) घोड़ा
Check (चेक) किस्त
Checkmate (चेकमेट) मात
Card (कार्ड) तास गंजफा
Dice (डाइस) पासा
Lottery (लाटेरी) चीठी खेल

OF MUSICAL बाजोंका

Music (मिउजिक) बाजा
Flute (फ्ल्यूट) बंसी
Drum (ड्रम) ढोल
Trumpet (ट्रम्पेट) तुरही बीगल
Fife (फाइफ) मुरली
Flute (ल्यूट) बीणा
Fiddle (फिडल) सारंगी
Tabor (टेबर) मृदंग
Jew's-harp (जूसहार्प) मोचंग
Guitar (गीटार) सतार
Monochord (मोनोकोर्ड) एकतारा
Tambourine (टम्बोरेन्) तबला [illegible]
Song (सोङ्ग) गान गाना
Singer (सिंगर) गवैया
Dance (डेन्स) नाच
Tune (टिउन) स्वर

OF FRUITS फलोंका

Fruit (फ्रुट) फल
Pod (पॉड) फली
Pomegranate (पॉमग्रानेट) अनार
Plantain (प्लंटन) केला
Rose-apple (रोजएपल) गुलाबजामु
Black-berry (ब्लाकबेरी) जामु

Mango (मेंगो) आम
Litchess (लिचीस) मीचू लीची
Orange (आरेंज) नारंगी कमला
Lime (लाइम) लीबू नीबू
Grape (ग्रेप) अंगूर
Currant (करेण्ट) सूखा अंगूर
Fig (फिग) अंजीर गूलर
Apple (एपेल्) सेव
Jack (जेक) कटहैल
Melon (मेलन्) ककडी
Watermelon (वाटरमेलन्) मतीरा
Muskmelon (मस्कमेलन्) खरपूजा
Custard apple सीताफल,
Guava (गावा) अमरूद
Pine-apple (पैनएपल) अनरस
Cucumber (क्यूकम्बर) खीरा
Cocoanut (कोकोनट) नारेल
Brinjal (ब्रिंजाल) बैंगन
Pumpkin (पम्पकिन) घीया लाउ
Plum (प्लम्) बेर
Long-plum (लोंगप्लम्) पेमलीबेर
Raison (रैजन) दाख
Radish (रेडिश) मूली
Carrot (केरोट) गाजर
Chilly (चिली) मीरचलाल
Cabbage (केबेज) गोबी कोबी
Walnut (वालनट) अखरोट
Almond (आलमोण्ड) बादाम
Potatoe (पोटेटो) आलू
Date (डेट) खोजूर तारीख
Yam (याम) शकरकंद रतालु
Tamarind (टमेरिण्ड) इमली
Nut (नट) सूपरी
Sour (सौर) खट्टा तुरस
Sweet (सुईट) मीठा
Ripe (रैप) पक्का
Green (ग्रीन) कच्चा

OF CORN अन्नका

Grain (ग्रेन) अनाज गल्ला
Rice (राइस) चावल
Raw rice (रा राईस) अरवा
Boiled rice (बोइल्ड रैस) उसना
Paddy (पाडी) धान्य
Wheat (ह्वीट्) गेहूं
Gram (ग्राम्) चना बूंठ
Barley (बरली) जौ जव
Pea (पी) मटर बाथा
Pulse (पलस्) दाल
Lentil (लेनटिल) मसूर
Horse gram (हार्सग्रम) कुलथी
Rahar (रहर) तूर अरहर
Black kly (बलाक कलाई) उर्द
Jowari (जोवारी) जूंवार
Bajra (बाजरा) बाजरी बजरा

OF PIECE GOODS कपड़ेका

Grey shirting (ग्रेशर्टिंग) लंक्लाट
White-shirting (व्हाइटशर्टिंग) सफेद
T-cloth (टिक्लाथ्) सीटन्
Jaconet (जंकोनेट) नैनसुख
White-jaconet (व्हाइट जाकोनेट) सफेद् नैनसुख [लाभ
Madapalam (माडाप्लम्) माटापी
Grey-mulls (ग्रेमलस) मलमल
White-mulls (व्हाइटमलस) सफेद
Gauze (गाज) रेशमी कापड़ा
Dimities (डिमटीस) गिमटी
Orange jaconet (अरेञ्ज जंकोनेट) पीला नैनसुख
Purple-jaconet (परप्लजंकोनेट) बैंग-नीनैनसुख
Lappet (लपेट्) नैनूजामदानी
Turkey (टरकी) सुरख एकरंगा
Muslin (मजलिन) मलमल
Scarf (स्कार्फ) दुपट्टा
Sheet (शीट) चद्दर
Cambric (कंम्बरिक) किमरख

Velvet (वेलवेट) मखमल
Broad cloth (ब्रांडक्लाथ) बनात
Satin (संटिन) साटण
Brokade (ब्रोकेड) कीमखाब
Flannel (फलंनेल) फुलानैन
Chintz (चिंटज) छींट
Calico (कंलिको) छींट चित्रवस्त्र
Parchment (पार्चमेण्ट) चर्मवस्त्र
Canvas (कंनवेस) सनका वस्त्र
Piece (पीस) थान
Chest (चेष्ट) पेटी संदूक
Case (कंस) पेटी संदूक
Box (बोक्स) बकस
Bale (बेल) गांठ बोदणी
Package (पंकंज) गांठ बदद
Bundle (बंडल) पुलन्दा
Twist (टुइष्ट) सूता
Thread (थ्रेड) डोरा तार
Gunny (गनि) तपडी सनबोरा
Hemp (हेम्प) [illegible]
Silk (सिल्क) रेशम

OF DRESS पोशाकका

Garment (गार्मेंट) पोशाक
Dress (ड्रेस) लिबास पोशाक
Turban (टर्बन) पगड़ी

Cap (कंप) टोपी टोपली
Hat (हेट्) टोपी कुला
Sheet (शीट) चद्दर दुपट्टा

Shortcoat (शांर्टकोट) कुरति
Jacket (जेकेट) जाकट
Pantaloon (पंटलून) पतलून
Drawer (ड्रायर) पायजामा इजार
Glove (गलोव) दस्ताना
Handkerchief (ह्यांकरचीफ) रूमाल
Towel (टुवेल) अंगोछा
Belt (बेल्ट) कमरबन्धा
Stocking (ष्टोकिंग) पैरका मोजा
Shawl (शाल) दुसाला शाल
Sleeve (सलीव) आस्तीन
Leinning (लिनिंग) असतर
Loop (लूप) नाकी घुंडी
Button (बाटन) बोताम

Gown (गउन) जामा गोन
Bodice (बोडिस) कांचुलि आंगीया
Veil (वेल) घुंघट परदा
Petticoat (पेटिकोट) घघरा
Pocket (पाकेट) जेब
Tunic (टुनिक) अंगरखा
Quilt (कुइलट) रजाई गलेफ
Hem (हेम) मगजी
Border (बोरडर) संजाफ किनारा
Boot (बुट) जुता बूट
Shoe (शु) पैजार पगरखी
Watch (वाच्) घड़ी जेबघड़ी
Chain (चेन) घड़ीकी संकली
Umbrella (अम्बरेला) छत्री छाता

OF ORNAMENTS गहनोंका

Jewels (जेवलस) गहना
Nose-jewel (नोजजेवल) नथ
Bracelet (ब्रासलेट) कंकण
Necklace (नेकलेस) कंठाभरण हार
Ring (रिंग) अंगूठी बींटी

Handring (हेण्डरिंग) बाला कड़ी
Footring (फुटरिंग) कड़ी
Pendant (पेण्डण्ट) कर्णफुल
Armlet (आर्मलेट) बाजूबंद
Earring (इयरिंग) झुमखा

OF FOOD खोराकका

Food (फुड) खाना खोराक
Bread (ब्रेड) रोटी नान
Loaf (लोफ) पाउंरोटी
Biscuit (बिसकुट) रोटी बिसकुट

Cake (केक) पूरी
Milk (मिल्क) दुध पय
Cream (क्रीम) मलाई
Butter (बटर) मक्खन मस्का

Butter-milk (बटरमिल्क) छाछ
Curds (कर्ड्स) दहि दधि
Oil (ऑइल) तेल
Sugar (शुगर) चीनी खांड़
Sugar-candy (शुगरकेण्डी) मिश्री
Sugar-cane (शुगरकेन) ईख
Curry (करी) कढी [चीर तसमई
Thickened-milk (थिकेण्डमिल्क)
Broth (ब्रोथ) झोल
Salt (सॉलट) निमक लवण
Pickle (पिकल्) आचार
Preserves (प्रिजर्वस) मुर्ब्बा
Jaggree (जागरी) गुड़ कंद
Molasses (मोलेसेस) गुड़
Sweetmeat (सुइटमीट) मिठाई
Sweet (सुइट) मीठा
Sour (सौर) खट्टा कड़वा
Taste (टेष्ट) सवाद
Vapid (वंपिड) बेसवाद
Fresh (फ्रेश) ताजा टटका
Rotten (रॉटन्) बूसा सड़ा

Hard (हार्ड) कड़ा
Soft (सॉफ्ट) नरम
Dry (ड्राई) सूखा खुश्क
Wet (वेट) भीजा
Cold (कोल्ड) ठंडा
Hot (हॉट) गरम तप्ता
Lick (लिक) चाटना
Chew (चिउ) चबाना
Eat (ईट) खाना
Drink (ड्रिङ्क) पीना
Break-fast (ब्रेकफाष्ट) हाजरी
Tiffin (टिफिन्) जलपान
Dinner (डिनर) दोपहरका खाना
Supper (सपर) रातका खाना
Betel (बिटल्) पान
Nut (नट) सुपारी
Lime (लाइम) चूना
Cutch (कच) कत्था
Tobacco (टुबाको) तमाखु
Cigar (सिगार) चुरट
Mess (मेस) बीसी ढाबा

OF OCCUPIERS पेशेदारोंका

Doctor (डाकटर) वैद्य हकीम
Oilman (ऑइलमॅन) तेली
Black-smith (बलाकस्मिथ) लोहार
Gold-smith (गोल्डस्मिथ) सुनार

Carpenter (कारपेण्टर) सुतारखाती
Brasier (ब्रासिअर) कसेरा
Potter (पॉटर्) कुम्हार
Milkman (मिल्कमॅन) गोवाला

Book-binder (बुकबैंडर) दफ्तरी
Fisherman (फिशरमैन) धीवर
Cultivator (कलटिवेटर) असामी
Artificer (आर्टिफिसर) कारीगर
Press-man (प्रेसमैन) छापनेवाला
Astrologer (अष्ट्रोलाजर) जोतिषि
Weaver (वीवर) जुलाहा
Tailor (टेलर) दरजी
Washer-man (वाशरमैन) धोबी
Dancer (डेन्सर) नचवइया
Barber (बारबर) नाई हज्जाम
Painter (पेण्टर) रंगसाज चितेरा
Carder (कार्डर) धुनिया पिंजारा
Druggist (ड्रगिष्ट) पनसारी
Juggler (जगलर) बाजीगर
Carver (कारवर) सिलावट
Beggar (बेगर) भिखारी
Shoe-maker (शूमेकर) मोची
Butcher (बूचर) कसाई
Cook (कुक) बबरची

Baker (बेकर) भटयारा
Watch-maker घड़ी साज
Coach-man (कोचमैन) गाड़ीवान
Groom (ग्रूम) चरवादार
Sweeper (सुईपर) मेहतर
Archer (आर्चर) तीरंदाज
Vegetabler (वेजिटेबलर) कूंजड़ा
Parcher (पार्चर) भाड़ भुंजा
Dyer (डाएर) रंगरेज
Turner (टरनर) खरादी
Polisher (पालिशर) सिकलगर
Tinner (टिनर) कलईगर
Drummer (ड्रमर) ढोली
Surgeon (सरजन) जर्राहगर
Currier (क्युरीएर) चमार
Jeweller (जवेलर) जौहरी
Carver (कारवर) नकसीगर
Grocer (ग्रोसर) मोदी
Cart-man (कार्टमैन) गाड़ीवान
Mason (मेसन) बेजारा राज

THE NATURAL OBJECT मनुष्यभेद

Blind (ब्लाइण्ड) अन्धा
Blind of one eye काना
Deaf (डेफ्) बहरा बोला
Dumb (डम्ब) गूंगा
Noseless (नोजलेस) नकटा

Toothless (टुथलेस) बोचा
Humpbacked (हम्पबेकड) कुबडा
Dwarf (डवार्फ) ठिंगना बावना
Lame (लेम) लंगड़ा
Cripple (क्रिपल) पंगुला

Cropeared (क्रापइयर्ड) कनकटा
Flatnose (फलाटनोज) नाकबैठा
Maimed (मैमड्) खोडली
Ugly (अगली) बदसूरत
Beautiful (बिउटिफुल) सुंदर
Fat (फेट) मोटा
Lean (लीन) दुबला
Thin (थिन) दुबला माड़ा
Short (शार्ट) ओछा ठिंगना
Eunuch (इउनक) हिंजड़ा

TEMPERAMENT स्वाभाविक

Indolence (इण्डोलेन्स) आलस्य
Laugh (लाफ) हंसी हास्य
Weeping (वीपिंग) रोना रुदन
Crying (क्राइंग) रोना पुकारना
Gape (गेप) जंभाई
Sneeze (स्नीज) छींक
Hickup (हिकप्) हिचकी
Betch (बेच्) डकार
Watching (वाचिंग) जागरण
Sleep (सलीप्) नींद निद्रा
Dream (ड्रीम) स्वपन ख्वाब
Thirst (थर्ष्ट) प्यास
Hunger (हंगर) भूख क्षुधा
Lust (लष्ट) काम
Anger (एङ्गर) गुस्सा क्रोध
Covetousness (कवेचसनेस) लोभ
Folly (फालि) मोह
Pride (प्रैड) अभिमान
Understand (अण्डरस्टेंड) बुद्धि
Mind (मैण्ड) मन दिल
Memory (मेमोरी) याद समरण
Tear (टीअर) आंसु अश्रु

OF BUILDING इमारतका

Foundation (फौंडेशन्) नीम
House (हौस) मकान घर
Home (होम्) घर बाड़ी
Hall (हाल) दालान
Chamber (चेम्बर) कोठरी
Room (रूम) जगह कमरा
Roof (रूफ) छत छात
Wall (वाल) दीवार भीत
Floor (फलोर) अंगन चौक
Gate (गेट) फाटक
Door (डोअर) दर्वाजा
Window (विण्डो) खिड़की बारी
Rafter (राफ्टर) बरगा
Door-frame (डोअरफ्रेम) चौखट
Beam (बीम) शहतीर काड़ी
Board (बोर्ड) तख्ता

Post (पोष्ट) खूंटी थंबा
Hinges (हिंजेस्) कबजा
Bar (बार) आगल छड़का
Chain (चेन) संकली
Bolt (बोल्ट) कांटा कील
Gutter (गटर) मोरी नाली
Ladder (लेडर) सीढी
Corner (कोरनर) कोना
Repairing (रिपेरिंग) मर्म्मत
Brick (ब्रिक) ईंट रींट
Brick-dust (ब्रीकडस्ट) सुरखी
Sand (सेंड) बालु
Lime (लैम) चूना
Tile (टैल) खपरा कवलू
Bamboo (बंबू) बांस
Cottage (कॉटेज) भूंपड़ा

HOUSE FURNITURE घरका आसबाब

Chair (चेअर) कुरसी चौकी
Stool (स्टूल) मोढा
Bench (बेंच) मचान बांच
Box (बॉक्स) पेटी सदुंक
Carpet (कार्पेट्) शतरंजी गलीचा
Mat (मेट) चटाई
Couch (कोच) पलंग
Bedstead (बेडस्टेड) चारपाई
Bed (बेड) बिछोना
Coverlet (कवरलेट) पलंगपोश
Pillow (पिलो) तकिया बालिस
Curtain (करटेन) माछरदानी
Cradle (क्रेडल) पलना हींड़ा
Looking-glass दर्पण आरसी
Comb (कोम्ब) कंघा कांगसीया
Brush (ब्रुश) कूंची बुरश
Lamp (लेम्प) चीराग
Candle (केंडल) मोमबत्ति
Pot (पोट) हांड़ी बरतन
Jar (जार) जाला माट
Mill (मिल्ल) चक्की घट्टी
Fire-place (फायरप्लेस) चूल्हा
Colander (कोलन्डेर) चालनि
Tongs (टोंगस्) चिमटा
Spoon (स्पून) चमची
Picture (पिक्चर) तसवीर
Basket (बासकेट) डाली
Pestle (पेष्टल्) मूसल
Mortar (मोरटर) उखल
Churn (चर्न) मथनपाच
Churning-stick (चर्निंष्टिक) भेरना
Fan (फेन्) पंखा, पंखी

OF WEDDING शादीका

Betrothment (बिट्रोथमेंट) सगाई
Marriage (मरिअज्) बिवाह
Bride (ब्राइड) दुलहन
Bride-groom (ब्राइडग्रूम) दुलहा
Nuptial (नप्शल्) बिवाहिक [योग्य
Marriageable (मरिएजेबल) बिवाह
Jointure (जोइन्चर) दहजा
Relation (रिलेशन) सम्बन्धी
Dower (डोवेर) पहरावनी कोस्ली
Bride-maid (ब्राइडमेड) नेगचार
Re-marriage(रिमेरिएज) पुनर्बिवाह
Bride-cake शादीमें जो मिठाई बंटे
Canopy (केनोपि) चंदवा
Arbour (आरबोर) मंडप
Pillar (पिलार) थाम स्तम्भ
Circuit (सरक्यूट) फेरा
Procession (प्रोसेसन) बरात
Musician (म्युजिसन्) मंगल
Ceremony (सेरेमनि) संस्कार
Priest (प्राइस्ट) परोहित

OF STATIONARY लिखनेकीचीजें

Paper (पेपर) कागज पत्ता
Ink (इन्क) रोशनाई सियाही
Black ink (बलाकइन्क)कालीस्याही
Red ink (रेडइन्क) लालसियाही
Blue ink (बलूइन्क) नीलीसियाही
Ink-stand (इन्कष्टेण्ड) दोवात
Pen (पेन्) कलम लेखनी
Quill pen (क्विलपेन) परकी [illegible]
Steel pen (ष्टीलपेन) लोहेकीकलम
Pencil (पेनसिल) सीसेकी कलम
Slice (सलाइस) दांतकी छुरी
Hone (होन) सिल्ली
File (फल) कागजटांकनेका तार
Ruler (रूलर) रूल
Wafer (वेफर) टिकली टिकी
Nib (निब) लोहेका चंड
Knife (नाइफ) चाकू छूरी
Envelope (इनवेलोप) लफाफा
Quire (क्वायर) जस्ता दस्ता
Ream (रीम) २० जस्ता कागज
Sheet (शीट) ताव पाठा
Blotting-paper (बलाटिंगपेपर)
सीयाही सोसनेका कागज
Blank paper सादाकागज
Seal (सील) मुहोर छाप
Sealing-wax चपड़ी

OF SCHOOL	पाठशालाका
College (कोलेज) विद्यालय	Learn (लर्न) सीखना
School (स्कूल) पाठशाला	Read (रीड) पढ़ना
School-master गुरु उस्ताद	Wrong (रोंग) गलत चूक
Class (क्लास) वर्ग दरजा	Mistake (मिश्टेक) चूक भूल
Teacher (टीचर) सिखानेवाला	Correction (कारेकशन) सही शुद्ध
Book (बुक) पोथी किताब	Section (सेकशन) प्रकरण
Letter (लेटर) हरफ आंक	Chapter (चेपटर) अध्याय
Figure (फिगर) अंक	Page (पेज) छपी
Lesson (लेसन) पाठ सबक	Original (ओरिजिनल) असल
Student (श्टुडेण्ट) विद्यार्थी	Copy (कापि) नकल परत
OF TOOLS	ओजारोंका
File (फाइल) रेती कानस	Plane (प्लेन) रैंदा
Trowel (ट्रोवेल) करणी थापी	Mould (मौल्ड) सांचा
Loom (लूम) तांत मिनसज	Pincers (पिनसर्स) संडासी
Anvil (एनविल) अहरन	Furnace (फरनेस) भट्ठी
Hammer (हेमर) हथोड़ा	Razor (रेजर) उसतरा
Screw (स्क्रीउ) पेच	Axe (एक्स) कुदाल कुल्हाड़ी
Nail (नेल) कांटा मेख	Knife (नाइफ) चाकू
Snare (स्नेर) फंदा जाल	Scissors (सिजर्स) कैंची
Bellows (बिलौस) धवणा	Saw (सा) करोत करोती
OF RAILWAY	रेलका
Rail (रेल) लोहेकी पट्टी	Down-train उतरती गाड़ी
Station (श्टेशन) मुकाम	Up-train (अपट्रेन) चढ़ती ट्रेन
Passenger सवार मुसाफिर	Mail-train (मेलट्रेन) डांकगाड़ी
Train (ट्रेन) कतार ओल	Goods- (गुडसट्रेन) मालगाड़ीयां

Vehicle (वेहिकल) गाड़ी
Waggon (वागन) गाड़ी डब्बा
Empty waggon खाली डब्बा
Loaded (लोडेड) लदाहुआ
Goods-clerk मालबाबू
Coaching-clerk टिकटवाला
Driver (ड्राइवर) हांकनेवाला
Potter (पोटर) निशानवाला
Guard (गार्ड) निगाहबान
Signaller इशारेसे निशान गिरानेवाला
Ticket (टिकेट) चिट्ठी टीकस
Class (क्लास) वर्ग पंक्ती दरजा
Seat (सीट) बैठक जगह
Platform (प्लाटफोर्म) पाटीया

Compartment भाग खाना
Junction (जंकशन) संगम
Cross (क्रोस) गाड़ियोंका जिस जगह मिलाप होता है
Room (रूम) जगह कोठड़ी
Refreshment आराम खोराक
Waiting (वेटिंग) विश्राम
Booking-office दफतरकी जगह
Receipt (रिसीट) रसीद सनद
Luggage (लगेज) भार बोझा
Journey (जरनी) मुसाफरी
Fare (फेर) कीराया
Freight (फ्रेट) भाड़ा
Demurrage (डेमरेज) भाड़ेकी नुकसानी

OF COURT कचहरीका

Court (कोर्ट) कचहरी
Judge (जज्) न्यायाधिस
Magistrate (मजिष्ट्रेट) फोजदार
Commissioner मुखतयार
Deputy (डिपटी) पेशकार
Assistant (असिष्टेण्ट) मददगार
Collector (कलेक्टर) तहसीलदार
Superintendent मुखतियार
Inspector (इन्सपेक्टर) चोकसीदार
Serjeant (सरजेण्ट) हवालदार

Constable (कान्सटेबल) सीपाही
Barrister (बरिसटर) बड़ा वकील
Attorney (एटरनी) वकील
Client (क्लाइण्ट) मुवक्कल
Judgment (जजमेंट) विचार
Suit (सूट) मुकद्दमा
Case (केस) मुकद्दमा
Petition (पिटिशन) अरजी
Complaint (कम्पलेंट) नालिश
Action (अकशन) फरयाद

Summons (सम्मन्स) तलब
Subpœna (सबपोयना) साक्षी तलब
Plaintiff (प्लेनटिफ) मुद्दई
Defendant (डिफेन्डेण्ट) मुद्दाले
Prosecutor (प्रोजेक्यूटर) फरयादी
Prosecution (प्रोजेक्यूशन) नालिश
Evidence (इविडेन्स) गवाही
Cost (कोष्ट) खर्चा
Fee (फी) रसूम खरच
Fine (फैन) जुरमाना
Explanation (एक्सप्लेनेशन) कैफियत
Jail (जेल) कैदखाना
Common jail साधारण जेल
House of correction (हौस ऑफ करेक्शन) हरनवाड़ी
Prisoner (प्रिजनर) कैदी
Settlement (सेटल्मेण्ट) ठहराव
Quarrel (क्वारल) झगड़ा
Forgery (फारजरी) जालसाजी
Bribe (ब्राइब) रिशवत
Security (सेक्युरिटि) जमानत
Punishment (पनिशमेंट) दंड
Sentence (सेन्टेन्स) सजा
Crime (क्राइम) गुन्हा
Innocent (इन्नोसेंट) बेगुन्हा
Guilty (गिलटी) गुन्हगार
Perjury (परज्युरी) झूठीसोगंद

Trial (ट्रायल्) तपास
Fetter (फेटर) बेड़ी
Pinion (पिनिएन) हतकड़ी
Oath (ओथ) कसम
Arbitration (आर्बिट्रेशन) पंचायत
Arbitrator (आर्बिटरेटर) पंच
Tribunal (ट्रिब्युनेल) आदालत
Instruction (इन्स्ट्रक्शन) उपदेश
Jury (जूरी) पंच
Award (एवार्ड) फैसला
Regicide (रेजिसाइड) राजहत्या
Gain (गेन) जीत लाभ
Defeat (डिफीट) हारना
Adjourn (एडजोरन) मुलतबी
Suspend (ससपेण्ड) लटकाना
Pending (पेनडिङ्ग) मुलतवी
Non-suit (नोन सूट) खारिज
Post-pone (पोष्टपोन) मुलतवी
Dismiss (डिसमिस) खारिज
Justice (जसटिस) इन्साफ
Injustice (इनजुसटिस्) अन्याय
Decree (डिक्रि) हुकमनामा
Decision (डिसिसन्) निबेड़ा
Legal steps कायदे प्रमाण
Responsible जवाबदार
Responsibility जवाबदरी
Answerable जवाबदरी

OF COIN सिक्का

Mint (मिण्ट) टकसाल
Coin (कोइन) सिक्का
Rupee (रूपी) रुपैया [रुआ रुपया
Cracked rupee (क्रेकडरुपी) घसा
Counterfeit rupee बनावटरुपया
Half rupee आधा रुपया
Quarter rupee पाव रुपया चौआनी
Current coin चलता सिक्का
Pice (पाइस) पैसा टका
Change (चेंज) रैजगी खुदरा
Guinea (गिनी) सोनेका सिक्का
Mahor (म्होर) सोनेका सिक्का

OF MILITARY लश्करसम्बन्धी

Sentry (सेण्टरी) पहरा
Sepoy (सीपाय) सीपाही
Martial (मारशेल) जंगी सीपाही
Infantry (इनफेंटरी) पैदलफौज
Native Infantry हिंदुस्थानीफौज
British Infantry अंगरेजीफौज
Artillery (आर्टलेरी) तोपखाना
Cavalry (केवेलरि) रिसाला
Army (आरमि) फौज लश्कर
Battalion (बेटेलियन) लश्कर
Parade (परेड) कवाद
Quarrel (क्वारल) झगड़ा
War (वार) लड़ाई
Fight (फाइट) लड़ाई
Fort (फोर्ट) किला गढ
Rampart (रामपार्ट) फसील
Ditch (डिच) खंदक खाई
Tower (टोएर) बुरज
Battery (बाटेरी) मोरचा
Attack (एटेक) हल्ला
Victory (विकटोरि) फतह जय
Defeat (डिफीट) हार
Flag (फलेग) निशान
Surround (सरोण्ड) घेरा घेरलेना
Armistice थोड़े वक्त लड़ाईमोकूफ
Peace (पीस) सलाह मेल
Mutiny (मिउटनी) गदर दंगा
Capture (केपचर) कबजा
Cantonment सेना रहनेकी जगह

OF WEAPONS हथियारोंका

Arms (आर्मस) हथियार
Gun (गन) तोप
Cannon (केनॅान) तोप
Musket (मसकेट) बंदूक

Pistol (पिष्टोल) तमाचा
Rifle (राइफल) बंदूक
Single-barrel एकनाली बंदूक
Double-barrel दोनाली बंदूक
Shield (शिल्ड) ढाल
Lance (लेन्स) भाला
Cutlass (कटलेस) खंजर
Arrow (एरो) तीर
Bow (बो) कमान धनुष
Mallet (मलेट) मुद्गर
Cudgel (कजल) लाठी
Spear (स्पीअर) भाला
Dagger (डेगर) कटार खंजर
Battle-axe (बाटलएक्स) कुठार
Gun-powder (गनपउडर) बारूत
Cap (कप) टोपी
Cartouch (कारटुअ) कारतूस
Ball (बाल) गोला गाप
Shoot (शूट) मार
Shot (शोट्) छर्रा

OF TIMES वक्तका

Moment (मोमेण्ट) मुहूरत काल
Time (टाइम) वक्त समय
Year (इअर) वर्ष साल
Annual (एनवल) वार्षिक
Century (सेंटुरी) एकसो सदी
Month (मन्थ) महीना
Fortnight (फोर्टनैट) १५ दीन
Light part (लैटपार्ट) शुक्लपक्ष
Dark part (डार्कपार्ट) कृष्णपक्ष
Week (वीक) हफता
Day (डे) दिन
Daily (डेली) रोज रोजीना
Light (लैट) रोशनाई
Midnight (मिडनैट) अधीरात
Yesternight (यष्टरनैट) गईरात
Morning (मोरनिंग) फजर
Noon (नून) दोपहर [पहर
Afternoon (आफ्टरनून) तीसरा
Evening (इवनिंग) सांज
Hour (आवर) घण्टा
Minute (मिन्यूट) मिंट [वांघड़ी
Second (सेकण्ड) पल मिंटका ६०
To-day (टुडे) आज
To-night (टुनैट) आजरात
To-morrow (टुमोरो) कल
Yesterday (यष्टर्डे) गयाकल
Day before yesterday परसों
Day after yesterday आवतापरसों

OF MONTHS महिनोंका

January (जानेवारी) माघ ३१
February (फेब्रुयारी) फागन २८
March (मार्च) चैत ३१
April (एप्रेल) वैशाख ३०
May (मई) जेठ ३१
June (जून) आषाड़ ३०
July (जुलाई) सावन ३१
August (अगष्ट) भादव ३१
September (सेपटेम्बर) आश्विन ३०
October (ओक्टुबर) कार्त्तिक ३१
November (नोवेम्बर) मंगसर ३०
December (डिसेम्बर) पौष ३१

WEEK DAYS हफ्तेके दिन

Monday (मंडे) सोम
Tuesday (टुइसडे) मंगळ
Wednesday (वेडनसडे) बुध
Thursday (थरसडे) गुरू
Friday (फ्राईडे) शुक्र
Saturday (सेटरडे) शनि
Sunday (संडे) रवीत
Week (वीक) हफ्ता

OF NUMBERS संख्या, गिनतीका

One (वन) एक [redacted]
Two (टु) दोय [redacted]
Three (थ्री) तीन ३
Four (फोर) चार [redacted]
Five (फाइव) पांच ५
Six (सिक्स) छः ६
Seven (सेवन) सात ७
Eight (एट) [redacted] ८
Nine (नाइन) नव ९
Ten (टेन) दश १०
Eleven (इलेवन) इग्यारा ११
Twelve (टुवेलव) बारा १२
Thirteen (थर्टीन) तेरा १३
Fourteen (फोरटीन) चवदा १४
Fifteen (फिफटीन) पंदरह १५
Sixteen (सिक्सटीन) सोला १६
Seventeen (सेवनटीन) सतरा १७
Eighteen (एटीन) अठारा १८
Nineteen (नैनटीन) उन्नीस १९
Twenty (टुवेण्टी) वीस २०
Thirty (थरटि) तीस ३०
Forty (फोरटि) चालीस ४०
Fifty (फिफटि) पचास ५०
Sixty (सिक्सटि) [redacted] ६०
Seventy (सेवनटि) सत्तर ७०
Eighty (एटि) अस्सी ८०

Ninety (नैनटि) नब्वे ९०
Hundred (ह्वण्डरेड) सो १००
Thousand (थउजंड) हजार १०००
Ten-thousand दश हजार १००००
Lac (लाक) लाख १०००००
Million दश लाख १००००००

First (फर्स्ट) पहिली
Second (सेकोण्ड) दूसरी
Third (थार्ड) तीसरी
Fourth (फोर्थ) चोथी
Fifth (फिफ्थ) पांचवीं
Sixth (सिक्सथ) छट्टी
Seventh (सेवन्थ) सातवीं
Eighth (एटथ) आठवीं
Ninth (नाइनथ) नववीं
Tenth (टेनथ) दशवीं
Eleventh (इलेवेन्थ) इग्यारवीं
Twelfth (टूवेलफ्थ) बारवीं
Thirteenth (थार्टीन्थ) तेरवीं
Fourteenth (फोरटीन्थ) चौदवीं
Fifteenth (फिफ्टीन्थ) पंद्वीं
Sixteenth (सिक्सटीन्थ) सोलवीं
Seventeenth (सेवेनटीन्थ) सतरवीं
Eighteenth (एटीन्थ) आठरवीं
Nineteenth (नाइनटीन्थ) उन्नीसवीं
Twentieth (टुवेण्टीथ) बीसवीं
Thirtieth (थार्टिथ) तीसवीं
Fortieth (फोरटीथ) चालीसवीं
Fiftieth (फिफटीथ) पंचासवीं
Sixtieth (सिक्सटीथ) साठवीं
Seventieth (सेवनटीथ) सत्तरवीं
Eightieth (एटीथ) अस्सीवीं
Ninetieth (नाइनटीथ) नब्बेवीं
Hundredth (हन्ड्रेडथ) सौवीं

Once (वनस) एकदफा
Twice (टुआइस) दोदफा
Thrice (थ्राइस) तीनदफा
Fourthly (फोरथलि) चारदफा
Fifthly (फिफथलि) पांचदफा
Sixthly (सिक्सथली) छ:दफा
Seventhly (सेवनथलि) सातदफा
Eighthly (एटथली) आठदफा
Ninthly (नाइनथलि) नोदफा
Tenthly (टेनथेलि) दशदफा

ENGLISH GRAMMAR

अंग्रेजी भाषाका संक्षेप व्याकरण ।

लिखना और बोलना कोईभी भाषाका व्याकरण बिना शुद्ध नहीं हो सकता है ।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

इन २६ वर्णोंको अंग्रेजी भाषामें Alphabet (एलफबेट) वर्णमाला कहते हैं, और इनका दो भेदकीयेगए हैं जैसे

(१) स्वर Vowel (वउल) a, e, i, o, u.

(२) व्यञ्जन Consonant (कोनसोनण्ट) b, c, d, f, g, h, j, k, l, m, n, p, q, r, s, t, v, w, x, z. इत्यादि परन्तु कहीं कहीं w और y भी स्वर होते हैं

a, o, u, l, r, t.

इन में सें किसी अक्षरके पहले जो c रहैतो c का उच्चारण क् होताहै जैसे cat (कट) cot (कोट्) cut (कट्) clay (क्ले) cry (काइ) इत्यादि

e, i, y.

इन में से किसी अक्षरके पहिले अगर c रहै तो बहुत करके c का उच्चारण स् होताहै। जैसे cell (सेल) ; city (सिटि) ea, ia, इनके पूर्व्व c का उच्चारण श् होता है। जैसे, ocean (ओशन्) social (सोशल) इत्यादि ।

a, o, u, l, r.

इन में से किसी हरफके पहिले अगर g रहैतो g का उच्चारण ग् होताहै। जैसे, gate (गेट्) go (गो) gum (गम) इत्यादि ।

e, i, y.

इन के पहिले g का उच्चारण ज् होताहै जैसे, gem (जेम) ginger (जिन्जर) gymnastic (जिम्नस्टिक्) और कहीं कहीं g का उच्चारण ऐसी जगह में भी ग् होताहै जैसे, get (गेट्) give (गिव) angér (एङ्गर); इत्यादि।

Honour, heir, honest, hour.

इनपदों में h का उच्चारण नहीं होताहै और r अगर h के पहिले भी रहे तो h का उच्चारण नहीं होता जैसे, rhombus (रोम्बस्) rhyme (राइम)।

पदके आरम्भमें यदि gh रहेतो gh का उच्चारण ग् होता है जैसे ghost (गोष्ट) और अगर gh के आगे i रहेतो gh का उच्चारण नहीं होता है जैसे, high और t के पहिलेका बहुत करके लोप रहता है जैसे, bought और प्राय अन्तस्थित gh का उच्चारण फ्* होता है जैसे, laugh (लाफ्) enough (एनफ्)।

अंग्रेजी भाषाके व्याकरण में सब पद अर्थ भेदका जो विभाग किये गये हैं उनको Part of speech (पार्ट आफ स्पीच) कहते हैं जैसे—

Article (आर्टिकल) निश्चायक Verb (वर्ब) क्रिया, धातु Noun (नउन) नाम, संज्ञा, Adverb (एडवर्ब) क्रियाविशेषण, Preposition (प्रिपोजिशन) उपसर्ग, Adjective (एडजेकटिव) विशेषण Pronoun (प्रोनउन) सर्वनाम Conjunction (कनजंकशन) संयोजक, Interjection (इण्टरजेकशन) विस्मयादि बोधक पद

Example of Articles निश्चायकोंका उदाहरण [illegible] an the इन पदोंका नाम aritcle (आरटिकल) निश्चायक विशेषण हैं ये [illegible] करके संज्ञाके पहिले लगाये जाते हैं।

A और An को indefinite article (इनडिफिनाइट आर्टिकल)

* Draught (ड्राफट्) इस पदमें gh का उच्चारण फ् होता है।

सामान्य निश्चायक कहते हैं ; क्योंकि इनसे एकजाति की चीजों में से कोइ एकवस्तु समझी जातीहै जैसे a book एक पुस्तक अर्थात् जितने वस्तुओं को पुस्तक कहते हैं उनमें से कोई एक पुस्तक। उसी प्रकार a horse कोई एक घोड़ा—जिसपदके पहिले a, e, i, o, u. इनमें से कोई स्वर अथवा अनुच्चारीत h रहैतो वहां an आताहै जैसे an arm एक भुज an ox एक बैल an hour एक घण्टा इत्यादि।

The को definite article (डिफिनाइट आर्टिकल) कहते हैं।

क्यों कि इससे एक जाति की वस्तुओं में से एक विशेष निर्दिष्ट चीज समझी जाती है। जैसे the book वह पुस्तक यह कहने पर किसी एक पुस्तका अर्थ निकलता है उसी प्रकार the man वह आदमी।

EXAMPLE OF NOUN संज्ञाका उदाहरण

पदार्थ वाचक शब्दका नाम Noun (नउन) है।

पदार्थ शब्दसे इन्द्रियगोचर वस्तु और उनके रूप, रस, गन्ध, स्पर्श, गुण समझे जाते हैं जैसे Ramji किसी मनुष्यका नाम London नगर Elephant हाथी Chair चौकी gold सोना hope आशा relation सम्बन्ध blackness कलास इत्यादि

Noun तीन प्रकार के हैं जैसे—

(१) Proper (प्रोपर) व्यक्तिवाचक अर्थात जिस पदसे एकही पदार्थ जाना जावे उस पदको proper noun कहते हैं जैसे Ramji sikar Jaipur ganga

(२) Common (कोमन्) जाति वाचक अर्थात जिस पदसे किसी जातिकी कोइ एक वस्तु जाना जावे जैसे river (रिवर) नदी इस पदसे जितनी नदियां हैं उन में से कोइ एक नदी समझी जाती है इसीतरह man आदमी tree (ट्री) वृक्ष समझ लेना।

(३) Abstract (एबष्ट्राक्ट) धर्म्मवाचक अर्थात जब कोई जाति वाचक विशेष्य किसी पदार्थ के रूप, रस, गन्ध इत्यादि धर्मों में से कोई

एक धर्म्म प्रकाश करता है [redacted] noun को abstract noun कहते हैं जैसे—swiftness शीघ्रता whiteness शुभ्रता इत्यादि ।

धातुके अन्तमें ing लगानेसे जो विशेष्य पद बनते हैं उनका नाम verbal noun कृदन्त वा क्रियात्मक संज्ञा [redacted] जैसे eating भोजन यह पद eat पद से सिद्ध हुआ यह abstract noun के अन्तर्गत [redacted] ।

NUMBER संख्या अर्थात वचन

Singular (सिंगुलर) एकवचन	Plural (प्लुरल) बहुवचन
Book (बुक) किताब	Books (बुक्स) किताबें
Paper (पेपर) कागज	Papers (पेपरस) कागजात

नाउनके अन्तमें [redacted] लगाने से बहुवचन होता [redacted] परन्तु नाउनके अन्तमें ch, sh, s, ss, x, z होवेतो es लगाने से बहुवचन होताहै जैसे

Church (चर्च) गिरजा घर	Churches (चर्चेस्) गिरजे
Watch (वाच) घड़ी	Watches (वाचेस्) घड़ियां
Loss (लास) नुकसान	Losses (लासेस्) नुकसानों
Tax (टेक्स) महसूल	Taxes (टेक्सेस्) महसूलें
Topaz (टुपेज) गोमेदक	Topazes (टुपेज) गोमेदकें

नाउन के अंतमें y हो और उस पदको बहुवचन करने चाहोतो y की जगह ies लगाने से बहुवचन होता [redacted] जैसे—Fly मक्खी Flies माखियां Lady सेठानी Ladies सेठानियां

नाउन के अंतमें f अथवा fe होवेतो ves लगाने से बहुवचन होता है जैसे—loaf रोटी loaves रोटियां life प्राण lives प्राणों knife चाकू knives चाकूसब ।

इस रीति से होता है परन्तु कहीं कहीं f और fe के केवल s लगानेसेभी बहुवचन होता है जैसे—Chief मुख्य Chiefs मुखिये fife बंसी fifes बंसियां hoof खुर hoofs खुरें proof सबूत proofs सबूतें roof छत roofs छतें grief सोक griefs सोकें इत्यादि ।

कितनेक संज्ञाओंका एक वचनका बहुवचन इस भांत होताहै जैसे

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
Foot पग	feet पगें	Mouse चूहा	mice चूहे
Goose राजहंस	geese राजहंसें	Tooth दांत	teeth दांते
Louse जूं	lice जूंवें	Cow गऊ	kine गऊवें

GENDER (जेंडर) लिंग

लिंग तीन प्रकारके हैं। जैसे-स्त्रीलिंग पुंलिङ्ग और नपुंसकलिङ्ग

पुंलिङ्ग	स्त्रीलिङ्ग
Masculine मेसक्यूलिन्	Feminine फेमिनिन्
Male मेल	Female फिमेल

NEUTER (निउटर) नपुंसक लिङ्ग

स्त्रीजाति के प्राणियोंको स्त्रीलिङ्ग कहते है, और पुरुषजाति के प्राणियोंको पुंलिङ्ग कहते हैं तथा अचेतन् पदार्थोंको नपुंसक लिङ्ग कहते हैं जैसे—Book, Pen, Paper, Box, इत्यादिको नपुंसक कहते है

Male पुंलिङ्ग	Female स्त्रीलिङ्ग	Male पुंलिङ्ग	Female स्त्रीलिङ्ग
Father पिता	Mother माता	Bull बैल	Cow गऊ
Brother भाई	Sister भगनी	Dog कुत्ता	Bitch कुत्ती
Son पुत्र	Daughter कन्या	Cock मुरग	Hen मुरगी
Man मनुष्य	Woman स्त्री	Lord मालिक	Lady मालकनी
Boy लड़का	Girl लड़की	King राजा	Queen राणी
Sir सेठ	Madam सेठानी	Horse घोड़ा	Mare घोड़ी

लिंगोंका दूसरा प्रकार जैसे—

पुंलिङ्ग	स्त्रीलिङ्ग	पुंलिंग	स्त्रीलिंङ्ग
Lion सिंह	Lioness सिंहणी	Actor कर्त्ता	Actress कर्त्री
Jew यहूद	Jewess यहूदनी	Arbiter मध्यस्थ	Arbitress मध्यस्थनी

Prince राजपुत्र Princess राजपुत्री Heir वारिस Heiress वारिसनी
Priest परोहित Priestess परोहितानी Lad बालक Lass बालिका
Emperor बादशा Empress बेगम Author ग्रंथकार Authoress ग्रंथकर्त्री
Bridegroom दुलहा Bride दुलहिन Host मेजमान Hostess मेजमाननी

लिंगोंका तीसरा प्रकार जैसे—

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
Cock-sparrow	Hen-sparrow	He-goat बकरा	She-goat बकरी
He-ass गधा	She-ass गधेडी	Pea-cock मोर	Pea-hen मोरडी

CASE (केस) विभक्ति

अंग्रेजी भाषामें नउनको तीन विभक्ति लगती है जैसे—

Nominative (नोमिनेटिव) प्रथमा कर्त्ता जैसे ने सो
Possessive (पोजेसिव) षष्ठि सम्बन्धी जैसे का, के
Objective (आबजेक्टिव) कर्म्म विषय बाबत

प्रथमा विभक्ति केवल कर्त्ताको क्रियाके साथ बतलाती है जैसे—the boy plays वह लड़का खेलता है यहां लड़का है सोही कर्त्ता है जैसे अर्थ करने में लड़का है सो खेलता है उसी तरह the girl learns वह लड़की खेलती है।

षष्ठि अर्थात सम्बन्धी विभक्ति जिनसका और मनुष्यका स्वामि भाव बत लावेहै और पदके अन्तमे 's चिन्हलगाने से का, ऐसा अर्थ निकलता है जैसे—

My father's house मेरे पिताका घर।

विषय विभक्ति क्रिया अथवा सम्बन्धके विषय दिखावे हैं

Ram assists Luchmun राम है सो लक्षमनको

मदद देता है यहां (को) जो लिखा है वही कर्म्म हुआ।

A boy drinks Cow's milk
कर्त्ता, क्रिया, सम्बन्ध, कर्म्म, } एक लड़का गउका दूध पीता है।

THE ADJECTIVE विशेषण

नउन अर्थात संज्ञा के गुणको प्रकाश करता है उसको विशेषण कहते है विशेषण नउन के पास रहता है और अर्थ भेद से विशेषण चार प्रकार केहैं जैसे—

High ऊंचा green हरा pretty सुंदर rich धनवान good अच्छा ऐसे विशेषणोंको common adjective (जाति विशेषण) कहते हैं।

English अंग्रेजी Marwari मारवारी Indian हिन्दुस्थानी Bikaneria बिकानेरीया ऐसे proper noun से बने हुए विशेषणोंको proper adjective (व्यक्ति विशेषण कहते हैं।

One एक two दो three तीन ऐसे विशेषणों के नाम cardinal adjective (संख्यावाचक विशेषण) कहत हैं। First (प्रथम) second (दूसरा) third (तीसरा) ऐसे संख्यावाचक पदसे बने हुए विशेषणों के नाम ordinal adjective (क्रम सूचक विशेषण) है numeral adjective कहने से cardinal और ordinal दोनोंप्रकारके विशेषणोंका अर्थ निकलता हैं।

धातुके उत्तर ing, ed, d, n, t प्रत्यय लगाने से जो सबविशेषण पद बनाते हैं उनको verbal वा participial adjective (कृदन्त वा क्रिया-[illegible] विशेषण) कहते हैं run ing—running धावमान, विशेषण के जिस रूपसे अच्छा, बहुत अच्छा और बुरा, बहुत बुरा ग्राथ हो उस रूपको positive state (स्वरूप) अथवा degree दरजा कहते हैं जैसे—

Positive स्वरूप	Comparative अधिकगुण	Superlative अत्याधिकगुण
Good अच्छा	Better और [illegible]	Best उससे अच्छा
Much अधिक	More अधिकतर	Most अधिकतम
Little अल्प	Less अल्पतर	Least अल्पतम
Bad मंद	Worse मन्दतर	Worst मन्दतम

कितनेक विशेषण पदोंके er, est लगाने से तर, तम होता है जैसे—

Hard कठिन	Harder कठिनतर	Hardest कठिनतम

Old वृद्ध	Older वृद्धतम	Oldest वृद्धतम
Dear प्रिय	Dearer प्रियतर	Dearest प्रियतम
Near निकट	Nearer निकटतर	Nearest निकटतम

PRONOUN (प्रोनउन) सर्व्वनाम

सर्व्वनाम पद जो है सो noun के बदले में लगाए जाता है जैसे—

Ram is very diligent, he always reads his book.

राम बहुत परिश्रमी है वह आपना पुस्तक हमेशा पढता है।

इस जगह he, his यह दो पद रामके बदले में आये इन्हीं को सर्व्वनाम कहते हैं।

अर्थ भेद से सर्व्वनाम आठ प्रकार के हैं जैसे—

(१) I मैं thou तू और he वो इन तीनोको personal pronoun (पुरुषवाचक सर्व्वनाम) कहते हैं और बचन नीचे लिखे हैं।

(२) Who जो, कौन, which जो, that जो what क्या as जो इन पांच शब्दोंको relative pronoun (सापेक्ष सर्व्वनाम) कहते हैं।

(३) प्रश्न के अर्थमें who (कौन) which (कौन वा क्या) और what (क्या) इन तीनो सर्वनामको interrogative pronoun (प्रश्नबोधक सर्व्वनाम) कहते हैं जैसे— who is he? वह कौन है? which is the house? वह घर कौन सा है? what do you say? तुम क्या कहते हो? इन स्थानो में प्रश्न समझा जाता है इस वास्ते who, which और what को प्रश्नबोधक सर्व्वनाम कहते हैं who केवल जीवको लगता है और which जीव निर्जीव पदार्थोंको लगता है।

(४) Each (हरएक) every (हरकोई) either (दोमें से एक) neither (दोमें से एकभी नहीं) इनको distributive pronoun (एकवाचक सर्व्वनाम कहते हैं)।

(५) This (यह) that (वह) such (ऐसा) same (वही) इनका नाम demonstrative pronoun (उद्देशक सर्व्वनाम) हैं।

(६) Any (जोकोई) all (सब) whole (सब) several (कई एक) some (कुछ, थोड़े) many (बहुत से) few (थोड़े) both (दोनों) none (कोईनहीं) other (दूसरा) one (कोई) इन को indefinite pronoun (सामान्यवाचक सर्व्वनाम कहते हैं।

(७) Mine (मेरा) thine (तेरा) his, hers (उसका) its (इसका) own (अपना) ours (हमारा) yours (तुम्हारा) theirs (उन्होंका) इनको possessive pronoun (अधिकारवाचक सर्व्वनाम) कहते हैं।

(८) Each other वा one another (आपसमें) इनको reciprocal pronoun कहते हैं।

PERSON AND NUMBER पुरुष और संख्या

पुरुष तीन हैं जो मनुष्य कहता है उसको (उत्तम पुरुष) कहते है जिस से कहा जाता है वह (मध्यम पुरुष) है और जिसके बाबत कहा जाता [illegible] वह (प्रथम पुरुष) [illegible] जैसे—

First person उत्तम पुरुष { singular एक वचन I मैं; plural बहुवचन we हम

Second person मध्यम पुरुष { singular एक वचन thou तू; plural बहुवचन ye, you तुम आप

Third person प्रथम पुरुष { singular एक वचन he, she, it वह, वा; plural बहुवचन they वे

VERB (वर्ब) क्रिया

जिस शब्द से होना करना सहना निकलता है उसको क्रिया कहते हैं क्रिया मुख्य दो प्रकारकी है जैसे active सकर्म्मक जो कर्म्म सहित रहती है और neuter अकर्म्मक जिस के कर्म्म नहीं है जैसे—He beats me वह मुझे मारता है He runs वह दौड़ता है यहां beats सकर्म्मक है और runs अकर्म्मक—क्रियाके छः काल हैं।

(१) Present tense (वर्त्तमान काल) जैसे he comes वह आता है

(२) Past tense (अतीत काल) जैसे They came वे आए

(३) Future tense (भविष्यत्काल) जैसे He will come वह आवेगा

(४) Present future tense (वर्त्तमान पूर्ब्बकाल) जैसे They have come वे आचुके हैं

(५) Past perfect वा Pluperfect tense अतीतपूर्ब्बकाल) जैसे— They had come वे आये

(६) Future perfect tense (भविष्यतपूर्ब्बकाल) जैसे—They shall have come वे आचुकेंगे।

MOOD अर्थानुयायी रूप

अर्थ भेद से क्रियाके चार mood (रूप) होते हैं जैसे—

(१) Indicative mood (कालमात्र वाचकरूप) अर्थात स्वार्थकार जैसे—They run वे दौड़ते हैं

(२) Subjunctive mood (सापेचरूप) जैसे—If they run यदि वे दौड़ें

(३) Imperative mood (अनुज्ञानरूप) जैसे—Come आओ

(४) Infinitive mood (भाववाचक रूप) जैसे—To come आना

क्रिया पदके अंतमें ed लगानेसे भूतकाल हो जाता हैं जैसे I press (आई प्रेस) मैं छापता हूं pressed (प्रेसड) छापा will और shall क्रियापदके पहिले लगानेसे भविष्यतकालहो जावेगा will press छापूंगा shall press छापेगा कितनेक क्रियापद ed लगाने सिवाय भूतकाल होते हैं उनको irregular verb (इररेगुलर वर्ब) अनियमित क्रिया कहते हैं जैसे—

वर्त्तमान	किंचितभूत	पूर्णभूत
am हूं	was था	been हुआ
begin चालुकरना	began चालुकिया	begun चालुकरचुका
bring लाना	brought लाया	brought लेआया
buy खरीदना	bought खरीदा	bought खरीदलिया

do करना	did किया	done कुआ
eat खाना	ate खाया	eaten खालिया
give देना	gave दिया	given देदिया
hear सुनना	heard सुना	heard सुन चुका
pay देना	paid दिया	paid देदिया
say कहना	said कहा	said कहदिया
sell बेचना	sold बेचा	sold बेचदिया
write लिखना	wrote लिखा	written लिखदिया

INDICATIVE MOOD.

		I see (मैं देखता हूं)
Present tense	s*	I see, thou seest, he sees वा seeth
(वर्त्तमान काल)	p*	We, you, they see.
		I saw (मैंने देखा)
Past Tense	s.	I saw. thou sawest, he saw.
(अतीत काल)	p.	We, you, they saw.
		I shall see (मैं देखूंगा)
Future Tense	s.	I shall, thou wilt, he will—see.
(भविष्यत्काल)	p.	We shall, you will, they will–see.
		I have seen (मैंने देखा है)
Present Perfect Tense	s.	I have, thou hast, he has—seen.
(वर्त्तमान पूर्व्वकाल)	p.	We, you, they—have seen.
		I had seen (मैंने देखा था)
Past Perfect Tense	s.	I had, thou hadst, he had—seen.
(अतीत पूर्व्वकाल)	p.	We, you, they—had seen.
		I shall have seen (मैं देखचुकूंगा)
Future Perfect Tense	s.	I shall, thou wilt, he will have seen.
(भविष्यत्पूर्व्वकाल)	p.	We shall, you will, they will have seen.

* s—singular एकवचन। plural बहुवचन।

ADVERB क्रियाविशेषण

क्रिया विशेषण क्रियापद को और विशेषणको जोड़े जाता हैं विशेषणके अन्त में अकसर ly लगानेसे क्रिया विशेषण हो जाता है जैसे

happy खुशी   happily खुशीसे   careful होशीयार
carefully होशियारीसें quick जल्द   quickly जल्दीसे

PREPOSITION उपसर्ग

उपसर्ग नौनके और प्रोनउनके भोतकरके आदमें लगाये जाते हैं जैसे He went from Calcutta to Delhi वह कलकत्तेसे दिल्लीको चला गया Sit by me मेरे पास बैठो

by, to, from, for, into, till, with, up, under, on, of इत्यादि को उपसर्ग कहते हैं

CONJUNCTION समुच्चायक

समुच्चायक शब्द एकट्टा करनेको कहते है जैसे

He and his brother resids in London

वह और उसका भाई लण्डनमें रहता है

I will go if he accompany me.

अगर वह मेरे साथ चलेगा तो मैं जाऊंगा

And, if, both, then, since, for, because, therefore इत्यादि शब्दोंको कनजंकशन कहते है।

INTERJECTION विस्मयादि

विस्मयादि बोधक शब्द हरष सोक इत्यादि दिखलाता है जैसे

1 दुःखवाचक O ! oh ! ah ! alas ! हाय हाय
2 धिक्कारवाचक Pish ! tush ! छी हा [illegible] धिक
3 आश्चर्यवाचक Aeigh ! really ! वाहा
4 सम्बोधन Hem ! ho ! soho ! अरे, अहो !
5 त्रासवाचक Foh ! fie ! away ! ऊः
6 एकाग्रतावाचक So ! behold ! hark ! देख सुन चुप
7 मौनवाचक Hush ! hist ! चुप ठीक
8 अभिवन्दनवाचक Welcome ! good morning राम राम
9 हर्षवाचक Hey ! bravo ! वाह वा
10 आकस्मिक भयवाचक Ha ! अरे यहक्या ! हा !

FORMS OF LETTERS &c.

चिट्ठी वगैरह लिखनेकी रीति।

My dear sir,

Will you have the goodness to inform me, at what time the steamer leaves for Bombay? I have [redacted] few packages which I wish to send on board.

मिहरबानमन

मुझको थोड़ीसी गांठे बम्बई चलान करनी हैं इस लिये आप मिहरबानी करके इस बातकी खबर दीजिये कि वहां जानेवाली आग बोट किसवक्त खुलती है।

I shall feel much obliged if you will favor me, with a call at your earliest convenience.

मैं आपका बहुत गुनमानूंगा अगर आप कृपा करके अपने फुरसतके [redacted] मुझको बुलावें।

I beg you will have the kindness to inform me at what time I may call to consult with you about a letter from Bombay which I received yesterday.

[redacted] मैंने बम्बईकी जो चिट्ठी पाई है उसकी सलाह करनेके वास्ते आप किस [redacted] कृपा कर सकते हैं अनुग्रह पूर्व्वक इस बातकी खबर मुझको दीजिये।

Dear sir,

As I intend setting out immediately for Indore, I shall esteem it [redacted] favor if you can oblige me with a letter of introduction to Mr. Ramchunderjee..

मेरा इरादा इंदौर जानेका [redacted] जल्दी [redacted] इस वास्ते अगर आप एक चिट्ठी सेठ रामचन्द्रजी [redacted] नामकी [redacted] सें मुलाकात करनेके वास्ते लिख भेजेंगे तो [redacted] आपका बहुत अहसान मंद होउंगा।

I am sorry to inform you that, in consequence of an attack of fever, I am unable to go to office to-day; I hope, however, to attend to-morrow.

मुझे इस बातकी खबर देनेमें बड़ा अफसोस मालूम देता है कि बुखार के सबबसे मैं आज आफिस में हाजिर नहीं हो सकता मगर उम्मीद है कि कल किसी तरहसे हाजिर होऊंगा।

I left my umbrella at your house last night, will you kindly give it to the bearer?

कलकी रात आपके मकान पर छाता भूल आया मिहरबानी करके इस आदमी के साथ भेज देंगे।

Will you be so good to send back the book which I lent you? If you have not yet read it, I beg you will return it, because I have promised to lend it to friend.

मैंने जो कीताब आपको दईथी मिहरबानगी करके फिरत भेजीये अगर पढ़ी नही होवे तो पढ़कर जलदी भेज दीजिये क्यों कि मैंने एक दोस्तको देनेके लिये इकरार किया हैं।

I return with best thanks the book you kindly lent me, I have to apologise for this delay; it is very amusing and instructive.

जो किताब आपने मिहरबानगी करके इनायत कीथी उसको खुशी के साथ भेजता हूं देर हो गई इसके लिये माफ मांगता हूं किताब बहुत दिल चस्प और समझ देन वाली है।

My dear sir,

The copy of the grammar you were kind enough to send me came safely to hand yesterday.

I have sent the money to your brother, and I am greatly obliged to you for the trouble you have taken.

आपने मिहरबानी करके एक पुस्तक व्याकरण का भेजाथा सो कल दिन अच्छी तरह से पहुंच गया है रुपये आपके भाइको भेजदीये हैं और आपको तकलीफ होइ उसके वास्ते अहसान मन्द हूं।

I have not had the pleasure of hearing from you since [redacted] long time. I shall be greatly obliged to you, if you [redacted] send the books I wrote for in my last.

बहुत दिनसे कुछ समाचार आपका नहीं आया मैं आप का बहुत एहसान मन्द होउंगा अगर हमारी आगेकी चिट्ठी में जो कीताबें लिखीथी भेजदेवें ।

Come to me at once ; I want to speak to you presently.

यह खत पहुंचतेही मेरे घरको जल्दी आइये क्योंकि ताकीद से आपको कुछ कहना है ।

You must excuse me for not coming over now, as I am engaged.

काममें लगनेके सबब [redacted] आ नही सकता हूं माफ की जीये ।

Just on receipt of this, send me two pieces of the finest white jaconet you have, and let me know the price thereof.

चिट्ठी पहुंचतेही २ थान बढ़िया सफेद नैनसुख भेज दीजिये और उन्हों की किमत भी लिख दीजिये ।

Agreeably to your request I have sent you the white jaconet ; each piece will cost ten rupees.

आपके लिखने मुजब नैनसुख भेजदिये हैं किमत १० रुपये थान है ।

Dear sir,

Pray favor me with (50) fifty rupees through the bearer, who is my servant. I have immediate occasion for the sum ; I will repay it whenever you will be pleased to make [redacted] demand.

मिहरबानी करके ५० रुपये इस आदमीके साथ भेज दीजियेगा यह मेरा नौकर [redacted] मेरे को रुपैयों की इस वक्त जरूरत है जिस [redacted] आप मांगोगे उस [redacted] फिर दे‍उंगा ।

The letter in which you desire [redacted] to sell your books reached me yesterday.

I have sold them accordingly and I await your instructions

[redacted] to the disposal of the proceeds. Your uncle gives an entertainment next Wednesday when he hopes to have the pleasure of seeing you and all your family.

जिस चिट्ठी में तुम्हारी कीताबें बेचनेके वास्तें लिखा कल पहूंची मैने तुम्हारे लिखने [redacted] बेच दिया है उन रुपयों का क्या करें सो लिखिये, तुम्हारे चचा आवते बुधको जाफत करेंगे सबको उम्मीद [redacted] कि आपभी आवेंगे।

Please to advance to Narain the sum of rupees 400 on my account. I have forwarded you by the steamer *China* 100 bales of cotton marked (M. N.) and numbered from one to hundred. You will be good enough to dispose of them and place the proceeds to my credit.

मिहरबानी करके मेरे हिसाब ४०० रुपये नारायन को पेशगी देना मैने चाइना बोट पर १०० गांठे रूइको रवाना करी है मारका म, औेर न, नम्बर १ से १०० तक का आप मिहरबानी करके उनकोंको बेच करके मेरा जमा करीये।

DEAR SIR,

Referring to your circular of the 10th June last, I beg to inform you that, I intended to ship some saltpetre by the French Mail, but it could not be got ready in time, it will go by the next opportunity.

पियारे साहिब

आपका १०वीं तारीख जूनका आखबार देखके कुछ शोरा फ्रेंचमेल में भेजनेका इरादह किया था लेकिन वक्त पर तइयार नहीं हुआ इस लिये दूसरे वक्त भेजेंगे

DEAR SIR,

WE are in receipt of your letter of the 16th instant, ordering the purchase of twenty-five bales of superior cotton at 15 rupees per maund and shipment for Hong-Kong. We are sorry to say in reply, that the quantity of good cotton in the

market has just now fallen short and the price consequently has advanced up to rupees 17-8-0 per maund. It is therefore, beyond our power to execute your order.

पियारे साहब

आपकी चीठी इस महीनेकी १६वीं तारीखकी पहुंची आपने फरमाया कि २५ गांठ अच्छी जातकी रूई प्र० १५) रुपये मनके हिसाब से खरीद करके रंगयांगको जहाज पर लाद देना सो इसका जवाब आपको लाचारीके साथ देता हूं क्योंकि आज कल बाजारमें अच्छे मालकी मिलगत नहीं है इस लिये भावभी १७॥ रुपये [redacted] तक [redacted] गया [redacted] क्या करैं। आपका हुक्कम बजानेको कुछ मेरा अख्तियार नहीं रहा

किरायादरकी तरफसे जागीरदारको——

Sir,

I have been your tenant above ten years in the house where I now live, and you know I never failed to pay my rent quartorly when due. At present I am extremely sorry to inform you, that from a variety of losses and disappointments, I am under the necessity of craving your indulgence to wait for one quarter longer. By that time I hope to be able to meet your just demand. This act of kindness shall be gratefully acknowleged by your obedient and humble servant.

साहब,

मैं करीब दश बरसके इसी मकान में रहता हूं और आपभी जानते हैं कि मैं कभी सिमाही किराया आपको वक्त पर देनेको नहीं चूका हूं हालमे हरएक तरहके नुकसानोंके सबबसे लाचार होके अरज करता हूं कि आप तीन महीनोंके वास्तै मिहरबानी करैं उस वक्त उम्मिद है कि जोतकाजा अभी होरहा है उसको अदाय करूंगा और अहसानभी निहायत ताबेदार पर रहैगा

TO

E R. BELILIOS, ESQUIRE.

HONG-KONG.

DEAR SIR,

WE beg to inform you, that we have consigned to you on our account 25 chests of Patna opium by the Steamer A. *Apcar*, which you will please to dipose of at the highest rate on her arrival there.

साहब, हमने २५ पेटी पटना आफीमकी हमारे हिसाबसे आपकी आडतमें भेजी हैं सो आप मिहरबानी करके उनको ष्टीमरके पहुंचनेसे अच्छे भावमें बेचदीजियेगा

DEAR SIR,

Permit me to introduce to your acquaintance, the bearer of this letter, Thakur Ramsing, who proceeds to Bombay on his way to Dwarka. Please to advance him any sum not exceeding 1000 Rupees in case the Thakur falls short of money, taking his receipt for the same, and oblige.

पियारे साहब, रामसिंघ ठाकुर द्वारका जानेकेवास्ते बम्बई आवता है वहां पर आपके साथ मुलाकात करैगा और [illegible] पर जितने रुपये मांगे आप मिहरबानी करके १००० रुपये तक उनको रसीद लेकर देदीजियेगा और मिहरबानगी आपकी चाहिये

GENTLEMEN,

WE beg to transmit to you a Bill of Exchange on the Agra Bank on demand for Rupees 5000, and request the favor of your forwarding to us by the earliest opportunity the goods as per list herewith sent.

साहब, हम आपको एक पहुंचे तुरन्तकी हुण्डी आगरा बंक उपर भेजते हैं आप मिहरबानी करके ताकीदसेती जो माल इस चीठीके साथ फरदमें लिखा है चलान करं दीजियेगा

DEAR SIR,

WE feel great pleasure in acknowledging the receipt of your kind favor of the 5th March last, together with a Bill on the Agra Bank for Rupees 5000, requesting us to send you goods as per list enclosed.

We have made all possible haste to execute your order, and now beg to inform you that we have despatched by Railway two cases of goods ■ per Invoice.

तारीख ५वीं मारचके मिहरबानी नामेके साथ जो आपने आगरा बंक ऊपर एक किता ५००० रुपयेकी हुंडी माल मंगवानेवास्ते भेजी है उस की पहुंच निहायत खुशीके साथ आपको अरज करके लिखता हूं और आप का ताकीदीसे हुकम बजा लावनेको मालकी २ पेटी बीजक साथ रेलवे में चालान करदई हैं

DEAR SIR,

WE beg to inform you, that we have shipped on board the *Ellora* ■ large quantity of paper, and a few bags of cinnamon, as per Bill of Lading enclosed, consigned to your Firm to be sold on our account at the highest quotation in your market. The goods are quite fresh, and selected with great care. We are therefore sanguine that they will obtain ■ ready and advantageous sale.

इलोरा जहाजमें मिरच और थोडेसे थैले दारचीनीके हमारे हिसाबसे आपकी आढतसें बेचनेवास्ते भेजे हैं जिसकी लोटी इस चीठीके साथ है हमको उम्मेद है कि माल अच्छे भावसे बिकैगा क्योंकि नया और चुना हुआ माल ।

Calcutta 20*th July* 1878.

TO

THE TRAFFIC MANAGER

OF................RAILWAY.

SIR,

We beg to bring to your notice, that we have despatched ■ package of sundries to the address of Ramnath at

Delhi on the 5th of July 1878 as per Railway Receipt No 302, which seems to have been mis-directed to some other Station, as it has not yet reached its proper destination, Please therefore investigate into the matter and let us know the result of your investigation.

गुजारिश यह है कि एक परचूटन मालकी गांठ रामनथके नामसे तारीख ५ वीं माह जुलाई सन १८७८ रसीद नम्बर ३०२ दिल्लीको भेजीथी सो आजतक वहांपर नहीं पहुंची है मालूम होता है कि कहीं दूसरे ठीकाने गलतीसे भेजि गई है इसलिये मिहरबानगी करके तोकस फरमावें और मुझको भीखबर भेजें

We the undersigned beg most respectfully to state that for want of empty waggons 1000 bags of Rape-seed are lying for a long time at the Raniganj Station, will you therefore kindly make an early arrangement for the supply of sufficient waggons.

साहब हम नीचे सही करनेवालोंका दरखवास यह है कि एक १००० थेले सरसोंके खाली गाडियों नहीं मिलनेके सबबसे बहुत दिनोंसे ष्टेशन रानीगंजमें रक्खे हैं, इसलिये आप मिहरबानीसे तुरन्त बंदोस्त करै ता कि उस मालकेवास्ते गाडियां हमको मिलैं।

We beg to state, that 500 bags weighing 1000 maunds of wheat were despatched from Cawnpore to Howrah on the 10th of July 1878 as per Bill of Lading No 107, for the freight of which your office clerk charged us 1100 Rupees, instead of the prescribed sum of 1000 Rupees. Will you kindly enquire into the matter, and refund the amount overcharged viz., Rupees 100. An early reply is most respectfully solicited.

हम अरजकरके बयान करते हैं कि ५०० थैले गेहूंके वजन एक हजार मन कानपुरसे ता० १० वीं जुलाई सन १८७८ हवडेको रवाने कीये थे, लेकिन उन थैलोंपर आपके आफिस कलारकने किराये के ११०० रुपये बैठाये हैं, मामूली किरायके हिसाबसे १००० रुपये

होने चाहिये, इसलिये मिहरबानी करके इसकी चौकसी करैं और एकसो रुपये फाजिलगये वह फिरतमिलैं जवाब के वास्ते अरज है।

We beg to say that we have received a Bill of Lading No 35 dated 5th July 1878 containing an advice for 300 bales of gunny bags from our consignee of Calcutta. But we have received 290 bales only. Will you have the goodness to enquire into the subject, and let us know the particulars of this deficiency.

साहब, हम अरज करके बयान करते हैं कि एक रसीद नम्बर ३५ तारीख ५वीं जुलाई सन १८७८ की जिसमें ३०० गांठ थैलोंकी कलकत्तेसे आढ़तियेने भेजी, लिखी हैं, लेकिन हमकोतो आपके यहांसे सिर्फ २९० गांठ मिली है इस लिये आप मिहरबानी करके जो बाकी रही हैं उन्होंकी चोकसी करके हाल लिख भेजैं

We are extremely sorry to say, that the receipt for 250 bags marked [B D] containing 500 maunds of wheat despatched from Delhi to Howrah on the 15th of July 1878, has accidentally been lost. We therefore beg that you will be good enough to deliver us the goods in question, either on personal security or indemnity note. Hoping to receive a favourable and early reply

साहब, हम निहायत लाचारीसे बयान करते हैं कि २५० थैले वजनमें ५०० मन गेहूं के और बी, डी, के निशानके दिल्लीसे हवड़ेको चालान ता० १५वीं जुलाई सन १८७८ को हुए हैं लेकिन उन थैलोंकी रसीद अचानक कहीं गुम होगई, इसके वास्ते आप मिहरबानी करके वह माल यातो किसी शख्सकी जमानत पर वा जवाबदहीकी दस्तावेज लिखवाके हमको डिलेवरी करा दीजियेगा, आसा है कि मुनासिब और जल्द जवाब मिलेगा

मंजिल परतार नहीं पहुंचे जिसके लिये अरजी

TO

THE SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT
CHECK DEPARTMENT,
CALCUTTA.

SIR,

WE have the honor to draw your attention regarding telegram, which has not yet been delivered to its addressee. Will you please enquire into the matter and intimate the reason of the non-delivery; the receipt of the Telegraph Office is herein enclosed.

साहब, एकतारकेवास्ते हम आपसे इज्जतके साथ गुजारिश करते हैं कि वह तार आज तक धनीको देहा नहीं पहुंचा है आप मिहरबानी करके इसकी चौकस करें और क्या सबबसे नहीं पहुंचा उसका बेरा मिले रसीद उस तारकी इसके साथ भेजा।

तारकी नकलके वास्ते दरखवास्त

SIR,

WILL you have the goodness to furnish us with a true copy of the enclosed receipt, the fee for which, annas 4, is sent with the bearer

साहब चार आने फीके यह चीठी लेके जो आवता। उसके साथ भेजे हैं आप मिहरबानगी करके जो रसीद जिस तारकी इसमें भेजी। उसकी आप ठीक नकल लिख फरमावें

TO

THE CHAIRMAN OF THE MUNICIPAL
CORPORATION FOR THE TOWN OF
CALCUTTA.

SIR,

WE the undersigned beg to bring to your kind notice, that a pipe of Gas adjacent to premises No 33, Bartola Street has been out of order since yesterday, consequently we are exposed to unwholesome smell, which is very detrimental to our health. We therefore most respectfully pray, that you will kindly take speedy measures for putting it to right.

साहब, नीचे दस्तखत करने वाले आपके खिदमतगार, मुलाकिलोंमें गुजारिश करते हैं, कि नरतला गलीमें मकान नम्बर २३के नजदीक गंदका [illegible] कम दिनसें बिगड़ा है, उसके सबबसे जो बदबू फैलती है उससे खिलकतको खलल है इसलिये हम अरज करते हैं कि आप मिहर-बानीसे जलद उसकी दुरस्तीकी खबरलें।

TO

THE OFFICER IN CHARGE,
CALCUTTA MINT.

SIR,

WE, the undersigned beg most respectfully to solicit the favour of your kindly granting the privilege of visiting the Mint any day you may be pleased to appoint, as we are aware of your allowing such indulgence.

We fervently hope you will not deny us the favour solicited.

We beg to remain,
SIR,
Your most obedient servants,

यह चीठी जो लिखीहै टकसाल वगैरह देखनेकेबाबतमें है।

TO

THE POST MASTER OF..........................

SIR,

I beg to enclose a copy of a parcel (or registered letter) receipt, granted by your office, and request, you will be good enough to enquire into, and let me know the fate of the parcel, (or registered letter) in question. The parcel (or registered letter) referred to has not as yet been delivered to the addressee nor returned to me.

पोष्टमाष्टर साहब, एकपारसल (अथवा रेजिष्टरी चीठी) की रसीद मुझको आपकी आफिससे मिलीथी उसकी नकल इस अरजीके साथ भेजकर गुजारिश करताहूं, कि नतो वह पारसल (अथवा रेजिष्टरी

चीठी) जहां को भेजी थी वहां पहुंची और न आजतक मुझको फिरी लौटाए गई इसके वास्ते आप मिहरबानी की नजरसे उस पारसल (अथवा रेजिष्टरी चीठी) के वास्ते चोकसी फरमाके मुझको इतला देंगे

अफयूनकी डिपाजिट् दाखिल करनेका नकशा

TO

THE SECRETARY TO THE BOARD OF
REVENUE L. P.,
FORT WILLIAM.

SIR,

PLEASE receive the sum of Rupees 52,500, being the deposit for undermentioned Lots of opium, purchased from the sale of the 3rd instant.—

Patna Lots No. 1 to 25 ... Total 25 Lots.
Benares Lots No. 51 to 60 ... ,, 10 ,,
Bank of Bengal receipt No. 521 for Rs. 37,500, for Patna.
Ditto Ditto No. 522 for Rs 15,000, for Benares.
are herewith enclosed.

अफयूनके बाबत जो रु० बंगाल बंकमें दाखिल किये जाते हैं-नकशा

TO

THE SECRETARY AND TREASURER
BANK OF BENGAL.

SIR,

PLEASE receive the sum of Rupees fifty two thousand and five hundred only, on account of opium and grant us 2 receipts for the same.

One receipt for Patna Opium for Rs. 37,500.
One Ditto Benares Opium for ,, 15,000.

We are,
Sir,
Your most obedient servants
JAGERNATH, RAMPERTAP

NOTICES. हरएक तरहकी नोटिस।

मकानखाली कराने बाबत जागीरदारकी तरफसे किरायेदारको

SIR,

I hereby give you notice, and require you to quit and give up on or before the 1st of August 1878 the possession of my room occupied by you, as monthly tenant, and in default an action of ejectment will be brought against you, and you will be responsible for all costs, charges, damages and expenses to be incurred thereby without further notice.

साहब बजरिए इस नोटिसके तुमको लिखा जाता है कि तारीख १ एकम माह अगष्ट सन १८७८ तक जिस घरमें तुम माहवारी किराये दाखिल रहते हो उसको छोड़ दो अगर नहीं छाड़ोगे तो नालिश करेंगे और जो कुछ हरज खर्च होवेगा उसके वास्ते तुम जिम्मेवार होगे जो कुछ लिखनाथा लिख चुके हैं

उपरके नोटिसका जवाब

SIR,

With reference to your notice that on or before the 10th day of September next I shall leave your house and premises situated at Cotton Street No.—I now hold of you. I will not from and after the said time hold myself in any way responsible for the rent &c of the said property.

साहिब, बमुकाबले आपके नोटिस ता०——माह—सन—के आपको नोटिस देता हूं कि तारीख १० वीं सेपटम्बर को अथवा इसके पहिले तुम्हारा रुईपट्टीवाला मकान नम्बर——छोड़दूंगा मकान खाली करने बाद किराये वगैरहके बाबत [illegible] कोई तरहसे जवाबदार नहीं,

नोटिस मकान खाली करवाने बाबत

Dear sir,

Please take notice, that you are required to vacate the house and premises now in your occupation as soon as practicable, as some repairs will be made for it.

पियारे सेठ—आपको मालूम रहे कि जिस घरमें अभी आप रहते हैं उसको मिहरबानी करके जितनी जलदी बनसके खाली कर दीजिये क्योंकि उसकी मरम्मत कराई जायेगी

नोटिस मकान छोड़वाने बाबत

Dear sir,

Be pleased to take notice, that you are required to vacate the upper floor portion of the premises No 20 at Bartola Street, now in your possession [illegible] soon as possible [illegible] the north-east wall of the house is to be pulled down and re-built,

पियारे साहब—मिहरबानी करके नोटिस लीजिये कि मकान नम्बर २० बरतला गलीवालेका ऊपरका मंजिल, जिसमें कि अभी आप रहते हैं जहां तक मुमकीन हो खाली कर दीजिये क्योंकि ईशानकोनकी दीवार तुड़वाके नई बनाई जावैगी

नोटिस तकाजा

I hereby beg to give you notice and demand of you the sum of Rupees One Thousand, Principal, together with interest up to date. I further inform you that unless the above sum be paid within 24 hours from the service hereof, legal steps will be taken against you and you will be liable for all costs, charges and expenses to be occasioned thereby.

आपको इत्तला देनेमें आता है कि आपकी तरफ हमारे एकहजार रु० असल और आज दिन तकके बियाज समेत बाकीहै सो इस नोटिस [illegible] पहुंचनेसे २४ घंटे अंदर चुकती कर दीजिये अगर नहीं तो आएदे मुजब नालिश करके वसूल करने पड़ेंगे और उसमें जो कुछ खर्च हरज होगा वह सब तुम्हारे जिम्मे होंगे

BABU HEERALALL RADHALALL

Sirs,

I am instructed by my client Babu A. B. to demand of you, which I hereby do, the payment to him or to me [illegible] his

agent, within three days from the date hereof, the sum of Rs 80, being the amount due for use and occupation of a house by you; in default of payment, I beg to inform you that I am further instructed to adopt legal proceedings against you without further reference.

Yours faithfully
B. B. Attorney.

हमारे ए, बी मुवक्किलकी तरफसे तुमको नोटिस देताहूं कि उनके मकान भाडेका रुपये ८० जो तुम्हारी तरफ बाकी है सो आजकी तारीखसे तीनरोज अंदर रुपये उनको अथवा मेरेको भेजदीजियेगा, नहीं तो हमारे मुवक्किल मेय खरच तुम्हारे उपर नालिश करके वसूल करेंगे,

MESSRS. KING &c.

Gentlemen,

We have several times requested you through Beharilall Broker to send the empty bags per contract No 101 to the address of Premsookh Soorajbhan at Delhi, but regret to learn that the bags were not as yet sent on to the place named.

We trust you will now do it, as, if further delay be made, we will not be able to fulfil the conditions of the contract.

हमने बिहारीलाल की मारफतसे आपको कई मरतबा कहला भेजाहै कि कनटराक्ट नम्बर १०१ [redacted] बाबत थैले परेमसुख सूरजभानको दिल्ली भेजो लेकिन आपने आजतक थैले वहां भेजे नहीं अभी उम्मीदहै कि भेजैंगे, अगर भेजनेमें और ढील करोगे तो, कनटराक्टमें जो शरत लिखी हैं [redacted] सब पूरी नहीं कर सकेंगे

We beg to inform you that if you fail to deliver the Linseed within the time mentioned in the contract we must hold you liable for any loss which we may sustain.

खबर देते हैं कि अगर तुम कनटराक्टकी टैम अंदर अलसी नहीं देओगेतो जो कुछ हमको नुकसानी होगी उसका जिम्मा तुम्हारा है

PROMISSORY NOTE OF GOODS

On demand, we promise to pay to Messrs Hiralall Motilall or order the sum of Rs 2500 (two thousand and five hundred) only, with Interest thereon, from the date of delivery till the date of payment, at the rate of twelve per cent per annum, being the value of goods purchased from them.

सेठ, हीरालाल मोतीलाल योग्य

हमने २५००) अंकेन दोहजार पांचसो रुपयेका माल आपसे खरीदा है वह रुपये आप मांगोगे उसवक्त खरीदीकी तारीखसे लगाय भुगतान की तारीख तकका वियाज रुपये सैंकडे समेत देंगे

PROMISSORY NOTE

Three months after date I promise to pay to Babu Ramdyal or order the sum of Rs 1500 (fifteen hundred) only bearing interest @ 12 per cent per annum for value received.

बाबु रामदयाल योग्य, जो कि रुपये १५००) अंकेन पंद्रहसो आपसे पाये हैं उनका इकरार करताहूं कि आजकी तारीखसे तीन महीने बाद रुपये संकडे वियाज समेत आपको दूंगा

NOTE OF HAND

On demand I promise to pay to Mr. Badridass Mookim Roy Bahadoor or order, the sum of Rs 5000 (five thousand) only with interest @ 12 per cent per annum, for value received in cash.

बाबु बदरीदास जी मुकीम राय बहादूर योग्य

आपको इकरार करके लिख देताहूं कि रुपये ५००० अंकेन पांच हजार आपसे नकद पाये हैं वह रुपये जिसवक्त आप वा आपकी फरमा एससे जो कोई मांगेगा उसवक्त रुपये सैंकडे वियाज समेत दूंगा

BILL OF EXCHANGE

Rs 2000, Calcutta, 15th July 1878.

At thirty one days after sight of this my First of Exchange (Second and Third of the same tenor and date being unpaid)

pay to Lalla Lall or order the sum of Rs 2000 (two thousand) for value received.

TO J Chintaman. P. Taraknath
Bombay

हुंडी एक रुपये २०००की जो चिंतामन ऊपर लिखी कलकत्तेसे, पी, तारकनाथकी रक्खा लाला लालका तारीख १५ वीं जुलाई दिन २१ पीछे

दरशनी

On Demand please pay to Rangeeldass or order the sum of Rs 500 (five hundred) only for value received.

TO Seetaram Lalla Chunilall.
Delhi

हुंडी एक रुपये ५००की दिल्लीकी सीताराम ऊपर लिखी लाला चुनीलालकी राख्या रंगीलदासका पहुंचे तुरंत

FORMS OF CONTRACTS कबाला

MESSRS. SEWLALL. MOTILALL.

Dear sirs,

I have this day sold (or purchased) by your order, and on your account to (or from) Messrs Jamnadass Bramdut the 4 per cent Government paper for Rupees 20000 @ Rs 5-8 per cent discount.

To be delivered on the 15th or 16th of October 1878.

Terms cash

Calcutta 12th July 1878. Ram Chunder Broker.

सेठ शिवलाल मोतीलाल योग्य

मैंने आज दिन आपकी रजा से और आपके हिसाब मे जमना दास ब्रह्मदत्तको (वा उनसे) चारके वियाजके २०००० रुपयोंके प्र० ५॥ सैंकडे बट्टे सरकारी कागज बेचे हैं (वा खरीदेहैं) उनका भुगतान नकद तारीख १५ तथा १६ अकटुबर सन १८७८का दलाल रामचंदर

I have this day sold (or purchased) by your order, and on your account, to (or from) Johrimull Ramlall the 50 tons of

Cawnpore wheat @ Rs 3-7-6, Three Rupees seven annas six pies per maund.

To be delivered on or before the 1st of September 1878. Cash on delivery.

Calcutta B. D.
15th August 1878. Broker.

मैंने आज दिन आपकी रजासे और आपके हिसाबसें जौहरी [illegible] रामलालको (अथवा उनसे) ५० [illegible] कान्हपुरकी गेहूं भ० ३-७-६ मन हिसाबसे बेचा है (अथवा खरीदा है) उनको डिले वरीकी तारीख पहली मैंडू तककीहै भुगतान नकद

FORMS OF BILLS बिलोंके नकशे

MESSRS. ANAND CHANDER DUTT & Co——Dr.
TO RADHABALLHAB

For rent of a portion of upper floor of house situated at No. 33 Bartola Street for the month of June 1878——Rs 10.

Calcutta E. E. Received payment
1st July 1878. Radhabalhab

राधावल्लभकी तरफ से बाबू आनन्द चन्द्र दत्तकम्पनी ऊपर किराया रुपये १० मकान नम्बर ३३ बरतला ष्ट्रीटके ऊपर मंजिलका जून महीने सन १८७८ का ।

For value of 190, bags of wheat weighing maunds 269-31 seers @ Rs 3-1-6 per maund.................................Rupees 834-9-9.

बाबत १०८ थैले गेहूं जिसका मन २६९-३ परत रु० ३/॥) मनपीछे जिसके रुपये—८३४॥ —)॥।

For my brokerage @ (1%) one per cent on Rs 1,362-8 being the value of 5000 gunny bags sold by you to——@ Rs 27-4 per cent...Rs 13-10-0.

Calcutta, 1st July 1878. E. E. Received payment.

थैले ५००० आपने बालकृष्ण दास डागेके ‍प्र० २७॥ सैंकड़ हिसाबसे बेचे जिसके रुपये १३६२॥ दलाली एकरुपया सैंकड़ा जिसके रु० १३॥=

रेलवे कम्पनीसे माल कमती मिले जिसका बिल

............Railway Company——————Dr

To Hansraj Hiralall

For short delivery of 10 bags of sugar, (despatched from Benares per Railway receipt No. 11 dated 1st July 1878.) wg.
Mds. 25-10 @ Rs. 13 per md......................Rs. 328 4 0
For empty 10 bags each 4 annas..................Rs. 2 8 0
Calcutta Total Rs. 330 12 0
17th July 1878 E. E. Received Payment.

PUBLIC NOTICES जाहिर खबर

To be re-sold at the Godown of the undersigned No. 16 Cotton Street on Monday next, the 18th instant at 4 o'clock, 3 cases of white shirtings, on account of Ramji, who has failed to take delivery of them in terms of his contract.

इस महीनेकी तारीख २८ रोज सोमवार ४ बजे रुलापट्टी गोदाम नम्बर १६ में ३ पेटी सुफैद नैनसुख रामजीके हिसाबसें नीचे सही करनेवाला दूबारा बेचेगा क्यों कि रामजी अपने कंटराक्टकी शरत मुजब पेटियां नहीं उठाने सका है

To be re-sold to the hightest bidder, on account and at risk of the first purchasers, Baboo R. Sewlall, who have failed to take delivery of the balance, say about 1200 maunds gram ex Barhea, bought by them as per contract, dated 26th June.

आर, शिवलालके हिसाबसे १२०० मण बढ़ैयेका चना जो कि बाकी रहा है वह बरके डाकेगा बेचा जावेगा क्यों कि वह खरीददार तारीख २६वीं जूनके कण्टराक्ट मुजब माल उठाने नहीं सके।

आमदनी ष्टीमरके मालउठाने बाबत नोटिस

Consignees of Cargo per British Indian Company's steamer must have boats ready for the same on steamer's arrival, other-

wise it will be landed at their risk and expense. The undersigned also give notice to consigness that all cargo must be removed from the Beach as landed. In default they will not be responsible for any loss or damage.

ब्रिटिश इण्डीएन कम्पनीके ष्टीमरमें जो माल जिनोंपर आता है उन आढतियोंको जाहिर खबर देते हैं कि ष्टीमरके पहुंचनेसे अपना माल किश्तीया बोट लगाके उठा लेजावें नही तो उनके जोखिम खर्चपर माल किनारे पर उतारा जावेगा और नीचे सही करनेवाला कोई तरहकी नुकसानीके वास्ते जिम्मे वार नही रहेगा,

This steamer has arrived and is ready to discharge ; consignees must send off boats at once, otherwise the cargo will be landed at their risk and expense.

यह ष्टीमर आन पहुंची है और खलास होनेको तइयार है, आढतियोंको चाहिये कि अपना माल उतरा लेजावें नहीं तो उनकी जोखिमसें किनारे उतारा जावेगा,

PETITIONS अरजियां

हथियारके पास बाबत

To

The Deputy Commissioner (or other officer) of Police.

Sir,

Be pleased to grant me a Pass to carry one single (or double) Barrel Musket together with one pound gun-powder, one pound shots and 250 caps from here to Rajputana, with safety by Railway.

Your most obedient servant

Beharilall.

मिहरबानी करके एक (अथवा दो) नली बंदूक एक रतल बारूद और २५० फटाकोंके परवाना वास्ते हुकम फरमावें, यहांसे रेलवे में राजपुतानातकवास्ते जावतेके संग लेजावेंगे,

APLICATION FOR LEAVE छुट्टीके लिये अरजी

I have been suffering since yesterday from a severe attack of fever that has made me quite unable to attend school.

I should be much obliged if you would be good enough to grant me leave of absence for two days.

कलसे बुखार आ रहा है और बहुत तकलीफ हो रही है, स्कूलमें बिलकुल हाजिर होनेका एक नहीं रहा, इसलिये आप मिहरबानी करके दोरोजके वास्ते छुट्टीका हुकम फरमावें।

Respected Sir,

With due respect and submission I beg to bring to your kind notice that as I am sick from yesterday night, being laid up with strong fever, I request the favour of your granting me leave of absence for two days.

इस अरजीका मतलबभी बीमारीकी छुट्टीलेने बाबत है

I beg to inform you, that my wife having been suffering too much from pains of delivery, I am unable to attend to my work this day. As I have no other person to look after my family I can not keep myself away from home.

Hoping you will kindly excuse me for my absence.

गुजारिश यह है कि मेरी औरतके बच्चाहोनेवालाहै जिसके दरदसे बहुत तकलीफमें हैं इसलिये उसको अकेली छोड़के अपने काम उपर हाजिर होनेको लाचार हूं, क्यों कि दूसरा आदमी उसकी टहलकेवास्ते नहीं है, आसा है कि गैर हाजरीकेवास्ते मुआफ करैंगे,

नौकरीकेवास्ते अरजी

Your petitioner begs respectfully to state that he has been a candidate for a post in your Honor's office during the last ten months, but has not yet been so fortunate as to obtain an employment. Hearing that in consequence of the retirement of Munshi Sewdan, there will be a vacancy, your petitioner hopes that the appointment may be given to him.

हजूरके कारखानेमें १० महिनोंसे उम्मीद वार दाखिल नोकरी करताहूं लेकिन कमबखतीके सबबसे जगह नहीं मिली, अब सुनताहूं कि मुनशी शिवदानकी जगह खाली है इस लिये आसा है कि यह मुकर्रर होजावें—

अरजी हाकिमको

The humble petition of A. B.
Most respectfully sheweth,

That your petitioner in the year 1877 lent rupees one thousand with interest @ 12 per cent per annum to Motishaha, a rice merchant of this city, which the said Motishaha refuses to pay. Your petitioner therefore begs that he may be summoned to court and compelled to pay the debt, both principal and interest, together with costs, which may thereby be incurred.

ए, बी, गुजारिश करताहै कि उसने सन १८७७ में एकहजार रुपये सूद १२ रुपये सालीना हिसाबसे मोतीशाह चावलके बैपारीको करज दीयेथे, लेकिन अब मोतीशाह देनेसे इन कारकरता है इस लिये उसको कौरटसे तलब फरमाके रुपमे मैय सूद और जोखर्च लगा है दिलाया जावे

एक उस्तादकी तरफसे

As I am given to understand that you are at present in want of an English teacher for your children, I beg to acquaint you that, I am willing to take up the appointment ,provided the pay is not less than fifty rupees per month. I am a matriculated student of the Calcutta University. Enclosed are copies of my testimonials.

ऐसा सुना जाता है कि फिल हाल एक अंगरेजी उसतादकी आपके यहां बालकोंके सिखलानेके लिये दरकार है इस लिये मैं खुशीसे आपको इतला देताहूं कि ५० रुपये माह वारी जो मिलेतो मेरेको काम मंजूर है, और मेरी सनदके कागज आपको इसके साथ भेजेहैं,

एकमुहताजकी तरफसे स्कूलमाष्टरको

The humble petition of A. Dass
Most respectfully sheweth,

That your petitioner is by caste a Brahmin, that he has a son to whom he has a desire to give an English education but has no means to do so. Your petitioner therefore hopes that you will be good enough to admit your petitioner's son into your school as a free student and provide him with the necessary books. And your petitioner as in duty bound, shall ever pray.

गुजारिश यह है कि फिदवी जातका ब्राह्मनहै और अपने लड़केको अंगरेजी सीखाया चाहता है मगर कोईभी तरहका कहीं उपाव नहीं लगा इस लिये आप मिहरबानी करके बगैर खर्च स्कूलमें भरती होनेकी इजाजत दिजीयेगा, हमेशा आपके हकमें दूवाकरूंगा,

POLITE FORM OF COMMAND मुलामिएतके साथ हुकुम

1 You will be good enough to send—
2 I will thank you to send—
3 Have the goodness to come—
4 Please to give—
5 Oblige me by sending—
6 I shall be obliged by your sending—
7 I shall be glad if you will go—
8 I should be glad if you would go—
9 Be good enough to send—
10 Kindly send—

मुलामिएतके साथ हुकम जहां तहां लिखने बोलनेमें काम आता है इसपर बहुत खियाल रखना चाहिये, जैसे मिहरबानी करके भेजीये वा जाईये अथवा आईये, दीजीये वगैरह इनको मुलामिएतके साथ हुकम कहते हैं—अंगरेजीमें कई तरहसे लिखे जाते हैं लेकन मतलब सबका एकही है जैस ऊपर लिखे हैं

POLITE FROM OF REQUEST मुलामिएतके साथ अरज,

1 Will you be kind enough to send?
2 Would you be kind enough to write?
3 Will you kindly send?
4 Would you kindly come?

5 Will you have the goodness to send ?
6 Would you have the goodness to advise ?
7 I should be much obliged if you would send—
8 You would greatly obliged me by sending—
9 I should esteem it a great favour if you would send—

मुलामियतके साथ अरज हरएक जगह लिखने बोलनेमें बपराए जाती है १ आप मिहरबानी करके भेजैंगे ? २ आप लिखनेको मिहरबानी करैंगे ? ३ आप मिहरबानीसें भेजैंगे ? ४ आप मिहरबानी करके आवैंगे ? ५ आप भेजनेको मिहरबानी करैंगे ? ६ क्या आप मिहरबानीसे सलाह देंगे ? ७ मैं बहुत उपकार मानूंगा अगर आप भेजैं ८ आप भेज करके उपकार करेंगे ९ मैं बहुतही मिहरबानी समझूंगा अगर आप भेजैं,

1 3. JUL 19

पदवी

Sir साहिब Dear sir पियारे साहिब My dear sir मेरे पियारे साहिब My dear मेरे पियारे Gentlemen साहिबान इत्यादि चीठी अरजी वगैरह सबमें सम्बन्ध समझके लिखेजाते हैं जैसे—

Sir सबको अर्थात बैपारी, छोटे, बडे तथा अफसरको लिखेजाता है
Dear sir, जिसके साथ पहचान रहती है उसको लिखेजाता है,
My dear sir जिसके साथ दिल जानसे पियार है उसको लिखते है,
My dear जिसके साथ स्नेह है उसको लिखे जाता है,
Gentlemen सिर्फ कम्पनी अर्थात बैपारिकको ठीको लिखते हैं

अंगरेजी चीठी और अरजीके आखिरमें बहुत करके इसभांत लिखे जाता है, जैसे

1 Yours faithfully 2 Yours truly 3 Yours sincerely
4 Yours obediently 5 Your obedient servant
6 I have the honor to be, sir, your most obedient servant.

१ सबे साधारणके वास्ते २ अपनेसे जरा बड़ा हो उनको ३ जिसके साथ बहुत पियार हो ४ जो बहुत बडे हैं उनकेवास्ते ५ अपने मालिक या अफसरको ६ फकत सरकारी अफसरोंको

॥ समाप्त ॥

Printed & Published by C. L. Misra,
At the Bharata Mitra Press, No. 60 Cross street Calcutta.

जिन साहिबोंने किताब लेने के लिये पेशतर दस्तखत किये और नकद दाम कलकत्ते में दिये उनके नाम।

२१ अभेमलजी कलयाणमल
२१ हरसुखरायजी रामजस
५ सागरमलजी शिवनारायन
५ भगवानदासजी बागला
५ पनालालजी गणेशदास
५ मोतीलालजी डिडवानिया
५ रतनलालजी कन्हैयालाल
५ भरजनदासजी चमडिया
२१ ताराचंदजी घनश्यामदास
११ शिवबखशजी गोइन्दका
५ रामजीदासजी लछमनदास
५ गणेशदासजी जयराम
५ घनश्यामदासजी रामदयाल
५ बंसेसर प्रसाद बीजरीवाल
५ कस्तुरीमलजी गङ्गाधर
५ रामलालजी लखानी

दिशावरोंसे जिन साहिबोने पेशगी रूपये भेजे उनके नाम।

११ रावराजा श्रीतेज सिंघजी ब्रिगेडमेजर जोधपुर
१० मन्नीतादेवराजजी जोधपुर
५ खेतसीदासजी लछमणदास डूङ्गरगढ़
५ महेसदासजी चौरावत डूङ्गरगढ़
५ पण्डितजी श्रीशिवदयालजी मेओ कालेज अजमेर
५ घनश्यामजी असिष्टेण्ट माष्टर सेण्टरल कालेज रतलाम
४ मुनशी रामोलालजी हरसोर (मारवाड़)
४ शिवनारायनजी श्रचारज सिकन्दराबाद (हैदराबाद)
३ सुगनचंदजी नन्दमल अजमेर
३ सोभागमलजी धाड़ीवाल लशकर
२ हीरालालजी चौथमल कामठी
२ बालकिसनदासजी शिवबकस
२ श्रीनरसिंघशा मदनगोपाल कलकत्ता
२ काजी धीरबहादुर नेपाल

एक एक किताब के पेशगी दाम भेजनेवाले महाशयोंके नाम जगहकी अभवासे नहीं प्रकाश किये हैं इस लिये माफ करेंगे।